THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com
Vaartha Hindi
@Vaartha_Hindi
Vaartha official
www.hindi.vaartha.com

वर्ष-30 अंक : 130 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) श्रावण शु.11 2082 मंगलवार, 5 अगस्त-2025

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर ✻ पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

पंजाब के पूर्व एसपी-डीएसपी समेत पांच दोषियों को उम्रकैद

मोहाली (पंजाब), 4 अगस्त (एजेंसियां)। पंजाब के तरनतारन में वर्ष 1993 के फर्जी मुठभेड़ मामले में दोषी पंजाब पुलिस के पूर्व एसएसपी और डीएसपी सहित पांच पुलिस अधिकारियों की सजा पर सोमवार को फैसला सुनाया है। मोहाली की सीबीआई अदालत ने पूर्व एसएसपी भूपिंदरजीत सिंह, इंस्पेक्टर सूबा सिंह, डीएसपी दविंदर सिंह, एएसआई गुलबर्ग सिंह और एएसआई रघबीर सिंह (सभी सेवानिवृत्त) को आपराधिक साजिश, हत्या, रिकॉर्ड नष्ट करने और फर्जीवाड़ा करने के आरोप में शुक्रवार को दोषी करार था। उक्त दोषियों को उम्रकैद की सजा सुनाई गई है। पीड़ित परिवारों के वकील सरबजीत सिंह वेरका ने बताया कि जांच पूरी करने के बाद सीबीआई ने 2002 में भूपिंदरजीत सिंह डीएसपी गोइंदवाल, इंस्पेक्टर के खिलाफ आरोप पत्र पेश किया था।

राहुल गांधी को 'सुप्रीम फटकार'

'सच्चे भारतीय होते तो ऐसा नहीं कहते'

> आपको पता कैसे चला? > चीनी कब्जे वाले बयान पर राहुल से 'सुप्रीम' सवाल

नई दिल्ली, 4 अगस्त (एजेंसियां)। भारतीय सेना पर टिप्पणी करने के मामले में सुप्रीम कोर्ट ने कांग्रेस नेता और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी को फटकार लगाई। अदालत ने कहा कि अगर आप सच्चे भारतीय हैं तो आप ऐसी बातें नहीं कहेंगे। कोर्ट ने राहुल गांधी से पूछा कि उन्हें कैसे पता चला कि 2000 वर्ग किलोमीटर भूमि पर चीन ने कब्जा कर लिया है? क्या आप वहां थे? क्या आपके पास कोई विश्वसनीय सामग्री है?

सुप्रीम कोर्ट ने राहुल गांधी को ऐसे बयान देने से बचने की नसीहत देते हुए कहा, आप विपक्ष के नेता हैं, संसद में अपनी बात कहें, सोशल मीडिया पर नहीं। बता दें कि सेना पर टिप्पणी करने के इस मामले में समन के खिलाफ राहुल गांधी ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की थी।

इस पर न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता और न्यायमूर्ति ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की पीठ ने उत्तर प्रदेश सरकार और शिकायतकर्ता को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। इस दौरान राहुल गांधी की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता अभिषेक सिंघवी ने कहा कि अगर विपक्ष के नेता मुद्दे नहीं उठा सकते, तो यह दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति होगी। अभिषेक सिंघवी ने कहा, अगर वह प्रेस में छपी ये बातें नहीं कह सकते, तो वह विपक्ष के नेता नहीं हो सकते। पीठ की सच्चे भारतीय टिप्पणी पर अभिषेक सिंघवी ने जवाब दिया, यह भी संभव है कि एक सच्चा भारतीय कहे कि हमारे 20 भारतीय सैनिकों को पीटा गया और मार डाला गया। यह भी चिंता का विषय है।

राहुल गांधी के पास एक उचित मंच मौजूद था :

इसके बाद शीर्ष अदालत ने कहा, जब सीमा पार संघर्ष होता है, तो क्या दोनों पक्षों में हताहत होना असामान्य है? इस पर अभिषेक सिंघवी ने कहा कि राहुल गांधी केवल उचित जानकारी देने और सूचना के दमन पर चिंता जताने की बात कर रहे थे।

न्यायमूर्ति दत्ता ने कहा कि एक जिम्मेदार विपक्ष नेता होने के नाते, राहुल गांधी को ऐसा नहीं करना चाहिए था क्योंकि ऐसे सवाल उठाने के लिए एक उचित मंच मौजूद था। इस बात से सहमत होते हुए कि राहुल गांधी बेहतर तरीके से टिप्पणी कर सकते थे, अभिषेक सिंघवी ने कहा कि शिकायत याचिकाकर्ता को परेशान करने के प्रयास के अलावा और कुछ नहीं है। इस दौरान उन्होंने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 223 का हवाला दिया और कहा कि अदालत की तरफ से किसी आपराधिक शिकायत का संज्ञान लेने से पहले अभियुक्त की पूर्व सुनवाई अनिवार्य है।

'बेदखल लोगों को शरण न दें, वरना फिर खराब हो जाएगी स्थिति'

गुवाहाटी, 4 अगस्त (एजेंसियां)। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा ने सोमवार को कहा कि जनता को बेदखल किए गए लोगों को शरण नहीं देनी चाहिए, क्योंकि अगर ऐसा हुआ तो जो स्थिति अब थोड़ी सुधरी है, वह फिर से खराब हो जाएगी। उन्होंने कहा कि अगर जनता साथ देती रही तो सरकार की अतिक्रमण हटाने की मुहिम आगे भी जारी रहेगी। उन्होंने यह बात बोडोलैंड क्षेत्र में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान पत्रकारों से बातचीत में कही।

जब उनसे पूछा गया कि क्या जो लोग बेदखल किए गए हैं, वे राज्य के किसी और हिस्से में जाकर बस सकते हैं, तो सरमा ने कहा, हमारे लोग अब जागरूक हो गए हैं।

5 वर्षों में 7.08 लाख करोड़ की जीएसटी चोरी पकड़ी गई

> वित्त राज्य मंत्री ने लोकसभा में दिए आंकड़े

नई दिल्ली, 4 अगस्त (एजेंसियां)। केंद्रीय जीएसटी के क्षेत्रीय अधिकारियों ने वित्त वर्ष 2024-25 तक पिछले पांच वर्षों में लगभग 7.08 लाख करोड़ रुपये की कर चोरी का पता लगाया है, इसमें लगभग 1.79 लाख करोड़ रुपये की इनपुट टैक्स क्रेडिट (आईटीसी) की धोखाधड़ी भी शामिल है। वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने लोकसभा में इससे जुड़े आंकड़े साझा किए। सरकार की ओर से दिए गए आंकड़ों के अनुसार अकेले वित्त वर्ष 2024-25 में, सीजीएसटी फील्ड अधिकारियों की ओर से 2.23 लाख करोड़ रुपये से अधिक की वस्तु व सेवा कर (जीएसटी) चोरी का पता लगाया गया है।

सरकार ने लोकसभा में बताया कि वित्त वर्ष 2025 में जीएसटी चोरी के 30,056 मामलों का पता चला। इनमें आधे से अधिक या 15,283 मामले आईटीसी धोखाधड़ी से संबंधित थे। इन मामलों में 58,772 करोड़ रुपये की कर चोरी की गई थी। वित्त वर्ष 2023-24 में सीजीएसटी फील्ड अधिकारियों की ओर से 2.30 लाख करोड़ रुपये की जीएसटी चोरी का पता लगाया गया। इसमें 36,374 करोड़ रुपये की आईटीसी धोखाधड़ी शामिल थी। वित्त वर्ष 2023 में लगभग 1.32 लाख करोड़ रुपये की जीएसटी चोरी का पता चला। ये 24,140 करोड़ रुपये के फर्जी आईटीसी दावे से जुड़े थे। वित्त वर्ष 2022 और वित्त वर्ष 2021 में जीएसटी चोरी क्रमशः 73,238 करोड़ रुपये और 49,384 करोड़ रुपये रही।

पूर्व मुख्यमंत्री शिबू सोरेन का निधन

आज दोपहर तीन बजे पैतृक गांव में अंतिम संस्कार होगा

नई दिल्ली, 4 अगस्त (एजेंसियां)। झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री शिबू सोरेन का सोमवार को निधन हो गया। वे 81 साल के थे और लंबे समय से बीमार चल रहे थे। उन्होंने दिल्ली के सर गंगा राम अस्पताल में अंतिम सांस ली। उनके बेटे और झारखंड के सीएम हेमंत सोरेन ने इसकी पुष्टि की। उन्होंने 'एक्स' पर लिखा, आदरणीय दिशोम गुरुजी हम सभी को छोड़कर चले गए हैं। आज मैं शून्य हो गया हूं...

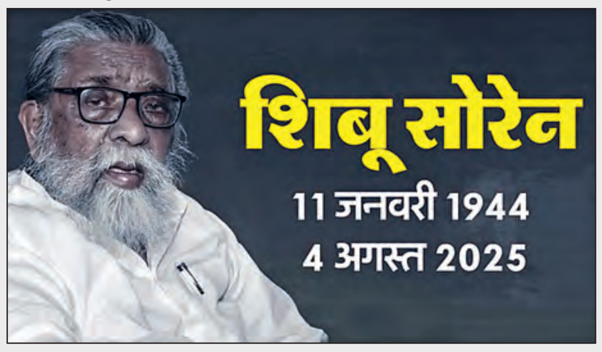

। इसके साथ ही राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी समेत तमाम लोगों ने शिबू सोरेन के निधन पर दुख जताया। इस बीच सर गंगा राम अस्पताल की ओर से बताया गया कि शिबू सोरेन को आज सुबह 8:56 बजे मृत घोषित कर दिया गया। लंबी बीमारी के बाद उनका निधन हो गया। वे किडनी की बीमारी से पीड़ित थे और डेढ़ महीने पहले उन्हें स्ट्रोक भी हुआ था। पिछले एक महीने से वे लाइफ सपोर्ट सिस्टम पर थे। बताया गया कि शिबू सोरेन का पार्थिव शरीर शाम छह बजे झारखंड लाया गया। उनका पार्थिव शरीर सबसे पहले रांची के मोरहाबादी स्थित आवास पर लाया जाएगा।

झूठा नैरेटिव फैला रही कांग्रेस : किरेन रिजिजू

नई दिल्ली, 4 अगस्त (एजेंसियां)। लोकसभा के नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के संसद में चीन और भारतीय सेना को लेकर दिए बयान पर सोमवार को सर्वोच्च न्यायालय ने फटकार लगाई। केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने कांग्रेस और 'लेफ्ट इकोसिस्टम' के लोगों पर झूठे नैरेटिव फैलाने का आरोप लगाया। केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर संसद में दिए अपने वक्तव्य की एक वीडियो क्लिप शेयर की। वीडियो में वे स्पष्ट बताते हुए दिख रहे हैं कि 1962 के बाद से चीन ने भारत की एक इंच भी जमीन नहीं कब्जाई है। उन्होंने वीडियो शेयर करते हुए एक्स पर लिखा, सुप्रीम कोर्ट ने राहुल गांधी को उनके गैर-जिम्मेदाराना दावे के लिए फटकार लगाई कि चीन ने भारतीय जमीन पर कब्जा कर लिया है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि आपको कैसे पता कि 2000 वर्ग किलोमीटर भारतीय जमीन पर चीनियों ने कब्जा कर लिया है? एक सच्चा भारतीय ऐसा नहीं कहेगा। रिजिजू ने लिखा, भारत की सीमाओं के संबंध में कांग्रेस और लेफ्ट इकोसिस्टम के झूठे नैरेटिव के कारण कोई भ्रम नहीं होना चाहिए।

चॉकलेट और वोटर आईडी कार्ड जैसे सबूत : पहलगाम आतंकी हमले को लेकर बेनकाब हुआ पाकिस्तान

नई दिल्ली, 4 अगस्त (एजेंसियां)। चॉकलेट, पाकिस्तानी आईडी कार्ड और सैटेलाइट फोन से पहलगाम आतंकी हमले का पाकिस्तान से लिंक मिला है। भारतीय सुरक्षाबलों ने 28-29 जुलाई को जम्मू कश्मीर में ऑपरेशन महादेव के तहत पहलगाम आतंकी हमले में शामिल तीन आतंकियों को ढेर कर दिया था। ऑपरेशन महादेव में मारे गए आतंकियों के पास से कुछ ऐसी चीजें बरामद हुईं, जिनसे साफ हो गया कि पहलगाम हमले के पीछे पाकिस्तान है। 29 जुलाई को लोकसभा में ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा के दौरान केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने लोकसभा में बताया कि ऑपरेशन महादेव में मारे गए तीनों आतंकियों का पाकिस्तान से कनेक्शन मिला है। पहली बार पाकिस्तान की सरकार द्वारा आतंकियों को जारी किए गए दस्तावेज हमारे पास हैं। जिससे पहलगाम आतंकी हमले के आतंकियों का पाकिस्तान से संबंध साफ हो जाता है।

सत्येंद्र जैन को बड़ी राहत : चार साल चली जांच में नहीं मिले सीबीआई को भ्रष्टाचार के सबूत

नई दिल्ली, 4 अगस्त (एजेंसियां)। दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट ने सोमवार को आम आदमी पार्टी (आप) के नेता और पूर्व दिल्ली मंत्री सत्येंद्र जैन के खिलाफ भ्रष्टाचार मामले में केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) की क्लोजर रिपोर्ट को स्वीकार कर लिया। कोर्ट ने कहा कि लंबी जांच के बावजूद कोई आपराधिक साक्ष्य नहीं मिला, जिसके आधार पर भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, 1988 या किसी अन्य अपराध के तहत मामला चलाया जा सके।

2019 में ईडी ने दर्ज की थी रिपोर्ट :

सीबीआई ने 29 मई 2019 को दिल्ली सरकार के सतर्कता निदेशालय (डायरेक्टोरेट ऑफ विजिलेंस) की शिकायत के आधार पर सत्येंद्र जैन, जो उस समय दिल्ली के लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) मंत्री थे और अन्य पीडब्ल्यूडी अधिकारियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की थी। शिकायत में आरोप लगाया गया था कि जैन और पीडब्ल्यूडी अधिकारियों ने नियमों का उल्लंघन करते हुए 17 सदस्यीय एक 'क्रिएटिव टीम' को अनियमित रूप से नियुक्त किया था। यह भी आरोप था कि इन नियुक्तियों के लिए मानक भर्ती प्रक्रिया को दरकिनार किया गया और असंबंधित परियोजना फंडों से भुगतान किया गया, जो वित्तीय नियमों का उल्लंघन था। लगभग चार साल की जांच के बाद, सीबीआई ने अप्रैल 2022 में अपनी क्लोजर रिपोर्ट दाखिल की थी, जिसमें कहा गया कि जैन या अन्य आरोपियों के खिलाफ कोई आपराधिक साक्ष्य नहीं मिला।

न्यायिक आयोग की 1600 पन्नों की जांच रिपोर्ट तैयार

> तेलंगाना के पूर्व सीएम-मंत्रियों के नाम

हैदराबाद, 4 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना की कालेश्वरम परियोजना में कथित अनियमितताओं से जुड़ी जांच पूरी हो गई है। पीसी घोष न्यायिक आयोग की 1600 पृष्ठों की जांच रिपोर्ट आज तेलंगाना मंत्रिमंडल में पेश की जाएगी। आयोग ने अपनी जांच रिपोर्ट में पूर्व मुख्यमंत्री केसीआर और पूर्व मंत्रियों- ईटेला राजेंद्र और हरीश राव के नामों का भी जिक्र किया है।

मुख्यमंत्री का व्यक्तिगत निर्णय :

आयोग की रिपोर्ट में कहा गया है- 'मेडिगड्डा, अन्नाराम और सुंडिला (कालेश्वरम परियोजना के) में बैराज बनाने का निर्णय "सिंचाई मंत्री और मुख्यमंत्री का व्यक्तिगत निर्णय" था।

इस रिपोर्ट के मुताबिक इस संबंध में सरकार ने कोई औपचारिक "निर्णय" नहीं लिया। तीनों बैराजों का उल्लेख राज्य सरकार निर्णय (जीओआर) क्रमांक 231, 232 और 233 में 1.3.2016 को किया गया है। रिपोर्ट के मुताबिक बैराज निर्माण के

लिए प्रारंभिक प्रशासनिक अनुमोदन न तो मंत्रिमंडल के समक्ष प्रस्तुत किया गया और न ही मंत्रिमंडल ने इसे अनुमोदित किया। तत्कालीन मुख्यमंत्री ने 11.2.2016 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखा। इसमें कालेश्वरम परियोजना की लागत 71,436 करोड़ रुपये बताई गई थी। आयोग की रिपोर्ट के मुताबिक चौंकाने वाली बात ये भी है कि सरकार ने वैपकोस की तरफ से अंतिम विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) प्रस्तुत किए जाने से पहले ही लागत करोड़ों रुपये में बता दी।

लोकसभा में विपक्ष का बिहार एसआईआर पर हंगामा

नई दिल्ली, 4 अगस्त (एजेंसियां)। संसद के मानसून सत्र का सोमवार को 11वां दिन है। दोनों सदनों में सुबह 11 बजे से कार्यवाही शुरू हुई। लोकसभा में कार्यवाही शुरू होते ही विपक्ष ने बिहार में वोटर्स लिस्ट रिवीजन (एसआईआर) के मुद्दे पर चर्चा की मांग को लेकर हंगामा शुरू कर दिया। इसके बाद स्पीकर ने पहले 2 बजे तक और फिर कल 11 बजे तक के लिए कार्यवाही स्थगित कर दी।

लोकसभा में आज केंद्रीय युवा मामले और खेल मंत्री मनसुख मंडाविया आज लोकसभा में नेशनल स्पोर्ट्स गवर्नेंस बिल, 2025 और नेशनल एंटी-डोपिंग एक्ट (अमेंडमेंट) बिल, 2025 पेश करने वाले हैं। दोनों बिलों पर एक साथ चर्चा की जाएगी। नेशनल स्पोर्ट्स गवर्नेंस बिल का मकसद खेल संगठनों के कामकाज में पारदर्शिता बढ़ाना है। वहीं, राज्यसभा में कार्यवाही शुरू होने के बाद सिटिंग सांसद शिबू सोरेन के निधन पर उन्हें श्रद्धांजलि दी गई। सांसदों ने उनके सम्मान में मौन रखा। इसके बाद सभापति हरिवंश नारायण सिंह ने राज्यसभा की कार्यवाही मंगलवार सुबह 11 बजे तक के लिए सस्पेंड कर दिया।

नशे की समस्या से निपटने के लिए सिद्धारमैया सरकार की बड़ी तैयारी

> राज्य में एएनटीएफ का किया गया गठन

बेंगलूरू, 4 अगस्त (एजेंसियां)। कर्नाटक सरकार ने राज्य में नशे के बढ़ते खतरे को रोकने के लिए एक नई 'एंटी-नारकोटिक टास्क फोर्स (एएनटीएफ)' का गठन किया है।राज्य में एएनटीएफ का किया गया गठन इसका मकसद नशे से जुड़े अपराधों पर लगाम लगाना है। राज्य सरकार की तरफ से 1 अगस्त को जारी आदेश के अनुसार, यह नई टास्क फोर्स राज्य के पुलिस महानिदेशक के मार्गदर्शन में काम करेगी और इसकी रिपोर्ट एडीजीपी, साइबर कमांड को दी जाएगी।

नई टास्क फोर्स में होंगे ये बदलाव :

10 नई पोस्ट बनाई गई हैं, जिनमें दो अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (एएसपी) और दो सहायक पुलिस आयुक्त (एसीपी) शामिल हैं। एंटी-नक्सल फोर्स (एएनएफ) से 56 कर्मचारियों को एएनटीएफ में स्थानांतरित किया गया है। इसमें दो इंस्पेक्टर और चार सब-इंस्पेक्टर भी शामिल हैं। टास्क फोर्स में फोरेंसिक, कानूनी विशेषज्ञ और डेटा विश्लेषक भी अनुबंध के आधार पर नियुक्त किए जाएंगे। राज्य सरकार ने पहले ही एक साइबर क्राइम प्रिवेंशन यूनिट बनाई है और अब राज्य की 43 सीईएन (साइबर, इकोनॉमिक और नारकोटिक्स) पुलिस स्टेशनों का नाम बदलकर सिर्फ साइबर क्राइम पुलिस स्टेशन कर दिया गया है। अब ये थाने केवल आईटी एक्ट और साइबर अपराधों के तहत केस दर्ज करेंगे। नशीली दवाओं और आर्थिक अपराधों के केस इन थानों में दर्ज नहीं होंगे। जानकारी के मुताबिक, एएनटीएफ के लिए लगभग 2.77 करोड़ रुपये का वार्षिक खर्च अनुमानित है, जो नई नियुक्तियों और संसाधनों पर खर्च होगा। कर्नाटक के गृह मंत्री जी. परमेश्वर ने कहा कि यह टास्क फोर्स पूरी तरह से नशे के खिलाफ कार्रवाई के लिए तैयार है और जहां भी जानकारी मिलेगी, वहीं तुरंत कार्रवाई होगी।

राष्ट्रपति और पीएम ने किए शिबू सोरेन के अंतिम दर्शन

नई दिल्ली, 4 अगस्त (एजेंसियां)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री शिबू सोरेन के निधन पर दुख जताया।

शिबू सोरेन किडनी संबंधी समस्याओं के कारण एक महीने से ज्यादा समय से दिल्ली के एक निजी अस्पताल में इलाज करा रहे थे। पीएम मोदी और राष्ट्रपति मुर्मू ने सर गंगाराम अस्पताल जाकर शिबू सोरेन के अंतिम दर्शन किए और हेमंत सोरेन को ढाढ़स बंधाया। उन्होंने कल्पना सोरेन को भी सांत्वना दी। इससे पहले हेमंत सोरेन ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, आदरणीय दिशोम गुरुजी हम सबको छोड़कर चले गए... मैं आज शून्य हो गया हूं। राज्य के स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी ने कहा कि शिबू सोरेन का पार्थिव शरीर शाम लगभग 4 बजे रांची लाया गया, जिसके बाद उसे मोरहाबादी इलाके में उनके आवास पर ले जाया गया। मंगलवार सुबह 11 बजे उनका पार्थिव शरीर झारखंड विधानसभा लाया जाएगा और फिर रामगढ़ जिले में उनके पैतृक निवास नेमरा ले जाया जाएगा।

केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी से मिलने की योजना : कोमटिरेड्डी

> मंत्री ने एलबी नगर-पेद्दा अंबरपेट कॉरिडोर के भविष्य पर विचार किया

हैदराबाद, 4 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। सड़क एवं भवन मंत्री कोमटिरेड्डी वेंकट रेड्डी ने हैदराबाद में एलबी नगर से पेद्दा अंबरपेट तक प्रस्तावित एलिवेटेड कॉरिडोर के संबंध में वनस्थलीपुरम जंक्शन पर स्थल निरीक्षण किया।

राष्ट्रीय राजमार्ग विभाग के अधिकारियों के साथ, मंत्री ने प्रस्तावित कॉरिडोर से संबंधित क्षेत्र का मूल्यांकन किया और परियोजना को आगे बढ़ाने की तत्काल आवश्यकता पर बल दिया। कोमटिरेड्डी ने बताया कि सरकार लगभग 650 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत से एलिवेटेड कॉरिडोर का निर्माण करना चाहती है।

उन्होंने बताया कि इसे एक ग्रीनफील्ड रोड के रूप में डिज़ाइन किया जाएगा, जिससे यात्री हैदराबाद से विजयवाड़ा कुछ ही घंटों में पहुंच सकेंगे। उन्होंने कहा, मैं प्रस्तावित कार्य के शीघ्र कार्यान्वयन पर चर्चा करने के लिए 6 अगस्त को केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी से मिलने की योजना बना रहा हूं। मंत्री ने बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामाराव की इस दावे के लिए भी आलोचना की कि बीआरएस सरकार के कार्यकाल में फ्लाईओवरों के निर्माण के कारण हैदराबाद का पूर्ण परिवर्तन हुआ है। उन्होंने उप्पल-नारपल्ली फ्लाईओवर के निर्माण में हुई देरी की याद दिलाई और सवाल किया कि पिछले एक दशक में बीआरएस सरकार ने लोगों के लिए क्या हासिल किया है। पिछली बीआरएस सरकार कोई भी महत्वपूर्ण विकास कार्य करने में विफल रही। उसने तेलंगाना को "स्वर्णिम तेलंगाना घोषित करते हुए उस पर कर्ज का बोझ डाल दिया। लोगों ने राज्य की रक्षा के लिए कांग्रेस पार्टी को वोट दिया था।

कविता का पिछड़ा वर्ग आरक्षण से क्या संबंध है? उन्होंने पिछले दस वर्षों में पिछड़े वर्ग की चिंताओं का समाधान क्यों नहीं किया? हमारी इंदिराम्मा सरकार का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि सभी पात्र व्यक्तियों को राशन कार्ड, चावल और इंदिराम्मा आवास जैसे लाभ प्राप्त हों। मंत्री के साथ इब्राहिमपट्टनम के विधायक माल रेड्डी रंगा रेड्डी, सड़क विकास निगम के अध्यक्ष माल रेड्डी राम रेड्डी और स्थानीय नेता मौजूद थे।

मंचेरियल की लड़की ने हनमकोंडा में कर ली आत्महत्या

माता-पिता से संवेदनशीलता बरतने का आग्रह करते हुए नोट छोड़ा

हनमकोंडा, 4 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। मंचेरियल जिले की एक 16 वर्षीय लड़की ने हनमकोंडा के नईमनगर स्थित एक निजी जूनियर कॉलेज में आत्महत्या कर ली। ऐसा बताया जा रहा है कि वह अपने शैक्षणिक प्रदर्शन और चुने हुए पाठ्यक्रम में रुचि की कमी से परेशान थी। मित्तपल्ली शिवानी एमपीसी प्रथम वर्ष की छात्रा थी। पुलिस के अनुसार, उसने अपने छात्रावास के कमरे में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। शिवानी ने कथित तौर पर लिखे एक सुसाइड नोट में, उस कोर्स में जबरन दाखिला लेने पर अपनी निराशा व्यक्त की, जो वह करना नहीं चाहती थी। उसने कहा कि उसके खराब शैक्षणिक प्रदर्शन ने उसकी परेशानी को और बढ़ा दिया है, और अभिभावकों से अपील की कि वे अपने बच्चों को शैक्षणिक कार्यक्रमों में दाखिला देने से पहले उनकी रुचियों और पसंद पर विचार करें। उसने नोट में लिखा, यह कोर्स नहीं पढ़ पा रही हूं। लेकिन आप (माता-पिता) इसे समझते ही नहीं। मैं टूट चुकी हूं। मामला दर्ज कर लिया गया है और जांच चल रही है। इस बीच, कॉलेज प्रबंधन द्वारा परिवार या पुलिस को पहले से सूचित किए बिना शिवानी के शव को वारंगल के एमजीएम अस्पताल में पोस्टमार्टम के लिए स्थानांतरित करने पर सवाल उठ रहे हैं।

पुलिस वाहन से कूदने पर व्यक्ति घायल

हैदराबाद, 4 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। अत्तापुर में पुलिस वाहन से कथित तौर पर कूदने के कारण एक व्यक्ति घायल हो गया। शाहीन नगर निवासी अब्दुल तल्हा नामक व्यक्ति को पुलिस ने कथित तौर पर एक ड्रग मामले में हिरासत में लिया था। यह घटना उस समय हुई जब उसे पूछताछ के लिए थाने ले जाया जा रहा था। बाद में, पुलिस ने परिवार के सदस्यों को बताया कि तल्हा पुलिस वाहन से कूदने के कारण घायल हो गया था। व्यक्ति के सिर में गंभीर चोटें आईं और उसे एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। उसका एक निजी अस्पताल में इलाज चल रहा है।

सरपंच ने मुखरा गांव में कांग्रेस के अधूरे वादों वाली बांटी पुस्तिकाएं

आदिलाबाद, 4 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। सरपंच गाडगे मीनाक्षी ने एचोडा मंडल के मुखरा (के) गांव के निवासियों को कांग्रेस सरकार के अधूरे चुनावी वादों पर प्रकाश डालने वाली पुस्तिकाएं बांटीं। पुस्तिकाओं में विधानसभा चुनाव के दौरान पार्टी द्वारा की गई छह वादों का ज़िक्र था। मीनाक्षी ने कहा कि कांग्रेस ने मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी के नेतृत्व में वादे करके जनता का समर्थन हासिल किया था, और आरोप लगाया कि सत्ता में 20 महीने बाद भी उनमें से कोई भी वादा पूरा नहीं हुआ। उन्होंने बताया कि पार्टी ने सत्ता में आने के 100 दिनों के भीतर अपनी वादों को पूरा करने का वादा किया था, लेकिन वह एक भी वादा पूरा नहीं कर पाई। सरपंच ने कहा कि कांग्रेस सरकार ने किसानों को वादा किया गया भरोसा योजना के तहत बढ़ा हुआ समर्थन नहीं दिया। उन्होंने कहा कि सरकार महिलाओं को 2,500 रुपये मासिक सहायता देने, सामाजिक सुरक्षा पेंशन बढ़ाकर 4,000 रुपये करने और कल्याण लक्ष्मी लाभार्थियों को एक तोला सोना देने में भी विफल रही। उन्होंने सरकार पर अंबेडकर अभय हस्तम योजना के तहत प्रति लाभार्थी 12 लाख रुपये जारी न करके दलितों के साथ विश्वासघात करने का आरोप भी लगाया।

इलेक्ट्रिक टॉय ट्रेन के साथ पर्यावरण-अनुकूल हो गया चिड़ियाघर

हैदराबाद, 4 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। नेहरू प्राणी उद्यान (एनजेडपी) में जल्द ही एक नई ट्रेन पटरी पर उतरेगी। अपनी हरित पहल के तहत, एनजेडपी जल्द ही एक इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) ट्रेन शुरू करेगा जो उस लोकप्रिय टॉय ट्रेन से जुड़ जाएगी जो लगभग 60 वर्षों से आगंतुकों, खासकर बच्चों को आनंदमय सैर कराती आ रही है।

मौजूदा डीज़ल इंजन के विपरीत, नई ट्रेन बिजली से चलती है, जिससे यह पर्यावरण के अनुकूल, शांत और सुगम यात्रा प्रदान करती है। इसे आगंतुकों को मौजूदा टॉय ट्रेन जैसा ही आनंददायक अनुभव प्रदान करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। चिड़ियाघर के अधिकारियों ने हाल ही में एक नवीकरणीय ऊर्जा कंपनी के साथ एक समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं, जिसने अपनी कॉर्पोरेट सामाजिक ज़िम्मेदारी के तहत ट्रेन बेड़े का विस्तार करने का फैसला किया है। पटरी पर आने के बाद, नई ट्रेन उसी रास्ते से गुज़रेगी और बाघ, शेर, जिराफ़ और हाथी जैसे जानवरों के बाड़ों से होकर गुज़रेगी। इसमें तीन या चार बोगियां हो सकती हैं जिनकी क्षमता एक बार में 100 वयस्कों और 120-150 बच्चों को ले जाने की हो सकती है।

बच्चों के बीच मशहूर मौजूदा ट्रेन अब कहीं और नहीं जाएगी। जब चिड़ियाघर में भारी भीड़ उमड़ेगी, खासकर गर्मी की छुट्टियों, सप्ताहांत और विशेष आयोजनों के दौरान, तो इसे उन्हीं पटरियों पर चलाया जाएगा। फ़िलहाल, यह ट्रेन चिड़ियाघर के चारों ओर 20 मिनट का निर्बाध चक्कर लगाती है, जिसमें प्रति सवारी 125 से 130 बच्चे या लगभग 90 वयस्क सवार होते हैं। चिड़ियाघर इस सवारी के लिए प्रति वयस्क 80 रुपये और प्रति बच्चे 40 रुपये लेता है। चिड़ियाघर को अपनी पहली टॉय ट्रेन 1968 में भारत हेवी इलेक्ट्रिकल लिमिटेड से उपहार के रूप में मिली थी। तब से यह पर्यटकों को अपनी सेवाएं प्रदान कर रही है। हालांकि, इंजन के पुराने होने के कारण, ट्रेन में कुछ समस्याएं आ रही हैं। पिछले साल, इंजन में खराबी के कारण ट्रेन लगभग चार महीने तक पटरी से उतरी रही थी।

इसकी मरम्मत करके इसे फिर से पटरी पर लाया गया। तेलंगाना चिड़ियाघर उद्यान निदेशक डॉ. सुनील एस. हिरेमठ ने बताया, हम जल्द ही चिड़ियाघर में एक इलेक्ट्रिक ट्रेन शुरू करेंगे। मौजूदा ट्रेन की अभी भी पर्याप्त सेवा उपलब्ध है क्योंकि हाल ही में इसकी मरम्मत की गई है। इसलिए, हम उन दिनों में डीजल ट्रेन भी चलाएंगे जब चिड़ियाघर में ज़्यादा लोग आते हैं। अपनी हरित पहल के तहत चिड़ियाघर ने आगंतुकों के लिए चिड़ियाघर में भ्रमण हेतु लगभग 45 बैटरी चालित वाहन पहले ही शुरू कर दिए हैं।

'एक शाम गौमाता के नाम' जागरण आयोजित

हैदराबाद, 4 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। कापरा मंडल स्थित श्री आईजी गौशाला में श्री सालासर बालाजी भक्त मंडल द्वारा गुरुदेव कैलाशनाथ के सान्निध्य में 'एक शाम गौमाता के नाम' जागरण का आयोजन किया गया। अवसर पर संत गुलाबनाथ महाराज ने गौमाता के चरणों में भजनों के पुष्प अर्पित किये। संत गुलाबनाथ ने भजनों व कथाओं के माध्यम से गोमाता की महत्ता बताई। कार्यक्रम में पधारे पूज्य गुरुदेव कैलाशनाथजी महाराज रुकनसर रामगढ़ शेखावटी, गुलाबनाथजी, उपाध्यक्ष कालूराम काग, सचिव हुक्माराम सानपुरा, कोषाध्यक्ष नारायणलाल परिहार, सह सचिव ढगलाराम सेपटा, किशनलाल पंवार , मारवाड़ी युवा मंच मेड़चल कैलाश प्रजापति, दुधाराम बाबल, मोहनलाल हाम्बड़, धर्माराम ढाका, शांतिलाल सुथार, भगाराम मुलेवा पारसमल शर्मा, जगदीश , कालुसिंह राजपुरोहित, बस्तीराम जांगिड़ ,राजस्थानी गैर मंडली बिरमगुड़ा परमेश्वर वैष्णव, राकेश चोयल चन्द्र प्रकाश गेहलोत का शॉल द्वारा सम्मान किया गया। कार्यक्रम श्री सालासर बालाजी भक्त मंडल के संरक्षक विकास शर्मा, श्रवण पारीक, अध्यक्ष महेश सैनी, उपाध्यक्ष दामोदर शर्मा सम्पत पारीक, सचिव ओमप्रकाश चौधरी, सह सचिव नंदुसिंह राजपुरोहित, कोषाध्यक्ष किशोर शर्मा, सह-कोषाध्यक्ष जयप्रकाश शर्मा, सदस्य सुरेन्द्र सैनी, अर्जुनसिंह, लिचाणा , कार्यकर्ताओं व गौशाला की कार्यकारणी का विशेष सहयोग रहा। मंच संचालन मदन सिंह शेखावत ने किया।

कांवड यात्रा में शिव भक्तों का तांता

हैदराबाद, 4 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। बिहार एसोसिएशन द्वारा सोमवार को कावड़ यात्रा निकाली गई जिसमें शिव भक्तों का भाड़ी भीड़ दिखा, बच्चे, महिलाएं और नौजवान सब के सब शिव भक्ति में लीन दिखे। महासचिव प्रभास कुमार द्वारा बताया गया कि प्रत्येक वर्ष की भांति इस बार भी कांवड़ शोभा यात्रा उप्पल शिवालय से शुरू होकर महिंद्रा हिल्स शिवालय में जाकर महादेव को जलाभिषेक के साथ समाप्त हुआ। अध्यक्ष हरे राम सिंह ने बताया कि कावड़ यात्रा के दौरान जगह- जगह पानी, शरबत एवं फल आहार का व्यवस्था किया गया था। अध्यक्ष हरेराम सिंह, मानवेंद्र मिश्रा, उत्तम यादव, विनोद गुप्ता, रवि शंकर सिंह, हरेराम यादव, पवन सिंह, सुरेश सिंह, भगवान सिंह, सुनील सिंह, राजू राय, वीरेंद्र प्रसाद सिंह, अमरेश मौर्य, प्रवीण कुमार, अजय भगत, पप्पू पंडित, संतोष यादव इत्यादि शिव भक्तों ने कांवड यात्रा में भाग लिया। मिडिया प्रभारी दिलीप कुमार ने कहा आने वाले सालों में इससे भी बडी कावड़ यात्रा की तैयारी की जाएगी । मंदिर परिसर में अध्यक्ष हरेराम सिंह, मानवेंद्र मिश्रा, उत्तम यादव, दिलीप कुमार, प्रवीण कुमार, चंदन यादव, मनोज यादव, दीपक यादव एवं मंदिर महिंद्रा हिल्स समिति सहित आदि ने शिवभक्ति का आनंद उठाया।

पोलावरम-बनकाचेरला सुरंग नल्लामाला के नाजुक पारिस्थितिकी तंत्र के लिए पैदा करती है खतरा

हैदराबाद, 4 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। आंध्र प्रदेश की विवादास्पद पोलावरम-बनकाचेरला लिंक परियोजना के तहत नल्लामाला वन के माध्यम से प्रस्तावित 25.6 किलोमीटर लंबी सुरंग, नहरों, लिफ्ट स्टेशनों और जलाशयों जैसे संबद्ध बुनियादी ढांचे के साथ, नाजुक पारिस्थितिकी तंत्र के लिए सीधा खतरा पैदा करती है। आंध्र प्रदेश और तेलंगाना में फैला नल्लामाला वन, भारत के सबसे पारिस्थितिक रूप से समृद्ध क्षेत्रों में से एक है। लगभग 9,000 वर्ग किलोमीटर में फैला यह शुष्क पर्णपाती और उष्णकटिबंधीय वन नागार्जुनसागर-श्रीशैलम बाघ अभयारण्य (एनएसटीआर) का घर है।

यह वन समृद्ध जैव विविधता का पोषण करता है, जिसमें लुप्तप्राय प्रजातियां, अद्वितीय पारिस्थितिक तंत्र और कृष्णा तथा पेन्ना नदियों को पोषण देने वाले महत्वपूर्ण जलग्रहण क्षेत्र शामिल हैं। सुरंग और संबंधित बुनियादी ढाँचे के निर्माण से लगभग 16,883 हेक्टेयर (41,%1% एकड़) वन भूमि प्रभावित होने की उम्मीद है। आंध्र प्रदेश सरकार द्वारा पर्यावरण मंत्रालय की विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति (ईएसी) को प्रस्तुत पर्यावरणीय मंज़ूरी प्रस्ताव को पर्यावरण पर इसके व्यापक प्रभाव सहित विभिन्न कारणों से पहले ही अस्वीकार कर दिया गया था। आशंका है कि इस परियोजना से प्रत्यक्ष वनों की कटाई भी होगी।

सुरंग के निर्माण के लिए सुरंग के संरेखण, पहुंच मार्गों और निर्माण स्थलों के लिए जंगल के बड़े हिस्से को साफ़ करना होगा। पर्यावरणविदों का अनुमान है कि कम से कम 5,000-%,000 हेक्टेयर घना वन क्षेत्र प्रभावित हो सकता है। इसमें बंगाल टाइगर, भारतीय तेंदुआ, सुस्त भालू और चौसिंघा (चार सींग वाला मृग) जैसी प्रजातियों के लिए महत्वपूर्ण आवास शामिल हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि सुरंग और उससे जुड़े बुनियादी ढांचे के कारण नल्लामाला के जंगल खंडित हो जाएंगे, जिससे वन्यजीव गलियारों में बाधाएं पैदा होंगी। 3,568 वर्ग किलोमीटर में फैला नागार्जुनसागर-श्रीशैलम बाघ अभयारण्य (एनएसटीआर) बाघों और अन्य बड़े स्तनधारियों के लिए एक महत्वपूर्ण आवास है, जिन्हें आवागमन और प्रजनन के लिए निकटवर्ती वन क्षेत्र की आवश्यकता होती है।

विखंडन से आबादी अलग-थलग पड़ सकती है, आनुवंशिक विविधता कम हो सकती है और मानव-वन्यजीव संघर्ष बढ़ सकता है क्योंकि जानवर आसपास के इलाकों में विस्थापित हो जाएंगे। इसके अलावा, नल्लामाला वन कृष्णा और पेन्ना नदियों के लिए एक महत्वपूर्ण जलग्रहण क्षेत्र के रूप में कार्य करता है, जो जल प्रवाह को नियंत्रित करता है और मिट्टी की नमी बनाए रखता है। पर्यावरणविदों का कहना है कि सुरंग के निर्माण और जल के मोड़ से भूजल पुनर्भरण पैटर्न में बदलाव आ सकता है, मिट्टी की स्थिरता कम हो सकती है और कटाव का खतरा बढ़ सकता है। उन्होंने चेतावनी दी है कि इन परिवर्तनों से वन की विविध वनस्पतियों को सहारा देने की क्षमता कम हो सकती है।

स्थानीय निकाय चुनावों से पहले राज्य चुनाव आयोग ने मतदाता सूची में किया बदलाव

हैदराबाद, 4 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य चुनाव आयोग (एसईसी) ने तेलंगाना में आगामी स्थानीय निकाय चुनावों के लिए मौजूदा मतदाता सूची को टी-पोल ऐप से हटा दिया है और एक नई सूची तैयार करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। यह निर्णय बड़े प्रशासनिक बदलावों के मद्देनजर लिया गया है, जिनमें गांवों का नगरपालिकाओं में विलय और नए मंडलों और स्थानीय निकायों का गठन शामिल है। इस प्रक्रिया में, जिसमें 15-20 दिन लगने की उम्मीद है, वार्ड-वार मतदाता सूची का पूर्ण पुनर्गठन किया जाएगा, जिसमें गांव को मूल इकाई माना जाएगा। जिला पंचायत अधिकारियों (डीपीओ) ने पंचायत सचिवों को मृतकों के नाम हटाने और नए 18 वर्ष पूरे करने वालों के नाम शामिल करने का भी निर्देश दिया है। अद्यतन सूची पंचायत सचिव लॉगिन के माध्यम से अपलोड की जाएगी, जो इस वर्ष की शुरूआत में एमपीडीओ लॉगिन के माध्यम से एकीकृत की गई सूची का स्थान लेगी। इस साल जनवरी में प्रकाशित अंतिम संशोधित मतदाता सूची में कुल 3.35 करोड़ मतदाता थे, जिनमें 1.66 करोड़ पुरुष, 1.68 करोड़ महिलाएं और 2,829 तृतीय लिंग मतदाता शामिल थे। हालांकि, बाद में हुए संरचनात्मक परिवर्तनों, जैसे कि 71 ग्राम पंचायतों का जीएचएमसी और अन्य शहरी निकायों में विलय, के कारण नए सिरे से गणना आवश्यक हो गई।

खबरें जरा हटके

सड़ी हुई पत्ती समझ कर नहीं उठाना इसे, जब देखेंगे इसका असली रूप

तो खिसक जायेगी पैरों के नीचे से जमीन!

कुदरत ने जीवों में कारीगरियां की है. वह वाकई निराली हैं. जहां शिकारियों को शिकार करने के लिए खास क्षमताएं दी हैं तो वहीं दूसरी तरफ शिकार होने से बचने के लिए दूसरे जीवों को भी कई काबिलियतों से नवाज़ा है. कुछ प्रजातियों में शिकार और शिकारी जीवों के बीच संघर्ष चल रहा है और वे एक दूसरे की नई काबिलियतों के मुताबिक खुद को बेहतर भी करती रहते हैं सोशल मीडिया पर हाल ही में कुदरत का एक बहुत ही अनोखा चमत्कार देखने को मिला है. इस जीव को देखने पर लगता है कि यह साधारण सी सड़ी हुई पत्ती है, लेकिन असल में यह मकड़ी है.

भारत में हुई थी इसकी खोज

यह मकड़ी बिलकुल ही अनूठी और नई प्रजाति है. इसे वैज्ञानिकों ने एरियोविक्सिया ग्रिफिंडोरी नाम दिया है. यह एरेनिडे परिवार की एक मकड़ी प्रजाति है. इसकी खोज 2015 में भारत के कर्नाटक राज्य में जावेद अहमद, राजश्री खलप और सुमुखा जवागल ने की थी. इस नई मकड़ी के खोजकर्ताओं को लगा कि यह हैरी पॉटर श्रृंखला की सॉर्टिंग हैट जैसी दिखती है, इसलिए उन्होंने इसका नाम सॉर्टिंग हैट के मूल मालिक गॉड्रिक ग्रिफिंडोर के नाम पर रखा था. यह मकड़ी जो खुद को एक सूखे पत्ते की तरह छिपा लेती है. यह मकड़ी इतनी चालाक है कि इसे देखकर कोई भी समझ नहीं सकता कि यह एक जीवित प्राणी है. इस मकड़ी को "पत्ते जैसी मकड़ी" कहा जाता है. यह मकड़ी अपने शरीर को ऐसे ढाल लेती है कि वह एक पत्ते की तरह दिखाई देती है. इसके पीछे का हिस्सा हरा होता है, जैसे कि एक जीवित पत्ता, और सामने का हिस्सा भूरा, जैसे कि एक सूखा पत्ता. यहां तक कि इसकी पूंछ भी एक डंठल की तरह दिखती है. मकड़ी का मुख्य उद्देश्य शिकारियों से बचना है. यह इतनी अच्छी तरह से छिप जाती है कि शिकारी इसे पहचान नहीं पाते. यह मकड़ी जंगल में पत्तों के बीच रहती है और अपना शिकार करती है. वीडियो को अब तक 99 लाख व्यूज़ मिल चुके हैं.

प्रेमी को बुलाने के लिए लाइट जलाती-बुझाती है मादा, बेहद चतुर चालाक है ये कीट

8-10 साल पहले तक, जब मोबाइल हर किसी के पास नहीं होते थे, तब अधिकांश लोग अपने घर के आंगन या छतों पर दादी-नानी के साथ सोते थे. किस्से-कहानियां सुना करते थे. तब कभी-कभी हमें टूटते तारे दिखाई देते थे और कभी-कभी एक छोटी सी उड़ती लाइट दिखाई पड़ती थी. इसे पकड़ने के लिए बच्चे अक्सर दौड़ पड़ते थे. अंधेरे में उड़ती लाइट पकड़ने के चक्कर में कई बार वो चीज हाथ से निकल जाती थी, जिस पर लाइट जलती थी. जी हां, हम जुगनू की बात कर रहे, जिसके आधे हिस्से में लाइट जलती और बुझती है. यह कीट बच्चों के लिए बहुत आकर्षक होता था. कई बार वे इसे पकड़ भी लेते थे, जिससे उनके चेहरे पर एक अलग खुशी आ जाती थी. लेकिन क्या आपने कभी सोचा है कि जुगनू में लाइट कैसे जलती है और क्यों जलती है?

मादा जुगनू का खास इशारा

सागर में जूलॉजी के एक्सपर्ट डॉ. मनीष जैन बताते हैं कि जुगनू नर और मादा दोनों प्रजातियों में पाए जाते हैं. लेकिन, मादा जुगनू में ही लाइट देखी जाती है. नर जुगनू ऐसा नहीं कर पाते. मादा जुगनू अपने नर को आकर्षित करने के लिए लाइट जलाती है या यूं कहें कि यह अपने प्रेमी को बुलाने के लिए इशारे करती है, ताकि वे प्रजनन कर सकें. डॉ. मनीष जैन आगे बताते हैं कि जुगनू या फायरफ्लाई उष्णकटिबंधीय या दलदलीय क्षेत्रों में अधिक पाई जाती है. आज भी ऐसे क्षेत्रों में इन्हें बहुतायत में देखा जा सकता है. दिन में रोशनी होने की वजह से यह दिखाई नहीं देते, लेकिन जब अंधेरी रात होती है, तो यह हमें बहुत ज्यादा दिखाई देने लगती हैं. अक्सर मादा कीट अपने नर को आकर्षित करने के लिए ल्यूसिफेरिन प्रोटीन के माध्यम से लाइट उत्पन्न करती है, इसलिए इसका जूलॉजिकल नाम भी फोटिनस है.

40 सेंमी लंबे अजीब कीड़े ने किया हैरान, गोल्फ बॉल से भी भारी जीव को ढूंढना है बहुत ही ज्यादा मुश्किल!

कुदरत में जीवों के बहुत सारे संसार हैं. अकेले प्रजातियां ही लाखों प्रकार की हैं. वैज्ञानिकों का मानना है कि अभी दुनिया में 87 लाख जीवित प्रजातियां विचरण कर रही हैं और इनमें से केवल 12 लाख प्रजातियों की जानकारी दर्ज की जा सकती है. दिलचस्प बात ये है कि कीड़ों के बारे में अनुमान और हैरान करता है. करीब 55 लाख प्रजातियां कीड़ों की है. इनमें से वैज्ञानिकों को केवल 10 लाख की जानकारी है. ऐसे में हैरानी की बात नहीं हुई होगी, जब ऑस्ट्रेलिया के वैज्ञानिकों ने एक अनोखा कीड़े की नई प्रजाति देखी जो दुनिया का सबसे भारी कीड़े की है. ऑस्ट्रेलिया में एक 40 सेंटीमीटर लंबा कीड़ा मिला है. इसका वजन 44 ग्राम है, जो गोल्फ बॉल से भी ज्यादा है. यह नई प्रजाति, एक्रोफिला अल्टा, बरन उल्लू जितनी बड़ी है. इस कीड़े को शोधकर्ताओं ने कैमरे में कैद किया. दिलचस्प बात ये है कि वैसे कई कीड़े अपने प्रजाति के कीड़ों से असामान्य रूप से भारी रह चुके हैं. वैज्ञानिकों का मानना है कि यह प्रजाति ही काफी बड़ी और भारी है. यह कीड़ा वैज्ञानिकों को उत्तर क्वींसलैंड के पहाड़ी वेट ट्रॉपिक्स क्षेत्र में मिला. यह क्षेत्र बहुत दूर है इसी कारण से यह इतने लंबे समय तक नज़र में नहीं आया. प्रोफेसर ऐंगस एममॉट ने कहा, "इसका बड़ा आकार ठंडे और गीले निवास स्थान के लिए पनपा होगा. उन्होंने बताया कि इसका शरीर का द्रव्यमान ठंडे हालात में जीवित रहने में मदद करता है. मादा कीड़ा का वजन 44 ग्राम है.

यह ऑस्ट्रेलिया के सबसे भारी कीड़े, जायंट वुड मॉथ से भी ज्यादा है. जायंट वुड मॉथ का वजन 30 ग्राम तक होता है. मादा कीड़ा के पंख छोटे पक्षी जितने बड़े हैं. लेकिन वे मजबूत उड़ान नहीं भर सकतीं क्योंकि उनका शरीर भारी है. यही कारण है कि यह भले ही औपचारिक तौर पर दुनिया के सबसे भारी कीड़ा नहीं हुआ, लेकिन वैज्ञानिक यह दावा तो कर ही रहे हैं कि यह ऑस्ट्रेलिया का सबसे भारी कीड़ा है. वैज्ञानिकों का कहना है कि एक्रोफिला अल्टा को ऊंचाई वाले पेड़ों में पाया गया. प्रोफेसर एममॉट ने बताया, "ये वर्षावन के इलाके में रहते हैं.

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

मंगलवार, 5 अगस्त, 2025 3

सुविचार

लोग साथ दे ना दे अगर आप खुद का साथ 100% दोगे, तो आपको जीतने से कोई नहीं रोक सकता।

पीसी घोष आयोग की रिपोर्ट को कैबिनेट ने मंजूरी दी : रेवंत रेड्डी

बीआरएस आयोग द्वारा इस रिपोर्ट की आलोचना करना स्वाभाविक

हैदराबाद, 4 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने कहा कि केसीआर ने जानलेवा चेवेल्ला परियोजना के पुनर्निर्माण के नाम पर उसमें बदलाव किए और मेडिगड्डा, अन्नाराम और सुंदिला बैराजों का निर्माण करवाया। कालेश्वरम परियोजना के निर्माण के तीन साल के भीतर ही मेडिगड्डा डूब गया और अन्नाराम टूट गया।

मुख्यमंत्री ने पत्रकारों से बातचीत करते हुए कहा कि विशेषज्ञों ने केसीआर को एक रिपोर्ट सौंपी जिसमें बताया गया कि योजना, निर्माण और रखरखाव में खामियां थीं। हमने लोगों से वादा किया था कि सत्ता में आते ही हम लाखों करोड़ की लागत से बने कालेश्वरम के ढहने की जांच करवाएंगे। वादे के मुताबिक, 14 मार्च 2023 को, अपार अनुभव वाले पीसी घोष को न्यायिक जांच आयोग का अध्यक्ष नियुक्त किया गया। 16 महीने बाद, 31 जुलाई को, पीसी घोष आयोग ने सरकार को 665 पृष्ठों की एक रिपोर्ट सौंपी। रिपोर्ट का सारांश तैयार करने और उसे कैबिनेट को सौंपने के लिए तीन सदस्यों की एक समिति गठित की गई। हमने यह कर दिखाया। मुख्यमंत्री ने कहा कि कालेश्वरम, जो शहर का नाम बदलकर और अवैधताओं की नींव पर बसाया गया था, ढह गया है। पीसी घोष आयोग की रिपोर्ट को कैबिनेट ने मंजूरी दे दी है। हम आने वाले दिनों में इस रिपोर्ट को विधानसभा में पेश करेंगे और सभी की राय लेंगे। सरकार जल्द ही इसे विधानसभा में पेश करेगी और सभी की राय के अनुसार आगे बढ़ेगी। बीआरएस आयोग द्वारा इस रिपोर्ट की आलोचना करना स्वाभाविक है। अगर रिपोर्ट उनके पक्ष में है, तो एक बात सही है। अगर नहीं, तो दूसरी बात, यह कहना उनकी आदत है। आयोग की रिपोर्ट में कोई राजनीतिक हस्तक्षेप नहीं है। यह स्वतंत्र न्यायिक आयोग द्वारा दी गई रिपोर्ट रिपोर्ट का सारांश, सभी के सुझावों के अनुसार कार्रवाई की जाएगी। हम राजनीतिक पक्षपातपूर्ण कार्रवाई नहीं करेंगे। हम रिपोर्ट पर सभी की राय लेंगे और आगे बढ़ेंगे।

भारी बारिश के पूर्वानुमान के बीच मुख्यमंत्री रेवंत ने अधिकारियों को हाई अलर्ट पर रखा

हैदराबाद, 4 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने हैदराबाद और तेलंगाना राज्य में भारी बारिश के मद्देनजर सभी जिला कलेक्टरों और विभागीय अधिकारियों को सतर्क रहने का निर्देश दिया है। मुख्यमंत्री ने सोमवार को सचिवालय में वरिष्ठ अधिकारियों के साथ अलग-अलग चर्चा की। उन्होंने भारी बारिश वाले क्षेत्रों में निवासियों को किसी भी असुविधा से बचाने के लिए सभी विभागों के बीच सहयोग के महत्व पर ज़ोर दिया और निचले इलाकों में उचित राहत कार्य लागू करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों से ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम (जीएचएमसी) और पूरे तेलंगाना राज्य के बाढ़-प्रवण क्षेत्रों के निवासियों को सूचित करने को कहा। अगले दो से तीन दिनों में बारिश के पूर्वानुमान को देखते हुए, रेवंत रेड्डी ने कलेक्टरों को जिलों के सभी संबंधित विभागों के साथ मिलकर समय-समय पर स्थिति का आकलन करने का निर्देश दिया। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को संपत्ति और जान-माल के नुकसान को रोकने के लिए सभी आवश्यक सावधानियां बरतने का निर्देश दिया है। उन्होंने बारिश और बाढ़ से उत्पन्न होने वाली किसी भी समस्या का समाधान करने और आवश्यक सहायता प्रदान करने के लिए अधिकारियों की जिलों में उपस्थिति की आवश्यकता पर बल दिया। रेवंत रेड्डी ने स्थिति का नियमित आकलन करने के लिए वरिष्ठ अधिकारियों और जिला कलेक्टरों के साथ संवाद बनाए रखने का सुझाव दिया। उन्होंने यह भी निर्देश दिया कि आपदा राहत दल बिना किसी देरी के प्रतिक्रिया देने के लिए तैयार रहे।

पूर्व विधायक गुव्वाला बलाराजू ने बीआरएस पार्टी से इस्तीफा दिया

हैदराबाद, 4 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस पार्टी को आज एक बड़ा झटका लगा है। पार्टी के प्रमुख नेता और अचंपेट से पूर्व विधायक गुव्वाला बलाराजू ने बीआरएस से इस्तीफा दे दिया है। पार्टी प्रमुख केसीआर को त्यागपत्र भेज दिया गया है।

उन्होंने केसीआर को पत्र लिखकर कहा है कि वह पार्टी से असंतोष के कारण इस्तीफा दे रहे हैं। गुव्वाला बलाराजू 2014 से 2023 तक दो बार बीआरएस पार्टी के विधायक रहे। हालांकि, पिछले विधानसभा चुनाव में उन्हें तीसरी बार हार का सामना करना पड़ा था। इसके कारण, वह तब से पार्टी में निष्क्रिय हैं। इसी सिलसिले में, गुव्वाला बलाराजू ने रविवार (3 अगस्त) रात भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष रामचंद्र राव से मुलाकात की। उन्होंने आज बीआरएस पार्टी से इस्तीफा दे दिया।

इस बीच, खबर है कि बलाराजू जल्द ही भाजपा में शामिल हो सकते हैं।

पुलिस की अनुमति न मिलने पर कविता ने भूख हड़ताल समाप्त की

हैदराबाद, 4 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस एमएलसी और तेलंगाना जागृति की अध्यक्ष कल्वाकुंतला कविता ने मंगलवार शाम को अपनी 72 घंटे की भूख हड़ताल समाप्त कर दी, क्योंकि पुलिस ने उन्हें आगे बढ़ने की अनुमति नहीं दी। कविता ने राज्य भर के कई पिछड़ा वर्ग संगठनों के प्रतिनिधियों के साथ मंगलवार सुबह हैदराबाद के धरना चौक पर स्थानीय निकायों, शिक्षा और रोज़गार में पिछड़े वर्गों (बीसी) के लिए 42 प्रतिशत आरक्षण जल्द लागू करने की मांग को लेकर भूख हड़ताल शुरू की। पुलिस द्वारा केवल एक दिन के विरोध प्रदर्शन की अनुमति दिए जाने के बाद उन्होंने अदालत का रुख किया। चूंकि अदालत ने भी तीन दिन के लगातार अनशन की अनुमति नहीं दी थी, इसलिए कविता ने न्यायिक आदेश का सम्मान करते हुए अपना विरोध प्रदर्शन समाप्त कर दिया। इस अवसर पर, कविता ने घोषणा की कि जागृति और अन्य समान विचारधारा वाले संगठन पिछड़े वर्गों के लिए बढ़े हुए आरक्षण के लक्ष्य को प्राप्त करने तक आंदोलन के नए तरीके अपनाएंगे। उन्होंने आगे कहा कि अगर सरकार 42 प्रतिशत आरक्षण सुनिश्चित किए बिना 30 सितंबर तक स्थानीय निकायों के चुनाव कराने की कोशिश करती है, तो वे हर संभव कानूनी लड़ाई का सहारा लेंगी। इसी मुद्दे पर सत्तारूढ़ कांग्रेस द्वारा 5 जुलाई से दिल्ली में बुलाए गए तीन दिवसीय विरोध प्रदर्शन कार्यक्रम का उपहास करते हुए, कविता ने मांग की कि मुख्यमंत्री को इसके बजाय भारत के राष्ट्रपति से मिलना चाहिए या विधेयक को जल्द मंजूरी देने के लिए सर्वोच्च न्यायालय का रुख करना चाहिए। इसे आत्मसम्मान और सामाजिक न्याय की लड़ाई बताते हुए, उन्होंने ज़ोर देकर कहा कि यह संघर्ष राजनीतिक नहीं, बल्कि संवैधानिक अधिकारों और सामुदायिक सम्मान में गहराई से निहित है। मकविता ने सभा को संबोधित करते हुए कहा, हमने तेलंगाना के साथ मिलकर समृद्ध होने का सपना साकार किया है। जब आधी आबादी पिछड़ी जातियों की है, तो उन्हें प्रतिनिधित्व की आवश्यकता है। इसीलिए हम यहां एकत्रित हुए हैं। इसके लिए प्रावधान करने वाला और तेलंगाना विधानसभा द्वारा पारित विधेयक वर्तमान में भारत के राष्ट्रपति के पास लंबित है। साथ ही, स्थानीय निकायों के चुनावों में अधिक आरक्षण प्रदान करने वाला एक अध्यादेश राज्य के राज्यपाल के पास लंबित है।

एक टैंक में दो मछुआरे मृत पाए गए

खम्मम, 4 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। चिंताकनी मंडल के नागुलवंचा में रविवार को एक टैंक में लापता हुए दो मछुआरों के शव सोमवार को बरामद किए गए। कंभम नागेश्वर राव (62) और उनके भाई कंभम सत्यम (58) उस टैंक की रखवाली करने गए थे, जिसे उन्होंने नीलामी में हासिल किया था। शाम ढलने के बाद भी जब वे घर नहीं लौटे, तो उनके परिवार वालों ने उन्हें फ़ोन किया, तो उनके मोबाइल फ़ोन बंद मिले। दोनों की तलाश में तालाब के बांध पर उनकी बाइक, कपड़े और जूते मिले। परिवार के सदस्यों को शक हुआ कि मछुआरे तालाब में लापता हो गए होंगे, इसलिए उन्होंने पुलिस को सूचना दी। स्थानीय उपनिरीक्षक नागुलमीरा ने लापता व्यक्तियों की तलाश के लिए एनडीआरएफ टीम द्वारा शुरू किए गए तलाशी अभियान की निगरानी की।

बंजारा हिल्स क्षेत्र में हुई 74.5 मिमी बारिश

हैदराबाद, 4 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। गर्म और उमस भरे सप्ताहांत के बाद हैदराबाद में भारी बारिश लौट आई और सोमवार दोपहर को शहर में भारी बारिश हुई। अचानक शुरू हुई भारी बारिश ने शहर और उपनगरों के ज़्यादातर हिस्सों में लोगों को हैरान कर दिया। कई जगहों पर यातायात ठप हो गया और सड़कों पर पानी भर जाने से घंटों तक आवाजाही मुश्किल हो गई। शाम तक, शेखपेट मंडल के अंतर्गत बंजारा हिल्स में एक घंटे के भीतर 74.5 मिमी बारिश दर्ज की गई। तेलंगाना राज्य विकास योजना सोसाइटी (टीएसडीपीएस) के वास्तविक समय वर्षा निगरानी स्टेशनों के अनुसार, आसिफनगर मंडल में बड़ा बाजार सामुदायिक हॉल, फर्स्ट लांसर और अहमदनगर में 53.3 मिमी बारिश हुई, जबकि खैरताबाद में श्रीनगर कॉलोनी में 50.8 मिमी बारिश हुई।

अंतरधार्मिक संबंध को लेकर युवक की हत्या

आरोपी ने किया आत्मसमर्पण

कोप्पल, 4 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। कोप्पल शहर के वार्ड 3 स्थित एक धार्मिक स्थल के सामने रविवार रात हुई एक घटना में, कथित तौर पर अंतरधार्मिक संबंध के चलते एक युवक की हत्या कर दी गई। पीड़ित के पिता ने चार लोगों के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई है। मुख्य आरोपी ने कथित तौर पर हत्या करने के बाद सीधे शहर पुलिस थाने जाकर आत्मसमर्पण कर दिया। उसके और चार अन्य के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) 2023 की धारा 103(1) और एससी-एसटी (अत्याचार निवारण) अधिनियम 1989 की धारा 3(2)(वी) के तहत शिकायत दर्ज की गई है।

हत्या का मुख्य कारण पीड़ित का दूसरे धर्म की एक युवती से प्रेम होना प्रतीत होता है। पिछले दो सालों से, युवक गौरी अंगला इलाके की एक नाबालिग लड़की के साथ प्रेम संबंध में था और कथित तौर पर उसके साथ घर से भाग भी गया था। मामले को सुलझाने के लिए 4-5 बार सामुदायिक पंचायत होने के बावजूद, यह रिश्ता जारी रहा। आरोप है कि इसी के चलते कुल्हाड़ी से उसकी नृशंस हत्या की गई। शुरुआती जांच से पता चलता है कि यह एक पूर्व नियोजित हत्या थी। बहादुर बांदी रोड से आ रहे इस युवक पर घात लगाकर हमला किया गया और उसकी गर्दन कुल्हाड़ी से बेरहमी से काट दी गई। बताया जा रहा है कि कोप्पल शहर में ऐसी जघन्य हत्या पहले कभी नहीं हुई, जिससे पूरे इलाके में व्यापक चिंता व्याप्त है। मारा गया युवक कोप्पल तालुका के ओजनहल्ली ग्राम पंचायत के एक राजनीतिक नेता का रिश्तेदार है।

सूत्रों के अनुसार, आरोपी पहले उसी नाबालिग लड़की से प्यार करता था, जिसने बाद में पीड़िता के साथ संबंध बना लिया। यह जानते हुए, आरोपी ने कथित तौर पर युवक से कई बार झगड़ा किया। मामला इतना बिगड़ गया कि रविवार रात 8 बजे जानलेवा हमले में परिणत हो गया। यह घटना उस समय हुई जब पीड़ित धार्मिक स्थल के पास अपनी बाइक चला रहा था। बेल्लारी की पुलिस महानिरीक्षक वर्थिका कटियार ने कोप्पल का दौरा किया और शहर का दौरा किया। एसपी राम एल अरासिद्दी ने कहा कि यह एक त्रिकोणीय प्रेम का मामला है और वे इस बात की जाँच कर रहे हैं कि हत्या में और लोग शामिल तो नहीं हैं, क्योंकि घटनास्थल से दो छुरे मिले हैं। उन्होंने बताया कि आरोपी ने कबूल किया है कि वह दो छुरे लाया था।

हत्या को रोकने में पुलिस की संभावित लापरवाही पर भी संदेह जताया गया है। बताया जा रहा है कि रविवार को हत्या से पहले, आरोपी ने एक कुल्हाड़ी लहराई थी, एक वीडियो रिकॉर्ड किया था और उसे अपने इंस्टाग्राम स्टेटस पर पोस्ट किया था, जिससे आसन्न अपराध की 'तैयारी' हो गई थी। उसने शाम साढ़े 7 बजे हत्या की और फिर पुलिस के सामने आत्मसमर्पण कर दिया। हत्या के बाद से कोप्पल में स्थिति तनावपूर्ण बनी हुई है। पुलिस ने कड़ी सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखी है।

ठगने के आरोप में तीन गिरफ्तार

आदिलाबाद, 4 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। महाराष्ट्र के एक व्यक्ति सहित 3 लोगों को सोमवार को उत्नूर मंडल में बहु-स्तरीय विपणन (एमएलएम) योजना के माध्यम से त्वरित लाभ का वादा करके जनता को कथित रूप से धोखा देने के आरोप में गिरफ्तार किया गया। उत्नूर डीएसपी काजल सिंह ने बताया कि श्यामपुर निवासी मोंडे नारायण और चौकाती संग्राम तथा महाराष्ट्र के रितेश वाथेकर को ड्रीम डॉलर लाइफ नामक मार्केटिंग नेटवर्क के माध्यम से लोगों को धोखा देने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। पूछताछ के दौरान, नारायण और संग्राम ने कथित तौर पर जल्दी पैसा कमाने के लिए अपराध करने की बात कबूल की। उन्होंने लोगों को मार्केटिंग स्कीम में शामिल होने पर ज़्यादा रिटर्न का वादा करके उन्हें लुभाने की बात भी स्वीकार की। आरोपियों ने बताया कि उन्होंने इस योजना में शामिल होने वाले प्रत्येक व्यक्ति से 500 रुपये वसूले।

जंगली फल खाने से बच्चे बीमार, 3 की हालत गंभीर

चिकित्सा आपातलकाल में बदल गया मौसमी प्रवास

चामराजनगर, 4 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। महाराष्ट्र के 13 परिवार हाल ही में गन्ना कटाई का काम करने के लिए चामराजनगर के येलंदूर तालुका में पलायन कर गए थे, लेकिन रविवार शाम को, इन प्रवासी परिवारों के बच्चों का एक समूह एक जहरीला जंगली फल खाने के बाद अस्पताल पहुंच गया, जिससे उनका मौसमी प्रवास एक चिकित्सा आपातकाल में बदल गया। यह घटना येरियूर गांव में हुई, जहां ये परिवार अस्थायी रूप से बसे हुए थे। पुलिस के अनुसार, बच्चों ने एक जंगली फल खाया था जिसे स्थानीय रूप से पिचन्नू कहा जाता है। इसे खाने के तुरंत बाद, एक महिला और आठ बच्चों को उल्टी होने लगी और उनमें ज़हर के लक्षण दिखाई देने लगे। 108 हेल्पलाइन के ज़रिए तुरंत आपातकालीन सेवाओं से संपर्क किया गया। प्रभावित लोगों को चामराजनगर के ज़िला अस्पताल ले जाया गया, जहां उनका इलाज चल रहा है। आपातकालीन प्रतिक्रिया के तौर पर चिकित्साकर्मियों ने उन्हें ग्लूकोज़ और ऑक्सीजन की सुविधा प्रदान की है।

ज़्यादातर पीड़ितों की हालत स्थिर बताई जा रही है और उनमें सुधार के संकेत दिख रहे हैं, जबकि एक बच्चे समेत तीन लोगों की हालत गंभीर बताई जा रही है। उन्हें गहन चिकित्सा इकाई (आईसीयू) में भर्ती कराया गया है, जहाँ उनकी कड़ी निगरानी जारी है। डॉक्टरों की एक टीम चौबीसों घंटे इलाज पर नज़र रख रही है। सोमवार को बात करते हुए डॉ. केआर महेशा ने बताया कि एक महिला समेत 8 बच्चों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जबकि चार बच्चों की हालत गंभीर है। सभी ज़रूरी मेडिकल सहायता दी जा रही है और अगले 24 घंटे बेहद अहम होंगे। फलों के नमूने जाँच के लिए प्रयोगशाला भेज दिए गए हैं और हम रिपोर्ट का इंतज़ार कर रहे हैं।

हैदराबाद पहुंची अभिनेत्री प्रियंका चोपड़ा

एसएस राजामौली के फिल्म के लिए आई हैं अभिनेत्री, कारण स्पष्ट नहीं

हैदराबाद, 4 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। भारतीय अभिनेत्री प्रियंका चोपड़ा जोनास और उनकी बेटी मालती मैरी हैदराबाद पहुंच गई हैं। प्रियंका ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरीज़ पर दो तस्वीरें शेयर कीं। पहली तस्वीर में मालती के नन्हे पैर और हाथ दिखाई दे रहे थे। तस्वीर का कैप्शन था: 'माँ और मालती।' अगली तस्वीर में मालती कार की खिड़की से बाहर देखती हुई एक प्यारी सी तस्वीर थी। अभिनेत्री ने यह नहीं बताया कि वह मोतियों के शहर में क्यों हैं? हालाँकि, हो सकता है कि वह फिल्म निर्माता एसएस राजामौली की फिल्म एसएसएमबी29 की शूटिंग के लिए आई हों, जो एक बड़े बजट पर बन रही है। फिल्म का एक बड़ा हिस्सा ओडिशा में फिल्माया गया है। इस फिल्म में प्रियंका के अलावा महेश बाबू और पृथ्वीराज सुकुमारन जैसे कलाकार भी हैं। इतिहास और पौराणिक कथाओं से भरपूर यह एक्शन-एडवेंचर फिल्म 2027 में रिलीज़ होने की उम्मीद है। अभिनय की बात करें तो, प्रियंका के हालिया काम में इल्या नाइशुलर द्वारा निर्देशित एक्शन-कॉमेडी फिल्म 'हेड्स ऑफ स्टेट' शामिल है। इस फिल्म में इदरीस एल्बा, जॉन सीना, पैडी कॉन्सिडाइन, स्टीफन रूट, कार्ला गुगिनो, जैक क्वैड और सारा नाइल्स भी हैं।

इस कॉमेडी-एक्शन फिल्म में प्रियंका एक एमआई6 एजेंट नोएल बिसेट की भूमिका निभा रही हैं, जो जॉन सीना और इदरीस एल्बा के किरदारों के साथ मिलकर एक महत्वपूर्ण स्थिति से निपटता है, जब उनका राजनयिक मिशन बाधित हो जाता है। 42 वर्षीय अभिनेत्री के पास कृष 4 भी है, जो अभिनेता ऋतिक रोशन की निर्देशन में पहली फिल्म है। वह 'द ब्लफ़' में 19वीं सदी की एक कैरिबियाई समुद्री डाकू की भूमिका निभाने के लिए पूरी तरह तैयार हैं, जो एक ज़बरदस्त ड्रामा फ़िल्म है, जिसे फ्रैंक ई. फ़्लावर्स और जो बल्लारीनी ने सह-लिखा है और फ़्लावर्स इसका निर्देशन भी कर रहे हैं। इस फ़िल्म में कार्ल अर्बन, इस्माइल क्रूज़ कॉर्डोवा, सफ़िया ओकले-ग्रीन और वेदांतन नायडू मुख्य भूमिका में हैं। 19वीं सदी के कैरिबियाई द्वीपों पर आधारित इस फिल्म में प्रियंका एक पूर्व महिला समुद्री डाकू की भूमिका में हैं, जिसे अपने अतीत के आने पर अपने परिवार की रक्षा करनी होती है।

किसानों की परेशानी के लिए कांग्रेस सरकार जिम्मेदार : केटीआर

उर्वरक आपूर्ति के घोर कुप्रबंधन की बीआरएस नेता ने की आलोचना

हैदराबाद, 4 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामा राव ने सोमवार को कांग्रेस सरकार की लापरवाही और उर्वरक आपूर्ति के घोर कुप्रबंधन की आलोचना की, जिससे राज्य भर के लगभग 70 लाख किसान संकट में हैं। उन्होंने कहा कि जिन किसानों को अपने खेतों में व्यस्त रहना चाहिए, वे अब उर्वरक की दुकानों के बाहर लंबी कतारों में खड़े होकर यूरिया और डीएपी पाने के लिए संघर्ष करने को मजबूर हैं। उन्होंने सरकार पर समन्वय की कमी और प्रशासनिक विफलता का आरोप लगाया, जिसके कारण यह संकट उत्पन्न हुआ। उन्होंने कहा, 'यह किसानों की सरकार या लोगों की सरकार नहीं है, बल्कि एक राक्षसी शासन है जो उन्हीं लोगों पर अत्याचार कर रहा है जिनकी सेवा करने का इसने वादा किया था।'

कांग्रेस शासन की तुलना पूर्ववर्ती बीआरएस शासन से करते हुए रामा राव ने याद दिलाया कि किस प्रकार पूर्व मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव के कार्यकाल में किसानों का विश्वास बहाल करने, निवेश सहायता प्रदान करने तथा उनके परिवारों को सुरक्षित करने के लिए रैतु बंधु और रैतु बीमा को लागू किया गया था। उन्होंने बताया कि बीआरएस सरकार के अंतर्गत नोडल एजेंसी मार्कफेड ने जून तक 3-4 लाख मीट्रिक टन उर्वरकों का बफर स्टॉक सुनिश्चित किया था तथा जुलाई और अगस्त में आवंटन प्राप्त करने के लिए केंद्र के साथ समन्वय किया था।

उन्होंने कहा, 'हमने मार्कफेड को वित्तीय सहायता प्रदान करके और अप्रैल और मई के दौरान अग्रिम रूप से स्टॉक खरीदकर समय पर आपूर्ति सुनिश्चित की, जब उत्तरी राज्यों में कोई मांग नहीं थी।' बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष ने मौजूदा संकट के लिए कांग्रेस सरकार को जिम्मेदार ठहराते हुए कहा कि वह अप्रैल, मई और जून के दौरान केंद्र से उर्वरक कोटा उठाने में विफल रही। उन्होंने याद दिलाते हुए कहा, 'कोई समीक्षा नहीं हुई, कोई समन्वय नहीं हुआ, और कोई योजना नहीं बनी। बीआरएस के दस साल के शासन में, किसानों को कभी भी उर्वरकों के लिए कतारों में नहीं खड़ा होना पड़ा।'

लॉरी ने कार को मार दी टक्कर, दो की मौत

सिद्दीपेट, 4 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। गजवेल पुलिस थाना क्षेत्र के अंतर्गत प्रगनापुर के निकट राजीव राहधारी पर रविवार रात एक लॉरी के कार से टकरा जाने से दो लोगों की मौत हो गई। मृतकों की पहचान कोनापुर निवासी संदीप (19) और मिरुदोड्डी निवासी राजू (26) के रूप में हुई है। उनके शवों को पोस्टमार्टम के लिए गजवेल के सरकारी अस्पताल में भेज दिया गया। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

रिम्स-आदिलाबाद में राजस्थान के छात्र की मौत पर रहस्य बरकरार

आदिलाबाद, 4 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। राजस्थान के 19 वर्षीय एमबीबीएस छात्र साहिल चौधरी की मौत रहस्य बनी हुई है, जिसने 29 जुलाई की रात को राजीव गांधी आयुर्विज्ञान संस्थान (आरआईएमएस)-आदिलाबाद के परिसर में स्थित अपने छात्रावास में आत्महत्या कर ली थी। द्वितीय वर्ष का छात्र साहिल अपने छात्रावास के कमरे में पंखे से लटका हुआ पाया गया। जब उसने फोन कॉल का जवाब नहीं दिया, तो उसके कुछ सहपाठियों ने दरवाज़ा तोड़कर उसे रिम्स, आदिलाबाद ले गए। हालांकि, डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना के बाद रिम्स प्रशासन ने एक आंतरिक समिति गठित की, जो अभी तक छात्र के इस कठोर कदम के पीछे के कारण का पता नहीं लगा पाई है। संस्थान के एक अधिकारी ने बताया, हम उसके इस कदम का कारण नहीं जान पा रहे हैं। हमें उसके उन सहपाठियों से जानकारी लेनी होगी जो इस समय परीक्षा दे रहे हैं। वह एक मेधावी छात्र और मिलनसार इंसान था। उसने एक महीने पहले ही एक मोटरसाइकिल खरीदी थी। इस बीच, साहिल के माता-पिता, हालांकि आत्महत्या के बारे में कुछ नहीं जानते, उन्होंने कोई शक नहीं जताया है। हालांकि, उन्होंने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है और अपने बेटे की मौत की गहन जांच की मांग की है। मामला दर्ज कर लिया गया है और जांच जारी है।

CLASSIFIEDS

CHANGE OF NAME

B. AKHILA D/o B. KOMURAIAH, R/o H.No.3-15-87, Navarangguda, Ramanthapur, Hyd, have changed my name as SHAIK ANAM W/o. SHAIK SALEEM for all record purposes.

सावधान

पाठकों को सूचित किया जाता है कि वर्गीकृत विज्ञापन का प्रतिवादन करने से पहले उसकी पूरी तरह से जाँच पड़ताल कर लें। विज्ञापनदाता ने दावा कर रहे हैं या कह रहे हैं, उन बातों से दैनिक समाचार पत्र (स्वतंत्र वार्ता) का किसी भी तरह का कोई सम्बन्ध नहीं है।

पूर्व तट रेलवे

नीलामी सूचना

सं.WCG/WAT/Claims/Parcel-Misc./25, दिनांक : 31.07.2025

विशाखापट्टनम रेलवे स्टेशन पर पड़े और अवितरित (Undelivered) सामग्रियों की नीलामी प्रस्तावित है। विस्तृत विवरण निम्न हैं :

क्र.सं.	नीलामी स्थान	नीलामी की तारीख एवं समय	EMD की मात्रा
1.	पार्सल कार्यालय, विशाखापट्टनम रेलवे स्टेशन	दिनांक : 29.08.2025 को 1030 बजे (शुक्रवार)	रु.500/-

सार्वजनिक अवकाश के दिन नीलामी का संचालन नहीं किया जायेगा।

सार्वजनिक नीलामी में बिक्री की जानेवाली सामग्रियों का विवरण विशाखापट्टनम रेलवे स्टेशन के चीफ पार्सल सुपरवाइजर के पास उपलब्ध है। असफल बोलीदाताओं की EMD लौटा दी जाएगी। विधिवत रूप से लॉट नम्बर कोट करके बोली राशि के 20% के बराबर EMD के रूप में FA & CAO, पूर्व तट रेलवे, भुवनेश्वर के पक्ष में डीडी (DD) के साथ मुहरबन्द निविदा जमा की जा सकती है। सफल बोलीदाताओं की EMD बोली राशि के साथ समायोजित की जाएगी। मुहरबन्द निविदाएँ स्टेशन निदेशक, पूर्व तट रेलवे, विशाखापट्टनम के पते पर भेजी जानी चाहिए, मामला जो भी हो। डाक द्वारा भेजे गए मुहरबन्द निविदा के न मिलने, देरी से मिलने के लिए रेलवे जिम्मेदार नहीं होगी। नीलामी सूचना वेबसाइट www.eastcoastrail.indianrailways.gov.in में भी उपलब्ध होगी। रेलवे बिना कोई कारण बताए नीलामी को निरस्त करने या कोई या सभी कंसाइनमेंटों को वापस लेने का अधिकार सुरक्षित रखती है।

मण्डल रेलवे प्रबंधक (वाणिज्य)/वाल्टेयर

PR-428/Q/25-26

मालेगांव में जानबूझकर हिंदू नेताओं को फंसाया गया : योगी

सहारनपुर में कहा-कांग्रेस-सपा गरीबों के साथ नहीं; जय श्रीराम के नारे लगे

सहारनपुर, 4 अगस्त (एजेंसियां)। सीएम योगी सोमवार को सहारनपुर पहुंचे। यहां 381 करोड़ की 15 विकास योजनाओं का लोकार्पण किया। साथ ही विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों को प्रमाणपत्र भी बांटे। इससे पहले योगी के मंच पर पहुंचते ही जय श्रीराम के जयकारे लगे। योगी ने कहा-महाकुंभ की सफलता से विपक्ष परेशान है। कांग्रेस और समाजवादी पार्टी के लोगों को परेशानी हो रही थी कि सनातन धर्म का गौरव इतना ऊंचा कैसे हो रहा? इन लोगों की संवेदना एक गरीब, एक नौजवान के साथ नहीं होती। इनको भारत की विरासत पर गौरव की अनुभूति नहीं होती। भारत और भारतीयता आगे बढ़ती है, तो इन्हें परेशानी होती है। लेकिन, आतंकी वारदात को संरक्षण देने में सपा-कांग्रेस आगे रहती है।

जाहरवीर गोगा के पावन स्थल को देखने का मौका मिला

योगी ने कहा- जाहरवीर गोगा के बारे में लोग कहते हैं कि 900 साल पहले पराक्रमी योद्धाओं के रूप में विदेशी आक्रांताओं से देश की धरती को बचाने में अपना योगदान दिया था। फिर भगवान गोरक्षनाथ की शरण में जाकर समाधि गोगा मेढ़ी में ली थी। भादो महीने में लाखों श्रद्धालु वहां दर्शन करते हैं। आज मुझे उनके पावन स्थल को देखने का मौका मिला। बहुत अच्छा पावन स्थल बनाया गया है। सुंदरीकरण के तहत कैसा काम होता है। इसे देखने का मौका मिला है।

हर जिले के नगर निकाय को स्मार्ट सिटी मिशन के तहत डेवलप करेंगे सीएम योगी ने कहा-अभी तक 17 नगर निगम को स्मार्ट सिटी मिशन में लिया था। लेकिन इस बार के बजट में हर जिले के नगर निकाय का हम स्मार्ट सिटी मिशन की तर्ज पर डेवलप करने जा रहे हैं। सीएम योगी ने कहा- भारत के विरासत का संरक्षण करने के साथ-साथ विकास की प्रक्रिया के साथ हम उसे जोड़ सकें। इस जोड़ने की प्रक्रिया को ही प्रधानमंत्री ने विरासत और विकास के समन्वय के साथ आगे बढ़ाया है। और पिछले 11 साल में एक नए भारत का दर्शन करने को हम लोगों को मिल रहा है। जो भारत और भारतीयता पर गौरव की अनुभूति करता है। भारत के प्रतीकों का सम्मान करता है। अपने पूर्वजों के गौरवशाली परंपरा के सरंक्षण के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ काम करता है।

सीएम नीतीश कुमार का बड़ा एलान-बिहार के रहने वालों को शिक्षक भर्ती परीक्षा में प्राथमिकता

पटना, 4 अगस्त (एजेंसियां)। चुनाव से पहले सीएम नीतीश कुमार ने अब शिक्षक अभ्यर्थियों को बड़ी सौगात दी है। वह जिस चीज की मांग पिछले कई महीनों से कर रहे थे, उसे सीएम नीतीश कुमार ने सुन लिया है। उन्होंने बुधवार को इसका एलान कर दिया है। सोशल मीडिया पर सीएम नीतीश कुमार ने कहा कि नवम्बर 2005 में सरकार बनने के बाद से ही हमलोग शिक्षा व्यवस्था में सुधार के लिए लगातार काम कर रहे हैं। शिक्षा व्यवस्था के सुदृढ़ीकरण हेतु बड़ी संख्या में शिक्षकों की नियुक्ति की गई है। सीएम नीतीश ने कहा कि शिक्षकों की बहाली में बिहार के निवासियों को प्राथमिकता देने हेतु शिक्षा विभाग को संबंधित नियम में आवश्यक संशोधन करने का निर्देश दिया गया है। यह चौथे शिक्षक भर्ती परीक्षा (टीआरई-4) से ही लागू किया जाएगा। वर्ष 2025 में टीआरई-4 एवं वर्ष 2026 में टीआरई-5 का आयोजन किया जाएगा। टीआरई-5 के आयोजन के पूर्व एसटीईटी का आयोजन करने का भी निदेश दिया गया है। शिक्षक भर्ती परीक्षा डोमिसाइल नीति लागू करने की मांग को लेकर अभ्यर्थियों ने एक अगस्त को पैदल मार्च किया था। सभी अभ्यर्थी मुख्यमंत्री आवास का घेराव करना चाहते रहे थे।

मुख्तार अंसारी का छोटा बेटा लखनऊ से गिरफ्तार

भाई अब्बास के विधायक आवास से उठा ले गई गाजीपुर पुलिस

लखनऊ, 4 अगस्त (एजेंसियां)। बाहुबली मुख्तार अंसारी के छोटे बेटे उमर अंसारी को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। गाजीपुर पुलिस रविवार देर रात लखनऊ पहुंची। उमर अंसारी की लोकेशन दारुलशफा स्थित विधायक निवास में मिली। पुलिस ने छापा मारकर उमर को अरेस्ट किया और गाजीपुर ले गई। उमर अंसारी जिस आवास में थे, वह उनके बड़े भाई और सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी (सुभासपा) से विधायक अब्बास अंसारी का है। दारुलशफा में प्रदेश के कई पूर्व और वर्तमान जनप्रतिनिधियों का आवास है। ऐसे में यहां से उमर की गिरफ्तारी एक बड़ी कार्रवाई मानी जा रही है।

आरोप है कि उमर ने फरार चल रही अपनी मां और एक लाख की इनामी अफशां अंसारी के फर्जी हस्ताक्षर कर अदालत में याचिका दाखिल की थी, ताकि गैंगस्टर एक्ट के तहत जब्त की गई संपत्ति को छुड़ाया जा सके। पुलिस मामले में उमर अंसारी से गाजीपुर में पूछताछ करेगी। वहीं कोर्ट में पेशी की प्रक्रिया पूरी की जाएगी। इस कार्रवाई के बाद उमर अंसारी के परिवार और समर्थकों में हलचल तेज हो गई है। हालांकि पुलिस अधिकारियों ने इस संबंध में अभी कोई औपचारिक बयान नहीं दिया है। माना जा रहा है कि सोमवार को पुलिस प्रेस कॉन्फ्रेंस कर उमर की गिरफ्तारी और केस से जुड़ी अहम जानकारियां सार्वजनिक करेगी। वहीं, अब्बास अंसारी ने एक्स पर पोस्ट किया है- 'सूचना- अभी रात्रि 10:40 पर हमारे छोटे भाई उमर अंसारी को दारुलशफा स्थित आवास से कुछ पुलिसकर्मी अपने साथ ले गये हैं।

याचिका में लगाए थे फर्जी दस्तखत

गाजीपुर के मुहम्मदाबाद थाना क्षेत्र में उमर अंसारी पर मुकदमा दर्ज किया गया है। एफआईआर के अनुसार, उमर ने अपनी मां अफशां अंसारी के नाम से एक याचिका अदालत में दायर की, जिसमें जब्त संपत्ति को मुक्त करने की मांग की गई थी। लेकिन याचिका के साथ लगाए गए दस्तावेजों में हस्ताक्षर संदिग्ध पाए गए। वकील लियाकत अली ने कोर्ट में दावा किया था कि अफशां ने खुद साइन कर याचिका उमर के माध्यम से भेजी है। जब शासकीय अधिवक्ता से दस्तावेजों की जांच कराई गई तो सामने आया कि याचिका पर जो हस्ताक्षर थे, वे अफशां अंसारी के पूर्व के दस्तावेजों में दर्ज हस्ताक्षरों से बिल्कुल मेल नहीं खाते। इतना ही नहीं, अफशां वर्तमान में एक लाख की इनामी अभियुक्त है।

सत्ता पक्ष के प्रवक्ता की तरह चुनाव आयोग की कार्यशैली : पप्पू यादव

पटना, 4 अगस्त (एजेंसियां)। बिहार के पूर्णिया से सांसद राजेश रंजन उर्फ पप्पू यादव ने बिहार विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव को दो वोटर कार्ड मामले में चुनाव आयोग द्वारा नोटिस भेजे जाने पर तीखी प्रतिक्रिया दी है।

उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग भाजपा के इशारे पर काम कर रहा है और भ्रम पैदा करने की कोशिश कर रहा है। पप्पू यादव ने दावा किया कि सत्ता पक्ष की तरह चुनाव आयोग काम कर रहा है। पटना में मीडिया से बातचीत के दौरान पप्पू यादव ने आयोग की निष्पक्षता पर सवाल उठाते हुए इसे संदिग्ध करार दिया और आरोप लगाया कि आयोग ने अपनी विश्वसनीयता खो दी है।

उन्होंने कहा कि जब भाजपा के प्रवक्ता बयान देते हैं और उसके बाद नोटिस भेजा जाता है, तो यह गलत है। पप्पू यादव ने तंज कसते हुए कहा कि आयोग अलाद्दीन का चिराग नहीं है कि नोटिस भेजकर सब कुछ ठीक कर देगा।

उन्होंने दावा किया कि आयोग ने अपनी कार्यशैली से यह साबित कर दिया है कि वह भाजपा के प्रवक्ता की तरह व्यवहार कर रहा है और अपनी प्रासंगिकता खो चुका है। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी के बिहार दौरे पर उन्होंने कहा कि वे बिहार में महागठबंधन (कांग्रेस-राजद गठबंधन) के साथ एक राज्यव्यापी दौरे की शुरुआत करने जा रहे हैं, जो कटिहार तक होगा। इस दौरे का उद्देश्य बिहार के गरीबों, दलितों, और महादलितों की समस्याओं को उठाना और विशेष गहन संशोधन (एसआईआर) के तहत मतदाता सूची संशोधन के खिलाफ विरोध जताना है। सांसद ने कहा कि बिहार की बदहाली को देखते हुए कांग्रेस ही एकमात्र विकल्प के रूप में उभर रही है।

हाईटेंशन करंट की चपेट में आने से दो किसानों की मौत

औरंगाबाद, 4 अगस्त (एजेंसियां)। रफीगंज थाना क्षेत्र के बहादुरपुर गांव में सोमवार सुबह खेत की सिंचाई के दौरान दर्दनाक हादसा हो गया। 11 हजार वोल्ट के हाईटेंशन बिजली तार की चपेट में आने से दो किसानों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक अन्य गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल का इलाज औरंगाबाद सदर अस्पताल में जारी है। ग्रामीणों के मुताबिक, बहादुरपुर निवासी रफीक अंसारी और अनीस कुरैशी सुबह अपने खेत देखने जा रहे थे। खेत में ही टूटा हुआ 11 हजार वोल्ट का तार गिरा हुआ था, जिसकी चपेट में दोनों आ गए। तेज करंट लगते ही दोनों की मौके पर ही मौत हो गई। उसी दौरान, पास के खेत में मौजूद किसान संतोष ठाकुर ने घटना देखी और शोर मचाते हुए दोनों को बचाने के लिए दौड़ पड़े। उन्हें तार से अलग करने की कोशिश के दौरान वे भी करंट की चपेट में आ गए और गंभीर रूप से झुलस गए।

प्रयागराज में गंगा और यमुना का रौद्र अवतार

> भयावह हो रही स्थिति > बाढ़ और अंधेरे में डूबे 180 गांव

प्रयागराज, 4 अगस्त (एजेंसियां)। प्रयागराज में गंगा-यमुना का जलस्तर खतरे के निशान से ऊपर है। 180 से अधिक मोहल्ले और गांवों में बिजली आपूर्ति और पठन-पाठन बाधित हो गया है। इसे देखते हुए प्रशासन की ओर से हाई अलर्ट घोषित किया गया है। प्रयागराज में चेतावनी बिंदु को पार करने के बाद गंगा-यमुना का जलस्तर खतरे के निशान से कई मीटर ऊपर पहुंच गया है। प्रयागराज और कौशांबी में 250 से अधिक गांव और मोहल्ले बाढ़ की चपेट में आ गए हैं। इनमें ज्यादातर गांव-मोहल्ले प्रयागराज के हैं।

यूपी के प्रयागराज में गंगा और यमुना ने और विकराल रूप धारण कर लिया है। खतरे का निशान 84.734 मीटर पार करने के बाद गंगा और यमुना का जलस्तर 86 मीटर के पार पहुंच गया है। उफान अभी जारी है। स्थिति काफी भयावह होती जा रही है। शहर के कई कछार के बाद अब शहर के कई पॉश इलाके भी बाढ़ की चपेट में आ रहे हैं। प्रशासन राहत बचाव कार्य में जुट गया है। जलस्तर इसी तरह बढ़ता रहा तो 1978 का रिकॉर्ड टूट सकता है। सोमवार को यमुना नदी का नैनी में 86.04 (+50) और गंगा नदी का फाफामऊ में 86.03 (+54) जलस्तर रिकॉर्ड किया गया।

आवागमन के साथ पढ़ाई-लिखाई ठप

180 से अधिक मोहल्ले और गांवों में बिजली आपूर्ति और पठन-पाठन बाधित हो गया है। इसे देखते हुए प्रशासन की ओर से हाई अलर्ट घोषित किया गया है। दूसरी ओर प्रयागराज और कौशाम्बी में झमाझम बारिश हुई। प्रयागराज में ही करीब 62 एमएम बारिश रिकॉर्ड की गई। इससे कौशाम्बी में तीन स्थानों पर कच्चे मकान ढह गए। इनकी चपेट में आने से प्रेमा देवी व उनकी बेटी साधना समेत तीन लोगों की मौत हो गई। जबकि पांच लोग घायल हो गए। गंगा-यमुना का जलस्तर खतरे के निशान से ऊपर जाने से शहरी क्षेत्र का यमुना बैंक रोड, यमुनापार का लेड़ियारी और गंगापार का गोड़वा उपकेंद्र जलमग्न हो गया है।

20 से अधिक ट्रांसफॉर्मर बाढ़ की चपेट में हैं। इससे जिले के 180 से अधिक मोहल्लों व गांवों में बिजली आपूर्ति ठप है। विद्युत विभाग ऊंचाई पर बने मकानों में दूसरी लाइन से आपूर्ति करने के प्रयास में जुटा है। रविवार को तेज बारिश से गंगा-यमुना नदियां उफान पर आ गईं।

इन जगहों पर बिजली प्रभावित

इससे हनुमान मंदिर दारागंज, छोटा बघाड़ा, मक्का मस्जिद, गड्ढा कॉलोनी, नेवादा, गंगानगर, पत्रकार कॉलोनी कछार, हड्डी गोदाम, सर्कुलर रोड स्थित गली नंबर 21, राजापुर ओम गायत्री नगर, सलोरी, करेलाबाग कछार, म्योराबाद कछार, आजाद नगर करेली, मोरी, भरद्वाज गंगा कछार, शम्सनगर, जेके नगर आदि मोहल्लों के ट्रांसफॉर्मर प्रभावित हुए। इसके बाद मोहल्लों की बिजली आपूर्ति बंद करा दी गई। ऊंचाई पर बने मकानों की बिजली करीब चार घंटे बाद दूसरी लाइन से चालू कराई गई। जलमग्न घरों की बिजली आपूर्ति ठप रही। वहीं,सुबह यमुना बैंक रोड उपकेंद्र में पानी घुस गया जिससे 10 से अधिक मोहल्लों की बिजली आपूर्ति प्रभावित हुई। तीन घंटे बाद गऊघाट व कीडगंज उपकेंद्र से आधे हिस्से की आपूर्ति बहाल कराई गई।

ग्रामीण क्षेत्रों का हाल और भी खराब

यमुनापार का लेड़ियारी उपकेंद्र पूरी तरह से बाढ़ की चपेट में है। इससे संबंधित करीब 60 गांवों में बिजली आपूर्ति ठप हो गई है। बलुहा में 11 केवी की लाइन डूब गई है। बरसैता में डबल पोल पानी की चपेट में हैं। गंगापार के गोड़वा उपकेंद्र में पानी भरने से 40 से अधिक गांवों की बिजली आपूर्ति प्रभावित हो गई है। इन गांवों में कैथवल, मलखानपुर, वदरा सुनौटी, लीलापुर कला, मुरल्लेपुर समेत कई क्षेत्र शामिल हैं।

पटना एम्स में ओपीडी, आईपीडी पूरी तरह ठप

बारिश में डॉक्टर्स की हड़ताल, एफआईआर वापस लेने की मांग

पटना, 4 अगस्त (एजेंसियां)। पटना एम्स में लगातार बारिश के बीच चौथे दिन भी जूनियर और रेजिडेंट डॉक्टर्स का हड़ताल जारी है। जूनियर डॉक्टर्स ने आज से आईपीडी और ओपीडी सेवाओं को पूरी तरह से बाधित कर दी है। इसके कारण मरीजों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। डॉक्टर्स ने हाथों में बैनर-पोस्टर लेकर वी वॉन्ट जस्टिस और वापस लो वापस लो आवेदन वापस लो के नारे लगाए। उन्होंने सुरक्षा नहीं तो सेवा नहीं और विधायक तुम माफी मांगो जैसे नारों के साथ अपनी आवाज बुलंद की। प्रदर्शनकारी डॉक्टर्स ने अपने बैनर पर डॉक्टर्स है सभी का सेवक, वीआईपी का गुलाम नहीं जैसे स्लोगन लिखे हुए थे। आज से पटना पीएमसीएच और आईजीआईएमएस के डॉक्टर भी इस हड़ताल का समर्थन करते हुए सोमवार को हाथ में काला बिल्ला लगाकर काम करेंगे।

मरीजों से डॉक्टर्स मांग रहे थे समर्थन

हड़ताल के दौरान डॉक्टर्स ओपीडी के पास खड़े होकर मरीजों को संबोधित करते हुए अपने लिए समर्थन की मांग कर रहे थे। हड़ताली डॉक्टर्स ने कहा कि उनकी मुख्य मांग एफआईआर वापस लेने और सुरक्षा मुहैया कराने की है। डॉक्टर्स ने कहा,'आज से हम सभी सेवाएं बंद कर रहे हैं। हमारी मांगें पूरी नहीं होने पर हमें यह कदम उठाना पड़ा है। हमें कहीं से न्याय का कोई रास्ता दिखाई नहीं दे रहा है'।

डॉक्टर्स बोले-हम पर प्रेशर डाला जा रहा है

दोनों हाथ बांधे फिर फाड़ दिया पेट पूरे शरीर पर डाला तेजाब

सिर के बाल गायब; पत्नी ने प्रेमी संग किया कत्ल

कासगंज, 4 अगस्त (एजेंसियां)। अलीगढ़ के धनसारी निवासी युवक को बेहद बेरहमी से मौत के घाट उतारा गया। पहले उसके दोनों हाथ बांधे गए, फिर पेट पर धारदार हथियार से वार करके उसे मौत के घाट उतारा गया। उसकी शिनाख्त न हो सके इसलिए पूरे शरीर पर तेजाब डाल दिया। फिर हत्यारे शव को गांव जखेरा के बंद पड़े ईंट-भट्ठे पर फेंक कर फरार हो गए थे। इससे शरीर में कीड़े पड़ गए थे। ये खुलासा रविवार को आई युवक की पोस्टमार्टम रिपोर्ट से हुआ है।

अलीगढ़ के थाना छर्रा में गांव धनसारी निवासी यूसुफ खां (28) का शव शनिवार की दोपहर ढोलना क्षेत्र में गांव जखेरा मार्ग पर बंद पड़े भट्ठे की झाड़ियों में मिला था। शव मिलने की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंच गई। शव चार दिन पुराना था और उसमें कीड़े पड़े हुए थे। सिर से बाल गायब थे। पुलिस की फॉरेंसिक टीम ने मौके पर पहुंचकर साक्ष्य संकलित किए थे। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा था। देर शाम कपड़े देखकर परिजन ने उसकी शिनाख्त की।

पोस्टमार्टम रिपोर्ट में साफ हो गया है कि उसे बेरहमी के साथ मौत के घाट उतारा गया है। ढोलना कोतवाली प्रभारी ने बताया कि पहले उसके दोनों हाथों को पीछे खींचकर बांधा गया, फिर किसी धारदार हथियार से पेट में वार करके उसे मौत के घाट उतारा गया। शव को तेजाब से बुरी तरह झुलसा दिया गया, जिससे उसकी शिनाख्त न हो। हालांकि, कपड़ों और चप्पलों की मदद से परिजनों ने उसकी कर ली।

'मुझे जेल भेज दो वरना कई ट्रेन फूंक दूंगा'

इसलिए ट्रेनों पर पेट्रोल बम से हमला करता था दीपू; चौंकी पुलिस

मुरादाबाद, 4 अगस्त (एजेंसियां)। मुरादाबाद में लोकोशेड पुल के नीचे आरोपी दीपू सैनी (22) ने लगातार दो दिन ट्रेनों पर पेट्रोल बम फेंका। जीआरपी-आरपीएफ मुख्यालय से रेलवे बोर्ड तक शोर मचने के बाद रविवार को पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया। लालकुआं एक्सप्रेस और चंपारण सत्याग्रह एक्सप्रेस पर हमला करने वाले आरोपी ने पुलिस से कहा कि मुझे जेल भेज दो वरना कोई ट्रेन फूंक दूंगा। जीआरपी-आरपीएफ की पूछताछ में आरोपी दीपू का कहना है कि उसके भाई को लोगों ने मार दिया, अब वह मौत का बदला लेगा। 31 जुलाई की शाम करीब 5:30 बजे उसने लोकोशेड पुल के नीचे से गुजर रही (15060) आनंदविहार-लालकुआं एक्सप्रेस पर बोतल में पेट्रोल भरकर उसमें आग लगाकर ट्रेन पर फेंका। इससे एस-5 कोच में खड़े एक यात्री का हाथ जल गया। यात्री के तहरीर न देने पर मामला हल्का पड़ गया। दूसरे दिन एक अगस्त की शाम चार बजे वह फिर लोकोशेड पुल के नीचे पहुंचा और चंपारण सत्याग्रह एक्सप्रेस पर वैसा ही हमला किया। गमीनत रही कि पेट्रोल भरी और आग से जलती हुई बोतल ट्रेन के कोच के अंदर नहीं गिरी। लगातार दो दिन घटना के बाद मामला रेलवे बोर्ड तक पहुंच गया। जीआरपी और आरपीएफ की टीमें सतर्क हुईं। दो अगस्त को आरोपी फिर इसी तरह ट्रेन पर हमला करने के लिए बीयर की बोतल में पेट्रोल भरकर उसके ढक्कन पर एमसील लगाकर लाया। पुलिस ने उसे मौके से गिरफ्तार कर लिया।

प्लॉट में मिले तीन बच्चों के शव

मेरठ, 4 अगस्त (एजेंसियां)। कस्बा सिवालखास से रविवार दोपहर से लापता तीन बच्चों के शव सोमवार सुबह घर के पास ही स्थित एक प्लॉट में मिले। बच्चों के शव देखते ही परिजनों में कोहराम मच गया।

रो-रोकर उनका बुरा हाल हो गया। वहीं ग्रामीणों ने चौकी पर हंगामा करते हुए हत्यारों को गिरफ्तार करने की मांग की। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। सीओ का कहना है कि जांच के बाद ही पता चलेगा कि बच्चों की मौत का कारण क्या है। कस्बा सिवालखास वार्ड एक निवासी श्रीचंद्र के पुत्रों जितेंद्र और मोनू के घर आसपास हैं। उनके घर के सामने हिम्मत का घर है। परिजनों के अनुसार जितेंद्र की सात वर्षीय पुत्री मानवी, मोनू का आठ वर्षीय पुत्र शिवांश और हिम्मत का आठ वर्षीय पुत्र ऋतिक रविवार सुबह 10 बजे घर के बाहर खेल रहे थे। दोपहर में परिजनों ने खाना खाने के लिए उन्हें घर के बाहर ढूंढा, लेकिन उनका कुछ पता नहीं चल पाया। इसके बाद आसपास के घरों और गली में उनकी तलाश शुरू की गई, लेकिन उनका सुराग नहीं लग पाया।

पारिवारिक कलह में पिता ने दो बच्चों के साथ गंगा में छलांग लगाई, शख्स बचा-दोनों मासूम लापता

वाराणसी, 4 अगस्त (एजेंसियां)। वाराणसी जिले के चिरईगांव चौबेपुर थाना क्षेत्र के चांदपुर गांव में सोमवार को एक चौंकाने वाला मामला सामने आया। पारिवारिक कलह के चलते चांदपुर निवासी दुर्गा सोनकर (30) ने अपने दो मासूम बेटों के साथ रिंग रोड स्थित भवनपुरा पुल से गंगा नदी में छलांग लगा दी। घटना सोमवार दोपहर करीब 12 बजे की है।

मौके पर मौजूद कुछ लोगों ने तत्काल सूचना पुलिस और परिजनों को दी। घटना के दो घंटे बाद तक एनडीआरएफ की टीम मौके पर नहीं पहुंच सकी। उधर, दोपहर 1:50 बजे दुर्गा सोनकर को मुस्तफाबाद रेता के सामने गंगा में बहता हुआ देखा गया। ग्रामीणों ने तत्परता दिखाते हुए उसे बाहर निकाला और निजी अस्पताल में भर्ती कराया। हालांकि, दुर्गा सोनकर के दोनों पुत्र संदीप (07) और आशीष (05) लापता हैं। उनकी तलाश की जा रही है। बच्चों की तलाश में स्थानीय गोताखोरों के साथ-साथ प्रशासनिक मदद भी ली जा रही है, लेकिन कोई सफलता नहीं मिली है। घटना की जानकारी मिलते ही पूर्व सांसद रामकिशुन यादव मौके पर पहुंचे। उन्होंने जिला प्रशासन से गंगा किनारे सुरक्षा व्यवस्था पुख्ता करने की मांग की, जिससे भविष्य में इस तरह की घटना की पुनरावृत्ति न हो।

कांवरियों के सेवा शिविर के पीछे स्थित ज्वेलरी शॉप से 50 लाख की चोरी, पुलिस जांच में जुटी

बेगूसराय, 4 अगस्त (एजेंसियां)। बेगूसराय जिले में गढ़पुरा थाना क्षेत्र स्थित एक ज्वेलरी शॉप में करीब 50 लाख रुपये की चोरी की वारदात सामने आई है। घटना गढ़पुरा बाजार स्थित रामानंद प्रसाद ज्वेलर्स की है, जहां चोरों ने दुकान के पीछे बनी लाइट विंडो तोड़कर बड़ी चोरी को अंजाम दिया। दुकानदार के मुताबिक, चोर करीब 30 किलोग्राम चांदी, साढ़े चार किलोग्राम सोना और करीब 15 लाख रुपये मूल्य के बंधक रखे जेवरात लेकर फरार हो गए। कुल मिलाकर चोरी गई संपत्ति की कीमत 50 लाख रुपये से अधिक आंकी जा रही है। गौरतलब है कि 13 फरवरी 2023 की रात भी इसी दुकान में चोरी हुई थी। तब चोरों ने दुकान के पीछे की दीवार तोड़कर 400 ग्राम सोने, 25 से 30 किलोग्राम चांदी और 10 हजार रुपये नकद की चोरी की थी। रविवार रात की यह घटना तब हुई जब दुकान के पास ही कांवरियों के लिए सेवा शिविर लगा था और क्षेत्र में चहल-पहल बनी हुई थी। लोगों का कहना है कि शिविर में बड़ी संख्या में लोग पूरी रात जगे हुए थे, इसके बावजूद चोर चोरी कर भाग निकले। अब लोग यह सवाल उठा रहे हैं कि आखिरकार बार-बार एक ही दुकान को चोर क्यों बना रहे हैं निशाना? फिलहाल गढ़पुरा थाना की पुलिस मौके पर पहुंचकर जांच-पड़ताल में जुटी हुई है और आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं।

सनातन धर्म को लेकर कमल हासन के बिगड़े बोल

शिक्षा ही एकमात्र हथियार है, जो तानाशाही और सनातन विचारधारा की जंजीरों को तोड़ सकती है

चेन्नई, 4 अगस्त (एजेंसियां)। दिग्गज अभिनेता और मक्कल निधि मय्यम मुखिया कमल हासन एक बार फिर चर्चा में है। उन्होंने सनातन धर्म को लेकर कुछ ऐसा कह दिया है, जिस पर विवाद शुरू हो गया है। तमिलनाडु के चेन्नई में एक कार्यक्रम के दौरान सनातन धर्म पर निशाना साधा। उन्होंने कहा, 'शिक्षा ही एकमात्र हथियार है, जो तानाशाही और सनातन विचारधारा की जंजीरों को तोड़ सकती है। अपने हाथ में कुछ और मत लो, सिर्फ शिक्षा लो। इसके बिना हम जीत नहीं सकते।

इसलिए हमें शिक्षा को मजबूती से थामे रखना चाहिए।' राज्यसभा सांसद ने नेशनल एलिजिबिलिटी कम एंट्रेंस टेस्ट पर जोरदार हमला बोला। उन्होंने कहा, 'नीट ने 2017 से अब तक कई बच्चों को मेडिकल पढ़ाई से दूर कर दिया है। गरीब और पिछड़े वर्गों के छात्र चाहकर भी इस पढ़ाई को पूरा नहीं कर पा रहे हैं। शिक्षा एक हथियार है। शिक्षा एक औजार है। इससे ही देश को नया आकार दिया जा सकता है। सही या गलत का फैसला तभी मुमकिन है, जब जनता शिक्षित हो।'

'शिक्षा को मजबूती से थामे रखना चाहिए'

कमल हासन ने आगे कहा, 'बहुसंख्यक मूर्ख तुम्हें हरा देंगे। अकेला ज्ञान ही पराजित प्रतीत होगा। इसलिए हमें शिक्षा को मजबूती से थामे रखना चाहिए।' राज्यसभा सांसद ने कहा, 'सच्ची शिक्षा और बिना शर्त प्यार मिलना मुश्किल है। अपनी माताओं के अलावा अगरम फाउंडेशन जैसी संस्थाएं उन कुछ जगहों में से हैं, जहां हम उन्हें अभी भी पा सकते हैं।'

स्टालिन के साथ हाल ही में हुई बातचीत का भी जिक्र किया

कमल हासन ने तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन के साथ हाल ही में हुई बातचीत का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि कल, मैंने मुख्यमंत्री से कहा कि एनजीओ पैसे जैसी कोई चीज नहीं मांग रहे हैं, वे केवल काम करने की अनुमति मांग रहे हैं। उन्होंने मुझे आश्वासन दिया कि इस दिशा में कदम उठाए जा रहे हैं। मुझे इस अभियान में शामिल होने पर गर्व है।

'सच्चे नेताओं को अक्सर भुला दिया जाता है'

उन्होंने यह कहते हुए अपनी बात को विराम दिया कि सच्चे नेताओं को अक्सर भुला दिया जाता है, भले ही उनके काम का प्रभाव जारी रहता है। नेतृत्व का मतलब सत्ता में बने रहना नहीं है, बल्कि बदलाव लाना है। भले ही आपका नाम लहरों के साथ मिट जाए। मुझे यह समझने में 70 साल लग गए।

'सामाजिक कार्यों में हमें कांटों का ताज पहनाया जाता है'

उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि सिनेमा में प्रसिद्धि के मुकुटों से मिलने वाली पहचान, समाज सेवा के माध्यम से मिलने वाली अदृश्य, लेकिन प्रभावशाली पहचान से अलग है।

उन्होंने कहा, 'सिनेमा में हमें हमारे अभिनय के लिए ताज पहनाया जाता है, लेकिन सामाजिक कार्यों में हमें कांटों का ताज पहनाया जाता है। उस ताज को स्वीकार करने के लिए मजबूत दिल चाहिए। कोई और हमारे लिए यह नहीं करेगा, हमें यह खुद करना होगा।' शिक्षा के क्षेत्र में चुनौतियों का जिक्र करते हुए उन्होंने बताया कि कैसे 2017 से नीट के कार्यान्वयन ने कई महत्वाकांक्षी छात्रों के लिए अवसरों को सीमित कर दिया है। उन्होंने कहा, 'यहां तक कि अगरम फाउंडेशन भी अपने सर्वोत्तम प्रयासों के बावजूद एक सीमा से आगे छात्रों की मदद नहीं कर सकता, क्योंकि कानून इसकी अनुमति नहीं देता। कानून बदलने के लिए हमें ताकत चाहिए और वह ताकत केवल शिक्षा से ही आ सकती है।'

बेटे को इंजीनियरिंग कॉलेज में मिल गई थी सीट

एडमिशन फीस न भर पाने पर पिता ने किया सुसाइड

पथनमथिट्टा, 4 अगस्त (एजेंसियां)। केरल के पथनमथिट्टा जिले से दिल दुखाने वाली खबर सामने आई है। यहां अपने बेटे के इंजीनियरिंग कॉलेज में दाखिले के लिए रुपयों का इंतजाम नहीं कर पाने से परेशान होकर उसके पिता ने जंगल में कथित रूप से आत्महत्या कर ली।

पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी। व्यक्ति की पहचान वी.टी. शिजो (47) के रूप में हुई और वह मूंगामपारा जंगल में रविवार शाम फंदे से लटका मिला। उनके बेटे को तमिलनाडु के एक इंजीनियरिंग कॉलेज में दाखिला मिल गया था, लेकिन इसके लिए शुल्क देने में परिवार असमर्थ था। रिश्तेदारों ने बताया कि शिजो को बहुत अधिक वित्तीय समस्याओं का सामना करना पड़ रहा था। उनकी पत्नी सहायता प्राप्त स्कूल में शिक्षिका के तौर पर नौकरी करती थी, जिसकी नियुक्ति को इस साल की शुरूआत में अदालत द्वारा मंजूरी दी गई थी। शिजो अपनी पत्नी के 12 वर्षों के बकाया वेतन की उम्मीद कर रहे थे।

दिल्ली में कांग्रेस सांसद की चेन छीनी

> डीएमके सांसद के साथ मॉर्निंग वॉक कर रही थीं
> गृह मंत्री को लेटर लिखकर बोलीं-सदमे में हूं

नई दिल्ली, 4 अगस्त (एजेंसियां)। दिल्ली में कांग्रेस सांसद सुधा रामकृष्णन से चेन छीनने का मामला सामने आया है। घटना सोमवार सुबह 6 बजे तमिलनाडु भवन के पास की है। वे डीएमके सांसद रजती के साथ सैर कर थीं, तभी जब स्कूटी पर सवार बदमाश ने घटना को अंजाम दिया। चेन खींचने की वजह सांसद की गर्दन पर चोट आ गई है। दिल्ली पुलिस ने केस दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है।

सुधा ने सुधा ने लेटर लिखकर पुलिस, स्पीकर और गृह मंत्रालय को शिकायत की है। गृह मंत्री अमित शाह को लिखे लेटर में कहा, 'मेरी चार से ज्यादा सॉवरेन (करीब 32 ग्राम) वजन की सोने की चेन खो गई और मैं इस आपराधिक हमले से बहुत सदमे में हूं।' सुधा तमिलनाडु के मयिलादुथुराई से कांग्रेस की सांसद हैं। अभी संसद के मानसून सत्र में भाग लेने के लिए दिल्ली में हैं। चाणक्यपुरी में जहां उनसे चेन छीनी गई, वह इलाका दिल्ली के सबसे सुरक्षित जगहों में से एक माना जाता है। यहां कई दूतावास और राज्य सरकारों के आधिकारिक आवास हैं।

सांसद बोलीं-स्कूटी पर चेहरा ढंककर आया था बदमाश

पुलिस में दर्ज शिकायत में कांग्रेस सांसद ने बताया कि घटना सोमवार सुबह करीब 6.15-6.20 बजे के बीच हुई। वह डीएमके सांसद रजती के साथ चाणक्यपुरी स्थित पोलिश दूतावास के गेट-3 और गेट-4 के पास मॉर्निंग वॉक कर रही थीं। शिकायत के मुताबिक, इस दौरान स्कूटी पर सवार एक व्यक्ति सामने से धीरे-धीरे सांसद सुधा रामकृष्णन की तरफ आया। आरोपी ने हेलमेट पहना था और चेहरा पूरी तरह से ढंका हुआ था। वह सांसद के पास पहुंचा और उनकी गर्दन से सोने की चेन छीनकर भाग गया। सांसद सुधा ने बताया कि इस दौरान उनकी गर्दन पर चोट आई और कपड़े भी फट गए। किसी तरह गिरने से बचकर हम दोनों मदद के लिए चिल्लाए। हमें दिल्ली पुलिस का एक गश्ती वाहन दिखाई दिया, जिससे हमने शिकायत की।'

सुधा ने गृह मंत्री से कहा-दिल्ली में महिलाएं सेफ नहीं

कांग्रेस सांसद सुधा ने अमित शाह को लेटर में लिखा, 'चाणक्यपुरी जैसे हाई सिक्योरिटी जोन, जहां कई दूतावास और संरक्षित संस्थान हैं, वहां एक महिला सांसद पर इस तरह का हमला बहुत चौंकाने वाला है।

अगर एक महिला दिल्ली के इस हाई सिक्योरिटी वाले जोन में सेफ नहीं चल सकती, तो हम और कहां सुरक्षित महसूस कर सकते हैं।' सुधा ने कहा, 'महिलाएं अपनी सुरक्षा, जान और कीमती सामान की चिंता किए बिना अपना काम कैसे कर सकती हैं।' सांसद ने शाह से जल्द से जल्द अपराधियों का पता लगाने के लिए अधिकारियों को निर्देश देने की मांग की और कहा कहा, 'कृपया सुनिश्चित करिए कि मेरी सोने की चेन वापस मिल जाए और मुझे न्याय मिले।'

'लेडी डॉन' जिकरा और अन्य सात के खिलाफ चार्जशीट दाखिल

सीलमपुर में हुई थी कुणाल की हत्या

नई दिल्ली, 4 अगस्त (एजेंसियां)। दिल्ली पुलिस ने अप्रैल 2025 में सीलमपुर इलाके में हुए हत्या के मामले में आरोपी लेडी डॉन जिकरा और अन्य सात आरोपियों के खिलाफ चार्जशीट दाखिल की है। चार्जशीट कई धाराओं में दर्ज की गई है। जिसमें हत्या और हत्या की साजिश की धारा शामिल है। इस साल के अप्रैल महीने में कुणाल की हत्या सीलमपुर इलाके में हुई थी।

बीती 22 अप्रैल को कड़कड़डूमा कोर्ट ने सीलमपुर में कुणाल की हत्या से जुड़े मामले में गिरफ्तार आरोपी साहिल को दो दिन की पुलिस हिरासत में भेज दिया, जबकि लेडी डॉन जिकरा खान को पुलिस पूछताछ के बाद 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया था। दिल्ली पुलिस ने साहिल की पांच दिन की हिरासत मांगी थी।

आरोपियों को फांसी की सजा मिले: मृतक कुणाल की मां

वहीं पीड़िता की मां ने कहा था कि मैं चाहती हूं कि आरोपियों को फांसी की सजा मिले। अगर उन्हें उम्रकैद मिलती है तो वे जमानत पर बाहर आ जाएंगे। मैं आरोपी शोएब को जानती हूं, जो मेरे घर के पास रहता है। शोएब जिकरा का मामा है। उनका पूरा परिवार गलत कामों में शामिल है। मुझे उम्मीद है कि हमें न्याय मिलेगा। मेरा बच्चा किसी गलत काम में शामिल नहीं था। मेरा बच्चा निर्दोष था, उसने कुछ नहीं किया। वह गांधीनगर में काम करता था और निर्दोष था।'

'क्या संन्यास से वापस लाने के लिए बहुत देर हो चुकी?'

> पांचवें टेस्ट में थरूर को आई कोहली की याद

नई दिल्ली, 4 अगस्त (एजेंसियां)। भारत और इंग्लैंड के बीच जारी पांच मैचों की टेस्ट सीरीज का आखिरी मुकाबला लंदन के द ओवल मैदान पर खेला जा रहा है। रविवार का खेल बारिश के कारण समय से पहले समाप्त हो गया। इंग्लैंड ने दिन का खेल समाप्त होने तक छह विकेट पर 339 रन बना लिए हैं।

उसे जीत के लिए पांचवें और अंतिम दिन 35 रन बनाने होंगे। अगर भारत को यह मुकाबला जीतना है तो उसे इंग्लैंड के चार विकेट लेने होंगे। भारत के खिलाफ पांच टेस्ट मैचों की सीरीज के आखिरी और पांचवें पांचवें दिन इंग्लैंड को जीत के लिए 35 रन की जरूरत है। चौथे दिन बारिश और खराब रोशनी की वजह से मैच में दिन का खेल पूरा नहीं हो सका। इंग्लैंड के पास अब भी चार विकेट शेष हैं। ऐसी परिस्थिति में कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने कहा कि उन्हें इस सीरीज के दौरान विराट कोहली की कमी महसूस हुई, लेकिन इस टेस्ट मैच में जितनी हुई, उतनी कभी नहीं हुई। उन्होंने सवाल किया कि क्या उन्हें संन्यास से बाहर निकालने के लिए बहुत देर हो चुकी है?

पांचवें टेस्ट के चाथे दिन 374 रनों का पीछा करते हुए एक समय इंग्लैंड का स्कोर 106/3 था, लेकिन जो रूट और हैरी ब्रुक के शतकों की बदौलत इंग्लैंडने मैच में वापसी की और भारत की संभावनाओं को कम कर दिया। पांचवें दिन इंग्लैंड को जीत के लिए 35 रन चाहिए और उसके पास चार विकेट हैं। चोटिल क्रिस वोक्स अगर बल्लेबाजी करने नहीं भी उतरते हैं तो भी इंग्लैंड के पास तीन विकेट बचे हैं। अगर भारत यह मैच जीतता है ताक सीरीज 2-2 से बराबर होगी, वरना इंग्लैंड 3-1 से सीरीज अपने नाम करेगा। हार की स्थिति में शुभमन गिल की कप्तानी और गौतम गंभीर के मुख्य कोच के रूप में कार्यकाल पर कई सवाल उठेंगे। इंग्लैंड सीरीज से पहले विराट ने मई में टेस्ट क्रिकेट से संन्यास की घोषणा कर दी थी। 14 साल के यादगार करियर में विराट ने ऐसे वक्त पर हमेशा टीम का मनोबल बढ़ाया है। विराट अब तक इंग्लैंड में भारत के सबसे सफल कप्तान रहे हैं, जिन्होंने यहां तीन मैच जीते हैं, जो किसी भी भारतीय कप्तान की ओर से सबसे अधिक है। विराट को इंग्लैंड में पांच टेस्ट में हार का सामना भी करना पड़ा है, जबकि एक टेस्ट ड्रॉ रहा है। एक वक्त टीम इंडिया ने उनके नेतृत्व में इंग्लैंड में 2021 में सीरीज में 2-1 से आगे थी, लेकिन कोविड के कारण पांचवां टेस्ट स्थगित हो गया। पांचवां टेस्ट अगले साल जसप्रीत बुमराह की कप्तानी में खेला गया, जिसमें भारत हार गया और सीरीज 2-2 से बराबर हो गई। इससे पहले 2018 में विराट की कप्तानी में भारत ने जो सीरीज 4-1 से हारी थी, उसमें भी कुछ करीबी मुकाबले (बर्मिंघम में 194 रनों का पीछा करते हुए 31 रनों से हार और साउथेम्प्टन में 245 रनों का पीछा करते हुए 60 रनों से हार) हुए थे।

सावन का आखिरी सोमवार

एक लाख भक्तों ने महाकाल के दर्शन किए

उज्जैन, 4 अगस्त (एजेंसियां)। सावन महीने के आखिरी सोमवार पर मध्य प्रदेश के उज्जैन में महाकालेश्वर मंदिर में सुबह 7 बजे तक 35 हजार भक्त दर्शन किए थे। सुबह 11 बजे तक ये आंकड़ा 1 लाख पार हो चुका है। अभी भी भक्तों का आना जारी है। उत्तर प्रदेश के वाराणसी में काशी विश्वनाथ मंदिर के बाहर भक्तों की 5 किमी लंबी लाइन है। आज मंगला आरती में बाबा का विशेष श्रृंगार किया गया। बाबा को स्वर्ण मुकुट पहनाया गया। यहां भक्तों के लिए मंदिर प्रशासन ने रेड कारपेट बिछाया है। पुष्प वर्षा भी की जा रही है। बारिश और बाढ़ के बावजूद लोगों की भक्ति में कमी नहीं आई है। झारखंड के देवघर में बाबा बैद्यनाथ धाम के पठ सुबह 3 बजे खोले गए थे। तभी से यहां लगातार बाबा का अभिषेक जारी है। मंदिर परिसर में करीब 1 लाख से अधिक श्रद्धालु मौजूद हैं। यहां भक्तों की 5 किमी लंबी लाइन लगी है। बिहार के भागलपुर में बाड़ की स्थिति है। सड़कों पर कमर तक पानी भरा होने के बावजूद कांवड़िए देवघर पहुंचे रहे हैं। मुजफ्फरपुर के गरीबनाथ मंदिर में 2 किमी लाइन लगी है।

डीएमके को ओटीपी सत्यापन से रोकने वाले मद्रास हाईकोर्ट के आदेश पर रोक नहीं

सुप्रीम कोर्ट ने खारिज की याचिका

नई दिल्ली, 4 अगस्त (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को डीएमके के नामांकन अभियान 'ओरानियिल तमिलनाडु' के लिए ओटीपी सत्यापन संदेशों के इस्तेमाल पर मद्रास हाईकोर्ट के अंतरिम आदेश पर अंतरिम रोक लगाने से इनकार कर दिया। न्यायमूर्ति पीएस नरसिम्हा और जस्टिस एएस चंदुरकर की पीठ ने डीएमके की अपील को यह कहते हुए खारिज कर दिया कि यह मामला संवेदनशील है। पूरी प्रक्रिया संदिग्ध है।

'मामले में हस्तक्षेप करने के इच्छुक नहीं'

पीठ ने कहा, 'अदालत को नागरिकों की रक्षा करनी है। उच्च न्यायालय वापस जाएं। हम इस मामले में हस्तक्षेप करने के इच्छुक नहीं हैं।' डीएमके की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता पी विल्सन ने दलील दी कि पार्टी आधार विवरण एकत्र नहीं कर रही है। उन्होंने तर्क दिया कि उच्च न्यायालय ने गलत आदेश पारित किया है, क्योंकि इस मामले में कोई रोक नहीं मांगी गई थी।

याचिकाकर्ता की दलील

विल्सन ने कहा, 'मेरा पूरा कार्यक्रम ठप हो गया है। 1.7 करोड़ सदस्य आए हैं और विषयगत प्रस्ताव दिए हैं। मैं वही कर रहा हूं, जो भाजपा और आम आदमी पार्टी जैसी अन्य पार्टियां कर रही हैं। मैं आधार की जानकारी इकट्ठा नहीं कर रहा हूं।'

मामला डेटा सुरक्षा और गोपनीयता के पहलुओं से जुड़ा

इससे पहले 21 जुलाई को हाईकोर्ट ने डीएमके को अपने नामांकन अभियान के लिए ओटीपी सत्यापन संदेशों का उपयोग करने से रोकते हुए एक निषेधाज्ञा जारी की थी। इसमें कहा गया कि यह मामला डेटा सुरक्षा और गोपनीयता के पहलुओं से जुड़ा है, जिनकी अदालत की ओर से जांच की जानी है। हाईकोर्ट ने कहा कि चूंकि लोगों से व्यक्तिगत डेटा एकत्र किया जा रहा है, इसलिए यह जनहित याचिका निजता के अधिकार और डेटा सुरक्षा के लिए उपलब्ध बुनियादी ढांचे को लेकर गंभीर चिंताएं पैदा करती है।

शिवगंगा जिले के टी अथिकरई गांव के निवासी की याचिका पर लगी थी रोक

शिवगंगा जिले के टी अथिकरई गांव के निवासी एस राजकुमार की ओर से दायर एक याचिका पर सुनवाई करते हुए न्यायालय ने यह आदेश पारित किया। याचिका में कहा गया है कि डीएमके कार्यकर्ता और पदाधिकारी 'ओरानियिल तमिलनाडु' की आड़ में उनके इलाके में जनता से व्यक्तिगत और आधार विवरण एकत्र कर रहे हैं।

'शेख अली गुमटी में पार्क का इस्तेमाल बैडमिंटन या बास्केटबॉल कोर्ट के रूप में न हो'

शीर्ष कोर्ट का आदेश

नई दिल्ली, 4 अगस्त (एजेंसियां)। लोधी-कालीन स्मारक 'शेख अली की गुमटी' परिसर के अंदर स्थित पार्क का इस्तेमाल बैडमिंटन या बास्केटबॉल कोर्ट के निर्माण के लिए नहीं किया जाएगा। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को यह आदेश दिया। इससे पहले शीर्ष अदालत ने दिल्ली सरकार को लोधी-कालीन स्मारक 'शेख अली की गुमटी' को कानून के तहत संरक्षित स्मारक घोषित करने के लिए एक नई अधिसूचना जारी करने का निर्देश दिया था।

जस्टिस सुधांशु धूलिया और न्यायमूर्ति अहसानुद्दीन अमानुल्लाह की पीठ ने अधिकारियों को इस क्षेत्र में कियोस्क या दुकानों सहित किसी भी व्यावसायिक गतिविधि के खिलाफ भी निर्देश दिया। शीर्ष अदालत को यह भी आश्वासन दिया गया कि चार खंडों वाले इस पार्क का रखरखाव और सौंदर्यीकरण किया जाएगा, ताकि इसकी प्राकृतिक सुंदरता बनी रहे। इसका उपयोग आम जनता के लाभ के लिए किया जा सके। पीठ के 31 जुलाई के आदेश में कहा गया, 'यहां केवल यही निर्देश दिया जाना चाहिए कि इसका उपयोग किसी अन्य उद्देश्य के लिए नहीं किया जाना चाहिए। इसके साथ ही क्षेत्र की सीमाओं को ध्यान में रखते हुए बैडमिंटन कोर्ट, बास्केटबॉल कोर्ट आदि का निर्माण जैसी कोई भी गतिविधि नहीं की जानी चाहिए।'

एअर इंडिया की सैन फ्रांसिस्को-मुंबई फ्लाइट में कॉकरोच मिले

नई दिल्ली, 4 अगस्त (एजेंसियां)। एअर इंडिया की सैन फ्रांसिस्को से कोलकाता होते हुए मुंबई जाने वाली फ्लाइट में कॉकरोच मिलने का मामला सामने आया है। दो पैसेंजर्स ने अपनी सीट के पास कॉकरोच मिलने की शिकायत थी। इसके बाद केबिन क्रू ने दोनों की सीट बदल दी। दोनों कॉकरोच देखकर परेशान हो गए थे। एयरलाइन ने एक बयान में बताया कि हमारे केबिन क्रू ने दोनों पैसेंजर्स को उसी केबिन की दूसरी सीटों पर बिठा दिया, जहां वे मुंबई पहुंचने तक आराम से बैठे थे। कोलकाता में फ्यूल भरने के दौरान, ग्राउंड क्रू ने फ्लाइट की सफाई की।

सनातन परंपरा कभी लुप्त नहीं होगी, माय ज्योतिष महाकुंभ में बोले मंत्री कपिल मिश्रा

नई दिल्ली, 4 अगस्त (एजेंसियां)। ज्योतिष महाकुंभ में दिल्ली सरकार के संस्कृति मंत्री कपिल मिश्रा भी पहुंचे। मंत्री कपिल मिश्रा ने ज्योतिष महाकुंभ में आए ज्योतिषाचार्यों का सम्मान किया।

मयूर विहार स्थित होटल क्राउन प्लाजा में हो रहे इस आयोजन में देश के प्रतिष्ठित ज्योतिषाचार्य हिस्सा ले रहे हैं। कार्यक्रम में पहुंचे मंत्री कपिल मिश्रा ने कहा कि इस कार्यक्रम में हमें बुलाने के लिए आप सभी का आभार। आप भारत की सनातन परंपरा को आगे बढ़ा रहे हैं। ये कभी लुप्त नहीं होगी। क्योंकि समाज में आप जैसे लोग हैं। उन्होंने आगे कहा कि पिछली सरकार में जब मैं मंत्री था और उस वक्त एक ज्योतिष से मेरी मुलाकात हुई। उन्होंने मुझसे कहा कि अभी छह महीने में आपका निवास परिवर्तन होने वाला है और आप किसी और पार्टी से चुनाव लड़ेंगे और वहां से मंत्री बनेंगे। तब मुझे तो ये कोई संयोग दिखाई नहीं दे रहा था। क्योंकि सरकार को दो साल हुए थे और अभी आगे के तीन साल का समय था। लेकिन उनकी भविष्यवाणी सही हुई। जो भी उनकी गणना हुई या उन्होंने की। लेकिन उससे बड़ा सटीक आभास कुछ भी नहीं हो सकता है।

दिल्ली के मंत्री कपिल मिश्रा ने कहा कि मेरा भी ज्योतिष से गहरा नाता रहा है। मुझे एक ज्योतिषी ने बताया था कि तुम पार्टी बदलकर मंत्री बनोगे। ऐसा ही हुआ। मैं ज्योतिष को दैनिक चर्या में भी मानता हूं। ज्योतिष विज्ञान है। इसके लिए भगवती की कृपा होना भी जरूरी है। ज्योतिषाचार्यों का काम भी कठिन है।

2013 केदारनाथ हादसा-कंकालों की खोज दोबारा शुरू

आपदा के बाद से हजार से ज्यादा लोग अब भी लापता; 702 की आज तक पहचान नहीं

रुद्रप्रयाग, 4 अगस्त (एजेंसियां)। केदारनाथ में 2013 में आई आपदा में लापता हुए लोगों के कंकालों की खोज इस साल फिर से शुरू हो सकती है। उस आपदा में लापता हुए 3075 लोगों का आज तक पता नहीं चल सका है। इसके लिए उत्तराखंड हाईकोर्ट में याचिका दायर की गई थी। याचिका में सरकार से लापता हुए लोगों के कंकालों की खोज करके उनका सम्मानपूर्वक अंतिम संस्कार किए जाने की अपील की गई थी। सरकार अब तक चार बार टीमें भेज चुकी है।

7 साल बाद मिले थे 703 नरकंकाल

2020 में खोजी दल ने चट्टी और गोमुखी क्षेत्र में 703 नरकंकाल बरामद किए गए थे। 2014 में 21 और 2016 में 9 कंकाल बरामद हुए थे। नवंबर 2024 को 10 टीमें विभिन्न पैदल मार्गो पर खोज में निकली थीं, लेकिन उन्हें भी

सफलता नहीं मिल पाई थी। प्राप्त कंकालों के डीएने परीक्षण के जरिए इनके परिजनों का पता लगाया जाता है। ऐसे में इस साल दोबारा सर्च टीम भेजने की तैयारी की जा रही है। आपदा प्रबंधन सचिव विनोद कुमार सुमन के अनुसार इस साल भी सर्च टीम भेजने की तैयारी है। हम रिपोर्ट को हाईकोर्ट में प्रस्तुत करने जा रहे हैं। उत्तराखंड हाईकोर्ट ने 2016 और फिर 2019 में राज्य को निर्देश दिए थे कि वह 3075 लापता लोगों के अवशेषों की तलाश करे और उनका अंतिम संस्कार करे। आदेश के बाद सरकार की ओर से केदारनाथ के आसपास के पैदल मार्गों में सर्च टीमें भेजी गई थी।

702 मृतकों को अपनों की तलाश

केदारनाथ आपदा में मारे गए 702 लोगों की आज तक पहचान नहीं हो पाई है। इन मृतकों के डीएनए नमूनों की रिपोर्ट पुलिस के पास है। पर आज तक इन मृतकों की पहचान नहीं हो पाई। क्योंकि जिन 6 हजार लोगों ने अपने डीएनए दिए थे उनमें से किसी से भी इनका मिलान नहीं हो पाया है। इसलिए अब तक 702 लोगों को अपनी पहचान का इंतजार है।

स्वतंत्र वार्ता

मंगलवार, 5 अगस्त- 2025

रेवन्ना को मिली किए की सजा

पूर्व प्रधानमंत्री एचडी देवगौड़ा के पोते एवं जनता दल (एस) के पूर्व सांसद प्रज्वल रेवन्ना को रेप के एक मामले में मिली उम्रकैद की सजा न्याय की एक ऐसी मिसाल है जिसे भूल पाना किसी भी अपराधी के बस की बात नहीं है। सबसे खास तो यही है कि इस मामले में केस दर्ज होने के करीब सालभर में पीड़िता को न्याय मिल गया। केस को त्वरित गति से निपटाने के लिए पुलिस से लेकर जूडिश्यरी तक ने असाधारण तेजी दिखाई। इससे यह भी साबित हो गया है कि अगर ठान लिया जाए, तो कोई भी अपराधी काल कोठरी में जाने से बच नहीं सकता। देखा जाए तो कर्नाटक के सबसे रसूख परिवार का प्रज्वल रेवन्ना का अपराध मानवता को शर्मसार करने वाला है। उसने कमजोर और गरीब तबके की महिलाओं से लेकर सरकारी कर्मचारियों तक को अपना शिकार बनने के लिए मजबूर किया। यहां तक कि वह अपनी पार्टी की महिला कार्यकर्ताओं को भी नहीं छोड़ा और सभी पीड़िताओं के आपत्तिजनक विडियो शूट कर ब्लैकमेल किया था। पुलिस के अनुसार, प्रज्वल रेवन्ना ने करीब 100 महिलाओं का यौन शोषण किया। उसने उस भरोसे का कत्ल किया, जो एक जनप्रतिनिधि पर जनता को होता है। उसने अपने राजनीतिक ताकत का गलत इस्तेमाल किया, जिसका दंड अब वह कैदी नंबर 15528 के रूप में जेल में रह कर भुगतेगा। पिछले साल अप्रैल में लोकसभा चुनाव से ऐन पहले प्रज्वल के निर्वाचन क्षेत्र हासन में उसके कुकृत्य को उजागर करने वाले सैकड़ों पेन ड्राइव लोगों को मिले थे। इसी के बाद उसकी असलियत सामने आई। दोषी करार दिए जाने के बाद जो प्रज्वल रेवन्ना अदालत में रो रहा था, वही मामला खुलने के बाद बचने के लिए उसने अपनी पूरी ताकत का इस्तेमाल करने में कोई कोताही नहीं बरती। वोटिंग के तुरंत बाद अपने राजनयिक पासपोर्ट का इस्तेमाल कर वह विदेश भाग गया था। यह भी आरोप है कि उसके पिता और कर्नाटक सरकार में मंत्री रहे एचडी रेवन्ना व उसकी मां भवानी रेवन्ना ने पीड़िता का अपहरण करा लिया था, ताकि वह बयान न दर्ज करा सके। लेकिन पीडिता के हिम्मत को दाद देना पडेगी। प्रज्वल रेवन्ना और उसके परिवार ने अपनी ताकत व राजनीतिक पहुंच का भरपूर इस्तेमाल किया। यह मुकदमा शायद कभी अंजाम तक नही पहुंच पाता, अगर वह पीड़िता डटी न रही होती। एसआईटी प्रमुख बीके सिंह ने भी पीडिता के हिम्मत की तारीफ करते हुए कहा कि वह चट्टान की तरह अडिग रही। उसके हौसले और हिम्मत को सलाम करते हुए जांच एजेंसी की भी प्रशंसा की जानी चाहिए। अपराध के करीब चार साल बाद सबूतों को जुटाना और इतने गतिरोध के बीच आगे बढ़ना आसान नहीं होता। प्रज्वल के खिलाफ यौन शोषण के चार मामले दर्ज किए गए थे। अभी केवल पहले मामले का फैसला आया है यानी लड़ाई अभी लंबी है। लेकिन, इस केस ने यह विश्वास पैदा किया है कि राजनीतिक हस्तक्षेप न हो और ईमानदारी बरती जाए, तो तेजी से न्याय बिल्कुल मिल सकता है। यही न्याय व्यवस्था आने वाले दिनों में नजीर की तरह पेश की जाती रहेगी।

स्कूल छोड़ती बेटियाँ: संसाधनों की कमी या सामाजिक चूक?

प्रियंका सौरभ

'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' का नारा हर गली-चौराहे, सरकारी इमारतों और बैनरों पर चमकता है, लेकिन यह नारा उन गाँवों और बस्तियों तक नहीं पहुँच पाता जहाँ बेटियाँ रोज़ स्कूल छोड़ रही हैं। हालिया रिपोर्ट से पता चला है कि 15 से 18 वर्ष की आयु वर्ग की 39.4% लड़कियाँ स्कूल से बाहर हैं। यह आंकड़ा केवल संख्या नहीं, यह हमारे सामाजिक ढांचे पर एक कठोर टिप्पणी है। घर से स्कूल की दूरी, सुरक्षित परिवहन की कमी, उच्च माध्यमिक विद्यालयों का अभाव, शौचालयों की स्थिति और सामाजिक असुरक्षा – ये सारी बातें किसी शोधपत्र की विषयवस्तु नहीं, बल्कि ज़मीनी हकीकत हैं जिनसे रोज़ हज़ारों बच्चियाँ जूझ रही हैं। और अंततः उन्हें शिक्षा से हाथ धोना पड़ता है। सरकारी आंकड़े भले ही बढ़े हुए नामांकन दिखाते हों, लेकिन हकीकत यह है कि नामांकन के बाद लड़कियाँ स्कूल तक टिक नहीं पातीं।

एक आम ग्रामीण परिदृश्य को देखें। पाँचवीं तक की स्कूल तो आसपास है, लेकिन आठवीं के बाद विद्यालय दूर है। परिवहन की कोई सुविधा नहीं। न बस, न साइकिल, न ही कोई महिला सहकर्मी या मार्गदर्शक। माता-पिता अपनी बेटी को पाँच किलोमीटर दूर अकेले भेजने से डरते हैं। उन्हें चिंता होती है कि रास्ते में कोई छेड़छाड़ न हो, कोई हादसा न हो। उस चिंता में स्कूल जाना बंद हो जाता है। शौचालयों की बात करें तो यह सिर्फ सुविधा नहीं, आत्मसम्मान और स्वास्थ्य से जुड़ा मुद्दा है। किशोरावस्था में लड़कियाँ उन परिवर्तनों से गुजरती हैं, जहाँ एक स्वच्छ और सुरक्षित शौचालय उनकी शिक्षा की निरंतरता तय कर सकता है। लेकिन अधिकांश सरकारी स्कूलों में या तो शौचालय हैं ही नहीं, या हैं तो गंदे, असुरक्षित, या क्षतिग्रस्त। माता-पिता के लिए यह एक और कारण बन जाता है अपनी बेटियों को स्कूल से हटाने का। सुरक्षा एक बड़ा मुद्दा है। जिन स्कूलों में कोई महिला शिक्षक नहीं होतीं, कोई सीसीटीवी कैमरा या गार्ड नहीं होता, वहाँ किशोर लड़कियों को भेजना आज भी माता-पिता के लिए जोखिम उठाने जैसा है। यह डर केवल अव्यवस्था से नहीं, समाज की असंवेदनशीलता से भी उपजा है। आए दिन होने वाली घटनाएं, समाचारों में आती छेड़छाड़ की खबरें इस भय को और गहरा करती हैं। इन सबके अलावा शिक्षा को लेकर समाज की प्राथमिकताएँ भी स्पष्ट नहीं हैं। एक लड़का पढ़े तो 'परिवार का भविष्य' बनता है, लेकिन लड़की पढ़े तो 'शादी की उम्र निकलने का डर' पैदा होता है। ग्रामीण क्षेत्रों में यह मानसिकता अब भी गहराई से मौजूद है। लड़कियों की शिक्षा को 'लाभ' से ज्यादा 'खर्च' माना जाता है। अब यदि इन परिस्थितियों में एक बेटी स्कूल छोड़ दे, तो क्या इसमें उसकी गलती है? या यह एक सामूहिक चूक है — व्यवस्था की, समाज की, और हमारी? इस स्थिति का समाधान केवल सरकारी योजनाओं से नहीं, ठोस क्रियान्वयन से होगा। सबसे पहले यह सुनिश्चित करना होगा कि हर गाँव से तीन किलोमीटर के दायरे में उच्चतर माध्यमिक विद्यालय हो। यह बुनियादी शैक्षिक ढांचा हर बच्चे का अधिकार है। परिवहन की सुविधा उतनी ही ज़रूरी है जितनी शिक्षक की उपस्थिति। यदि बच्चियाँ स्कूल नहीं पहुँच पाएंगी तो पढ़ेंगी कैसे? सरकार को स्कूल वैन, छात्रा साइकिल योजना या सार्वजनिक परिवहन में 'स्कूल पास' जैसे विकल्प सुनिश्चित करने होंगे। हर स्कूल में स्वच्छ और उपयोगी शौचालयों की अनिवार्यता केवल 'स्वच्छ भारत मिशन' का हिस्सा नहीं, बल्कि 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' के सच्चे मर्म का आधार होना चाहिए। महिला कर्मचारियों की नियुक्ति, नियमित निरीक्षण और साफ-सफाई के लिए स्थानीय प्रशासन को उत्तरदायी बनाया जाए। सुरक्षा के लिए प्रत्येक स्कूल में महिला शिक्षकों की उपस्थिति बढ़ाई जाए। सुरक्षा गार्ड, सीसीटीवी कैमरा और स्कूल परिसर में अभिभावकों की भागीदारी को प्रोत्साहित किया जाए। यह कदम न केवल बेटियों को सुरक्षा का भरोसा देगा, बल्कि अभिभावकों को मानसिक शांति भी।

ट्रम्प भारत और मोदी से नाराज क्यों है

राजेश कुमार पासी

डोनाल्ड ट्रंप जब चुनाव लड़ रहे थे तो भारत का एक बड़ा वर्ग उनकी जीत की कामना कर रहा था । डोनाल्ड ट्रंप के पिछले कार्यकाल के कारण उन्हें भारत समर्थक माना जा रहा था इसलिए उनकी जीत पर भारत में जश्न मनाया गया । डोनाल्ड ट्रंप ने सत्ता में आने के बाद जब अवैध भारतीय प्रवासियों को अपने देश से भारत भेजा तो पता चला कि उनका व्यवहार भारतीयों के प्रति मित्रतापूर्ण नहीं है । उन्होंने अपमानजनक तरीके से भारतीयों को भारत भेजा जिसका देश में विरोध भी हुआ । इसके बाद ट्रंप ने जब विभिन्न देशों को अमेरिका के साथ व्यापार समझौता करने के लिए टैरिफ लगाने की धमकी दी तो उन्होंने यह धमकी भारत को भी दी और कहा कि भारत अमेरिकी सामानों पर बहुत ज्यादा टैक्स लगाता है । उन्होंने भारत को अमेरिका के साथ व्यापारिक समझौता करने के लिए कई बार डेडलाइन दी और कहा कि अगर भारत के साथ अमेरिका का समझौता नहीं हो पाता है तो अमेरिका भारत पर टैरिफ लगा देगा । अब उन्होंने एक अगस्त से भारत पर 25 प्रतिशत टैरिफ के अलावा रूस के साथ व्यापार करने पर जुर्माना लगाने की घोषणा कर दी है हालांकि एक अगस्त की तारीख को बढ़ाकर 7 अगस्त कर दिया गया है । अब देखना है कि इस तारीख को आगे बढ़ाया जाता है या नहीं क्योंकि भारत ने कह दिया है कि वो किसी दबाव में आकर समझौता करने वाला नहीं है । दोनों देशों की इस सम्बन्ध में बातचीत चल रही है. जब बातचीत के बाद समझौते का रास्ता निकलेगा तो भारत अमेरिका के साथ व्यापारिक समझौता कर लेगा । भारत ने कहा है कि अगर बातचीत का सकारात्मक नतीजा नहीं निकला तो समझौता नहीं होगा । ऑपरेशन सिंदूर को लेकर जब भारत की संसद में चर्चा चल रही थी उस दौरान ही ट्रंप ने कहा था कि भारत एक मित्र देश है लेकिन उसकी टैरिफ दरें दुनिया में सबसे ज्यादा हैं । विपक्ष मोदी जी का मजाक बना रहा है कि डोनाल्ड ट्रंप उनका दोस्त है और भारत को नुकसान पहुंचाने की बात कर रहा है । वैसे देखा जाए तो डोनाल्ड ट्रंप विभिन्न देशों को अमेरिका के साथ व्यापारिक समझौता करने के लिए धमकी दे रहे हैं और कुछ देशों ने उनकी धमकी से डरकर अमेरिका के साथ समझौता भी कर लिया है । ट्रंप की बौखलाहट बढ़ती जा रही है क्योंकि भारत ने दबाव में आकर समझौता करने से मना कर दिया है । इसके अलावा उन्होंने भारत को कई बार कहा है कि वो रूस से हथियार और तेल खरीदना बंद कर दे क्योंकि इससे रूस की अर्थव्यवस्था को बहुत फायदा हो रहा है । भारत ने अभी तक उनकी इस बात पर भी कोई सकारात्मक प्रतिक्रिया नहीं दी है और कहा है कि भारत अपने हितों के अनुसार ही आगे बढ़ेगा ।

ट्रंप ने अपने चुनाव प्रचार के दौरान यूक्रेन-रूस और हमास-इजराइल युद्ध रुकवाने का वादा किया था लेकिन उन्हें इस काम में कोई कामयाबी नहीं मिली है । अब वो चाहते हैं कि भारत रूस से तेल और हथियार खरीदना बंद कर दे और दबाव में आकर रुस यूक्रेन के खिलाफ युद्ध रोक दे । इसके अलावा ऑपरेशन सिंदूर के बाद ट्रंप चाहते थे कि भारत उन्हें युद्ध विराम करवाने का श्रेय लेने दे लेकिन भारत ने इसके लिए भी हामी नहीं भरी । पाकिस्तान इस मामले पर चुप है लेकिन भारत सरकार कई बार युद्ध विराम में किसी तीसरे देश की भूमिका से इंकार कर चुकी है । मोदी जी ने तो संसद में ही घोषणा कर दी कि युद्ध विराम करवाने में किसी भी नेता की कोई भूमिका नहीं थी । इससे भी डोनाल्ड ट्रंप बहुत बुरी तरह से मोदी जी से चिढ़े हुए हैं और बार-बार युद्ध-विराम करवाने का श्रेय लेने की कोशिश कर रहे हैं । राहुल गांधी और विपक्ष के दूसरे नेता युद्ध-विराम को लेकर मोदी जी को चुनौती दे रहे हैं कि वो सार्वजनिक रूप से कह दें कि ट्रंप झूठ बोल रहे हैं । कूटनीति में ऐसे बयान नहीं दिए जाते , इसलिए मोदी जी ने ट्रंप को झूठा बोलने की जगह किसी भी नेता की भूमिका से इंकार कर दिया है । देखा जाये तो उन्होंने अप्रत्यक्ष रूप से ट्रंप को झूठा करार दिया है । इसके बाद ट्रंप का पारा और चढ़ गया है । वास्तव में ट्रंप पहले व्यापारी हैं और बाद में वो नेता हैं, इसलिए वो यह नहीं समझ पा रहे हैं कि उनकी राजनीति अमेरिका का ही नुकसान कर रही है । वो भूल गए हैं कि वैश्विक राजनीति में सब कुछ आर्थिक हितों के लिए नहीं किया जाता है । अजीब बात है कि उन्होंने भारत को चिढ़ाने के लिए पाकिस्तान के साथ समझौता करने का ऐलान कर दिया है और उस पर भारत से कम सिर्फ 19 प्रतिशत टैरिफ लगाया है । उन्होंने कहा है कि पाकिस्तान में तेल के बड़े भंडार हैं और अमेरिका पाकिस्तान की तेल निकालने में मदद करेगा. हो सकता है कि भविष्य में पाकिस्तान भारत को तेल निर्यात करे । उनके इस बयान का पाकिस्तान में ही मजाक उड़ाया जा रहा है और पाकिस्तानी पूछ रहे हैं कि वो तेल भंडार कहाँ हैं। वास्तव में ट्रम्प भारत को चिढ़ा रहे हैं लेकिन भारत उनकी इस बचकाना हरकत पर चुप है। उन्होंने इसी बौखलाहट में बयान दे दिया है कि भारत और रूस एक मरती हुई अर्थव्यवस्थाएं हैं । उनके इस बयान ने मोदी सरकार के लिए घरेलू राजनीति में मुश्किलें खड़ी कर दी हैं क्योंकि विपक्षी दलों को इस मुद्दे पर सरकार को घेरने का मौका मिल गया है। डोनाल्ड ट्रंप अमेरिका के राष्ट्रपति हैं इसलिए उनके बयान का भारत सरकार वैसा विरोध नहीं कर सकती जैसा कि किसी दूसरे वैश्विक नेता का कर सकती थी। दूसरी बात यह भी है कि ट्रम्प मोदी के दोस्त माने जाते हैं इसलिए भी मोदी का मजाक बन रहा है। देखा जाए तो ट्रंप की भाषा न तो मोदी के दोस्त की है और न ही भारत के हितैषी की है । ऐसा नहीं है कि ट्रंप सिर्फ मोदी और भारत के खिलाफ ही ऐसी भाषा बोल रहे हैं. वो कई देशों और नेताओं के साथ ऐसा कर चुके हैं । मोदी सरकार की समस्या यह है कि ट्रंप भारत के कृषि और डेयरी क्षेत्र तथा छोटे उद्योगों में भी अमेरिकी कंपनियों का प्रवेश चाहते हैं । यहां तक कि वो चाहते हैं कि अमेरिकी कंपनियों को भारत सरकार द्वारा की जाने वाली खरीद और निर्माण में भी हिस्सा लेने का मौका दिया जाए । भारत सरकार किसी भी हालत में अपने किसानों और छोटे व्यापारियों के हितों की अनदेखी नहीं कर सकती, इसलिए समझौता होने की संभावना नहीं बन पा रही है । इसके अलावा ट्रंप चाहते हैं कि भारत सबसे ज्यादा हथियार अमेरिका से खरीदे और विशेष रूप से वो चाहते हैं कि भारत एफ-35 को खरीद ले लेकिन भारत ने इससे इंकार कर दिया है । भारत का कहना है कि वो अपने हितों को देखकर ही फैसले लेगा । भारत की स्वतंत्र विदेश नीति ट्रंप को बर्दाश्त नहीं हो रही है । पिछले कई वर्षों में भारत-अमेरिका के सम्बन्ध बहुत आगे बढ़ चुके हैं लेकिन डोनाल्ड ट्रंप के कारण इन संबंधों में बिगाड़ पैदा हो रहा है । ट्रंप यह भी भूल चुके हैं कि यही भारत चीन के खिलाफ अमेरिका का प्रमुख सहयोगी देश है । बिना भारत की मदद के अमेरिका चीन का मुकाबला नहीं कर सकता ।

जो बाइडन ने यूक्रेन की मदद करके रूस को चीन की गोद में डाल दिया और अब अगर ट्रंप नहीं संभले तो भारत भी चीन के पाले में जा सकता है । भारत अपने मतभेदों के कारण चीन से दूरी बनाए हुए हैं हालांकि चीन पिछले कई सालों से भारत पर डोरे डाल रहा है और रूस भी उसकी मदद कर रहा है । अमेरिका की कई कंपनियों की बागडोर भारतीयों के हाथ में है और भारतीय अमेरिका के कई क्षेत्रों में महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं । ट्रंप जिस तरह से भारत और भारतीयों का अपमान कर रहे हैं, वो अंत में अमेरिका का ही नुकसान करेगा ।अगर ट्रंप द्वारा लगाया गया टैरिफ भारत पर लागू कर दिया जाता है तो इससे भारतीय उद्योगों को कुछ नुकसान होना स्वाभाविक है और इसके लिए भारत को तैयार रहना होगा । भारत ट्रंप के दबाव में अपने किसानों की अनदेखी नहीं कर सकता । देखना है कि भारत और अमेरिका के बीच चल रही बातचीत का क्या नतीजा निकलता है । अमेरिकी टैरिफ के लिए भारतीय कारोबारियों को तैयार रहना होगा और सरकार को भी इसमें उनकी मदद करनी होगी ।

अदालतों में करोड़ों मुकदमे लंबित न्याय के लिए भटकता आम-आदमी!

मनोज कुमार अग्रवाल

अपने देश में आम आदमी को न्याय मिलना काफी दुष्कर हो गया है। समय पर न्याय, न्याय व्यवस्था में जनता के विश्वास की आधारशिला है, जैसा कि इस कहावत में भी स्पष्ट है कि 'न्याय में देरी, न्याय से इनकार के समान है।' लंबे समय तक देरी अक्सर लोगों को अदालत जाने से रोकती है। पिछले साल, राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने इस झिझक को 'ब्लैक कोट सिंड्रोम' कहा था। लेकिन अब इसका दायरा चौंकाने वाला है। सर्वोच्च न्यायालय में 86,700 से ज़्यादा मामले, उच्च न्यायालयों में 63.3 लाख से ज़्यादा मामले और ज़िला व अधीनस्थ न्यायालयों में 4.6 करोड़ मामले लंबित हैं। कुल मिलाकर, भारत में लंबित मामलों की कुल संख्या 5 करोड़ से ज़्यादा है। हाल ही में केंद्रीय विधि एवं न्याय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने गुरुवार 31 जुलाई, 2025को राज्यसभा को बताया कि भारत भर की विभिन्न निचली अदालतों में 4.6 करोड़ से अधिक मामले लंबित हैं।यह बेहद शर्मनाक स्थिति है जबकि मौजूदा सरकार ने देश भर में समयबद्ध न्याय देने का वादा किया था लेकिन स्थिति मे कोई खास परिवर्तन नहीं हुआ है वरन लंबित मामलों की तादाद जस की तस बनी है। द्रविड़ मुनेत्र कड़गम सांसद कनिमोझी एनवीएन सोमू द्वारा उठाए गए एक प्रश्न के लिखित उत्तर में मंत्री ने कहा कि सर्वोच्च न्यायालय में 86,723 मामले लंबित हैं, जबकि भारत भर के विभिन्न उच्च न्यायालयों में 63,29,222 मामले लंबित हैं।''उच्च न्यायालयों से प्राप्त जानकारी के अनुसार, 30 जून 2025 तक 21 राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों में 865 फास्ट ट्रैक कोर्ट कार्यरत हैं।''फास्ट ट्रैक कोर्ट ने अब तक 76,57,175 मामलों का निपटारा किया है, जबकि 14,38,198 मामले अभी भी उनके पास लंबित हैं।ग्राम न्यायालय (जीएन) पोर्टल पर उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार, दिसंबर 2020 से जून 2025 तक की अवधि में ग्राम न्यायालयों में 5,39,200 मामले दर्ज किए गए। इसी अवधि में ग्राम न्यायालयों ने 4,11,071 मामलों का निपटारा किया। 30 जून 2025 तक, ग्राम न्यायालयों में लंबित मामलों की संख्या 1,28,129 है।आपकों बता दें कि मोटे तौर पर भारत की अदालतों में 6000 से अधिक जजों की कमी है जिनमें से 5000 जजों की कमी निचली अदालतों में है। 'डिपार्टमेंट आफ जस्टिस' की 1 जुलाई की रिपोर्ट के अनुसार देश के हाईकोर्टों में जजों की स्वीकृत संख्या 1122 के मुकाबले में वहां 751 पदों पर ही नियुक्तियां हुई हैं तथा 371 जजों के पद खाली हैं। देश की जनसंख्या 1.4 अरब है और जजों की कुल संख्या सिर्फ 21,285 है।देश की अदालतों में इस समय 4 करोड़ 66 लाख 24 हजार केस लम्बित हैं।

इनमें से 3 करोड़ 55 लाख 67 हजार क्रिमिनल तथा 1 करोड़ 10 लाख 57 हजार सिविल केस हैं।2025 की 'इंडिया जस्टिस रिपोर्ट' के अनुसार भारत में प्रति 10 लाख लोगों पर सिर्फ 15 जज हैं जबकि 1987 की 'कानून आयोग' की सिफारिश के अनुसार कम से कम 50 जज होने चाहिए। इसी कारण अदालतों में कार्यरत जजों पर मुकद्मों का भारी बोझ पड़ा हुआ है।

इसी रिपोर्ट में यह रहस्योद्घाटन भी किया गया है कि देश की जिला अदालतों में एक जज के पास औसतन 2,200 मुकद्मे हैं, वहीं इलाहाबाद और मध्य प्रदेश के हाईकोर्टों में प्रत्येक जज के पास 15,000 तक केस हैं। विधि और संसदीय कार्य राज्यमंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने 24 जुलाई को राज्यसभा में बताया कि हाईकोर्टों में खाली पड़ी 371 रिक्तियों में से 178 पदों के लिए नियुक्ति प्रस्ताव सरकार और हाईकोर्ट की कोलेजियम के बीच विभिन्न चरणों पर विचाराधीन हैं तथा 193 पदों के लिए अभी तक संबंधित हाईकोर्टों की कोलेजियम से सिफारिशें प्राप्त नहीं हुई हैं।ऊपर से लेकर नीचे तक देश की अदालतों में जजों की कमी का अदालतों में चल रहे मुकद्मों पर पड़ रहे दुष्प्रभाव का अनुमान निम्न में दर्ज पिछले 4 महीनों के उदाहरणों से बखूबी लगाया जा सकता है * 20 मार्च, 2025 को राजस्थान में लगभग 40 वर्ष पूर्व हुए एक नाबालिग लड़की के साथ रेप के मामले में सुप्रीमकोर्ट ने राजस्थान हाईकोर्ट द्वारा दोषी को बरी करने के फैसले को पलटते हुए उसे निचली अदालत द्वारा दी गई 7 वर्ष कैद की सजा को बहाल करने के साथ ही 4 सप्ताह में सैरेंडर करने का आदेश दिया। जजों ने कहा कि बच्ची की चुप्पी का मतलब यह नहीं लगाया जा सकता कि उसके साथ अपराध हुआ ही नहीं।

यह बहुत दुख की बात है कि इस नाबालिग लड़की और उसके परिवार को अपने जीवन के इस भयानक अध्याय को बंद करने के इंतजार में लगभग 40 वर्ष बिताने पड़े। 30 जून, 2025 को 'रांची' (झारखंड) में भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो के विशेष न्यायाधीश योगेश कुमार सिंह की अदालत ने वर्ष 2005 में 2750 रुपए रिश्वत लेने के 20 वर्ष पुराने मामले में दोषी 'जयराम चौधरी' को 5 वर्ष कैद और 6000 रुपए जुर्माने की सजा सुनाई। जुर्माना अदा न करने पर उसे 2 महीनों की और सजा काटनी होगी।21 जुलाई, 2025 को बॉम्बे हाईकोर्ट ने 19 वर्ष पुराने वर्ष 2006 के मुम्बई रेल बम धमाकों के सभी 12 आरोपियों को बरी कर दिया। इन धमाकों में 187 लोग मारे गए तथा 800 से अधिक लोग घायल हुए थे।

इस फैसले पर 24 जुलाई को सुप्रीम कोर्ट ने रोक लगा दी। 21 जुलाई, 2025 को ही 'हरदोई' (उत्तर प्रदेश) में 16 दिसम्बर, 2014 को हुए हत्याकांड के 11 वर्ष पुराने मामले में 2 भाइयों को दोषी करार देते हुए जिला एवं सत्र न्यायालय ने दोनों को उम्र कैद की सजा सुनाने के अलावा 20-20 हजार रुपए जुर्माना भी लगाया। जिला न्यायालयों में दीवानी मामलों में सबसे अधिक देरी होती है, जिससे मुकदमों के भार और क्षमता के बीच भारी अंतर उजागर होता है। इन हालातों में जरूरी है कि अदालतों में लटकती आ रही जजों की कमी जल्द से जल्द पूरी की जाए ताकि पीड़ितों को समय रहते न्याय मिल सके और वे न्याय के इंतजार में ही इस संसार से ही न चले जाएं।ऐसे हालात में आम आदमी में कानून और अदालत के प्रति विश्वास कम हो रहा है।

संविधान से संस्कृति तक: भारत का पुनर्जागरण दिवस

प्रो. आरके जैन "अरिजीत"

जब 5 अगस्त की प्रभात ने भारत की धरती को अपने आलोक से सजाया, तो वह केवल एक सूर्योदय नहीं था—वह एक नवीन युग का उद्घाटन था, जिसमें भारत की आत्मा ने अपने गौरव को पुनः खोजा। यह वह क्षण था, जब समय की धारा ने एक नया मोड़ लिया, और भारत ने अपनी एकता, आस्था और सांस्कृतिक स्वाभिमान को एक अनुपम संगम में पिरोया। 5 अगस्त कोई साधारण तारीख नहीं, बल्कि एक ऐसी चेतना का प्रतीक है, जो इतिहास के पन्नों से निकलकर भविष्य के स्वप्नों को साकार करती है। यह वह दिन है, जब दो ऐतिहासिक घटनाओं—2019 में जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 की समाप्ति और 2020 में अयोध्या में श्रीराम मंदिर के भूमिपूजन—ने भारत को एक नए शिखर पर स्थापित किया। यह दिन केवल घटनाओं का मिलन नहीं, बल्कि भारत की उस अटल यात्रा का उत्सव है, जो साहस, विश्वास और सनातन मूल्यों की विजय का गान गाती है। 5 अगस्त 2019 को जब भारत की संसद ने अनुच्छेद 370 को समाप्त करने का ऐतिहासिक निर्णय लिया, तो वह केवल एक संवैधानिक कदम नहीं था। वह एक ऐसी दीवार का विध्वंस था, जिसने दशकों तक जम्मू-कश्मीर को भारत की मुख्यधारा से अलग रखा था। यह दीवार केवल भौगोलिक नहीं थी; यह एक भावनात्मक और सांस्कृतिक खाई थी, जो भारत की एकता को चुनौती देती थी। इस निर्णय ने उस खाई को पाटा और भारत के हर कोने को एक सूत्र में बांधा। यह केवल कागजी प्रक्रिया नहीं थी; यह उस स्वप्न की साकारता थी, जो भारत को अखंड और अटल देखना चाहता था। जम्मू-कश्मीर के लोगों को समान अधिकार, अवसर और सम्मान का मार्ग प्रशस्त हुआ, और भारत ने विश्व के सामने अपनी संप्रभुता की गर्जना की। यह एक संदेश था—भारत अब किसी भी विभाजन को स्वीकार नहीं करेगा, और उसकी एकता उसकी सबसे बड़ी शक्ति है।

इस निर्णय ने न केवल राजनीतिक बदलाव लाया, बल्कि सामाजिक और आर्थिक क्षेत्रों में भी नई संभावनाओं के द्वार खोले। जम्मू-कश्मीर में शांति, स्थिरता और विकास की नई किरणें फूटीं। यह वह क्षण था, जब भारत ने अपने भीतर की एकता को पुनर्जनन दिया और विश्व को दिखाया कि वह अपनी अखंडता के लिए किसी भी चुनौती से टकराने को तैयार है। यह साहस, दूरदृष्टि और राष्ट्रप्रेम का वह प्रतीक था, जो भारत की आत्मा को और सशक्त करता है। यदि 5 अगस्त 2019 ने भारत की भौगोलिक और राजनीतिक एकता को मजबूत किया, तो 5 अगस्त 2020 ने उसकी आध्यात्मिक और सांस्कृतिक चेतना को पुनर्जागृत किया। अयोध्या में श्रीराम मंदिर के लिए भूमिपूजन का वह क्षण केवल एक धार्मिक अनुष्ठान नहीं था। वह सदियों की प्रतीक्षा, असंख्य बलिदानों और एक अटूट आस्था की पराकाष्ठा था। अयोध्या—वह पवित्र भूमि, जो मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम की जन्मभूमि के रूप में युगों से पूजित रही—उस दिन एक नए इतिहास की साक्षी बनी। जब मंत्रों की ध्वनि और दीपों की रोशनी ने अयोध्या को आलोकित किया, तो वह केवल एक मंदिर का शिलान्यास नहीं था। वह एक सभ्यता की पुनर्स्थापना थी, जो अपनी जड़ों से जुड़कर भविष्य की ओर बढ़ रही थी। उस दिन, जब पहला पत्थर मंदिर की नींव में रखा गया, वह केवल एक संरचना का आरंभ नहीं था। वह एक संकल्प था—उस विश्वास का, जिसने रामभक्तों को सदियों तक एकजुट रखा। वह एक प्रतीक था—उस सांस्कृतिक स्वाभिमान का, जो भारत की आत्मा को जीवित रखता है। श्रीराम मंदिर का संघर्ष केवल एक भूखंड के लिए नहीं था; वह भारत की सनातन पहचान की खोज थी। रामायण केवल एक कथा नहीं, बल्कि भारत का वह जीवन दर्शन है, जो मर्यादा, त्याग और धर्म के मूल्यों को सिखाता है। श्रीराम का चरित्र भारत की सांस्कृतिक नींव है, और अयोध्या में मंदिर का निर्माण इस नींव को और सशक्त करने का प्रयास है।

5 अगस्त का यह दिन भारत की एकता और आस्था का एक अनुपम संगम है। एक ओर, अनुच्छेद 370 का अंत भारत की संप्रभुता और एकता की विजय का प्रतीक है। दूसरी ओर, श्रीराम मंदिर का शिलान्यास भारत की आध्यात्मिक और सांस्कृतिक चेतना की पुनर्स्थापना है। यह दिन यह सिद्ध करता है कि भारत अपनी जड़ों से जुड़कर ही अपने भविष्य का निर्माण कर सकता है। यह एक ऐसी कथा है, जो साहस, विश्वास और संकल्प की ताकत को रेखांकित करती है। यह हमें सिखाता है कि सत्य और न्याय की राह में चाहे जितनी भी बाधाएं आएं, अंत में विजय सत्य की ही होती है।

5 अगस्त अब केवल एक तिथि नहीं, बल्कि एक प्रबल प्रेरणा का प्रतीक है। यह हमें स्मरण कराता है कि भारत मात्र एक भूखंड नहीं, अपितु एक सजीव चेतना है, जो अपनी बहुरंगी विविधता में अखंड एकता का दर्शन कराती है।

सही कैरियर चुनना हर छात्र के जीवन में एक महत्वपूर्ण मोड़ है

विजय गर्ग

कैरियर पथ चुनना एक छात्र के लिए सबसे महत्वपूर्ण और महत्वपूर्ण निर्णयों में से एक है। चाहे छात्र वैज्ञानिक नवाचार, वित्तीय रणनीति या सामाजिक प्रभाव की ओर झुका हो, प्रत्येक धारा मजबूत करियर बनाने के लिए एक मजबूत नींव प्रदान करती है। सभी धाराओं में पारंपरिक से आधुनिक प्रौद्योगिकी-संचालित पाठ्यक्रमों तक उपलब्ध विकल्पों की एक सरणी के साथ, यह और भी अधिक भारी बनाता है। छात्रों को अपने हितों और वर्तमान बाजार के रुझानों के साथ संरेखित मार्ग का चयन करने की आवश्यकता है, एक बार सोच समझकर, उन्हें उज्ज्वल भविष्य से कुछ भी नहीं रोक सकता है। विज्ञानः दुनिया भर में नवाचार को स्थानांतरित करना जबकि चिकित्सा, नर्सिंग और इंजीनियरिंग में पारंपरिक पाठ्यक्रम उच्च मांग में बने हुए हैं और सुरक्षित कैरियर विकल्प प्रदान करते हैं, प्रौद्योगिकी में उन्नति ने नए कैरियर विकल्पों को जन्म दिया है जो भविष्य के प्रमाण हैं। सॉफ्टवेयर विकास, साइबर सुरक्षा, एयरोस्पेस और सिस्टम इंजीनियरिंग में भूमिकाएं एआई / एमएल, रोबोटिक्स और डेटा विज्ञान के उदय के साथ तेजी से विस्तार कर रही हैं। जीव विज्ञान के साथ प्रौद्योगिकी के एकीकरण के कारण जैव प्रौद्योगिकी, जैव सूचना विज्ञान, खाद्य प्रौद्योगिकी, माइक्रोबायोलॉजी, चिकित्सा और डिजाइन इंजीनियरिंग जैसे विविध विषयों का उद्भव हुआ है, जो वैज्ञानिक नवाचार के साथ रचनात्मकता को सम्मिश्रण करता है। वाणिज्य स्ट्रीम उन छात्रों के लिए आदर्श है जो संख्या, रणनीति और प्रबंधन में रुचि रखते हैं।

जबकि बीबीए, बी.कॉम, एमबीए जैसे पाठ्यक्रम कॉर्पोरेट, उद्यमशीलता और सार्वजनिक क्षेत्रों में कैरियर पथ प्रदान करते हैं, फिनटेक, ई-कॉमर्स और डिजिटल मार्केटिंग के उद्भव ने छात्रों के लिए नए कैरियर पथ खोले हैं। जिन लोगों के लिए वित्त और प्रौद्योगिकी में विशेष रुचि है, वे क्रिप्टोक्यूरेंसी, ब्लॉकचेन और डिजिटल भुगतान समाधान में करियर पर विचार कर सकते हैं। कलाः सृजन की समीक्षा की यह स्ट्रीम रचनात्मक झुकाव और महत्वपूर्ण सोच वाले छात्रों के लिए उपयुक्त है और विशेष रूप से डिजिटल प्लेटफार्मों के विकास और रचनात्मक पेशेवरों की मांग के साथ विविध कैरियर के अवसर प्रदान करता है। एआर / वीआर टेक्नोलॉजी के आगमन से एनीमेशन, ग्राफिक डिजाइन और यूएक्स / यूआई डिजाइन में एक संपन्न कैरियर बना है। डिजिटल मीडिया बूम ने पत्रकारिता, जनसंपर्क और ऑनलाइन सामग्री निर्माण में एक विस्तारित कैरियर का नेतृत्व किया है। रचनात्मक कला जैसे रंगमंच, संगीत और घटना समन्वय में अवसर पनप रहे हैं। ऐसे आकर्षक कैरियर विकल्पों में से कुछ मनोविज्ञान, यात्रा और पर्यटन, फोटोग्राफी, लिबरल आर्ट्स, पाक कला, फैशन डिजाइन, कपड़ा डिजाइन, आंतरिक डिजाइन और कई और अधिक हैं। आज के तेजी से विकसित होने वाले आर्थिक परिदृश्य में, क्षेत्रों में कैरियर के अवसरों की अधिकता है। छात्रों को अपने हितों और शक्ति पर ध्यान केंद्रित करने, प्रासंगिक पाठ्यक्रमों को आगे बढ़ाने और इस विकसित इलाके को नेविगेट करने और सफल और पूरा करने वाले करियर को पूरा करने के लिए बदलती गतिशीलता के बराबर रहने की आवश्यकता है।

श्रीहरि की तरह शिव ने भी लिए हैं अवतार
नृसिंह का क्रोध शांत करने के लिए प्रकट हुए थे शरभदेव

अभी सावन महीना चल रहा है और ये महीना 9 अगस्त तक रहेगा। इस महीने में पूजा के साथ ही भगवान शिव की कथाएं पढ़ने-सुनने का भी विशेष महत्व है। शास्त्रों के मुताबिक जैसे भगवान विष्णु ने समय-समय पर अवतार लिए हैं, ठीक इसी तरह शिव जी ने भी 19 अवतार लिए हैं।

शरभ अवतार – जब शिव ने शांत किया भगवान नृसिंह का क्रोध

भगवान विष्णु ने जब हिरण्यकश्यपु का वध करने के लिए नृसिंह रूप धारण किया तो हिरण्यकश्यपु के वध के बाद भी भगवान का क्रोध शांत नहीं हुआ। सृष्टि में असंतुलन की स्थिति बनने लगी। तब शिव जी ने शरभ अवतार लिया। शरभ अवतार का स्वरूप विचित्र था, इसमें भगवान का आधा शरीर आधे शरभ आठ पैरों वाला ताकतवर जीव का और आधा शरीर पक्षी की तरह था। शरभदेव ने नृसिंह को शांत करने की कोशिश की, लेकिन जब वे नहीं माने तो शिव ने अपनी पूंछ में नृसिंह को लपेटा और आकाश में उड़ गए। इसके बाद भगवान नृसिंह शांत हुए।

पिप्पलाद मुनि – जिसने शनिदेव को दिया था शाप

पिप्पलाद मुनि, दधीचि ऋषि के पुत्र, शिव जी के अवतार माने जाते हैं। जब उन्हें पता चला कि बचपन में उनके पिता शनि के अशुभ प्रभाव के कारण बिछड़ गए थे, तो उन्होंने शनिदेव को शाप देकर आकाश से गिरा दिया था। देवताओं की प्रार्थना पर पिप्पलाद मुनि ने शनि को क्षमा किया, लेकिन उन्होंने शनिदेव के सामने ये शर्त रखी कि अब से वे किसी भी व्यक्ति को 16 वर्ष की उम्र तक कोई पीड़ा नहीं देंगे। शनि इस बात के तैयार हो गए और उन्हें अपना स्थान फिर से मिल गया।

नंदी अवतार – शिव के सबसे प्रिय सेवक

शिलाद मुनि एक ब्रह्मचारी ऋषि थे। उन्होंने विवाह नहीं किया था तो एक दिन उनके पितरों ने शिलाद मुनि से संतान पैदा करने के लिए कहा, ताकि उनका वंश आगे बढ़ सके। इसके बाद शिलाद ने संतान पाने के लिए भगवान शिव की तपस्या की। तब शिव जी ने स्वयं शिलाद के यहां पुत्र रूप में जन्म लेने का वरदान दिया।

कुछ समय बाद हल चलाते समय शिलाद मुनि को भूमि से एक बालक मिला। शिलाद ने उसका नाम नंदी रखा। बाद में जब नंदी बड़े हुए तो शिव जी ने उन्हें अपना]गणाध्यक्ष बनाया। इस तरह नंदी नंदीश्वर और शिव जी के प्रिय बन गए।

भैरव अवतार – जब शिव ने ब्रह्मा का अभिमान तोड़ा

भैरव देव भी शिव जी के स्वरूप हैं। पौराणिक कथा है कि एक बार ब्रह्मा जी और विष्णु जी खुद को श्रेष्ठ बता रहे थे, विवाद कर रहे थे। तभी वहां शिव जी तेजपुंज से एक व्यक्ति के रूप में प्रकट हुए। उस समय ब्रह्मा जी ने कहा कि तुम मेरे पुत्र हो। ये सुनकर शिव जी को क्रोध आ गया। तब शिव जी ने उस व्यक्ति से कहा कि काल की तरह दिखने की वजह से आप कालराज हैं और भीषण होने से भैरव हैं। कालभैरव ने ब्रह्मा का पांचवां सिर काट दिया था। इसके बाद काशी में कालभैरव को ब्रह्महत्या के दोषी से मुक्ति मिली थी।

अश्वत्थामा – महाभारत का अमर योद्धा

महाभारत के समय द्रोणाचार्य के पुत्र अश्वत्थामा को शिव जी का ही अंशावतार माना जाता है। द्रोणाचार्य ने शिव जी को पुत्र रूप में पाने के लिए तप किया था। शिव जी ने उन्हें वर दिया था कि वे उनके पुत्र के रूप में अवतार लेंगे। महाभारत युद्ध के अंत में अश्वत्थामा और अर्जुन ने एक-दूसरे को खत्म करने के लिए ब्रह्मास्त्र निकाल लिया था। उस समय वेद व्यास के समझाने पर अर्जुन ने तो अपना ब्रह्मास्त्र वापस ले लिया, लेकिन अश्वत्थामा ब्रह्मास्त्र को वापस लेने की विधि नहीं जानते थे, तब अश्वत्थामा ने ब्रह्मास्त्र को अभिमन्यु की पत्नी उत्तरा के गर्भ पर छोड़ दिया था। भगवान श्रीकृष्ण ने अपनी माया से उत्तरा के गर्भ में पल रहे परीक्षित की रक्षा की। इसके बाद श्रीकृष्ण ने अश्वत्थामा की मणि निकाल ली और कलियुग के अंत भटकने का शाप दे दिया।

वीरभद्र – सती के आत्मदाह पर प्रकट हुआ शिव का क्रोध देवी सती ने अपने पिता दक्ष के यज्ञ में अपमानित होकर यज्ञ कुंड में कूदकर अपनी देह त्याग दी थी। जब ये बात शिव जी को मालूम हुई तो उन्होंने क्रोधित होकर अपनी जटाओं से वीरभद्र को उत्पन्न किया और वीरभद्र को आदेश दिया कि वह दक्ष का अंत कर दे। वीरभद्र ने यज्ञ स्थल पर जाकर दक्ष का सिर काट दिया। बाद में सभी देवताओं की प्रार्थना पर शिव जी ने दक्ष के शरीर पर बकरे का सिर लगाकर उसे पुनर्जीवित किया था।

दुर्वासा मुनि – क्रोध के प्रतीक, शिव के अंश से जन्मे सती अनुसूइया और उनके पति महर्षि अत्रि ने पुत्र प्राप्त करने के लिए तप किया था। तप से प्रसन्न होकर उनके सामने ब्रह्मा, विष्णु और शिव जी प्रकट हुए थे। तब तीनों भगवानों ने कहा था कि हमारे अंश से आपके यहां तीन पुत्र पैदा होंगे। इसके बाद अनुसूइया और अत्रि के यहां ब्रह्मा जी के अंश से चंद्र, विष्णु जी के अंश से दत्तात्रेय और शिव जी के अंश से दुर्वासा मुनि ने जन्म लिया था।

हनुमान – राम जी का परम भक्त शिव जी का ये अवतार हनुमान जी को शिव जी का अंशावतार माना जाता है। सीता जी के वरदान से वे अजर-अमर हैं। हनुमान जी कभी बूढ़े नहीं होंगे और अमर रहेंगे। वे शिव के गुणों, बल, भक्ति और सेवा के प्रतीक हैं।

किरात अवतार – जब शिव ने अर्जुन की परीक्षा ली

महाभारत में अर्जुन शिव जी से दिव्यास्त्र पाने के लिए तप कर रहे थे। उस समय एक असुर सूअर के रूप में अर्जुन को मारने के लिए पहुंच गया था। जब अर्जुन ने सूअर पर बाण छोड़ा तो उसी समय एक किरात वनवासी ने भी एक बाण सूअर को मारा था।

एक साथ अर्जुन और किरात के दो बाण उस सूअर को लगे। इसके बाद अर्जुन और किरात के बीच सूअर पर अधिकार पाने के लिए युद्ध हुआ था। युद्ध में अर्जुन की वीरता देखकर शिव जी प्रसन्न हुए और अर्जुन को दिव्यास्त्र दिया था।

अर्धनारीश्वर – शिव और शक्ति का संयुक्त स्वरूप

शिवपुराण के मुताबिक, ब्रह्मा जी सृष्टि की रचना कर दी थी, लेकिन सृष्टि आगे नहीं बढ़ रही थी। तभी ब्रह्मा जी के सामने आकाशवाणी हुई कि उन्हें मैथुनी सृष्टि की रचना करनी चाहिए। इसके बाद ब्रह्मा जी ने शिव जी प्रसन्न करने के लिए तप किया। शिव जी अर्द्धनारिश्वर के रूप में प्रकट हुए यानी शिव जी का आधा शरीर पुरुष का और आधा शरीर स्त्री यानी देवी पार्वती का था। इसके बाद शिव जी ने अपने शरीर से शक्ति यानी देवी को अलग किया और इसके बाद से सृष्टि आगे बढ़ने लगी।

12 साल बाद अपनी उच्च राशि में लौटेंगे देवगुरु बृहस्पति
ढाई महीने तक इन तीन राशियों को देंगे राजयोग का सुख

ज्योतिष में बृहस्पति को सबसे शुभ ग्रह माना जाता है। कहते हैं जिसकी कुंडली में ये ग्रह मजबूत स्थिति में होता है उन पर ईश्वर की विशेष कृपा सदैव बनी रहती है। ज्योतिष में गुरु को ज्ञान, बुद्धि, विवाह, विद्या, धर्म और संतान का कारक ग्रह माना जाता है जो किसी भी राशि में पूरे 1 साल तक विराजमान रहता है। इस समय गुरु मिथुन राशि में गोचर कर रहे हैं लेकिन 18 अक्तूबर 2025 से ये कर्क राशि में गोचर करने लगेंगे। कर्क गुरु की उच्च राशि है इसलिए इस राशि में गुरु का गोचर कुछ राशि वालों के लिए बेहद लाभकारी साबित होगा। जानिए ये कौन सी राशियां हैं।

मेष राशि वालों के लिए खुशखबरी

मेष राशि वालों के लिए ये गोचर अत्यंत शुभ फल देने वाला रहेगा। आपको करियर में ग्रोथ मिलेगी। नई नौकरी के शुभ संयोग बनेंगे। विदेश में नौकरी प्राप्त करने का सपना पूरा हो सकता है। कोई सुखद समाचार सुनने को मिलेगा। मान-सम्मान में बढ़ोतरी होगी। अचानक से धन की प्राप्ति के योग बन रहे हैं।

कर्क राशि वालों का बढ़ेगा पैसा

कर्क राशि वालों के लिए ये गोचर अत्यंत लाभकारी रहेगा। कोई बड़ी इच्छा पूरी हो सकती है। बिजनेस में सफलता मिलेगी। जीवन में खुशिया बनी रहेंगी। अचानक से धन की प्राप्ति के योग बनेंगे। प्रेम संबंधों में मजबूत आएगी। जिस काम में हाथ डालेंगे सफल होंगे।

वृश्चिक राशि वाले पाएंगे सुनहरी सफलता

इस राशि वालों के लिए भी ये गोचर बेहद लाभकारी साबित होगा। आर्थिक स्थिति पहले से बढ़िया हो जाएगी। नौकरी में पदोन्नति के प्रबल आसार हैं। लव लाइफ अच्छी रहेगी। अध्यात्मिक यात्रा पर जा सकते हैं। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा।

कल सावन का आखिरी प्रदोष व्रत ?

सावन माह कई मायनों में खास होता है, इस माह में मुख्यतः शिवपरिवार की पूजा का विधान है। मान्यता है कि सावन माह में ही शिव-शक्ति का मिलन हुआ था। यह अब जल्द अपने समापन की ओर बढ़ रहा है।

इससे पहले सावन माह का आखिरी प्रदोष व्रत आएगा, जो शिव पूजा के लिए बेहद खास माना जाता है। बता दें कि सावन माह का आखिरी प्रदोष व्रत शुक्ल पक्ष की त्रयोदशी तिथि को मनाया जाएगा। इस दिन भगवान शिव और मां पार्वती की पूजा की जाएगी। आइए जानते हैं कि प्रदोष व्रत कब मनाया जाएगा...

कब है बुध प्रदोष व्रत 2025 ?

हर माह के कृष्ण और शुक्ल पक्ष की त्रयोदशी तिथि पर प्रदोष व्रत मनाया जाता है। इस शुभ अवसर पर शिव और देवी पार्वती की पूजा का विधान है। हिंदू पंचांग की मानें तो सावन माह के शुक्ल पक्ष की त्रयोदशी तिथि 06 अगस्त की दोपहर 02.08 बजे आरंभ होगी। वहीं, 07 अगस्त की दोपहर 02.24 बजे समाप्त होगी। चूंकि भगवान शिव की पूजा प्रदोष काल में करने का विधान है। ऐसे में प्रदोष व्रत 06 अगस्त को मनाया जाएगा। प्रदोष व्रत बुधवार के दिन पड़ रहा है, ऐसे में इसे बुध प्रदोष व्रत कहा जा रहा है।

शुभ योग

06 अगस्त को यानी सावन शुक्ल पक्ष की त्रयोदशी तिथि पर शिववास योग का निर्माण हो रहा है। जो शिव पूजा के लिए बेहद शुभ माना जा रहा है। इस दिन शिव जी की पूजा से मनोवांछित फल की प्राप्ति होती है। साथ ही हर परेशानी दूर हो जाती है।

प्रदोष व्रत पूजा विधि

इस दिन ब्रह्म मुहूर्त में उठें और स्नान आदि कर्म से निवृत्ति होकर साफ कपड़ें पहनें। फिर घर के मंदिर की सफाई करें या फिर शिव मंदिर जाएं।

इसके बाद शिवलिंग पर पंचामृत यानी जल, गंगाजल, दूध, दही, शहद आदि से अभिषेक करें। अभिषेक के दौरान ॐ नमो भगवते रुद्राय नमः मंत्र का जप करते रहें। फिर शिव जी को सफेद चंदन, धतूरा, शमी के पत्ती, फूल, फल और भस्म अर्पित करें।

इसके बाद घी का दीपक जलाएं और भगवान शिव की आरती करें। फिर पूजा के दौरान की गई गलती के लिए क्षमा मांगें।

यह पूजा सुबह और शाम करनी चाहिए।

सही कुर्सी और रंग से बदल सकता है आपके व्यवसाय का भाग्य

—काली कुर्सी या काले रंग का आसनः दुर्भाग्यपूर्ण घटनाएं और कार्य में बाधाएं।
—भूरी या नीली कुर्सीः व्यापार में अत्यधिक उतार-चढ़ाव और हानि की संभावनाएं।
—लोहे की कुर्सीः कारोबार में मंदी आती है।
—एल्युमिनियम की कुर्सीः अचानक हानि का संकेत देती है।

सकारात्मक प्रभाव डालने वाले रंग और उपायः

—हरी कुर्सी या हरे रंग का आसनः धन का आगमन बढ़ता है और व्यापार में उन्नति होती है।
—लाल कुशन या आसनः जल्द प्रमोशन और व्यवसायिक वृद्धि का योग बनता है।
—पीला कुशनः रोजगार से जुड़ी बाधाएं दूर होती हैं।
—सफेद कुशनः कार्यस्थल की समस्याओं में कमी आती है।

वास्तु टिपः दक्षिण दिशा, जिसे कार्यक्षेत्र से जोड़ा गया है, वहां मंगल का प्रभाव रहता है। यदि आपकी कुर्सी इस दिशा में है, तो विशेष रूप से उपयुक्त रंग और सामग्री का चुनाव करें ताकि अनचाही रुकावटों से बचा जा सके।

हम ऊंचे लक्ष्य तय करें और उन्हें प्राप्त करने के लिए कठिन परिश्रम को अपनाएं

हम ऊंचे लक्ष्य तय करें और उन्हें प्राप्त करने के लिए कठिन परिश्रम और साधना को अपनाएं, तभी लक्ष्य हासिल किए जा सकते हैं। एक ऐसी दिनचर्या अपनाएं, जिसमें हम निरंतर श्रम करते रहें। हमारा विश्वास और श्रद्धा अटूट रहे। हम आलस से दूर रहें।

प्रश्नोपनिषद की कथा

बहुत समय पहले, भारत के एक पवित्र आश्रम में महर्षि पिप्पलाद और उनके शिष्य निवास करते थे। महर्षि पिप्पलाद अपनी गहन तपस्या और ज्ञान के लिए प्रसिद्ध थे। उनके पास छह विद्वान शिष्य आए, जो आत्मज्ञान की खोज में थे। ये छह शिष्य थेः कबन्धि कात्यायन, भारद्वाज, कौशल्य अश्वलायन, सौर्यायणी गर्ग्य, सत्यकाम जाबालि, और सुकेश भारद्वाज। ये सभी शिष्य महर्षि पिप्पलाद के पास अपने-अपने प्रश्नों के उत्तर खोजने आए थे।

कबन्धि कात्यायन का प्रश्न

कबन्धि कात्यायन ने महर्षि से पूछा, "भगवन, सृष्टि का उत्पत्ति कैसे होती है?"

महर्षि ने उत्तर दिया, "प्रजापति ने इच्छा की कि वे सृष्टि की उत्पत्ति करें। उन्होंने पहले प्राण का निर्माण किया और फिर उनसे मन, सत्य, ऋतु, दिशाएं, जल, पृथ्वी, आकाश और अग्नि का सृजन किया। इन सभी तत्वों के माध्यम से प्रजापति ने सृष्टि की उत्पत्ति की।"महर्षि ने शिष्य को बताया कि प्राण ही सृष्टि का मूल है और उसके माध्यम से ही सभी वस्तुओं की उत्पत्ति होती है।

भारद्वाज का प्रश्न

भारद्वाज ने पूछा, "हे महर्षि, प्राण का स्वरूप क्या है और कैसे यह शरीर में निवास करता है?"

महर्षि पिप्पलाद ने उत्तर दिया, "प्राण पंचवायु के रूप में शरीर में निवास करता है। ये पाँच वायुएँ हैंः प्राण, अपान, व्यान, उदान और समान। प्राण का स्थान हृदय में है, अपान का नीचे के अंगों में, व्यान पूरे शरीर में, उदान गले में और समान नाभि में। ये सभी वायुएँ शरीर के विभिन्न क्रियाओं को संचालित करती हैं।"

कौशल्य अश्वलायन का प्रश्न

कौशल्य ने पूछा, "हे गुरु, निद्रा और जागृति की स्थिति में कौन जागृत रहता है?"

महर्षि ने उत्तर दिया, "मन और आत्मा जागृत रहते हैं। जब व्यक्ति निद्रा में होता है, तब भी प्राण और आत्मा सक्रिय रहते हैं। प्राण शरीर को जीवित रखता है और आत्मा अनुभव करती रहती है। इसलिए, निद्रा और जागृति दोनों स्थितियों में आत्मा का अनुभव होता है।"

सौर्यायणी गर्ग्य का प्रश्न

सौर्यायणी ने पूछा, "हे महर्षि, प्राण का महत्व क्या है और यह कैसे जीवों में निवास करता है?"

महर्षि ने उत्तर दिया, "प्राण ही जीवन का आधार है। इसके बिना कोई जीवित नहीं रह सकता। प्राण का निवास शरीर के प्रत्येक कोशिका में होता है और यह जीवन शक्ति को बनाए रखता है। जब तक प्राण शरीर में होता है, तब तक जीवित रहता है। प्राण का महत्व इतना है कि यह जीवन और मृत्यु का निर्धारण करता है।"

सत्यकाम जाबालि का प्रश्न

सत्यकाम ने पूछा, "हे गुरु, ध्यान और तपस्या के माध्यम से आत्मा का ज्ञान कैसे प्राप्त होता है?"

महर्षि पिप्पलाद ने उत्तर दिया, "ध्यान और तपस्या के माध्यम से मन को शुद्ध करना होता है। जब मन शांत और शुद्ध होता है, तब आत्मा का साक्षात्कार होता है। ध्यान और तपस्या के माध्यम से व्यक्ति अपने अंदर की दिव्यता को पहचानता है और ब्रह्म से एकाकार होता है।"

सुकेश भारद्वाज का प्रश्न

सुकेश ने पूछा, "हे महर्षि, आत्मा और ब्रह्म के संबंध में क्या सत्य है?"

महर्षि ने उत्तर दिया, "आत्मा और ब्रह्म एक ही हैं। आत्मा ब्रह्म का अंश है और ब्रह्म आत्मा का स्वरूप है। इस सत्य को जानने के लिए व्यक्ति को अपने अंदर की दिव्यता को पहचानना होता है। जब आत्मा और ब्रह्म का साक्षात्कार होता है, तब व्यक्ति अद्वैत सत्य को समझता है।"

इस प्रकार, महर्षि पिप्पलाद ने अपने शिष्यों को उनके प्रश्नों के उत्तर दिए और आत्मज्ञान की दिशा में मार्गदर्शन किया। प्रश्नोपनिषद का यह ज्ञान आज भी हमें आत्म-साक्षात्कार और शांति की ओर प्रेरित करता है। महर्षि पिप्पलाद की शिक्षाएँ हमें यह सिखाती हैं कि जीवन का वास्तविक उद्देश्य आत्मा और ब्रह्म के अद्वैत स्वरूप को समझना और उसे अपने जीवन में अपनाना है।

महर्षि पिप्पलाद का जीवन परिचय।

महर्षि पिप्पलाद, भारतीय वेदांत और उपनिषद के महान ऋषि थे। वे यजुर्वेद की शाखा के प्राचीन ऋषियों में से एक थे और उनका नाम प्राचीन भारतीय साहित्य में विद्यमान है। पिप्पलाद का नाम "पिप्पल" वृक्ष से जुड़ा हुआ है, जिसके नीचे उन्होंने गहन तपस्या और साधना की थी। उनके जन्म और प्रारंभिक जीवन के बारे में विस्तृत जानकारी उपलब्ध नहीं है, लेकिन वे अपने ज्ञान और तपस्या के कारण अत्यंत सम्मानित और पूजनीय माने जाते हैं।

महर्षि पिप्पलाद ने अपने जीवन को वेदों और उपनिषदों के अध्ययन और उनके प्रसार के लिए समर्पित किया। वे अद्वैत वेदांत के प्रमुख आचार्यों में से एक थे और उनकी शिक्षाएँ "प्रश्नोपनिषद" के माध्यम से प्रसिद्ध हैं। पिप्पलाद ने अपने शिष्यों को ब्रह्मज्ञान और आत्मा के अद्वैत स्वरूप के बारे में गहन ज्ञान दिया।

रोमियो में शाहिद के साथ पहली बार नजर आएंगी तमन्ना भाटिया

शाहिद कपूर अपनी अपकमिंग फिल्म 'रोमियो' को लेकर चर्चा में हैं। फिल्म का निर्देशन विशाल भारद्वाज कर रहे हैं। फिल्म को लेकर एक बड़ी अपडेट सामने आई है। इस फिल्म के साथ अब तमन्ना भाटिया का नाम जुड़ गया है। अभिनेत्री इसमें अहम किरदार निभा सकती हैं।

तमन्ना निभाएंगी अहम किरदार

एक खबर के मुताबिक एक्शन-थ्रिलर फिल्म में तमन्ना भाटिया अहम किरदार निभाएंगी। बताया जाता है कि यह फिल्म इसी साल रिलीज हो सकती है। इससे पहले खबरें थीं कि फिल्म में शाहिद कपूर के साथ तृप्ती डिमरी होंगी। अब इस फिल्म से तमन्ना का भी नाम जुड़ गया है।

पहली बार साथ काम कर रहे शाहिद और तृप्ति

यह पहला मौका है जब शाहिद कपूर तृप्ति डिमरी के साथ किसी फिल्म में का म करेंगे। दोनों एक दूसरे के साथ काम करने को लेकर उत्साहित हैं। वहीं दूसरी तरफ दावा है कि तमन्ना भाटिया ने इस फिल्म में अपने हिस्से की शूटिंग पूरी कर ली है। फिल्म अपने आखिरी च र ण में है।

दिशा पाटनी होंगी फिल्म का हिस्सा

बताया जाता है कि यह फिल्म विशाल भारद्वाज की अब तक की सबसे बड़ी कमर्शियल फिल्म है। फिल्म में शाहिद ऐसा किरदार निभा रहे हैं जिनके कई रंग हैं। दिशा पाटनी भी इस फिल्म का हिस्सा होंगी। विशाल भारद्वाज '7 खून माफ', 'हैदर', 'कमीने' 'पटाखा' और 'खुफिया' जैसी फिल्में बनाने के लिए जाने जाते हैं। फिल्म के निर्माता साजिद नाडियाडवाला है।

फिल्म की रिलीज डेट सामने आई

फिल्म 'रोमियो' का नाम पहले 'अर्जुन उस्तरा' था। बताया यह भी जाता है कि रिलीज से पहले फिल्म का जोर-शोर से प्रचार किया जाएगा। फिल्म का पोस्टर सितंबर के अंत तक आएगा। इसके बाद टीजर, फिर ट्रेलर। फिल्म 5 दिसंबर 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

नेशनल अवॉर्ड जीतने पर भी जूरी पर क्यों भड़कीं साउथ एक्ट्रेस उर्वशी ?

71वें नेशनल अवॉर्ड में उर्वशी रौतेला ने बेस्ट सपोर्टिंग एक्ट्रेस का खिताब अपने नाम किया। इसके बावजूद अभिनेत्री जूरी सदस्यों पर भड़कती नजर आ रही हैं। शुक्रवार को नेशनल अवॉर्ड के विजेताओं की घोषणा हुई, जिसमें अभिनेत्री उर्वशी रौतेला को मलयालम फिल्म 'उल्लुझुकु' के लिए बेस्ट सपोर्टिंग एक्ट्रेस का पुरस्कार मिला। अब एक्ट्रेस ने अवॉर्ड जीतने के बाद एक इंटरव्यू में नेशनल अवॉर्ड के चयन प्रक्रिया पर सवाल उठाए हैं।

उर्वशी रौतेला ने जूरी पर उठाए सवाल

हाल ही में उर्वशी रौतेला ने खुद को नेशनल अवॉर्ड के लिए सपोर्टिंग एक्ट्रेस की श्रेणी में शामिल किए जाने पर सवाल किया है। उन्होंने कहा, 'क्या अभिनय का कोई मानक होता है?

या फिर ऐसा है कि एक निश्चित उम्र के बाद आपको बस यही मिलेगा?' इसके साथ ही एक्ट्रेस ने सवाल किया, 'यह पेंशन राशि नहीं है जिसे चुपचाप स्वीकार कर लिया जाए। ये फैसले कैसे लिए जाते हैं?

किन मानदंडों का पालन किया जाता है?' आपको बताते चलें कि अभिनेत्री बेस्ट एक्ट्रेस की दौड़ में भी शामिल थीं। सवाल उठाने के पीछे ये भी कारण हो सकता है।

'उल्लुझुकु' फिल्म के बारे में

अभिनेत्री उर्वशी रौतेला को 'उल्लुझुकु' फिल्म के लिए बेस्ट एक्ट्रेस इन ए सपोर्टिंग रोल के लिए नेशनल अवॉर्ड मिला। इसके अलावा आपको बताते चलें कि इस फिल्म को मलयालम भाषा में बेस्ट फीचर फिल्म के लिए भी राष्ट्रीय पुरस्कार मि ला । 'उल्लुझुकु का निर्देशन क्रिस्टो टॉमी ने किया है। इस फिल्म में उर्वशी और पार्वती थिरुवोथु अहम भूमिकाओं में हैं।

वहीं इसमें अर्जुन राधाकृष्णन, एलेन्सियर ले लोपेज, प्रशांत मुरली और जया कुरुप जैसे कलाकार भी नजर आएं हैं।

उर्वशी रौतेला का वर्कफ्रंट

उर्वशी रौतेला के करियर फ्रंट की बात करें तो हाल ही में सनी देओल की फिल्म 'जाट' में उन्होंने एक आइटम नंबर किया था। इसके अलावा वह फिल्म 'वेलकम टू द जंगल' और 'कसूर 2' में भी नजर आने वाली हैं।

पंकज त्रिपाठी पर है महुआ मोइत्रा का क्रश लिखे कई खत, साथ में पीना चाहती थीं कॉफी

पॉलिटिशियन महुआ मोइत्रा ने अपने एक कबूलनामे से लोगों को हैरान कर दिया है। महुआ मोइत्रा पार्लियामेंट में बेबाक भाषण और बहस के लिए जानी जाती हैं। महुआ का यह कबूलनामा उनकी सार्वजनिक छवि से थोड़ा अलग है। उन्होंने कबूल किया है कि उनका अभिनेता पंकज त्रिपाठी पर क्रश है।

महुआ का पंकज त्रिपाठी पर क्रश है

एक समाचार पत्र से बात करते हुए महुआ ने बॉलीवुड की अपनी पसंदीदा फिल्म के बारे में बात की। उन्होंने कहा 'मैंने मुन्ना भाई सीरीज देखी है। इसे मैं दोबारा देखना चाहूंगी। मैंने विक्की डोनर देखी है और ये फिल्म मुझे बहुत पसंद आई। मैं पंकज त्रिपाठी से प्यार करती हूं। मैंने मिर्जापुर सीरीज देखी है। मैंने उन्हें एक खत भी लिखा था, इसका उन्होंने कभी जवाब नहीं दिया, लेकिन हां मैंने उन्हें एक खत लिखा था। वह मेरे क्रश हैं। मेरे ख्याल से वह सबसे कूल अभिनेता हैं। मुझे उनकी नकारात्मक भूमिकाएं भी अच्छी लगती हैं। मुझे वह मिर्जापुर में पसंद आए और गैंग्स ऑफ वासेपुर में भी।'

रवि किशन ने फोन पर बात कराई

जब उनसे पूछा गया कि उन्होंने खत में क्या लिखा था, इस पर उन्होंने कहा 'मैंने लिखा था कि मैं आपकी बहुत बड़ी फैन हूं। मैं आपके साथ कॉफी पीना चाहती हूं। हालांकि वह अलीबाग में रहते हैं और किसी से कॉफी पर नहीं मिलते हैं।' महुआ पंकज त्रिपाठी की इतनी बड़ी फैन हैं कि उन्होंने साथी सांसद और अभिनेता रवि किशन से भी उनसे बात कराने के लिए कहा। रवि ने पंकज से महुआ की फोन पर बात कराई।

पंकज त्रिपाठी का काम

पंकज त्रिपाठी हाल ही में फिल्म 'मेट्रो इन दिनों' में कोंकणा सेन शर्मा के साथ नजर आए थे। वह 'क्रिमिनल जस्टिस सीजन 4' में भी नजर आए। उन्होंने 'ओएमजी 2' में अहम किरदार निभाया। वह 'स्त्री 3' का भी हिस्सा हैं।

गुवाहाटी में 'महावतार नरसिम्हा' की स्क्रीनिंग के दौरान हादसा, थिएटर की छत गिरी, तीन घायल

फिल्म 'महावतार नरसिम्हा' बॉक्स ऑफिस पर शानदार प्रदर्शन कर रही है। फिल्म ने सिनेमाघरों में दस दिन पूरे कर लिए हैं। फिल्म की शानदार कमाई के बीच एक चौंकाने वाली खबर आई है। अश्विन कुमार के निर्देशन में बनी एनिमेशन फिल्म 'महावतार नरसिम्हा' की स्क्रीनिंग के दौरान गुवाहाटी के एक थिएटर में छत गिर गई। इस हादसे में तीन लोगों के घायल होने की खबर है।

थिएटर मालिक से हुई दर्शकों की बहस

हादसे की वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है। थिएटर की कुर्सियों के पास छत के टूटे टुकड़े देखे जा सकते हैं। दर्शकों की थिएटर मालिक से भी तीखी बहस हुई। फिलहाल घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। छत गिरने को लेकर अभी थिएटर प्रबंधन की तरफ से कोई आधिकारिक बयान नहीं दिया गया है।

100 करोड़ क्लब में शामिल होने वाली है फिल्म

हादसा गुवाहाटी में पीवीआर सिनेमा में हुआ। फिल्म 'महावतार नरसिम्हा' के कलेक्शन की बात करें तो यह फिल्म जल्द 100 करोड़ क्लब में शामिल होगी। 'सैयारा' की धूम के बीच इसने दर्शकों का ध्यान खींचा है। कल रविवार को इसने 23.4 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया। इसका टोटल नेट कलेक्शन 91.65 करोड़ रुपये हो गया है।

क्या है फिल्म की कहानी?

बता दें कि 'महावतार नरसिम्हा' एक एनिमेटिड फिल्म है। भगवान विष्णु के चौथे अवतार नृसिंह या नरसिंह की कहानी को फिल्म 'महावतार नरसिम्हा' में दिखाया गया है। अपने भक्त प्रह्लाद की रक्षा के लिए भगवान विष्णु अवतार लेते हैं, इसी लीला को फिल्म में दिखाया गया है। 25 जुलाई को रिलीज हुई 'महावतार नरसिम्हा' आईएमडीबी पर भारत की सबसे ज्यादा रेटिंग पाने वाली फिल्म बन चुकी है। इसे 9.6 की रेटिंग मिली है।

तेजस्वी प्रकाश के साथ डेट पर गए करण कुंद्रा ने एक दूसरे को सरेआम किया किस

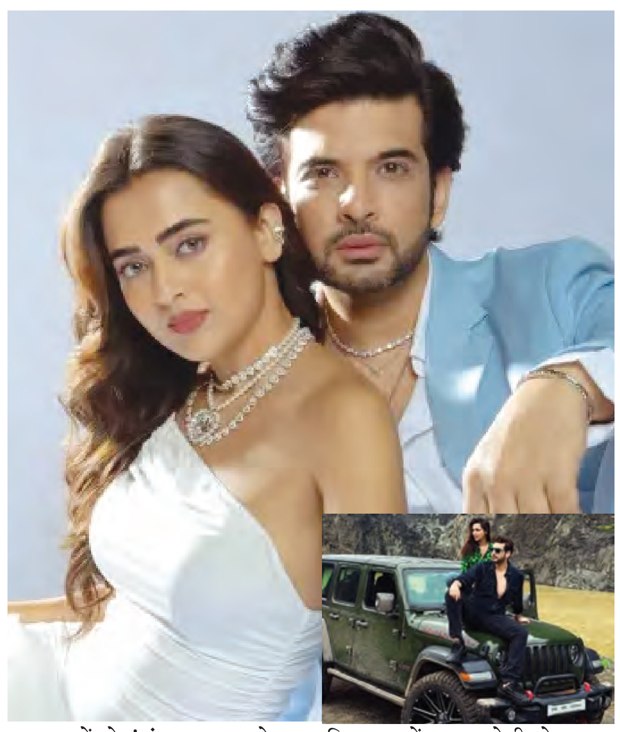

सेलिब्रिटी मास्टरशेफ में दूसरी रनर-अप रहीं तेजस्वी प्रकाश और एक्टर करण कुंद्रा ने आज सोमवार को अपनी कुछ शानदार तस्वीरें और वीडियो शेयर किए हैं। इन तस्वीरों और वीडियो में करण और तेजस्वी एक-दूजे की आंखों में खोए और किस करते नजर आ रहे हैं।

करण कुंद्रा का पोस्ट

इन शानदार तस्वीरों में करण कुंद्रा ऑल इन ब्लैक लुक में बेहद हैंडसम दिख रहे हैं। वहीं तेजस्वी प्रकाश ने ब्लू डेनिम जींस और ग्रीन रंग की चेक शर्ट पहनी हुई है। दोनों का रफ-टफ लुक फैंस को बेहद पसंद आ रहा है। इस शानदार तस्वीरों और वीडियो के साथ करण ने कैप्शन में लिखा, 'मेरी तरह की डेट नाइट।'

तेजस्वी प्रकाश का करियर

तेजस्वी प्रकाश ने अपने अभिनय करियर की शुरुआत 2012 में टीवी शो 2612 में 'रश्मि भार्गव' की भूमिका से की। 2013 में वे 'संस्कार - धरोहर अपनों की' में धारा वैष्णव के किरदार में जय सोनी के साथ नजर आईं। 2015 से 2016 तक उन्होंने 'स्वरागिनी - जोड़े रिश्तों के सुर' में रागिनी माहेश्वरी का मुख्य किरदार निभाया। 2017 में वे 'पहरेदार पिया की' में दिखीं और बाद में इसके अगले शो 'रिश्ता लिखेंगे हम नया' में दीया सिंह की भूमिका निभाई। 2018 में उन्होंने 'कर्ण संगिनी' में उरुवी का किरदार निभाया। इसके बाद 'नागिन 6' में वे प्रथा गुजराल के रूप में एक इच्छाधारी नागिन के किरदार में दिखीं।

करण कुंद्रा से मुलाकात

तेजस्वी ने बिग बॉस 15 में हिस्सा लिया और इस शो की विजेता बनीं। इस शो के दौरान उनकी मुलाकात करण कुंद्रा से हुई, जो कथित तौर पर अब उनके बॉयफ्रेंड हैं। हालांकि, दोनों ने अभी तक आधिकारिक तौर पर अपने रिश्ते को लेकर कोई घोषणा नहीं की है। लेकिन सोशल मीडिया पर उनकी तस्वीरें और वीडियोज में उनका एक-दूजे के प्रति प्यार साफ झलका है।

अनिरुद्धाचार्य के खिलाफ टिप्पणी के मामले में भड़कीं खुशबू, कानूनी कार्रवाई की दी चेतावनी

आध्यात्मिक गुरु प्रेमानंद महाराज के खिलाफ टिप्पणी करने के मामले में अब अभिनेत्री दिशा पाटनी की बहन खुशबू पाटनी ने एक बार फिर उन्हें बदनाम करने वालों को कानूनी कार्यवाही की चेतावनी दी है। अपनी बात को दोहराते हुए खुशबू ने इस बात पर जोर दिया कि उनका वायरल वीडियो जिसे एडिट करके शेयर किया गया था, वो असल में आध्यात्मिक गुरु अनिरुद्धाचार्य पर निशाना था। उन्होंने आगे कहा कि मैंने पहले ही एक इंस्टाग्राम पोस्ट में इस गलतफहमी को दूर कर दिया था, लेकिन कई लोगों ने इसे अनदेखा कर दिया। इसके बाद उन्होंने अपनी उस टिप्पणी पर और स्पष्टीकरण देने का फैसला किया जिससे लोग भड़क उठे।

उल्टे-सीधे मैसेज कर रहे अनुआयी

हाल ही में शेयर किये गए वीडियो में खुशबू ने बताया कि दोनों आध्यात्मिक गुरुओं के अनुयायी उन्हें उल्टा-सीधा बोल रहे हैं और गलत मैसेज कर रहे हैं। इस ट्रोलिंग के बारे में बोलते हुए उन्होंने कहा कि वे बिना जानकारी के ऐसे दावों पर ध्यान न दें। इस वीडियो के कैप्शन में खुशबू ने लिखा मेरे खिलाफ फर्जी खबरें। मुझे बदनाम करने की जानबूझकर कोशिश।

कानूनी ऐक्शन लेंगी खुशबू

खुशबू ने आगे कहा कि जो भी अकाउंट जानबूझकर मेरे खिलाफ फर्जी खबरें फैला रहे हैं, उन पर मैं देश के कानून के तहत मुकदमा दायर करूंगी। इस दौरान खुशबू ने कुछ एक चैनल और यूजर्स को भी मेंशन किया, जो उनके खिलाफ गलत बातें कर रहे हैं।उन्होंने कहा कि मुझे फालतू की ये ट्रोलिंग और जोखिम में डालती है। मैं आपके खिलाफ आईपीसी की धारा 499 और 500 के तहत जालसाजी और हेरफेर के लिए, आईपीसी की धारा 465 और 469 के तहत, फर्जी खबरें या भ्रामक सामग्री फैलाने के लिए, आईपीसी की धारा 505(1)(बी) के तहत, एक महिला की गरिमा को ठेस पहुंचाने के लिए, साइबर अपराध और आईटी एक्ट 66,66डी,67 के तहत मुझे ऑनलाइन परेशान करने के लिए मानहानि का मुकदमा दायर करूंगी। मैं आपको नहीं छोड़ूंगी।

यह है पूरा विवाद

यह पूरा विवाद तब शुरु हुआ जब अनिरुद्धाचार्य ने लिव-इन रिलेशनशिप में रहने वाली महिलाओं की आलोचना की। उन्होंने एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति के पास जाने वाली महिलाओं का जिक्र किया। इससे खुशबू नाराज हो गयी थीं। बाद में प्रेमानंदजी का इसी तरह के मुद्दे पर बोलते हुए एक वीडियो सामने आया, जिसमें दावा किया गया कि खुशबू ने उनके खिलाफ बात की थी। विवाद तब और बढ़ गया जब प्रेमानंदजी को जान से मारने की धमकियां मिलीं। खुशबू ने स्पष्ट किया कि महिलाओं पर प्रेमानंदजी के बयान से उनका कोई लेना-देना नहीं है और साथ ही उनकी गरिमा को ठेस पहुंचाने की कोशिश करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई का आश्वासन भी दिया।

'शोले' के 50 साल पूरे होने पर हेमा मालिनी ने जताई खुशी

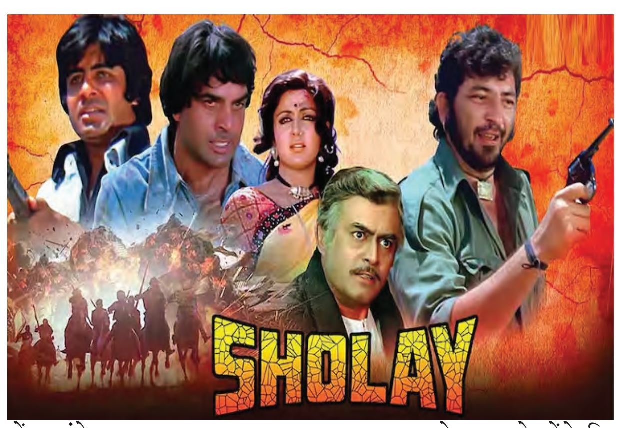

अमिताभ बच्चन, धर्मेंद्र और हेमा मालिनी की अदाकारी वाली फिल्म 'शोले' बॉलीवुड की सबसे अच्छी फिल्मों में से एक है। इस साल स्वतंत्रता दिवस पर, यह फिल्म अपनी रिलीज के 50 साल पूरे कर लेगी। सोमवार को हेमा मालिनी ने इस फिल्म के 50 साल पूरे होने पर एक खास बात कही है।

दूसरी 'शोले' बनना मुश्किल

फिल्म के बारे में बात करते हुए हेमा मालिनी ने एएनआई से कहा 'हमें खुशी होती है। जब काम करना शुरू किया था तब मालूम नहीं था कि फिल्म इतनी बड़ी हिट होगी। अब 50 साल के बाद आप पार्लियामेंट में उसके बारे में सवाल पूछ रहे हैं। उस वक्त मुझे नहीं पता था कि हम पार्लियामेंट में आएंगे। वह वक्त अलग था। बस पिक्चर बन गई। दूसरी 'शोले' बनना मुश्किल है।'

दो हफ्तों के बाद फिल्म ने अच्छा प्रदर्शन किया

आपको बता दें कि 'शोले' को एक कल्ट फिल्म माना जाता है। बहुत कम लोग जानते होंगे कि जब यह फिल्म रिलीज हुई थी, तो इसे नकारात्मक समीक्षाएं मिलीं। पहले दो हफ्तों में यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर कोई खास कमाल नहीं दिखा पाई। हालांकि, बाद में सकारात्मक प्रचार के चलते इसने अच्छा प्रदर्शन करना शुरू कर दिया।

थिएटर में पांच वर्षों तक चली 'शोले'

रमेश सिप्पी के द्वारा निर्देशित यह फिल्म मुंबई के मिनर्वा थिएटर में पांच वर्षों तक प्रदर्शित हुई। यह सबसे लंबे समय तक चलने वाली फिल्म थी। हालांकि 'दिलवाले दुल्हनिया ले जाएंगे' ने इसका रिकॉर्ड तोड़ दिया।

हेमा मालिनी का काम

हेमा मालिनी पिछले कुछ वर्षों से फिल्मों से दूर हैं। अभिनेत्री को आखिरी बार 2020 में रिलीज हुई फिल्म 'शिमला मिर्ची' में देखा गया था। उनके प्रशंसक उन्हें फिर से बड़े पर्दे पर देखने का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।

शरीर में क्या होती है बायोटिन की भूमिका? बाल झड़ने को कितना प्रभावित करता है ये विटामिन

हाल के वर्षों में, बायोटिन, जिसे विटामिन बी7 के नाम से भी जाना जाता है, स्वास्थ्य और सौंदर्य जगत में एक बेहद लोकप्रिय शब्द बन गया है। इसे अक्सर मजबूत बालों, चमकदार त्वचा और स्वस्थ नाखूनों के लिए एक जादुई गोली के रूप में प्रचारित किया जाता है। यही कारण है कि बाजार में बायोटिन

सप्लीमेंट्स की भरमार है।

लेकिन, क्या सच में बायोटिन बालों के झड़ने को रोकता है या यह सिर्फ एक मिथक है? यह समझना जरूरी है कि हमारे शरीर में बायोटिन की असली भूमिका क्या है और इसका हमारे बालों के स्वास्थ्य से क्या संबंध है। आइए इस लेख में इसी के बारे में जानते हैं, ताकि आप बायोटिन और इसके प्रभावों के बारे में सही जानकारी प्राप्त कर सकें।

शरीर में बायोटिन की मुख्य भूमिका

बायोटिन सिर्फ बालों के लिए ही नहीं, बल्कि शरीर के लिए एक अत्यंत महत्वपूर्ण पोषक तत्व है। यह शरीर में कार्बोहाइड्रेट्स, फैट्स और प्रोटीन को ऊर्जा में बदलने वाले एंजाइमों के लिए एक सह-एंजाइम के रूप में कार्य करता है। यह ऊर्जा हमारे शरीर की हर कोशिका के कामकाज के लिए जरूरी होती है।

इसके अलावा, बायोटिन तंत्रिका तंत्र के स्वास्थ्य, कोशिकाओं के विकास और फैटी एसिड के निर्माण में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। यानी, यह सिर्फ बाहरी सुंदरता के लिए नहीं, बल्कि हमारे संपूर्ण शारीरिक तंत्र के सुचारू संचालन के लिए आवश्यक है।

बालों का झड़ना और बायोटिन: क्या है सच्चाई?

यह सच है कि बायोटिन की कमी से बाल झड़ने लगते हैं, लेकिन यह जानना जरूरी है कि स्वस्थ लोगों में बायोटिन की कमी बहुत दुर्लभ होती है। हमारा शरीर प्राकृतिक रूप से बायोटिन बनाता है और यह कई खाद्य पदार्थों में भी पाया जाता है।

बाल झड़ने के ज्यादातर मामलों का कारण तनाव, हॉर्मोनल बदलाव, आनुवंशिक कारण या किसी अन्य पोषक तत्व की कमी होती है। इसलिए, यदि आपके शरीर में पहले से ही बायोटिन की पर्याप्त मात्रा है, तो अतिरिक्त बायोटिन सप्लीमेंट्स लेने से बालों का झड़ना रुक जाएगा या नए बाल उग आएंगे, इस बात का कोई पुख्ता वैज्ञानिक प्रमाण नहीं है।

बायोटिन के प्राकृतिक स्रोत और कमी के लक्षण

यदि आप अपने शरीर में बायोटिन के स्तर को सही बनाए रखना चाहते हैं, तो सबसे अच्छा तरीका संतुलित आहार लेना है। बायोटिन के प्राकृतिक स्रोतों में अंडे की जर्दी, दूध और दूध से बने उत्पाद, नट्स जैसे बादाम और अखरोट, शकरकंद, मशरूम और एवोकाडो शामिल हैं।

अगर किसी व्यक्ति में गंभीर बायोटिन की कमी है, तो इसके लक्षण दिखाई देने लगते हैं, जैसे बालों का पतला होना, आंखों, नाक और मुंह के चारों ओर लाल चकत्ते, नाखूनों का कमजोर होना और तंत्रिका संबंधी समस्याएं।

क्या आपको बायोटिन सप्लीमेंट लेना चाहिए?

इसमें कोई संदेह नहीं है कि बायोटिन एक महत्वपूर्ण विटामिन है, लेकिन इसे बालों के झड़ने का एकमात्र समाधान मानना सही नहीं है। अगर आपका आहार संतुलित है, तो संभवतः आपके शरीर को पर्याप्त बायोटिन मिल रहा है। यदि आप बालों के झड़ने की समस्या से परेशान हैं, तो सप्लीमेंट लेने से पहले किसी त्वचा रोग विशेषज्ञ या डॉक्टर से सलाह लेना सबसे सही रहेगा। वे सही कारण का पता लगाकर आपको सबसे प्रभावी उपचार बता पाएंगे।

किडनी फेल होने पर पैर में दर्द होने के साथ शरीर में दिखते हैं ये लक्षण

हमारे शरीर में किडनी सबसे महत्वपूर्ण अंगों में से एक है। किडनी को हिंदी में गुर्दे कहा जाता है और शरीर में इसका काम एक फिल्टर की तरह होता है। ये खून से टॉक्सिन्स को छानकर बाहर निकालते हैं, ब्लड प्रेशर को नियंत्रित करते हैं और हड्डियों को स्वस्थ रखने वाले हार्मोन बनाते हैं। लेकिन जब गुर्दे अपनी क्षमता खो देते हैं, तो शरीर में विषाक्त पदार्थ और अतिरिक्त तरल पदार्थ जमा होने लगता है, जिससे गुर्दे की विफलता जैसी गंभीर स्थिति

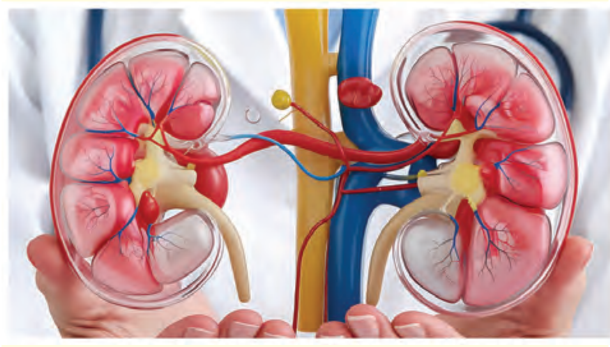

पैदा हो जाती है।

पैरों में दर्द होने के कारण

गुर्दे की विफलता का एक प्रमुख लक्षण पैर और टखनों में सूजन है, जिसके साथ दर्द भी हो सकता है। जब गुर्दे ठीक से काम नहीं करते, तो वे अतिरिक्त पानी और सोडियम को बाहर नहीं निकाल पाते। इससे यह तरल शरीर के निचले हिस्सों, खासकर पैरों और टखनों में, जमा हो जाता है, जिससे सूजन आ जाती है। यह सूजन दर्द और भारीपन का एहसास करा सकती है।

लगातार थकान और कमजोरी

लगातार थकान और कमजोरी महसूस होना भी एक गंभीर संकेत है। खराब गुर्दे पर्याप्त मात्रा में एरीथ्रोपोइटिन नामक हार्मोन नहीं बना पाते, जो लाल रक्त कोशिकाओं के निर्माण के लिए जरूरी होता है। इसकी कमी से शरीर में खून की कमी यानी एनीमिया हो जाती है।

त्वचा में खुजली और बदलाव

शरीर में विषाक्त पदार्थों के जमा होने से त्वचा में खुजली और बदलाव भी देखने को मिलते हैं। जब गुर्दे खून को फिल्टर नहीं कर पाते, तो ये अपशिष्ट पदार्थ खून में ही रह जाते हैं और त्वचा के नीचे जमा होने लगते हैं।

पेशाब की आदतों में बदलाव

पेशाब की आदतों में बदलाव भी एक स्पष्ट चेतावनी संकेत है। इसमें रात में बार-बार पेशाब आना, पेशाब की मात्रा में कमी या वृद्धि, या पेशाब में झाग आना (जो प्रोटीन की उपस्थिति का संकेत है) शामिल है।

सांस लेने में तकलीफ

गुर्दे की विफलता का एक और गंभीर लक्षण सांस लेने में तकलीफ या सांस फूलना है। जब गुर्दे अतिरिक्त तरल को बाहर नहीं निकाल पाते, तो यह तरल फेफड़ों के चारों ओर जमा होने लगता है, जिससे सांस लेना मुश्किल हो जाता है। इसके अलावा, एनीमिया के कारण भी शरीर को पर्याप्त ऑक्सीजन नहीं मिल पाती, जिससे थोड़ी सी भी शारीरिक गतिविधि करने पर सांस फूलने लगती है। इन लक्षणों को कभी भी नजरअंदाज नहीं करना चाहिए।

टाइप-1 और टाइप-2 डायबिटीज में क्या है अंतर?

डायबिटीज वैश्विक स्तर पर बढ़ती गंभीर स्वास्थ्य समस्या है जिसका जोखिम सभी उम्र के लोगों में देखा जा रहा है। हमारी बदलती जीवनशैली, अनियमित खानपान और तनाव ने इस बीमारी को आम बना दिया है। आमतौर पर हम सभी लोगों के डायबिटीज को एक ही मान लेते हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि डायबिटीज केवल एक नहीं, बल्कि मुख्यरूप से चार प्रकार की होती है। टाइप-1, टाइप-2, गर्भावधि मधुमेह और डायबिटीज 1.5 लाडा।

जिन दो प्रकार के डायबिटीज की सबसे ज्यादा चर्चा होती है, वह है टाइप-1 और टाइप-2 डायबिटीज। आइए समझते हैं कि इन दोनों में क्या अंतर है, कैसे पहचानें कि आपको टाइप-1 डायबिटीज है या फिर टाइप-2? और किन लोगों में इसका खतरा रहता है।

डायबिटीज और इसका खतरा

स्वास्थ्य विशेषज्ञ बताते हैं, डायबिटीज एक मेटाबॉलिक बीमारी है जिसमें शरीर ब्लड में शुगर (ग्लूकोज) के स्तर को बेहतर तरीके से नियंत्रित नहीं कर पाता है। हमारे शरीर में पैंक्रियाज, इंसुलिन नामक हार्मोन बनता है, वही ब्लड शुगर को शरीर की कोशिकाओं में भेजने में मदद करता है। जब हमारा शरीर इंसुलिन बनाना बंद कर देता है तो इसके कारण आपको डायबिटीज हो सकता है।

टाइप-1 और टाइप-2 डायबिटीज दोनों में यही दिक्कत होती है, फिर दोनों में क्या अंतर है?

टाइप-2 डायबिटीज के बारे में जानिए

डायबिटीज के जिस प्रकार को लेकर सबसे ज्यादा चर्चा रहती है वह है टाइप-2 डायबिटीज। इसके मामले सबसे ज्यादा रिपोर्ट किए जाते रहे हैं। यह लाइफस्टाइल से जुड़ी बीमारी है।

इसमें शरीर या तो पर्याप्त इंसुलिन नहीं बनाता या शरीर का सिस्टम उस पर प्रतिक्रिया देना बंद कर देता है। इस स्थिति को इंसुलिन रेजिस्टेंस कहा जाता है। यह 40 साल से ऊपर की उम्र में ज्यादा देखी जाती है, लेकिन अब युवा भी इससे प्रभावित हो रहे हैं। डाइट, व्यायाम और दवाइयों से इसे नियंत्रित किया जा सकता है।

टाइप-1 डायबिटीज

टाइप-2 डायबिटीज से इतर टाइप-1 डायबिटीज एक ऑटोइम्यून रोग है। इसमें शरीर का इम्यून सिस्टम गलती से पैंक्रियाज की बीटा कोशिकाओं पर हमला कर देता है, जिससे इंसुलिन बनना पूरी तरह बंद हो जाता है। इसका मतलब है, मरीज को बाहर से इंसुलिन लेना अनिवार्य हो जाता है। यह ज्यादातर बच्चों, किशोरों या युवाओं में पाई जाती है। कई बच्चों में जन्म के साथ भी ये दिक्कत हो सकती है।इसे रोक पाना संभव नहीं है, लेकिन कंट्रोल किया जा सकता है।

जिन मरीजों को टाइप-1 डायबिटीज की दिक्कत होती है उन्हें नियमित रूप से इंसुलिन इंजेक्शन लेने की आवशकता होती है।

क्या होते हैं लक्षण और क्या है विशेषज्ञों की सलाह?

विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के अनुसार, हर साल 15 लाख से अधिक मौतें डायबिटीज से जुड़ी बीमारियों से होती हैं। भारत में 2024 तक 10 करोड़ से ज्यादा लोग डायबिटीज से ग्रस्त थे जिनमें 90% टाइप-2 का शिकार हैं। दोनों प्रकार के डायबिटीज के लक्षण एक जैसे ही होते हैं।

डायबिटीज के लक्षणों में बार-बार पेशाब आना, बहुत अधिक प्यास लगना, अचानक वजन घटना, थकान और कमजोरी, कम दिखने की समस्या, घाव या चोट धीरे भरने की दिक्कत देखी जाती रही है। अगर आपको भी इसमें से कोई दिक्कत कुछ समय से बनी हुई है तो तुरंत किसी चिकित्सक से इसका निदान कराएं।

मानसून का मौसम कई बीमारियों का घर, अपनाएं ये टिप्स

मानसून का ये मौसम कई प्रकार की बीमारियों का खतरा बढ़ता जा रहा है। मई-जून की भीषण गर्नी के बाद बारिश का ये मौसम सुकून देने वाला जरूर होता है पर ये अपने साथ कई प्रकार की बीमारियां लेकर भी आता है। बारिश के दिनों में जलजमाव बढ़ जाता है जो मच्छरों के प्रजनन और बढ़ावा देने में मदद करता है। इससे डेंगू और मलेरिया जैसे रोगों का खतरा बढ़ जाता है।

विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) और आईसीएमआर जैसे संस्थानों की रिपोर्ट्स के अनुसार, भारत में हर साल लाखों लोग इन बीमारियों की चपेट में आते हैं। मगर अच्छी बात ये है कि थोड़ी सी जागरूकता और बचाव के उपाय अपनाकर हम इन बीमारियों को खुद से और अपनों से दूर रख सकते हैं।

मच्छर जनित रोगों का खतरा

साल 2023 के डब्ल्यूएचओ रिपोर्ट के अनुसार दुनियाभर में हर साल 24 करोड़ से ज्यादा लोग मलेरिया से ग्रस्त होते हैं, जिनमें से 6 लाख से अधिक की मौत हो जाती है। डेंगू के मामले भारत में

पिछले 5 वर्षों में दोगुने हो गए हैं। केवल 2023 में ही लगभग 2 लाख से अधिक केस दर्ज किए गए। आईसीएमआर रिपोर्ट बताती है कि बारिश के बाद रुका हुआ पानी मच्छरों की सबसे उपयुक्त प्रजनन भूमि बनता है, जिससे संक्रमण तेजी से फैलता है।

जुलाई से अक्तूबर के महीने में दिल्ली-एनसीआर में मच्छर जनित रोगों के मामले बढ़ जाते हैं। स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं मच्छर जनित रोगों से बचाव के लिए सभी लोगों को निरंतर कुछ उपाय करते रहना चाहिए।

दिल्ली-एनसीआर में डेंगू का खतरा

दिल्ली में डेंगू को लेकर कोई हालिया डेटा रिपोर्ट साझा नहीं की गई है। 20 अप्रैल तक के डेटा पर गौर करें तो पता चलता है कि राजधानी दिल्ली-एनसीआर में डेंगू के 118 मामले रिपोर्ट किए गए। फिलहाल ये मामले पिछले साल की तुलना में कम हैं, जब साल 2024 में इस समय तक 130 केस सामने आए थे। साल 2023 और 2022 में क्रमशः 47 और 74 डेंगू के मामले सामने आए थे।

मच्छरों और इसके कारण होने वाले रोग से करें बचाव

स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, स्थिर और साफ पानी डेंगू मच्छरों के प्रजनन के लिए सबसे उपयुक्त होता है। इसके अलावा प्लास्टिक के कंटेनर, एयर कूलर, फूलों के गमले, टायर और खाली पड़े किसी भी सामान जहां पानी जमा हो सकता है उनमें मच्छर पनप सकते हैं। मच्छरों को पनपने से रोकने के लिए कूलर-गमलों का पानी बदलते रहें। घरों के आसपास कहीं पानी जमा न होने दें। मच्छरों को भगाने के लिए दवाओं का छिड़काव कराएं। इसके अलावा मच्छर जनित बीमारियों से बचे रहने के लिए कुछ उपाय किए जा सकते हैं।

घरों के भीतर भी करें मच्छर से बचाव

घरों के भीतर भी मच्छरों के काटने से बचने के लिए उपाय करना जरूरी है। इसके लिए मच्छर मारने वाले क्वाइल्स, स्प्रे आदि का सावधानी से इस्तेमाल किया जा सकता है। हालांकि इनके इस्तेमाल के कुछ देर बाद तक कमरे में जाने से बचें। रात में सोते समय मच्छरदानी का प्रयोग करना सबसे अच्छा तरीका माना जाता है।

पूरी बाजू के कपड़े पहनें

मच्छर आमतौर पर खुली त्वचा पर काटते हैं। वहीं डेंगू के मच्छर दिन में ज्यादा काटते हैं। इसलिए इन दिनों में डेंगू से बचे रहने के लिए ऐसे कपड़े पहनें जो हाथ और पैरों को पूरी तरह से ढकते हों। इससे मच्छर के काटने की आशंका कम हो जाएगी। मच्छरों से बचाव के लिए त्वचा पर लगाने के लिए क्रीम का भी इस्तेमाल डॉक्टरी सलाह पर किया जा सकता है।

कैंसर के संकेतों को कैसे जानें?

प्रश्न : मेरी उम्र 50 वर्ष है पहले अम्लपित्त की शिकायत थी। अब मल के साथ सफेद चिकना पदार्थ जाता है। कृपया इसका इलाज बताए।

- जगदंबिका प्रसाद ,सिकंदराबाद

उत्तर : आमाशय में पाचन क्रिया हाइड्रोक्लोरिक एसिड के माध्यम में होती है। प्रकृति ने जीवाणु संक्रमण को रोकने और पाचन क्रिया में सहयोग देने के लिए ही अम्ल बनाया। लेकिन जब यह अम्ल खाद्य पदार्थों द्वारा बढ़ जाता है तो आमाशय की सुरक्षा झिल्ली नष्ट होकर एवं कोशिकाओं के द्वारा जब बड़ा वहां छाला (अल्सर) बन जाता है। मानसिक तनाव और आहार संबंधी अनियमिताएं धूम्रपान, कुछ तेज अंग्रेजी दवाओं का सेवन व संक्रमण इत्यादि इसके प्रमुख कारण है। इसको रोकने के लिए पथ्य आवश्यक है। धूम्रपान , मद्य सेवन, मिर्च - मसाले, तीखे-खट्टे पदार्थ, तले खाद्य पदार्थ का सेवन बंद कर देने देना चाहिए। मल के साथ जो चिकना पदार्थ आता है - वह म्यूकस या आँव है। यह अधिकतर एक परजीवी प्रोटोजोन ' अमीबा ' के संक्रमण के कारण होता है। औरा ट्रायोगोन टिकिया या ऊंझा डायरेंड टिकिया ऊंझा कुटजघन वटी, पंचामृत पर्पटी का प्रयोग तुरंत लाभ करता है। भोजन के बाद ऊंझा बिल्वासव या ऊंझा कुटजारिष्ट का १५ से २० मिलीलीटर को दुगुने पानी में मिलाकर लेना आंव दूर कर देता है। बेल का मुरब्बा या बेल घनवटी, गंगाधर रस से भी इसमें आराम मिलता है।

भोजन सुपाच्य, ताजा और संतुलित हो। दही और छांछ विशेष रूप से हितकारी है। किसी भी प्रकार गरिष्ठ भोजन से बचना चाहिए।

प्रश्न : हर रोग के पूर्व रूप होते हैं, जो होने वाले रोग की जानकारी देते हैं। कैंसर के संकेतों को कैसे जाने? कृपा कर बताएं।

- सुकेश बिदरकर, बिदर

उत्तर : बादलों की स्थिति को देखकर होने वाली वर्षा का अनुमान किया जा सकता है। वैसे ही कुछ लक्षणों या संकेतों को देखकर , समझ कर हम आसानी से कैंसर का अनुमान लगा सकते हैं ।और समय रहते हैं इन संकेतों के आधार पर बचाव के तरीकों को अपना सकते हैं।

कैंसर के प्रसिद्ध नौ संकेत :

१) शरीर के किसी हिस्से में बिना दर्द के खून आना या बहना।

२) शरीर के किसी भी हिस्से में बिना दर्द वाली गांठ।

३) मुंह या शरीर के अन्य हिस्से में ऐसा अल्सर जो ठीक ना हो रहा हो।

४) परेशान कर देने वाली लगातार होने वाली खांसी या एकदम से आवाज में बदलाव होना।

५) निगलने, सांस लेने में दिक्कत या पाचन शक्ति का गड़बड़ाना।

६) पेट संबंधी गड़बड़ियां पैदा होना।

७) किसी गांठ या मस्से के आकार में अचानक बदलाव आ जाना।

८) बार-बार सिर दर्द होना, देखने में परेशानी, दौरे पड़ना या शरीर के एक हिस्से में लगातार कमजोरी का बढ़ना।

९) बिना किसी कारण के बुखार रहना । लगातार वजन घटना, भूख कम लगना, या लगातार कमजोरी आती जाना।

इन संकेतों के आते ही आप सही निदान के लिए अपने आयुर्वेद चिकित्सक से मिलें और जांच करवाएं। समय रहते रोग का विभेदक निदान होने से कैंसर से बड़ी आसानी से लड़ा जा सकता है और उतनी ही आसानी से उसे पछाड़ा जा सकता है। कैंसर लाइलाज नहीं है। निदान होने पर औरा की अनाकार्सिन टिकिया एक बेहतर औषध योग है- जिसमें मिले हीरक भस्म, पन्ना भस्म, अभ्रक भस्म, स्वर्ण भस्म, रस सिंदूर, कांचनार गुग्गुलु एवं अर्क भस्म कैंसर से लड़ने की शक्ति देते हैं। रोगी के मनोबल को गिरने ना देना भी एक सकारात्मक इलाज है । ' आशा ' जीवन के लिए प्राण है। आशावान को ही दवा लगती हैं।

प्रश्न : मच्छरों के आतंक से कैसे बचें ? यदि मच्छरों के काटने से जोर हो जाता है तब क्या करें?

- श्रीनिवास राव, हैदराबाद

उत्तर : इन दिनों मच्छरों का आतंक बड़ी तेजी से बढ़ रहा है। मच्छर काटने से , पहले मलेरिया का ही खतरा था पर अब देश की राजधानी दिल्ली समेत मुंबई, पुणे, हैदराबाद और बेंगलुरु में भी डेंगू पैर पसारने लगा है। मच्छरों से ही ब्रेन फीवर, येलो फीवर, फाइलेरिया, व विषम ज्वर जैसे रोग हो सकते हैं । मच्छरों के आतंक से बचने के लिए जहां मच्छर पैदा होते हैं वहां दवाओं का छिड़काव करें। कहीं भी ठहरा हुआ पानी, कूलर में रखा पानी, गड्डों में जमा पानी आदि है तो खाली कर दें। घरों में सुखा नीम या नारियल की जुट्टू जलाएं। गुड नाइट या कोई भी श्रेष्ठ मच्छर मारक दवा का छिड़काव करें। कूलर का पानी बार-बार बदलते रहे । यदि ठंड लग कर तेज ज्वर आता हो तब मलेरिया की जांच करवाएं। मलेरिया का निदान होने पर ऊंझा महासुदर्शन घन वटी, ऊंझा त्रिभुवन कीर्ति रस एवं ऊंझा अमृतारिष्ट दिन में तीन बार भोजन के बाद लेवे। डेंगू की जांच करें और निदान होने पर संशमनी वटी , औरा गुडुची घन वटी, ऊंझा वसंत मालती रस , औरा तुलसी घन वटी देवें।

मच्छर को पैदा ही ना होने दें। तभी आप मच्छर से बच सकते हैं। मछरदानी या मॉस्किटो रिपेलेंट का प्रयोग भी कर सकते हैं । जहां जहां गंदगी और पानी जमा होगा, वही मच्छर पैदा होंगे। इसलिए साफ सफाई का विशेष ध्यान रखें।

डॉ.च.पुरुषोत्तम बिदादा

email :
purushottambidada@gmail.com

आप अपनी स्वास्थ्य समस्याओं का यदि आयुर्वेदिक इलाज चाहते हैं तो अपनी समस्या संक्षेप में हमें लिखकर भेजें। अपने पत्र पर नीचे दिया गया कूपन अवश्य कचपकाएं।

आयुर्वेदिक स्वास्थ्य प्रश्नोत्तरी
स्वतंत्र वार्ता
396, लोअर टैंक बंड,
हैदराबाद-80

चिकित्सा विज्ञान के एकीकरण की ओर सार्थक मंथन

स्वामी रामदेव ने किया उपचार को लेकर बड़ा एलान

हरिद्वार, 4 अगस्त (एजेंसियां)। पतंजलि विश्वविद्यालय, एवं अनुसंधान संस्थान और केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय नई दिल्ली के संयुक्त तत्वाधान में दो दिवसीय अनामयम अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का भव्य आयोजन किया गया। सम्मेलन में 16 राज्यों के करीब 200 शैक्षणिक संस्थानों से 300 से अधिक प्रतिभागियों ने ऑनलाइन और ऑफ लाइन माध्यम से प्रतिभाग किया।

इस अवसर पर कुलाधिपति पूज्य स्वामी रामदेव ने कहा कि जल्द ही लोक कल्याण को देखते हुए एम्स, टाटा कैंसर चिकित्सालय और सर गंगा राम

हॉस्पिटल के सहयोग से पतंजलि आयुर्वेद चिकित्सालय में आधुनिक पद्धति से अल्प व्यय में उपचार किया जाएगा। स्वामी रामदेव और आयुर्वेद शिरोमणि आचार्य बालकृष्ण सहित अतिथियों ने तीन अहम पुस्तक आयुर्वेद अवतरण, इंटीग्रेटेड पैथी एवं सम्मेलन की सार पुस्तिका का विमोचन भी किया। इस दौरान भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान रोपड से पहुंचे डॉ श्रेया, डॉ राधिका और डॉ मुकेश एवं पतंजलि विश्वविद्यालय के कुलपति आचार्य बालकृष्ण के बीच शिक्षा और शोध को बढ़ावा देने को परस्पर समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया गया।

स्वामी रामदेव ने साक्ष्य आधारित चिकित्सा के साथ एकीकृत चिकित्सा की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि चिकित्सा विज्ञान लोक कल्याण के लिए होना चाहिए, धनोपार्जन के लिए नहीं। आचार्य बालकृष्ण ने विश्व भर में प्रख्यात 9 चिकित्सा पद्धतियों के बारे में चर्चा करते हुए कहा कि आयुर्वेद अपनी क्षमताओं के कारण जबकि अन्य पद्धतियां स्थान विशेष या परंपरा के कारण जानी जाती हैं।

केन्द्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. श्रीनिवास बरखेडी, डॉ विपिन कुमार महासचिव एकीकृत आयुष परिषद, डॉ सुनील आहुजा, पदमश्री डॉ बीएन गंगाधर अध्यक्ष राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग, डॉ विशाल मागो प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष बर्न एवं प्लास्टिक सर्जरी एम्स ऋषिकेश ने भी कार्यक्रम को संबोधित किया।

13.31 लाख करोड रुपये की कमाई : टैक्स से भरा अमेरिका का खजाना! ट्रंप बोले- लोगों को भी मिल सकता है टैरिफ का पैसा

नई दिल्ली, 4 अगस्त (एजेंसियां)। टैरिफ से अमेरिका का खजाना भर गया है। एक साल में अमेरिका के खजाने में टैक्स और टैरिफ से 152 अरब डॉलर (करीब 13.31 लाख करोड़ रुपये) आए हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि अमेरिकी परिवारों को टैरिफ से जमा हुए पैसे का कुछ हिस्सा मिल सकता है। यह पैसा उन्हें डिविडेंड के रूप में दिया जा सकता है।

न्यू जर्सी में अपने गोल्फ क्लब से निकलने से पहले ट्रंप ने कहा, 'हमारे देश के लोगों को, खासकर मध्यम और निम्न आय वाले लोगों को, डिविडेंड दिया जा सकता है।' यह बात उन्होंने तब कही जब अमेरिका ने कई देशों के साथ व्यापार पर नए टैरिफ लगाए। भारत पर सबसे ज्यादा 25% टैरिफ लगाया है। यह यूके और ईयू पर लगे 15%, जापान पर लगे 10% और साउथ कोरिया पर लगे 5% से ज्यादा है। बीबीसी ने अमेरिका के आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार बताया है कि जुलाई तक अमेरिका ने टैरिफ और एक्साइज से 152 अरब डॉलर जमा किए। पिछले साल इसी समय यह आंकड़ा 78 अरब डॉलर था। यानी एक साल में करीब दोगुना रकम अमेरिका के खजाने में आई है। अकेले जून में 28 अरब डॉलर आए, जो 2024 के मासिक औसत से तीन गुना ज्यादा है। ट्रंप ने बार-बार इसकी तारीफ की है। कमजोर नौकरी रिपोर्ट के बाद उन्होंने पोस्ट किया, 'अच्छी खबर यह है कि टैरिफ से अमेरिका में अरबों डॉलर आ रहे हैं!' कांग्रेस के बजट ऑफिस का अनुमान है कि नए टैरिफ से अगले दस सालों में अमेरिका का कर्ज 2.5 ट्रिलियन डॉलर कम हो सकता है। लेकिन उसने यह भी चेतावनी दी है कि इससे अर्थव्यवस्था सिकुड़ जाएगी।

आम अमेरिकियों पर टैरिफ का असर दिखना शुरू हो गया है। कम आय वाले परिवार अपनी आय का ज्यादा हिस्सा उन सामानों पर खर्च करते हैं जिन पर अब इंपोर्ट टैक्स लग रहा है। इससे टैरिफ एक तरह का उल्टा टैक्स बन गया है। कीमतें धीरे-धीरे बढ़ रही हैं। अमेरिका में महंगाई जून में 2.7% तक बढ़ गई, जो मई में 2.4% थी। पहले इंपोर्टेड सामानों के स्टॉक ने कीमतों को काबू में रखा था, लेकिन अब वह स्टॉक कम हो रहा है।

टैरिफ से प्रभावित सामानों और इंपोर्टेड आइटम की कीमतें घरेलू सामानों की तुलना में तेजी से बढ़ रही हैं। एप्लायंसेज, इलेक्ट्रॉनिक्स, खिलौने और किताबें ऐसी चीजें हैं जिनकी कीमतों में बढ़ोतरी दिख रही है।

आरबीआई वित्त वर्ष 26 के लिए मुद्रास्फीति लक्ष्य कम कर सकता है, रिपोर्ट में किया दावा

नई दिल्ली, 4 अगस्त (एजेंसियां)। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) आगामी अगस्त एमपीसी (मौद्रिक नीति समिति) की बैठक में वित्त वर्ष 2025-26 के लिए अपने मुद्रास्फीति के लक्ष्य को घटा सकता है। केयरएज रेटिंग्स की एक हालिया रिपोर्ट में यह कही गई है। भारतीय रिजर्व बैंक की एमपीसी की बैठक 4 अगस्त से 6 अगस्त 2025 के बीच हो रही है। इसमें लिए गए फैसलों का एलान 6 अगस्त को होगा। रिपोर्ट के अनुसार, उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) मुद्रास्फीति वित्त वर्ष 26 में औसतन 3.1 प्रतिशत के आसपास रह सकती है, जो आरबीआई के मौजूदा 3.7 प्रतिशत के अनुमान से काफी कम है। वित्त वर्ष 26 के कम आधार प्रभाव के कारण, वित्त वर्ष 27 में मुद्रास्फीति लगभग 4.5 प्रतिशत पर उच्च रहने की उम्मीद है। रिपोर्ट में कहा गया है, एमपीसी मुद्रास्फीति लक्ष्य कम करेगी...वित्त वर्ष 26 में सीपीआई मुद्रास्फीति औसतन लगभग 3.1 प्रतिशत रहेगी। वित्त वर्ष 26 के निम्न आधार को देखते हुए, हमारा अनुमान है कि वित्त वर्ष 27 में औसत सीपीआई मुद्रास्फीति अधिक, लगभग 4.5 प्रतिशत रहेगी। रिपोर्ट के अनुसार, जून में मुख्य उपभोक्ता मूल्य सूचकांक मुद्रास्फीति तेजी से घटकर 2.1 प्रतिशत पर आ गई, जो उम्मीद से कम है और जनवरी 2019 के बाद से सबसे निचला स्तर है।

मुद्रास्फीति में यह गिरावट मुख्य रूप से खाद्य कीमतों में निरंतर नरमी और पिछले वर्ष के अनुकूल आधार प्रभाव के कारण हुई। आंकड़ों की बात करें तो सीपीआई श्रेणी में, खाद्य और पेय पदार्थ की कीमतों में कमी आई है। यह जून में साल-दर-साल आधार पर 0.2 प्रतिशत घटी। इसकी वजह सब्ज़ियों (-19 प्रतिशत), दालों (-12 प्रतिशत), मसालों (-3 प्रतिशत) और मांस (-1.6 प्रतिशत) की कीमतों में भारी गिरावट रही। भविष्य की ओर देखते हुए, रिपोर्ट में बताया गया है कि बेहतर कृषि उत्पादन और निरंतर आधार प्रभाव समर्थन के कारण खाद्य मुद्रास्फीति नियंत्रित रहने की उम्मीद है। इस बीच, जून में मुख्य मुद्रास्फीति मामूली बढ़कर 4.4 प्रतिशत हो गई, लेकिन रिपोर्ट में स्पष्ट किया गया है कि यह व्यापक आधारित नहीं थी और मुख्य रूप से कीमती धातुओं की ऊँची कीमतों के कारण थी।

सोने और चांदी को छोड़कर, मुख्य मुद्रास्फीति 3.5 प्रतिशत के अपेक्षाकृत कम स्तर पर है। वैश्विक मांग में मंदी के बावजूद, रिपोर्ट में कहा गया है कि भू-राजनीतिक घटनाक्रम और व्यापार नीति में बदलाव कमोडिटी की कीमतों को प्रभावित करते रह सकते हैं। इसलिए, इन कारकों पर कड़ी नजर रखना जरूरी है। कुल मिलाकर, रिपोर्ट में आने वाली तिमाहियों में मुद्रास्फीति का माहौल अनुकूल रहने की उम्मीद है। हालांकि, अनुकूल आधार प्रभाव कम होने के कारण, वित्त वर्ष 26 की चौथी तिमाही में उपभोक्ता मूल्य सूचकांक मुद्रास्फीति 4 प्रतिशत के स्तर को पार कर सकती है। सीपीआई मुद्रास्फीति के आरबीआई के मौजूदा वित्त वर्ष 26 के अनुमान से कम रहने की संभावना के कारण, केंद्रीय बैंक आगामी मौद्रिक नीति बैठक में अपने मुद्रास्फीति लक्ष्य को कम कर सकता है।

भारतीय शेयर बाजार पर लौटा निवेशकों का भरोसा

सेंसेक्स 418 अंक चढ़ा, निफ्टी 24700 के पार

नई दिल्ली, 4 अगस्त (एजेंसियां)। सोमवार को भारतीय शेयर बाजार बढ़त के साथ बंद हुआ। धातु और ऑटो सेक्टर के मजबूत प्रदर्शन से घरेलू शेयर बाजार में तेजी आई। 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 418.81 अंक या 0.52 प्रतिशत बढ़कर 81,018.72 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान यह 493.28 अंक या 0.61 प्रतिशत चढ़कर 81,093.19 अंक के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 157.40 अंक या 0.64 प्रतिशत बढ़कर 24,722.75 अंक पर पहुंच गया। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया 50 पैसे गिरकर 87.68 (अनंतिम) पर बंद हुआ। सेंसेक्स की कंपनियों में टाटा स्टील, बीईएल, अडानी पोर्ट्स, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, टेक महिंद्रा, भारती एयरटेल, एचसीएल टेक्नोलॉजीज, ट्रेंट, महिंद्रा एंड महिंद्रा, रिलायंस इंडस्ट्रीज, अल्ट्राटेक सीमेंट और लार्सन एंड टुब्रो प्रमुख लाभ में रहीं। वहीं पावर ग्रिड, एचडीएफसी बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, हिंदुस्तान यूनिलीवर पिछड़ गए।जियोजित इन्वेस्टमेंट्स के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा कि पहली तिमाही के नतीजों से संकेत मिलता है कि खपत-आधारित कंपनियों को बड़ी मात्रा में मांग में तेजी से फायदा हो रहा है। इस बीच, अमेरिका में बढ़ती बेरोजगारी और रोजगार सृजन की धीमी गति ने फेड द्वारा ब्याज दरों में संभावित कटौती की उम्मीदों को मजबूत किया है। हालांकि, उच्च अमेरिकी टैरिफ के कारण अभी भी सावधानी बरतने की गुंजाइश बनी हुई है। टोक्यो का निक्केई 225 सूचकांक 1.3 प्रतिशत गिरकर 40,290.70 पर बंद हुआ। हांगकांग का हैंगसेंग सूचकांक 0.9 प्रतिशत बढ़कर 24,733.45 पर पहुंच गया, जबकि शंघाई कम्पोजिट सूचकांक लगभग 0.7 प्रतिशत बढ़कर 3,583.31 पर पहुंच गया। दक्षिण कोरिया में कोस्पी 0.9 प्रतिशत बढ़कर 3,147.75 पर पहुंच गया। यूरोप के बाजार बढ़त के साथ कारोबार कर रहे थे। शुक्रवार को अमेरिकी बाजार नकारात्मक दायरे में बंद हुए।

ब्रेंट क्रूड का भाव गिरकर 68.87 डॉलर प्रति बैरल पहुंचा

वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड 1.15 प्रतिशत घटकर 68.87 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया। एक्सचेंज के आंकड़ों के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने शुक्रवार को 3,366.40 करोड़ रुपये मूल्य के शेयर बेचे। शुक्रवार को 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 585.67 अंक गिरकर 80,599.91 पर और 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 203 अंक गिरकर 24,565.35 पर बंद हुआ।

पेरासिटामोल समेत 35 दवाएं सस्ती

कौन–कौन हैं लिस्ट में और क्या है नई कीमत?

नई दिल्ली, 4 अगस्त (एजेंसियां)। सरकार ने मरीजों को बड़ी राहत देते हुए कई दवाओं की कीमत कम कर दी है। नैशनल फार्मास्युटिकल प्राइसिंग अथॉरिटी (एनपीपीए) ने 35 जरूरी दवाओं के दाम घटा दिए हैं। इनमें पेरासिटामोल, एटोरवास्टेनिन और एमोक्सिसिलिन जैसी दवाएं शामिल हैं जो हार्ट, डायबिटीज और सायकायट्रिक के मरीजों के लिए जरूरी हैं। अब ये दवाइयां कम कीमत पर मिलेंगी। इससे खासकर उन मरीजों को काफी राहत मिलेगी जो लोग लंबे समय से बीमारियों से जूझ रहे हैं।

रसायन और उर्वरक मंत्रालय ने एनपीपीए की ओर से तय की गई कीमतों के आधार पर इस आदेश का नोटिफिकेशन जारी किया है। इनमें कुछ खास दवाएं शामिल हैं जैसे एसिक्लोफेनाक, पैरासिटामोल और ट्रिप्सिन काइमोट्रिप्सिन का फिक्स्ड-डोज कॉम्बिनेशन। साथ ही, एमोक्सीसाईक्लिन और पोटेशियम क्लैवुलैनेट, एटोरवास्टेटिन कॉम्बिनेशन और नई एंटी-डायबिटिक दवाएं जैसे एम्पाग्लिफ्लोज़िन, सिटाग्लिप्टिन और मेटफॉर्मिन को भी शामिल किया गया है। अकम्स ड्रग्स एंड फार्मास्युटिकल्स कंपनी एसीक्लोफेनाक-पैरासिटामोल-ट्रिप्सिन काइमोट्रिप्सिन की एक टैबलेट बनाती है। इसे डॉ. रेड्डीज लेबोरेटरीज बेचती है। अब इसकी कीमत 13 रुपये तय की गई है। वहीं, कैडिला फार्मास्यूटिकल्स इसी दवा को 15.01 रुपये में बेचेगी। इसी तरह दिल की बीमारियों में काम आने वाली एटोरवास्टेटिन 40 मिलीग्राम और क्लोपिडोग्रेल 75 एमजी की एक टैबलेट अब 25.61 रुपये में मिलेगी। बच्चों के लिए सेफिक्साइम और पैरासिटामोल के ओरल सस्पेंशन (घोल) भी सस्ते किए गए हैं। विटामिन डी की कमी दूर करने के लिए कॉलेकैल्सिफेरॉल ड्रॉप्स और डाईक्लोफेनाक इंजेक्शन भी सस्ते हुए हैं। डाईक्लोफेनाक इंजेक्शन अब 31.77 रुपये प्रति मिली में मिलेगा। आदेश में कहा गया है कि रिटेलर्स और डीलर्स को ये अपडेटेड प्राइस लिस्ट अपनी दुकानों में दिखानी होगी। ऐसा न करने पर डीपीसीओ, 2013 और आवश्यक वस्तु अधिनियम, 1955 के तहत कार्रवाई हो सकती है। ज्यादा पैसे लेने पर जुर्माना भी लगेगा और ब्याज के साथ पैसे वापस करने होंगे। एनपीपीए ने यह भी बताया है कि इस कीमत में जीएसटी को शामिल नहीं किया गया है। जीएसटी लगने पर कीमतें थोड़ी बढ़ सकती हैं। दवा बनाने वाली कंपनियों को नियमों का पालन करना होगा। उन्हें नई कीमतों की लिस्ट फॉर्म वी में एनपीपीए को देनी होगी। साथ ही, राज्य के ड्रग कंट्रोलर को भी जानकारी देनी होगी।

खाने के तेल में क्या अब नहीं होगी मिलावट?

सरकार का ये फैसला बनेगा वजह

नई दिल्ली, 4 अगस्त (एजेंसियां)। सरकार ने खाने के तेल उद्योग के लिए नया नियम जारी किया है, जिसके तहत तेल बनाने वालों को अब कड़े रजिस्ट्रेशन और रिपोर्टिंग से गुजरना होगा. सरकार के इस फैसला का सीधा मतलब है कि सरकार फेस्टिव सीजन से पहले बाजार में आने वाले घटिया खाने के तेल को पूरी तरह रोकना चाहती है.1 अगस्त को उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्रालय ने 2025 वेजिटेबल ऑयल प्रोडक्ट्स, प्रोडक्शन एंड अवेलेबिलिटी (वीओपीपीए) रेगुलेशन ऑर्डर नोटिफाई किया है. यह नया आदेश 1955 के आवश्यक वस्तु अधिनियम के तहत 2011 के पुराने आदेश को बदलता है.

तेल मिल को हर 15 तारीख को देनी होगी ये जानकारी

नए नियम के तहत तेल बनाने वालों को अब अपनी फैक्ट्री का पता, उत्पादन क्षमता जैसी जानकारी देकर दिल्ली स्थित शुगर एंड वेजिटेबल ऑयल निदेशालय से रजिस्ट्रेशन सर्टिफिकेट लेना होगा. अब हर प्रोड्यूसर को हर महीने की 15 तारीख तक अपनी फैक्ट्री में तेल के इस्तेमाल, उत्पादन, बिक्री और स्टॉक की जानकारी सरकार को देनी होगी, ताकि सप्लाई चेन पर नजर रखी जा सके और खाने के तेल की सही कीमतों पर उपलब्धता बनी रहे. नए आदेश में निरीक्षण और कार्रवाई की ताकत भी बढ़ाई गई है. निदेशक को फैक्ट्री की जांच करने, जानकारी मांगने और गलत रिपोर्ट मिलने पर स्टॉक जब्त करने का अधिकार होगा. नियमों का पालन न करना साफ तौर पर मना होगा.इस संशोधन में कुछ परिभाषाओं को भी साफ किया गया है, जैसे प्रोड्यूसर, वेजिटेबल ऑयल और डायरेक्टर की परिभाषा अब आवश्यक वस्तु अधिनियम 1955 और सांख्यिकी संग्रह अधिनियम 2008 के हिसाब से तय की गई हैं.पुराने आदेश में कुछ पुराने शब्द जैसे तेल रहित भोजन या खाने योग्य आटा हटा दिए गए हैं. साथ ही शेड्यूल-III और पैरा 13 को खत्म कर नियमों को आसान बनाया गया है. अब क्लॉज शब्द की जगह पैरा और चीफ डायरेक्टर की जगह सिर्फ डायरेक्टर शब्द इस्तेमाल होगा.

चीन-रूस से कैसे लड़ेंगे डोनाल्ड ट्रंप! एफ-15 फाइटर बनाने वाली कंपनी के कर्मचारी हड़ताल पर

वाशिंगटन, 4 अगस्त (एजेंसियां)। पूरी दुनिया के पंगा ले रहे अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के लिए अच्छी खबर नहीं है। एफ-15 फाइटर और दूसरे मिलिट्री एयरक्राफ्ट बनाने वाली कंपनी बोइंग डिफेंस के 3000 से अधिक कर्मचारी हड़ताल पर चले गए हैं। ये कर्मचारी वेतन, वर्क शेड्यूल और पेंशन को लेकर कंपनी के ऑफर से खुश नहीं हैं। बोइंग पहले से ही कई तरह की मुश्किलों से गुजर रही है। हाल के वर्षों में उसके कई विमान हादसों का शिकार हुए हैं। इससे कंपनी पर सवाल उठने लगे हैं। बोइंग की एयर डोमिनेंस यूनिट के वाइस प्रेसिडेंट डैन गिलियन ने एक बयान में कहा कि कंपनी ने सैलरी में 40 फीसदी एवरेज बढ़ोतरी का ऑफर दिया था लेकिन कर्मचारियों ने इसे खारिज कर दिया है। बोइंग कई तरह की परेशानियों का सामना कर रहा है। इनमें कंपनी के विमानों की सेफ्टी से जुड़े मुद्दे शामिल हैं। पिछले साल कंपनी के हजारों कर्मचारी आठ हफ्ते तक हड़ताल पर चले गए थे। अब बोइंग डिफेंस की सेंट लुई यूनिट के 3,200 स्किल्ड वर्कर्स हड़ताल पर चले गए हैं। 1996 के बाद यह पहला मौका है जब बोइंग डिफेंस के कर्मचारी हड़ताल पर गए हैं। हालांकि कंपनी के सीईओ केली ओर्टबर्ग का कहना है कि इससे कंपनी के कामकाज पर ज्यादा असर नहीं होगा।

चीन से डील पर गौतम अडानी ने उठाया पर्दा, नई दिल्ली से शंघाई तक हड़कंप

नई दिल्ली, 4 अगस्त (एजेंसियां)। एशिया के दूसरे सबसे अमीर कारोबारी गौतम अडानी की फ्लैगशिप कंपनी अडानी एंटाप्राइजेज ने चीनी कंपनी के साथ डील को लेकर पर्दा उठा दिया है, जिसका जिक्र हाल ही में ब्लूमबर्ग की रिपोर्ट में किया गया था. अडानी एंटाप्राइजेज के बयान के बाद नई दिल्ली से लेकर शंघाई तक हड़कंप मच गया है. इससे पहले खबर आई थी कि अडानी एंटरप्राइजेज भारत में बैटरी निर्माण के लिए चीनी कंपनियों बीवाईडी और बीजिंग वेलियन न्यू एनर्जी टेक्नोलॉजी के साथ एक डील करने जा रही है. जिसके बाद सोमवार को अडानी एंटाप्राइजेज की ओर से बयान दि गया गया है. आपको भी बताते हैं कि आखिर अडानी एंटाप्राइजेज की ओर से क्या कहा गया है.

अडानी ग्रुप का बयान

अडानी एंटरप्राइजेज ने सोमवार को स्पष्ट किया कि वह भारत में बैटरी निर्माण के लिए चीनी कंपनी बीवाईडी के साथ किसी भी तरह के सहयोग की संभावना नहीं तलाश रही है. कंपनी ने ब्लूमबर्ग की उस रिपोर्ट का स्पष्ट रूप से खंडन किया जिसमें अडानी ग्रुप के चीनी कंपनियों बीवाईडी और बीजिंग वेलियन न्यू एनर्जी टेक्नोलॉजी के साथ गठजोड़ की बात कही गई है. कंपनी ने खबर को पूरी तरह से निराधार, गलत और भ्रामक बताया. अडानी एंटरप्राइजेज ने स्पष्ट किया कि हम 4 अगस्त 2025 को ब्लूमबर्ग की उस रिपोर्ट का स्पष्ट रूप से खंडन करते हैं जिसमें अडानी ग्रुप और चीनी कंपनियों बीवाईडी तथा बीजिंग वेलियन न्यू एनर्जी टेक्नोलॉजी के बीच गठजोड़ की बात कही गई है. यह रिपोर्ट निराधार, गलत और भ्रामक है. कंपनी ने कहा कि अडानी ग्रुप भारत में बैटरी निर्माण के लिए बीवाईडी के साथ किसी भी तरह के सहयोग की संभावना नहीं तलाश रहा है. इसी तरह, हम बीजिंग वेलियन न्यू एनर्जी टेक्नोलॉजी के साथ किसी भी तरह की साझेदारी के लिए कोई बातचीत नहीं कर रहे हैं.

कंपनी के शेयर में मामूली तेजी

वैसे अडाली एंटरप्राइजेज के शेयर में सोमवार को मामूली तेजी देखने को मिल रही है. आंकड़ों को देखें तो बीएसई पर अडानी एंटरप्राइजेज के शेयर दोपहर 1 बजकर 30 मिनट पर 0.54 फीसदी की मामूली तेजी के साथ 2363.20 रुपए पर कारोबार कर रहा है. जबकि कारोबारी सत्र के दौरान कंपनी के शेयर 2373.75 रुपए पर पहुंच गए थे. खास बात तो ये है कि इसी लेवल पर कंपनी के शेयरों की शुरुआत भी हुई थी. खास बात तो ये है मौजूदा साल में अडानी एंटरप्राइजेज के शेयर 7.63 फीसदी तक टूट गए है. एक साल में कंपनी के शेयरों में 22.23 फीसदी का नुकसान हुआ है.

अनिल अंबानी को एक दिन में ट्रिपल नुकसान

तीनों कंपनियों के शेयर में लगा लोअर सर्किट, क्यों आई गिरावट?

नई दिल्ली, 4 अगस्त (एजेंसियां)। अनिल अंबानी को फिर से मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है। सोमवार को अनिल अंबानी की रिलायंस ग्रुप की कंपनियों के शेयरों में 5 फीसदी तक का लोअर सर्किट लगा। शेयरों में गिरावट इसलिए आई क्योंकि प्रवर्तन निदेशालय बैंक अधिकारियों से पूछताछ करने वाला है। यह पूछताछ 17,000 करोड़ रुपये के लोन फ्रॉड मामले से जुड़ी है, जिसमें रिलायंस ग्रुप का नाम है। रिलायंस पावर के शेयर सोमवार को 5% गिरकर 47.70 रुपये पर बंद हुए। वहीं रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर के शेयर भी 5% की गिरावट के साथ 296.05 रुपये पर बंद हुए। वहीं अनिल अंबानी की एक और प्रमुख कंपनी रिलायंस होम फाइनेंस के शेयर में भी करीब लोअर सर्किट लगा। यह शेयर 4.86% गिरकर 4.89 रुपये पर बंद हुआ।यह पूरा मामला 17,000 करोड़ रुपये के लोन से जुड़ा है। रिलायंस होम फाइनेंस लिमिटेड, रिलायंस कमर्शियल फाइनेंस लिमिटेड और रिलायंस कम्युनिकेशंस को दिए गए करीब 17,000 करोड़ के लोन एनपीए बन गए हैं। यानी ये लोन अब डूब चुके हैं और लगभग 20 बैंकों का पैसा इसमें फंसा हुआ है।इस मामले में ईडी का शिकंजा कस गया है। ईडी अब सरकारी और प्राइवेट दोनों बैंकों के अधिकारियों को बुलाएगी। इन बैंकों ने रिलायंस ग्रुप की अलग-अलग कंपनियों को लोन दिया था। ईडी पहले ही अनिल अंबानी को बुला चुकी है। अब वह यह जानना चाहती है कि जब ग्रुप की कंपनियों ने लोन चुकाना बंद कर दिया, तो बैंकों ने क्या कार्रवाई की।

सोना 1506 बढ़कर 99,759 प्रति 10 ग्राम हुआ

चांदी 1862 महंगी होकर 1.11 लाख किलो बिक रही

नई दिल्ली, 4 अगस्त (एजेंसियां)। सोने-चांदी के दाम में आज यानी 4 अगस्त को बढ़त है। इंडिया बुलियन एंड ज्वैलर्स एसोसिएशन के अनुसार 24 कैरेट सोने का दाम 1,506 रुपए बढ़कर 99,759 रुपए प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया है। इससे पहले सोने का भाव 98,253 रुपए पर था। वहीं चांदी की कीमत 1,862 रुपए बढ़कर 1,11,508 रुपए प्रति किलो हो गई है। इससे पहले चांदी 1,09,646 रुपए पर थी। वहीं 23 जुलाई को सोने ने 1,00,533 रुपए और चांदी ने 1,15,850 रुपए ऑल टाइम हाई बनाया था।

महानगरों में 10 ग्राम सोने की कीमत

दिल्ली : 24 कैरेट सोने की कीमत 1,01,550 और 22 कैरेट सोने की कीमत 93,100 **मुंबई** : 24 कैरेट सोने की कीमत 1,01,400 और 22 कैरेट सोने की कीमत 92,950 **कोलकाता** : 24 कैरेट सोने की कीमत 1,01,400 और 22 कैरेट सोने की कीमत 92,950 **चेन्नई** : 24 कैरेट सोने की कीमत 1,01,400 और 22 कैरेट सोने की कीमत 92,950 **भोपाल** : 24 कैरेट सोने की कीमत 1,01,450 और 22 कैरेट सोने की कीमत 93,000

हैदराबाद : 24 कैरेट सोने की कीमत 104,421 प्रति 10 ग्राम, 22 कैरेट के लिए 96,199

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

केतु	५
मंगल	६
	७
चंद्र	८
	९
	१०
	११
शनि	१२
	१
	२
शुक्र गुरु	३
बुध सूर्य	४

गृह स्थिति

ग्रह	राशि
सूर्य	कर्क
चन्द्र	वृश्चिक
मंगल	कन्या
बुध	कर्क
गुरु	मिथुन
शुक्र	मिथुन
शनि	मीन
राहु	कुंभ
केतु	सिंह

लग्नारंभ समय

लग्न	समय
कर्क	04-37 बजे
सिंह	06-49 बजे
कन्या	08-55 बजे
तुला	11-01 बजे
वृश्चिक	13-11 बजे
धनु	15-25 बजे
मकर	17-31 बजे
कुंभ	19-21 बजे
मीन	20-59 बजे
मेष	22-35 बजे
वृष	00-20 बजे
मिथुन	02-20 बजे

श्री सिद्धार्थी नामक संवत्सर-विक्रम संवत्- **2082**
शक संवत् **-1947, सूर्य उत्तरायणे,ऋतु-** वर्षा
महावीर निर्वाण संवत् **-2551**
कलियुग अवधि-**432000** 05-58 18-46
भोग्य कलि वर्ष-**426874**
कलियुग संवत् **-5126 वर्ष,**
कल्पारंभ संवत् **-1972949126**
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-**1955885126**
दिशाशूल- उत्तर - गुड खाकर घर से निकले
तिथि- एकादशी **13-12** तक उपरान्त द्वादशी
मास- श्रावण शुक्ल , मंगलवार **05 August**
नक्षत्र- ज्येष्ठा **11-23** तक उपरान्त मूल
योग - ऐन्द्र **07-24** तक वैधृति
करण- विष्टी (भद्रा) **13-32** तक उप बव
विशेष:-
व्रत -त्योहार पवित्रा एकादशी व्रत सर्वे

विशेष- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल 15-34 से 17-10 तक

पं महेशचन्द्र शर्मा मो. 9247132654, 9167555710

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
रोग	05-58 - 07-32	शुभ	काल	18-46 - 20-10	शुभ
उत्पात	07-32 - 09-09	शुभ	लाभ	20-10 - 21-34	शुभ
चंचल	09-09 - 10-46	शुभ	उत्पात	21-37 - 22-58	अशुभ
लाभ	10-46 - 12-23	अशुभ	शुभ	22-59 - 00-22	अशुभ
अमृत	12-23 - 13-59	शुभ	अमृत	00-22 - 01-46	शुभ
काल	13-59 - 15-37	अशुभ	चंचल	01-46 - 03-10	अशुभ
शुभ	15-37 - 17-14	अशुभ	रोग	03-10 - 04-34	शुभ
रोग	17-14 - 18-46	शुभ	काल	04-34 - 05-58	शुभ

आपका राशिफल

मेष चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,
आप एक पारिवारिक व्यक्ति हैं । पारिवारिक मूल्य ही आपकी सफलता का श्रोत हैं ।,आज भी शुभ की शुरुआत आपके घर से ही होगी और आपको नयी कामयाबी दिलाएगी । आप विशेष लय में हैं । आज का दिन सार्थक होगा । मुश्किल समय में भी अपनी मुस्कान और होसला बनाये रखें । आपकी सकारात्मक दृष्टि आपको औरों से अलग मुकाम पर ले जायेगी ।

वृष ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,
आपसे सामजिक संपर्कों पर और ध्यान देने की अपेक्षा है । आपके आकर्षक व्यक्तित्व का सबपर प्रभाव पड़ेगा । इसके अलावे आपको उन लोगो पर भी ध्यान दें जो आपकी सामाजिक प्रतिष्ठा को नुक्सान पहुंचा रहे हैं । अपनी व्यस्त कार्यशैली के बावजूद सेहत का ध्यान रखें ।

मिथुन का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,
आज आप खरीदारी सम्बन्धी किसी ऑफर या लाटरी तिच्क्त खरीदने का जोखिम उठा सकते हैं । आपका भाग्य आपके साथ है ,इसलिए जीतने का अच्छा मौका आपके पास रहेगा । स्थिति आपसे अपने दृष्टिकोण पर दृढ बने रहने की अपेक्षा कर सकती है । आपकी चुप्पी को गलत समझा जाएगा और उसपर सवाल खड़े किये जायेंगे ।

कर्क ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,
आज बोलने में सावधानी रखें । आप जिसे अपना करीबी समझते हैं,वो आपकी गुप्त बात को उजागर कर सकता है । बोलने से पहले सोच लें,अपनी बातचीत का विषय अपने और सामने वाले तक ही सीमित रखें ।किसी तीसरे के बारे में बात करने से बचें ।किसी दूसरे शहर की यात्रा और इसके दौरान किसी पुराने दोस्त से मुलाकात की सम्भावना है,पुराने पलों को याद करेंगे ।

सिंह मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,
समय कुछ बहादुरी भरे कदम उठाने का है,इसमें हिचकिये मत । इसके स्थान पर ,मजबूत फैसला लीजिये ।अवसरों को जाने मत दीजिये । इस समय विश्वास पूर्वक लिया गया एक फैसला नाटकीय तरीके से आपकी जिंदगी को बदल सकता है,शायद आपको अभी ये प्रतीत न हो ।पुराने संबंधों के बारे में फिर से सोचने और अर्थहीन संबंधों को तोड़ देना ही सही रहेगा ।

कन्या टो पा पी पू ष ण ठ पे पो
नकारात्मकता से भरे छली लोगों से दूर रहें । ये आपको भी नकारात्मक बनाकर असफल कर देने की कोशिश में हैं जबकि आप अपनी मंजिल के बहुत करीब हो ।शांति के लिए आज अपना अधिकतर समय परिवार के साथ घर पर बिताएं और सारा बाकी काम पूरा कर लें ।कुछ मीठी यादें सहेजने के लिए अपने कमरे में उनका फोटो लगा दें।

तुला रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,
अब आपका हर काम और पूरा ध्यान अपने करियर के लिए है ।आप इस पर बिलकुल अपना पूरा ध्यान और समय लगा रहे हैं । आपको थोड़ी सी राहत की जरुरत है और अच्छी बात यह है कि आप तब भी अपना लक्ष्य हासिल कर पायेंगे । अपने काम के जाल से बाहर निकलकर परिवार को भी समय दें।

वृश्चिक तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,
आप पुराने विचारों को छोड़कर नए विचारों को अपना रहे हैं । आज कुछ अलग ना सोचें,इसका प्रभाव औरों पर अच्छा न पड़ेगा । कोई भी काम करने से पहले ये मूल्यांकन दुबारा कर लें कि आप वास्तव में चाहते क्या हैं। घरेलू जरूरतों को पूरा करने के लिए नया वाहन और दूसरी चीजें खरीदने हेतु समय उपयुक्त है ।

धनु ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे
आज आपको अपनी आरामदायक स्थिति से बाहर आकर कुछ गंभीर प्रयास करने हैं । सावधान रहें कि बिलकुल परम्पराओं के अनुसार चलने से आपको कुछ हासिल नही होगा। गंभीर होकर प्रयास करने से ही आपको बहाव के साथ बहते रहने के स्थान पर जीवन जीने की सही भावना आएगी ।

मकर भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी
आपके अफसर आपसे पुरानी रंजिश निकालने के लिए आपके काम में देर कर सकते हैं । आप इसके कारण बहुत चिंता करेंगे,क्योकि इससे न केवल आपकी वर्त्तमान स्थिति बल्कि आगे आने वाली योजनायें भी प्रभावित होंगी । इस समय अपनी घरेलू खुशियों के कारण खुश रहें क्योकि इससे आपको नया उत्साह मिलेगा ।

कुंभ गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,
अगर आप आज रसोईघर में बनने वाले खाने के बारे में सोच रहे हैं तो बिलकुल सही सोच रहे हैं। आज आपको कोई विशेष पकवान खाने को मिल सकता है। अपनी सेहत का ध्यान रखें और साफ़ सफाई बनाये रखें । आपके मित्र के को हुई ग़लतफ़हमी आज दूर हो सकती है । अप्रत्याशित श्रोतों से आय होने की भी संभावना है ।

मीन दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची
आप अपने आसपास के लोगों से अच्छी खासी सहायता और पहचान की उम्मीद रख सकते हैं ।आप मजबूत आधार और आशावादिता से भरपूर हैं और नयी परियोजनाओं के लिए बिलकुल तैयार हैं लेकिन आपमें अभी भी अच्छी परियोजना को पहचानने की क्षमता बरक़रार है । इसके कारण आप केवल उन्ही परियोजनाओं में निवेश करेंगे जो भविष्य में काफी लाभकारी साबित होंगी ।

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र

शिबू सोरेन से 'दिशोम गुरु' बनने की कहानी

धान कटनी आंदोलन की शुरुआत की, आदिवासियों को जागरूक करने के लिए गांव-गांव जाते थे

रांची, 4 अगस्त(एजेंसियां)। राज्यसभा सांसद और झारखंड के पूर्व सीएम शिबू सोरेन (गुरुजी) का सोमवार को निधन हो गया। दिल्ली में सर गंगाराम अस्पताल में उन्होंने आखिरी सांस ली।

बीते कुछ दिनों से वहां भर्ती थे। न्यूरोलॉजी, कार्डियोलॉजी और नेफ्रोलॉजी के विशेषज्ञ डॉक्टरों की टीम उनका इलाज कर रही थी। 81 साल के दिशोम गुरु शिबू सोरेन का जन्म वर्तमान रामगढ़ जिले के गोला प्रखंड के नेमरा में 11 जनवरी 1944 को हुआ था। गांव के ही स्कूल से प्रारंभिक शिक्षा लिए दिशोम गुरु का जीवन संघर्षों भरा रहा है।

महाजनों के खिलाफ संघर्ष का फैसला किया

महज 13 साल की उम्र के थे, जब उनके पिता की हत्या महाजनों ने कर दी। इसके बाद शिबू सोरेन ने पढ़ाई छोड़ दी और महाजनों के खिलाफ संघर्ष का फैसला किया। पिता की हत्या के बाद उन्हें लगा कि पढ़ाई से ज्यादा जरूरी है महाजनों के खिलाफ आदिवासी समाज को इकट्ठा करना। उन्होंने सूदखोर महाजनों के खिलाफ काम करना शुरू किया।

1970 में वे महाजनों के खिलाफ खुल कर सामने आए और धान कटनी आंदोलन की शुरुआत की। सूदखोरों के खिलाफ आंदोलन चलाकर शिबू सोरेन चर्चा में आए, लेकिन महाजनों को अपना दुश्मन बना लिया।

शिबू को रास्ते से हटाने के लिए महाजनों ने भाड़े के लोग जुटाए। उन दिनों आदिवासियों को जागरूक करने के लिए शिबू सोरेन बाइक से गांव-गांव जाते थे। इसी दौरान एक बार उन्हें महाजनों के गुंडों ने घेर लिया। बारिश का मौसम था। बराकर

नदी उफान पर थी। शिबू सोरेन समझ गए कि अब बचना मुश्किल है।

उन्होंने आव देखा न ताव, अपनी रफ्तार बढ़ाई और बाइक समेत नदी में छलांग लगा दी। सभी को लगा उनका मरना तय है, लेकिन थोड़ी देर बाद शिबू तैरते हुए नदी के दूसरे छोर पहुंच गए।

लोगों ने इसे दैवीय चमत्कार माना। आदिवासियों ने शिबू को 'दिशोम गुरु' कहना शुरू कर दिया। संथाली में दिशोम गुरु का अर्थ होता है देश का गुरु।

3 बार के कार्यकाल में सिर्फ 10 महीने सरकार चलाई

तीन बार के कार्यकाल में शिबू सोरेन को 10 महीना 10 दिन ही राज्य की कमान संभालने का मौका मिला। शिबू सोरेन पहली बार सिर्फ 10 दिनों के लिए मुख्यमंत्री बने थे।

इसके बाद शिबू सोरेन दूसरी बार 28 अगस्त 2008 को झारखंड के मुख्यमंत्री बने। इस बार उन्हें पांच महीने तक मुख्यमंत्री की कुर्सी पर बैठने का मौका मिला। उन्होंने 18 जनवरी 2009 को मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया।

फिर तीसरी बार 30 दिसंबर 2009 को शिबू सोरेन झारखंड के मुख्यमंत्री बने। इस बार उनका कार्यकाल सिर्फ पांच महीने का रहा। उन्होंने 31 मई 2009 को मुख्यमंत्री के पद से इस्तीफा दे दिया।

ऑपरेशन सिंदूर खत्म नहीं हुआ और पाकिस्तान से मैच खेल रहे हैं

कांग्रेसी दिग्गज बोला- पैसा सबसे बड़ा

रायपुर, 4 अगस्त(एजेंसियां)। एशिया कप में भारत और पाकिस्तान के मैच को लेकर राजनीति तेज हो गई है। छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने पाकिस्तान से साथ मैच खेलने को लेकर सरकार की मंशा पर सवाल उठाए हैं। दिल्ली दौरे से वापस लौटे पूर्व सीएम भूपेश बघेल ने केंद्र सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि इनके लिए पैसा ज्यादा जरूरी है। उन्होंने दोनों देशों के बीच होने वाले मैच को लेकर सवाल उठाए हैं।

एशिया कप 2025 में भारत का पाकिस्तान से मुकाबला होने पर कांग्रेस नेता भूपेश बघेल ने कहा, ऑपरेशन सिन्दूर अभी खत्म नहीं हुआ है और वे पाकिस्तान के साथ मैच खेल रहे हैं। उनकी स्थिति 'ना बाप बड़ा ना भैया, सबसे बड़ा रुपैया' वाली

लग रही है।

दिल्ली दौरे पर गए थे पूर्व सीएम

पूर्व सीएम दिल्ली दौरे पर थे। रविवार को वह दिल्ली दौरे से वापस लौटे हैं। भूपेश बघेल ने सुप्रीम कोर्ट में अपनी अग्रिम जमानत को लेकर याचिका दाखिल की है। छत्तीसगढ़ में ईडी शराब, कोयला और महादेव सट्टा ऐप को लेकर जांच कर रही है। जांच के दायरे में पूर्व सीएम भूपेश बघेल ने। इसी कारण गिरफ्तारी से बचने के लिए उन्होंने अग्रिम जमानत ली है। उनके बेटे भूपेश बघेल को ईडी गिरफ्तार कर चुकी है। एशिया कप में होगा मुकाबला

एशिया कप का आगाज सितंबर में होगा। भारत और पाकिस्तान के बीच इस टूर्नामेंट में मैच खेला जाना है। दोनों देशों के बीच 14 सितंबर को मैच होना है। इसी को लेकर राजनीति गर्म हो गई है। दरअसल, पहलगाम आतंकी हमले के बाद पूरे देश में गुस्सा है। पहगाम आतंकी हमले का बदला लेने के लिए भारतीय सेना ने ऑपरेशन सिंदूर किया था। जिसके बाद से दोनों देशों के बीच तनाव बढ़ गया है।

ऐसे में दोनों देशों के बीच क्रिकेट मैच खेलने को लेकर सियासत तेज हो गई है।

प्रेमी-प्रेमिका की हत्या महिला समेत पांच गिरफ्तार

लड़की के परिजनों ने मर्डर कर शव कुएं में फेंका था, अफेयर से परिवार था नाराज

पलामू, 4 अगस्त (एजेंसियां)। पलामू में शुक्रवार की रात एक प्रेमी जोड़े की हत्या कर दी गई। इसका खुलासा तब हुआ, जब रविवार की देर रात पानी भरे कुएं से युवक-युवती की लाश बरामद की गई। घटना तरहसी थाना क्षेत्र के टरिया गांव की है। पुलिस ने इस मामले में लड़की की मां समेत पांच लोगों को गिरफ्तार कर लिया है। मृतकों में भंडरा के वीरेंद्र सिंह के पुत्र सुभाष कुमार उर्फ कारू मेहता (22) और टरिया गांव के उपेंद्र सिंह की पुत्री विभा कुमारी (22) शामिल हैं। कारू मेहता ट्रैकर चालक था। कारू शुक्रवार से लापता था। परिजनों ने इसकी सूचना पुलिस को दी थी।

दरअसल, यह कुआं विभा के घर से मात्र 100 मीटर की दूरी पर स्थित है। दोनों के शरीर पर गहरे जख्म के निशान पाए गए थे। प्रेमी जोड़े की लाश मिलने के बाद पुलिस लड़की के परिजनों को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही थी। इसके बाद आरोपियों ने अपना जुर्म कबूल कर लिया।

पलामू एसपी रीष्मा रमेशन के अनुसार, प्रेमी युगल की हत्या ऑनर किलिंग है। इस मामले में सोमवार को लड़की के पिता उपेन्द्र महतो, चाचा जनेश्वर महतो, विमलेश महतो उर्फ राजेश महतो, राकेश महतो और मां कलावती देवी को गिरफ्तार कर लिया गया है। युवती के पिता उपेन्द्र महतो और मां कलावती देवी ने पूछताछ में यह स्वीकार किया कि उनकी बेटी विभा कुमारी का सुभाष कुमार के साथ प्रेम संबंध था। लगभग डेढ़ माह पूर्व परिजनों द्वारा दोनों को समझाया गया था, लेकिन उनका संबंध जारी रहा।

एसपी के अनुसार, शुक्रवार की रात योजनाबद्ध तरीके से बेटी को बहला कर प्रेमी सुभाष को बुलवाया गया और फिर पिता, मां और चाचा ने मिलकर दोनों की हत्या कर शव को छुपाने के उद्देश्य से दीपन महतो के कुएं में फेंक दिया था।

ऐसी होगी विधानसभा की नई बिल्डिंग

52 एकड़ का परिसर, तीन विंग, एक साथ पार्क होंगी 700 गाड़ियां

रायपुर, 4 अगस्त(एजेंसियां)। नवा रायपुर में निर्माणाधीन छत्तीसगढ़ विधानसभा भवन का काम अपने अंतिम चरण में पहुंच गया है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, विधानसभा अध्यक्ष डॉ रमन सिंह और डेप्युटी सीएम अरुण साव ने विधानसभा भवन स्थल पर पहुंचकर निर्माणकार्य की प्रगति का निरीक्षण किया। उन्होंने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि कार्य को निर्धारित समय-सीमा, सितंबर 2025 तक हर हाल में पूर्ण किया जाए। 1 नवम्बर को राजोत्सव के अवसर पर इसे जनता को समर्पित किया जा सके।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ राज्य का यह रजत जयंती वर्ष है, जिसे पूरे हर्षोल्लास के साथ मनाया जाएगा। नवीन विधानसभा भवन का निर्माण कार्य अब पूर्णता की ओर अग्रसर है। रजत जयंती वर्ष पर राज्य को एक नया, भव्य विधानसभा भवन प्राप्त होगा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को राज्योत्सव कार्यक्रम हेतु आमंत्रित किया गया है, और उनके द्वारा

इस नवीन विधानसभा भवन का लोकार्पण प्रस्तावित है।

विधानसभा अध्यक्ष रमन सिंह ने कहा कि नए विधानसभा भवन का निर्माण अब अंतिम चरण में पहुंच चुका है।

विधानसभा सदन, विधानसभा अध्यक्ष का कक्ष, मुख्यमंत्री का कक्ष तथा सम्पूर्ण परिसर का अवलोकन कर निर्माण की प्रगति का निरीक्षण किया गया। निर्धारित समय पर नवीन विधानसभा भवन का विधिवत लोकार्पण किया जाएगा।

नए विधानसभा भवन में छत्तीसगढ़ की समृद्ध सांस्कृतिक पहचान, पारंपरिक वास्तुकला और आधुनिक सुविधाओं का समुचित समावेश किया गया है। भवन में तीन प्रमुख विंग निर्मित किए जा रहे हैं। विंग ए में विधानसभा सचिवालय, विंग बी में मुख्यमंत्री और विधानसभा अध्यक्ष के कार्यालय सहित विधानसभा सदन व सेंट्रल हॉल होगा। विंग-सी में उप मुख्यमंत्रियों एवं अन्य मंत्रियों के कार्यालय स्थित होंगे।

उपमुख्यमंत्री अरुण साव ने कहा कि नया विधानसभा भवन केवल एक शासकीय संरचना नहीं, बल्कि छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक भव्यता एवं वैभव का प्रतीक बनेगा।

52 एकड़ क्षेत्रफल में निर्मित यह नवीन विधानसभा भवन आधुनिक तकनीकी विशेषताओं और सांस्कृतिक सौंदर्य से युक्त एक भव्य परिसर होगा।

सदन में 200 विधायकों के बैठने की क्षमता के साथ-साथ 500 दर्शकों की क्षमता वाला अत्याधुनिक ऑडिटोरियम भी होगा। परिसर में 700 वाहनों के लिए पार्किंग की व्यवस्था की जा रही है तथा दो प्रस्तावित सरोवर, प्रत्येक डेढ़ एकड़ क्षेत्र में, विकसित किए जाएंगे।

निर्माण पूर्ण होने के पश्चात यह भवन न केवल छत्तीसगढ़ की प्रतिष्ठा को नई ऊंचाइयां प्रदान करेगा, बल्कि देशभर में अपनी विशिष्ट स्थापत्य शैली और उन्नत सुविधाओं के कारण एक मिसाल के रूप में स्थापित होगा।

फुटपाथ दुकानदारों का अनोखा विरोध

अर्धनग्न होकर किया प्रदर्शन प्रशासन पर वादाखिलाफी का आरोप

धनबाद, 4 अगस्त (एजेंसियां)। धनबाद में राष्ट्रपति के दौरे से पहले हटाए गए पुलिस लाइन क्षेत्र के फुटपाथ दुकानदारों ने सोमवार को जिला प्रशासन और नगर निगम के खिलाफ अर्धनग्न होकर विरोध प्रदर्शन किया। सैकड़ों दुकानदार फुटपाथ पर एकत्रित हुए और नारेबाजी करते हुए अपने रोजगार वापस देने की मांग की।

प्रदर्शनकारियों ने भावनात्मक पोस्टर लेकर अपनी पीड़ा व्यक्त की। पोस्टर पर लिखा था - बिना गुनाह किए गुनहगार बना दिया गया, हमारी गलती क्या थी जो रोजगार छीन लिया गया? मिलकर लेंगे बुलडोजर से आजादी और हरिद्वार मॉडल पर 8x6 की दुकानें बसाई जाएं।

फुटपाथ दुकानदारों का कहना है कि वे पिछले कई सालों से पुलिस लाइन में दुकान लगाते आ रहे हैं। उन्हें राष्ट्रपति के आगमन से पहले हटाया गया था। तब प्रशासन ने आश्वासन दिया था कि राष्ट्रपति के जाने के बाद फिर से दुकान लगाने दिया जाएगा।

लेकिन अब प्रशासन अपने वादे से मुकर रहा है। दुकानदारों ने चेतावनी दी कि अगर उन्हें रोजगार नहीं मिला तो उनके परिवार भूखे मरेंगे। कुछ ने तो आत्महत्या की धमकी भी दी।

18 अगस्त तक जेल में रहेंगे चैतन्य बघेल

कोर्ट से नहीं मिली राहत, जेल में रक्षाबंधन मनाएंगे पूर्व सीएम के बेटे

रायपुर, 4 अगस्त (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ शराब घोटाले में जेल में बंद पूर्व सीएम भूपेश बघेल के बेटे चैतन्य बघेल को राहत नहीं मिली है। उन्हें 14 दिन की रिमांड पर भेज दिया गया है। ईडी की रिमांड खत्म होने के बाद सोमवार को उन्हें रायपुर के विशेष कोर्ट में पेश किया गया जिसके। जहां उनकी रिमांड को बढञा दिया गया। चैतन्य बघेल अब 18 अगस्त तक जेल में रहेंगे। इस बार रक्षाबंधन खे दिन वह जेल में रहेंगे।

7 दिनों में पेश करें चालान

प्रवर्तन निदेशालय ने कोर्ट से चैतन्य बघेल को दोबारा न्यायिक हिरासत में भेजने की मांग की। वहीं, बचाव पक्ष के वकील ने इसका विरोध किया। कोर्ट ने ईडी की दलीलों को स्वीकार करते हुए चैतन्य बघेल को 14 दिनों की न्यायिक हिरासत में भेज दिया। अब केस की अगली पेशी 18 अगस्त को होगी। वहीं, कोर्ट ने ईडी को निर्देश दिए हैं कि वह 7 दिनों के भीतर मामले में चालान (चार्जशीट) पेश करें।

सुप्रीम कोर्ट से भी झटका

वहीं, सुप्रीम कोर्ट से भी चैतन्य

बघेल को बड़ा झटका लगा है। कोर्ट ने उनकी जमानत याचिका को खारिज कर दिया था। चैतन्य बघेल के पिता भूपेश बघेल ने चैतन्य की जमानत के लिए कोर्ट में याचिका लगाई थी। बता दें कि छत्तीसगढ़ के शराब, कोयला घोटाला और महादेव सट्टा ऐप मामले में पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल भी जांच के दायरे में हैं।

मनी लॉन्ड्रिंग मामले में हुई थी गिरफ्तारी

गौरतलब है कि चैतन्य बघेल को शराब घोटाले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग केस में ईडी ने गिरफ्तार किया था। मामले में लगातार पूछताछ और दस्तावेजी जांच की जा रही है। आपको बता दें कि चैतन्य बघेल 14 दिन की न्यायिक रिमांड पर पर जेल में थे।

20 तारीख को हुई थी गिरफ्तारी

छत्तीसगढ़ शराब घोटाले में ईडी ने भूपेश बघेल के आवास पर दबिश दी थी। उसके बाद 20 जुलाई को टीम ने दोबारा दबिश दी थी। इस दौरान उनके बेटे चैतन्य बघेल को गिरफ्तार किया था। चैतन्य बघेल पर आरोप है कि उन्होंने इस घोटाले में सिंडिकेट की मदद की थी और 16 करोड़ का डायरेक्ट लाभ मिला था जिसका उपयोग उन्होंने अपने रियल स्टेट के कारोबार को बढ़ाने में किया था।

सड़क हादसे में एमआर की मौत

टेलर की चपेट में आने से हुआ हादसा, आक्रोशितों ने किया सड़क जाम

कोडरमा, 4 अगस्त (एजेंसियां)। कोडरमा में रविवार की देर रात एक सड़क दुर्घटना में बाइक सवार युवक की मौत हो गई। युवक रांची में एक दवा कंपनी में मेडिकल रिप्रेजेंटेटिव के रूप में कार्यरत था।

घटना डोमचांच थाना क्षेत्र में मेहता भवन के पास हुई। इधर, सोमवार की सुबह आक्रोशित परिजनों ने कोडरमा-गिरिडीह मुख्य मार्ग को जाम कर दिया।

परिजन मुआवजे की मांग को लेकर सड़क पर डटे रहे। मृतक की पहचान राज सिंह (25) के रूप में हुई है, जो ग्राम कालीमंडा, थाना डोमचांच के निवासी था। वह अपने परिवार का इकलौता कमाऊ सदस्य था। उनके परिवार में दो बहनें भी हैं।

राज अपने घर से शहीद चौक की ओर जा रहा था। इसी दौरान पीछे से आ रहे एक टेलर ने उसे मेहता भवन के पास अपनी चपेट में ले लिया। हादसे में युवक की घटनास्थल पर ही मौत हो गई।

3 हादसे, 6 मौतें, बीजेवाइएम मंडल अध्यक्ष की कार नाले में गिरी

कोरबा में ट्रक ड्राइवर-हेल्पर को कार ने कुचला, धमतरी में वाहन ने 2 कांवड़ियों को रौंदा

गरियाबंद, 4 अगस्त (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ में तीन अलग-अलग सड़क हादसों में 6 लोगों की मौत हो गई। पहली घटना गरियाबंद जिले की है जहां देर रात ड्राइवर को झपकी आने से कार बेकाबू होकर नाले में गिर गई और डोर लॉक होने से 5 लोग अंदर ही फंसे रह गए। सुबह लोगों की मदद से सभी को बाहर निकाला गया, तब तक भाजपा युवा मोर्चा के मंडल अध्यक्ष समेत 2 लोगों की मौत हो गई, 3 घायल हैं।

वहीं दूसरी घटना कोरबा की है जहां सोमवार को तेज रफ्तार कार की चपेट में आने से ट्रक ड्राइवर और हेल्पर की मौत हो गई। नेशनल हाईवे- 130 पर हुए हादसे के बाद गाड़ियों की लंबी कतार लग गई। तीसरी घटना धमतरी जिले की है जहां कांवड़ियों को अज्ञात वाहन ने कुचल दिया। जिससे दो दोस्तों की मौत हो गई।

गरियाबंद की घटना

सभी लोग बिलाईगढ़ से भूतेश्वर नाथ मंदिर दर्शन के लिए जा रहे थे। मरने वालों की पहचान बिलाईगढ़ जिले के भटगांव निवासी लोकेश साहू (35) और पंकज दास मानिकपुरी (38) भाजपा युवा मोर्चा मंडल अध्यक्ष के रूप में हुई है। घटना फिंगेश्वर थाना क्षेत्र की है। जानकारी के मुताबिक, कार में बिलाईगढ़ से 5 लोग सवार होकर गरियाबंद के भूतेश्वर नाथ मंदिर दर्शन के लिए जा रहे थे। इसी दौरान रविवार देर रात 2 बजे कार चला रहे पंकज दास को झपकी आ गई। जिस कारण कार एक पत्थर से टकराकर सीधे नाले में गिर गई।

गेट लॉक होने से अंदर फंसे रहे लोग

बताया जा रहा है कि, कार के नाले में गिरने से सभी गेट लॉक हो गए। जिससे पांचों लोग अंदर ही फंस गए। वो रात भर चीखते-चिल्लाते रहे। जब सुबह करीब 5 से 6 बजे लोग शौच के लिए नाले के पास पहुंचे, तो उनकी नजर कार पर पड़ी। जिसके बाद गेट तोड़कर उन्हें बाहर निकाला गया।

2 की मौत, 3 घायल

तब तक हादसे में लोकेश साहू और पंकज दास मानिकपुरी की घटना स्थल पर ही मौत हो गई। जबकि राजेश कुमार आदित्य, ननकी साहू और दयाराम यादव घायल हैं। तीनों घायलों को फिंगेश्वर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया। जबकि मृतकों के शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया है।

कोरबा की घटना

ट्रक मदनपुर घाट पर ब्रेकडाउन हालत में खड़ी थी। ड्राइवर और हेल्पर दोनों सड़क किनारे खड़े होकर ट्रक को ठीक कर रहे थे।

इसी दौरान तेज रफ्तार कार ने सामने से ठोकर मारते हुए दोनों को अपनी चपेट में ले लिया। सिर पर गंभीर चोट आने के कारण एक की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि दूसरे ने अस्पताल ले जाते समय दम तोड़ दिया। बताया जा रहा है कि कार पर दो लोग सवार थे। मोड़ होने के कारण ड्राइवर को ट्रक नजर नहीं आया और उसने दोनों को अपनी चपेट में ले लिया। ट्रक में सामान लोड था, जो कि उत्तर प्रदेश से रायपुर के लिए निकला हुआ था।

घटना के बाद उनके परिजनों को सूचना दे दी गई है। पुलिस ने कार को जब्त कर चालक के खिलाफ कार्रवाई की है।

धमतरी की घटना

धमतरी के अर्जुनी थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पेपर छड़ी के रहने वाले तीन कांवड़िए देर रात रुद्रेश्वर धाम के लिए निकले थे। गांव से करीब 4 किलोमीटर दूरी पर अज्ञात वाहन ने तीनों दोस्त को जोरदार ठोकर मार दी। जिससे तीनों गंभीर रूप से घायल हो गए। पीछे से आ रहे दूसरे कांवड़ियों ने तीनों को एंबुलेंस के जरिए देर रात अस्पताल पहुंचाया। जहां पर दो श्रद्धालु की मौत हो गई।

पानी भरे गड्ढे में डूबने से 2 बच्चों की मौत

रायपुर, 4 अगस्त(एजेंसियां)। जगदलपुर में एक पत्थर खदान के गड्ढे में डूबने से 2 मासूम बच्चों की मौत हो गई है। गड्ढे में बारिश का पानी भरा हुआ था। वहीं एसडीआरएफ और ग्रामीणों ने मिलकर दोनों के शव को निकाला और पोस्टमॉर्टम के लिए मेडिकल कॉलेज भेजा गया।

मृत बच्चों का नाम संदीप नाग (05) और जयश्री (06) बताया जा रहा है। ये दोनों हजारी गुड़ा गांव के रहने वाले थे। वहीं बच्चे पत्थर खदान कैसे पहुंच गए इसकी जांच की जा रही है। स्थानीय लोगों की मानें तो खेलते-खेलते दोनों खदान की तरफ चले गए थे। दोनों का पैर फिसला और पानी में गिर गए।

वहीं बिलासपुर जिले के खारुन नदी में बुजुर्ग की लाश मिली है। दो दिन पहले वह मंदिर जाने के लिए निकला था, जिसके बाद घर नहीं लौटा। जिस पर परिजन उसकी तलाश कर रहे थे। रविवार को उनकी लाश नदी मिली।

इस बीच छत्तीसगढ़ के बलरामपुर जिले में आज भारी बारिश का अलर्ट है। मौसम विभाग ने उत्तरी-दक्षिणी हिस्से के 16 जिलों में बिजली गिर सकती है। बाकी बचे मध्य हिस्सों के जिलों में मौसम सामान्य रहने की उम्मीद है। मध्य हिस्से में चार दिन बाद अच्छी बारिश होने की संभावना है।

छत्तीसगढ़ में पिछले 48 घंटे में सरगुजा संभाग के सभी जगहों पर मध्यम से भारी बारिश हुई है। लेकिन बलरामपुर में सबसे ज्यादा पानी बरसा है।

इसके अलावा प्रदेश के बाकी हिस्सों में हल्की से मध्यम बारिश हुई है। यही स्थिति अगले चार से पांच दिन और बनी रहेगी। मध्य छत्तीसगढ़ में कम बारिश होगी। 28 जुलाई तक 603 एमएम औसत बारिश प्रदेश में हुई थी।

7 अगस्त तक बारिश का यलो अलर्ट

कुछ जिलों में हल्की बारिश की संभावना प्रदेश में 43% और रांची में 78% ज्यादा बारिश

रांची, 4 अगस्त(एजेंसियां)। झारखंड के कई जिलों में फिलहाल बारिश होने की संभावना बनी हुई है। मौसम विभाग ने 4, 5, 6 और 7 अगस्त को अलर्ट जारी किया है। मौसम केंद्र रांची की रिपोर्ट के अनुसार, 7 अगस्त तक झारखंड के विभिन्न हिस्सों में मध्यम दर्जे की बारिश, गर्जन और तेज हवा चलने की संभावना है।

हवा की रफ्तार 30-40 किलोमीटर प्रति घंटे तक रह सकती है। वहीं, वज्रपात की संभावना है। इधर, एक जून से 3 अगस्त तक झारखंड में पाकुड़ एक मात्र ऐसा जिला रहा है, जहां सामान्य से कम बारिश रिकॉर्ड की गई है। यहां 520.9 एमएम बारिश हुई है, जो सामान्य से 16% कम है। इधर, राज्य में अगले 5 दिनों के दौरान अधिकतम तापमान में कोई बड़े बदलाव की संभावना नहीं है। 4 अगस्त को राज्य में कहीं-कहीं गरज और तेज हवा के साथ बारिश हो सकती है। हवा की गति 30-40 किमी प्रतिघंटा रहने की संभावना है। राज्य में मानसून सामान्य रहा। पिछले 24 घंटे में राज्य में अनेक स्थानों पर गर्जन के साथ हल्के से मध्यम दर्जे की बारिश हुई। जबकि कहीं-कहीं पर भारी बारिश भी दर्ज की गई। सबसे अधिक बारिश 78.4 एमएम हजारीबाग में दर्ज की गई। सबसे अधिक अधिकतम तापमान 36.3 डिग्री सेल्सियस सरायकेला में जबकि सबसे कम न्यूनतम तापमान 21.7 डिग्री सेल्सियस लातेहार में दर्ज की गई।

वहीं, मौसम विभाग के अनुसार, झारखंड में अब तक (एक जून से 3 अगस्त तक) 788.4 एमएम बारिश दर्ज हो चुकी है।

1 करोड़ का ड्रग्स पकड़ाया

9 सप्लायर अरेस्ट, दिल्ली-पंजाब से लाकर बेच रहे थे, ठिकानों पर पुलिस ने मारी रेड

रायपुर, 4 अगस्त (एजेंसियां)। रायपुर में एक युवती के ड्रग्स लेने का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था। जिसके बाद एक्शन में आई टिकरापारा पुलिस और एसीसीयू की टीम ने 9 ड्रग्स सप्लायर को गिरफ्तार किया है। आरोपी दिल्ली-पंजाब से चिट्टा लाकर रायपुर में बेच रहे थे। वो रायपुर के कई ठिकानों को अपना हब बना रहे थे।

गिरफ्तार आरोपियों में लवजीत सिंग उर्फ बंटी, सुवित श्रीवास्तव और अश्वनी चंद्रवंशी शामिल है। उनके पास से 412 ग्राम 87 मिलीग्राम चिट्टा, 3 मोबाइल और क्रेटा कार बरामद किया है। आरोपियों पर एनडीपीएस एक्ट के तहत कार्रवाई की गई है। आरोपियों से 1 करोड़ का ड्रग्स जब्त किया गया है।

खबर को पुलिस अधिकारियों ने संज्ञान में लेकर मामले में जांच की और कमल विहार, महावीर नगर में दबिश देकर आरोपियों को नशे के सामान के साथ पकड़ा है। पूरे मामले का खुलासा रायपुर आईजी जल्द करेंगे।

जापान की चौतरफा घेरेबंदी तेज

चीनी नौसेना ने पहली बार रूस भेजी अटैक सबमरीन, पलटवार करेगा समुराई योद्धाओं का देश?

टोक्यो, 4 अगस्त (एजेंसियां)। ताइवान को लेकर बढ़ते तनाव के बीच चीन ने रूस के साथ मिलकर जापान की घेरेबंदी को तेज कर दिया है। चीन रूस के साथ मिलकर जापान को डराने की कोशिश में जुट गया है। इसके लिए चीन ने पहली बार अपनी किलो क्लास की हमलावर सबमरीन को रूस भेजा है। चीन और रूस दोनों की नौसेनाएं इस समय जापान सागर के पास 1 अगस्त से संयुक्त नौसैनिक अभ्यास कर रही हैं जो 5 अगस्त तक चलेगा। चीनी सबमरीन के साथ 2 वेहद शक्तिशाली मिसाइल डेस्ट्रायर, 1 सप्लाई शिप और एक सबमरीन बचाव जहाज भी रूस के व्लादिवोस्तोक बंदरगाह पहुंचा है। रूस और चीन के इस संयुक्त अभ्यास को अमेरिका और जापान के साथ चल रहे उनके तनाव से जोड़कर देखा जा रहा है।

चीन ने किलो क्लास की सबमरीन को रूस से ही 1990 के दशक में खरीदा था। माना जा रहा है कि चीन ने जानबूझकर रूसी मूल की पनडुब्बी को ही रूस में भेजा है ताकि उसकी अत्याधुनिक युआन क्लास की सबमरीन की जापान सागर से ट्रांजिट के दौरान विदेशी सेनाएं जासूसी नहीं कर पाएं। किलो क्लास की सबमरीन करीब दो सप्ताह तक पानी के अंदर छिपी रह सकती है। इसमें ऐसा प्रपल्शन सिस्टम लगा है जो कम आवाज करने के लिए जाना जाता है। एक्सपर्ट का कहना है कि चीन की यह किलो क्लास पनडुब्बी जापान और दक्षिण कोरिया की नई पनडुब्बियों के मुकाबले कम ताकतवर है।

चीन ने जसि नौसैनिक समूह को व्लादिवोस्तोक में तैनात किया है, उसमें पीपुल्स लिबरेशन आर्मी की उत्तरी और पूर्वी थिएटर फ्लीट की यूनिट शामिल हैं। इसके जरिए चीन चाहता है कि उसके ज्यादा से ज्यादा सैनिकों को ऑपरेशनल ट्रेनिंग मिल सके। वहीं रूस की ओर से सोवियत जमाने का उदालोय क्लास का डेस्ट्रायर हिस्सा ले रहा है। चीन जहां साल 2014 के बाद से दो दर्जन से ज्यादा टाइप 052 डी श्रेणी के डेस्ट्रायर बना चुका है, वहीं सोवियत यूनियन के विघटन के बाद से रूस ने एक भी डेस्ट्रायर को नहीं बनाया है।

टाइप 052 डी श्रेणी के डेस्ट्रायर इस समय चीनी नौसेना की रीढ़ हैं। हर युद्धपोत में 88 वर्टिकल लांच सिस्टम लगे हैं जो लंबी दूरी तक मार करने वाली मिसाइलें जैसे सतह से हवा में मार करने वाली एचएचक्यू-9 और एचएचक्यू-10 तथा वाइजे-18 क्रूज मिसाइल एवं वाइजे-21 हाइपरसोनिक मिसाइलों को दागने में सक्षम हैं। इसे अपनी श्रेणी में सबसे आधुनिक डेस्ट्रायर माना जाता है।

रूस और चीन दोनों मिलकर एयर डिफेंस, एंटी सबमरीन वारफेयर और लाइव फायर ड्रिल कर रहे हैं। यह संयुक्त अभ्यास ऐसे समय पर हो रहा है जब अमेरिका 400 विमानों और 12 हजार सैनिकों के साथ 8 अगस्त तक ऑस्ट्रेलिया में अभ्यास कर रहा है। इसमें जापान और अन्य अमेरिकी गठबंधन सहयोगी देश शामिल हैं।

यूक्रेनी सेना में महिलाओं की संख्या दोगुनी

साढ़े तीन साल में 1 लाख पहुंची, ड्रोन से लेकर मोर्चे पर तोपें संभाल रहीं

कीव, 4 अगस्त (एजेंसियां)। यूक्रेन और रूस युद्ध के बीच यूक्रेन की सेना में महिलाओं की भागीदारी तेजी से बढ़ी है। बीते साढ़े तीन साल में सेना में महिलाओं की संख्या बढ़कर एक लाख हो गई है।

फिलहाल यूक्रेन की सेना में कुल 10 लाख सैनिक हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, युद्ध शुरू होने के बाद महिलाएं सेना में शामिल होने के लिए खुद आगे आ रही हैं।

सशस्त्र बलों की सलाहकार ओक्साना ग्रिगोरिएवा बताती हैं कि रूस के खिलाफ फिलहाल साढ़े पांच हजार महिलाएं सीधे मोर्चे पर हैं।

ये महिलाएं ड्रोन से लेकर सीधे मोर्चे पर तोपें संभाल रही हैं। इसके अलावा ये मेडिकल सपोर्ट, फ्रंटलाइन ट्रांसपोर्ट जैसी ड्यूटीज भी निभा रही हैं।

बता दें कि 2022 में रूस के आक्रमण से पहले सेना में 15% महिलाएं थीं। अब उनकी संख्या दोगुनी हो गई है। ग्रिगोरिएवा कहती हैं कि सैन्य स्कूलों और कॉलेजों में अब 20% छात्राएं हैं, जो बड़ा बदलाव है।

पूर्व पेशेवर हेप्टाथलीट अलीना शुख ने शुरू में प्रतिष्ठित अजोव ब्रिगेड में भर्ती होने की कोशिश की, लेकिन उन्हें बताया गया कि उनके लिए कोई पद नहीं है।

इसके बाद वे खर्टिया ब्रिगेड में शामिल हुईं। शुख कहती हैं कि वह अपनी ब्रिगेड में ज्यादातर पुरुष सैनिकों से मजबूत हैं।

वहीं, तोपखाने की कमांडर ओल्हा बिहार कहती हैं कि टेक्नोलॉजी युद्ध को बदल रही है। अब सबसे अच्छा सैनिक ड्रोन पायलट हो सकता है, जिनकी उंगलियां तेज चलती हैं। वे कहती हैं कि मुझे उम्मीद है कि मैं एक दिन रक्षा मंत्री बनूंगी।

महिलाओं को युद्ध में नई भूमिका दिलाने की कोशिश

इनविजिवल बटालियन के एक रिसर्च प्रोजेक्ट में मदद करने वाली मारिया बर्लिंस्का रूस के शुरुआती आक्रमण के बाद से महिलाओं के लिए ज्यादा भूमिकाएं खोलने की कोशिश कर रही हैं।

वे बताती है, हर युद्ध ने तकनीकी प्रगति और महिलाओं की आजादी को बढ़ावा दिया है। कई महिलाएं कानून के बावजूद लड़ाई में हिस्सा ले रही थीं, जिसमें वे कुक और क्लीनर के रूप में रजिस्टर होती थीं। हालांकि, महिलाओं को भर्ती करने पर कोई राजनीतिक बहस नहीं हुई है।

अब ड्रोन कमांडर की जिम्मेदारी भी संभाल रहीं महिला सैनिक

महिला कमांडर ड्रिग यूक्रेनी सेना की पांच सदस्यों वाली एक महिला ड्रोन यूनिट का हिस्सा हैं। वे अपनी पांच महिला दोस्तों के साथ एक कैफे में रुकती हैं और मोइतो ऑर्डर करती हैं।

वहीं, इस कैफे से कुछ दूर तोपों की गड़गड़ाहट सुनाई देती रही है।

ट्विग की साथी टाइटन कहती हैं कि किलिंग शब्द का अर्थ हत्या है, जो गलत है।

वह अपने काम को रशियन का सफाया कहना पसंद करती हैं। यूक्रेन सेना की सैनिक मारिया बर्लिंस्का कहती हैं कि ड्रोन उड़ाने में लड़का-लड़की का अंतर मायने नहीं रखता।

दिल का दौरा पड़ने से 20 साल की लड़की की मौत

26 आईफोन शरीर में चिपके हुए थे

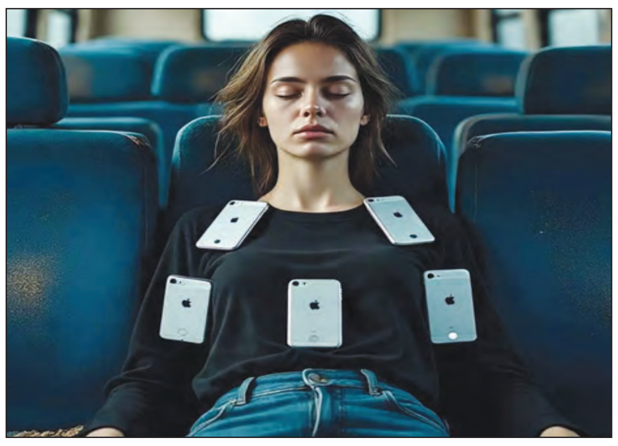

ब्राजील, 4 अगस्त (एजेंसियां)। ब्राजील में एक 20 साल की लड़की की चलती बस में मौत हो गई। उसे दिल का दौरा पड़ा था, लेकिन जब डॉक्टरों ने उसका इलाज करना शुरू किया, तो उन्हें उसके शरीर से चिपके हुए 26 आईफोन मिले।

यह घटना 29 जुलाई की है। लड़की बस में अकेले सफर कर रही थी। वह साओ पाउलो जा रही थी। इसी दौरान उसने सांस लेने में परेशानी की शिकायत की। उसकी हालत बिगड़ती देख बस स्टाफ ने तुरंत डॉक्टरों को बुलाया।

डॉक्टरों की टीम ने करीब 45 मिनट तक उसे होश में लाने की कोशिश की, लेकिन वह सफल नहीं हो पाए और उसे मौके पर ही मृत घोषित कर दिया गया।

जब डॉक्टर उसका इलाज कर रहे थे, तो उन्होंने देखा कि उसके शरीर से कुछ पैकेट चिपके हुए हैं। ध्यान से देखने पर पता चला कि वे पैकेट्स आईफोन से भरे हुए थे। माना जा रहा है कि वह इन फोन की तस्करी कर रही थी और उन्हें बॉडी में छिपाकर ले जा रही थी।

अब पुलिस इस बात की जांच कर रही है कि उसकी मौत दिल का दौरा पड़ने से हुई या इसके पीछे कोई और वजह है। इसके लिए फोरेंसिक रिपोर्ट का इंतजार किया जा रहा है।

ब्राजील में स्मार्टफोन की तस्करी बहुत आम है। यहां स्मार्टफोन का काला बाजार काफी बड़ा है। अक्सर लोग पड़ोसी देश पैराग्वे से फोन तस्करी करके लाते हैं, क्योंकि वहां ये सस्ते मिलते हैं। माना जाता है कि रोजाना करीब 10,000 मोबाइल फोन तस्करी के जरिए ब्राजील में लाए जाते हैं।

रूस में 600 साल बाद क्रशेनिनिकोव ज्वालामुखी फटा

6 किमी ऊंचाई तक राख का गुबार फैला यहां दुनिया का छठा बड़ा भूकंप आया था

मॉस्को, 4 अगस्त (एजेंसियां)। रूस के कामचटका में 600 साल बाद क्रशेनिनिकोव ज्वालामुखी में पहली बार विस्फोट हुआ। कामचटका के इमरजेंसी मंत्रालय ने रविवार को बताया कि 2 अगस्त को इस ज्वालामुखी में विस्फोट हुआ।

मंत्रालय ने कहा- 1856 मीटर ऊंचे क्रशेनिनिकोव ज्वालामुखी में विस्फोट के बाद 6 हजार मीटर की ऊंचाई तक राख का गुबार फैल गया।' इसके चलते इस इलाके का एयर स्पेस बंद कर दिया गया।

वैज्ञानिकों का मानना है कि इस विस्फोट का संबंध 4 दिन पहले रूस के कामचटका आइलैंड में आए 8.8 तीव्रता के भूकंप से हो सकता है। जो दुनिया का छठा बड़ा भूकंप था।

रिंग ऑफ फायर के पास मौजूद है ज्वालामुखी

इससे पहले बुधवार को कामचटका प्रायद्वीप पर स्थित क्ल्यूचेव्स्काया सोपका ज्वालामुखी

में भी विस्फोट हुआ था। सोपका ज्वालामुखी यूरोप और एशिया में सबसे एक्टिव ज्वालामुखी है।

यह दोनों ज्वालामुखी विस्फोट रूस के जिस इलाके में हुए हैं, वह रिंग ऑफ फायर के पास मौजूद है। रिंग ऑफ फायर ऐसा इलाका है जहां कई कॉन्टिनेंटल के साथ ही ओशियानिक टेक्टोनिक प्लेट्स भी हैं। ये प्लेट्स आपस में टकराती हैं तो भूकंप आता है, सुनामी उठती है और ज्वालामुखी फटते हैं।

75% एक्टिव ज्वालामुखी रिंग ऑफ फायर के पास

दुनिया के 90% भूकंप इसी रिंग ऑफ फायर क्षेत्र में आते हैं। यह क्षेत्र 40 हजार किलोमीटर में फैला है। दुनिया में जितने सक्रिय ज्वालामुखी हैं, उनमें से 75% इसी क्षेत्र में हैं। 15 देश इस रिंग ऑफ फायर की जद में हैं।

कितने देशों में है रिंग ऑफ फायर का असर? जापान, रूस, फिलिपींस, इंडोनेशिया, न्यूजीलैंड, अंटार्कटिका, कनाडा, अमेरिका, मैक्सिको, ग्वाटेमाला, कोस्टा रिका, पेरू, इक्वाडोर, चिली, बोलिविया।

बुधवार का आया भूकंप दुनिया का छठा सबसे शक्तिशाली भूकंप था। इसके बाद रूस, अमेरिका, जापान और चिली समेत कई देशों ने सुनामी की चेतावनी जारी की थी।

जापान ने अपने फुकुशिमा परमाणु रिएक्टर को खाली करा लिया था और टोक्यो में करीब 20 लाख लोगों को घर खाली करने का आदेश दिया गया था।

जुलाई में ही कामचटका के पास समुद्र में 6 शक्तिशाली भूकंप आए थे। इनमें से दूसरे सबसे बड़े भूकंप की तीव्रता 7.4 थी।

66 लाख की अवैध अंग्रेजी शराब जब्त

पुलिस ने एनएच-23 पर कंटेनर से 685 पेटी हरियाणा की शराब बरामद की, दो गिरफ्तार

गुमला, 4 अगस्त (एजेंसियां)। गुमला जिला के भरनो थाना पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने एनएच-23 रांची-गुमला मुख्य मार्ग पर 66 लाख रुपए से अधिक कीमत की अवैध अंग्रेजी शराब जब्त की है। एसपी गुमला के निर्देश पर भरनो थाना क्षेत्र में एक कंटेनर से भारी मात्रा में अंग्रेजी शराब बरामद की गई। यह शराब गुमला से रांची की ओर ले जाई जा रही थी। पुलिस ने कंटेनर में लदी 685 पेटी हरियाणा राज्य की अंग्रेजी शराब जब्त कर ली है। साथ ही कंटेनर के चालक और खलासी को भी गिरफ्तार किया गया है। गुमला एसपी को गुप्त सूचना मिली थी कि एक कंटेनर में काफी मात्रा में शराब लोड है। यह कंटेनर सिसई बाईपास सड़क से होकर रांची जाने वाला था। इस सूचना पर पुलिस पदाधिकारी सुरेश कुमार यादव के नेतृत्व में एक छापेमारी दल का गठन किया गया।

रूस के ऑयल डिपो पर यूक्रेन का ड्रोन अटैक

आग लगी, विस्फोट का वीडियो बनानी वाली दो रशियन लड़कियों को हिरासत में लिया

मॉस्को, 4 अगस्त (एजेंसियां)। यूक्रेन ने रविवार को रूस के सोची स्थित एक ऑयल डिपो पर ड्रोन से हमला किया। हमले के बाद डिपो में भीषण आग लग गई। क्रास्नोडार क्षेत्र के गवर्नर वेनियामिन कोंद्रात्येव ने बताया कि ड्रोन के मलबे के तेल टैंक से टकराने के बाद आग लगी, जिसे बुझाने के लिए 120 से ज्यादा दमकलकर्मी लगाए गए।

सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में डिपो से उठते घने काले धुएं के गुबार देखे जा सकते हैं। हमले के बाद रूस की नागरिक उड्डयन एजेंसी रोसावियात्सिया ने कुछ समय के लिए सोची एयरपोर्ट पर उड़ानें रोक दीं।

इस दौरान 2 रशियन लड़कियां विस्फोट के साथ वीडियो बनाते हुए भी नजर आईं। दोनों के साथ बैकग्राउंड में एक युवक भी मौजूद था। रूस के रक्षा मंत्रालय के मुताबिक, रशियन सेना ने शनिवार रात से रविवार सुबह तक रूस और ब्लैक सी के ऊपर यूक्रेन के 93 ड्रोन मार गिराए।

हालांकि, रूस के वोरोनेज क्षेत्र में एक और यूक्रेनी ड्रोन हमले में चार लोग घायल हो गए।

दूसरी तरफ रूस भी लगातार यूक्रेन पर मिसाइल और ड्रोन हमले कर रहा है। यूक्रेनी वायुसेना के मुताबिक शनिवार रात 2 अगस्त को रूस ने 76 ड्रोन और 7 मिसाइलें दागीं।

इनमें से 60 ड्रोन और 1 मिसाइल को मार गिराया गया। बाकी 16 ड्रोन और 6 मिसाइलें आठ अलग-अलग जगहों पर गिरीं।

इससे पहले 31 जुलाई को रूसी ड्रोन और मिसाइल हमले में यूक्रेन के 31 लोग मारे गए थे।

इनमें 5 बच्चे शामिल थे, जबकि 150 से ज्यादा घायल हुए थे।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने रूसी राष्ट्रपति पुतिन को शांति वार्ता को आगे बढ़ाने के लिए 8 अगस्त तक अल्टीमेटम दिया है।

ट्रम्प ने चेतावनी दी कि अगर कोई हल नहीं निकला तो रूस पर नए आर्थिक प्रतिबंध लगाए जाएंगे। हालांकि उन्होंने यह भी कहा- रूसी काफी चालाक होते हैं, अक्सर प्रतिबंधों को चकमा दे देते हैं, देखते हैं क्या होता है।

यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने रविवार को कहा कि जुलाई में इस्तांबुल में हुई वार्ता के बाद रूस और यूक्रेन ने 1200 युद्ध बंदियों की अदला-बदली पर सहमति बनी है।

संघर्षविराम के बाद थाईलैंड और कंबोडिया के अधिकारियों की मलेशिया में बैठक

तनाव कम की कोशिशें तेज

कुआलालंपुर, 4 अगस्त (एजेंसियां)। थाईलैंड और कंबोडिया के अधिकारियों ने सोमवार को मलेशिया में पहली बार आमने-सामने बैठक की। पिछले हफ्ते दोनों देशों के बीच घातक सीमा संघर्ष के बाद संघर्षविराम लागू हुआ था। उसके बाद यह पहली औपचारिक बैठक थी। इस संघर्ष में कई दर्जन लोगों की जान गई और 2.6 लाख से ज्यादा लोग बेघर हुए। चार दिन तक चलने वाली सामान्य सीमा समिति की यह बैठक पहले कंबोडिया में होनी थी। लेकिन बाद में दोनों देशों ने एक तटस्थ स्थान के तौर पर मलयेशिया में मिलने पर सहमति बनाई। मलेशिया इस साल आसियान का अध्यक्ष भी और पिछले महीने दोनों देशों के बीच संघर्ष रुकवाने में मध्यस्थ की भूमिका निभा चुका है।

अमेरिका ने कड़े किए ग्रीन कार्ड जारी करने के नियम

शादीशुदा जोड़ों की बढ़ी मुश्किल भारतीयों पर क्या होगा असर

वॉशिंगटन, 4 अगस्त (एजेंसियां)। अमेरिका ने शादीशुदा जोड़ों के लिए ग्रीन कार्ड जारी करने के नियम कड़े कर दिए हैं। अमेरिकी नागरिकता और इमिग्रेशन सेवा (यूएससीआईएस) ने इस संबंध में गाइडलाइन जारी की है। इसमें परिवार-आधारित अप्रवासी वीजा आवेदनों, खासतौर से विवाह-आधारित आवेदनों की जांच कड़ी करने की बात कही गई है। इसका उद्देश्य धोखाधड़ी वाले दावों को खत्म करते हुए यह सुनिश्चित करना है कि केवल वास्तविक संबंधों के आधार पर ही ग्रीन कार्ड स्वीकृत हो। इस फैसले का भारतीय नागरिकों पर भी सीधा असर होगा क्योंकि अमेरिका में रहने वाले विदेशियों में एक बड़ी संख्या भारतीयों की है।

ग्रीन कार्ड को लेकर नए नियम 1 अगस्त को लागू हो गए हैं। यह सभी लंबित और नई दायर याचिकाओं पर भी लागू होता है।

यूएससीआईएस ने कहा है कि धोखाधड़ीपूर्ण वीजा याचिकाएं वैध स्थायी निवासी (एलपीआर) का दर्जा पाने के परिवार-आधारित तरीकों में विश्वास को कम करती हैं। ऐसे में हम गलत इरादे वाले विदेशियों का पता लगाकर अमेरिकियों को सुरक्षित रखने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

नए दिशानिर्देश सख्त जांच और दस्तावेजीकरण प्रक्रियाओं को कड़ा करते हैं। इनमें परिवार-आधारित याचिकाओं के लिए बेहतर पात्रता जांच और निर्णय प्रक्रियाएं शामिल हैं। प्रामाणिक विवाह साबित करने के लिए स्पष्ट दस्तावेज के साथ फोटो, साझा वित्तीय विवर और परिवार के हलफनामे देने होंगे। जोड़ों के अनिवार्य व्यक्तिगत साक्षात्कार भी लिए जाएंगे, जिसका उद्देश्य रिश्ते की प्रामाणिकता का मूल्यांकन करना है। इसके साथ-साथ आव्रजन इतिहास की गहन जांच की जाएगी। विशेष रूप से उन आवेदकों के लिए जो पहले से ही अन्य वीजा पर अमेरिका में हैं और विवाह के माध्यम से स्थिति समायोजन चाहते हैं यूएससीआईएस ने अपनी नीति में और भी कड़ी जांचें जोड़ी हैं। अगर कोई अमेरिकी नागरिक किसी विदेशी जीवनसाथी, जैसे कि भारत से किसी को प्रायोजित करता है, तो अब उस जोड़े को वास्तविक रिश्ते का पुख्ता सबूत पेश करना होगा।

ग्रीन कार्ड को आधिकारिक तौर पर अमेरिका का स्थायी निवासी कार्ड कहा जाता है। यह अमेरिका में स्थायी रूप से रहने और काम करने के अधिकार का प्रमाण है।

तीसरे विश्वयुद्ध की तैयारी कर रहा चीन?

पीएलए में शामिल हुई रोबोट सेना, उड़ते हुए टर्टल, मिसाइलों की कर रहे फायरिंग

बीजिंग, 4 अगस्त (एजेंसियां)। चीन ने तकनीक के मामले में एक बार फिर दुनिया को चौंकाया है। चीनी इंजीनियर ने 3डी-प्रिंटेड रोबोट (टर्टल रोबोट) बनाया है। छह पैरों वाले कछुए की तरह दिखने वाला यह रोबोट तकनीकी विशेषज्ञों और सैन्य विश्लेषकों का ध्यान खींच रहा है। यह पानी पर तैर सकता है और हवा में उड़ सकता है। मिसाइल दागने की क्षमता के चलते इसे युद्धक्षेत्र के भविष्य की तरह देखा जा रहा है। कई एक्सपर्ट इसे संभावित तीसरे विश्व युद्ध के लिए चीन की तैयारी की तरह देख रहे हैं।

इस रोबोट को एक चीनी निर्माता ने निजी लैब में डिजाइन किया है। यह जमीन के साथ हवा और पानी में नेविगेट करने में

सक्षम है। इसका वीडियो बिलिबिली और वीबो जैसे चीनी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर छाया हुआ है। इसमें कछुए जैसा दिखने वाला ड्रोन पथरीली जमीन पर रेंगता, पानी में गोता लगाता और तैराक की तरह आगे बढ़ता दिखता है। इसके बाद यह ट्रिरोटर उड़ान प्रणाली का उपयोग करके हवा में उड़ जाता है। इतना ही नहीं यह छोटी मिसाइलों को ले जाकर लॉन्च करता है।

दुनियाभर के एक्सपर्ट इस रोबोट को देखकर इसलिए हैरान हो रहे हैं क्योंकि इसे 3डी प्रिंटिंग तकनीक का उपयोग करके एक निजी लैब में तैयार किया गया है। नायलॉन और कपड़े के मिश्रण से बने इस ड्रोन को बनाने के लिए किसी महंगे फैक्ट्री-ग्रेड उपकरण का इस्तेमाल नहीं किया गया।

एक्सपर्ट का कहना है कि कुछ सुधारों, एआई-संचालित लक्ष्यीकरण, जीपीएस-निर्देशित नेविगेशन, स्वार्म इंटेलिजेंस और मजबूत पेलोड के साथ यह टर्टल ड्रोन एक घातक युद्धक्षेत्र उपकरण बन सकता है, जो सभी इलाकों में स्वतंत्र रूप से कार्य करने में सक्षम है।

यह रोबोट फिलहाल निजी प्रोजेक्ट लेकिन यह चीन के सैन्य तकनीक को बढ़ाने के प्रयासों के साथ मेल खाता है।

भारत पर आतंकी गुटों के समर्थन का आरोप क्यों लगा रहा पाकिस्तान?

एक्सपर्ट ने खोली मुनीर के 'अफगानिस्तान प्लान' की पोल

इस्लामाबाद, 4 अगस्त (एजेंसियां)। पाकिस्तान और अफगानिस्तान के संबंध काफी समय से तनावपूर्ण चल रहे हैं। पाकिस्तान ने अफगानिस्तान की तालिबान सरकार पर लगातार आरोप लगाए हैं लेकिन हालिया दिनों में एक नई बात देखी गई है। पाकिस्तान ने यह आरोप लगाना तेज कर दिया है कि अफगानिस्तान में भारतीय एजेंसियां सक्रिय हैं। ये एजेंसियां ऐसे गुटों को मदद कर रही हैं, जो पाकिस्तान को अस्थिर करना चाहते हैं। एक्सपर्ट का कहना है कि पाकिस्तान के आरोप सुनियोजित रणनीतिक उद्देश्य के तहत हैं। इसमें ध्यान भटकाने, क्षेत्रीय पैंतरेबाजी और नैरेटिव वॉर शामिल है।

एमएयूटीवी पर लिखे अपने लेख में खुफिया विश्लेषक और आतंकवाद-रोधी विशेषज्ञ अजमल सोहेल ने बताया है कि पाकिस्तान क्यों भारत पर अफगानिस्तान की जमीन के गलत इस्तेमाल का आरोप लगा रहा है। उनका कहना है कि पाकिस्तान का रणनीतिक ध्यान भटकाने का प्रयास है।

खैबर पख्तूनख्वा और बलूचिस्तान में बढ़ते हमलों की जिम्मेदारी से बचने के लिए पाक सरकार दूसरे देशों पर दोष मढ़ रही है। ऐसा करते हुए वह खुद को आतंक पीड़ित दर्शाते हुए दुनिया की सहानुभूति हासिल करना चाहता है।

भारत के क्षेत्रीय प्रभाव को कम करना

अफगानिस्तान में भारत के लिए, एक हमेशा से एक हमदर्दी रही है। बीते दशकों में इसे बुनियादी ढांचे की परियोजनाओं, शैक्षिक सहायता और कूटनीतिक जुड़ाव ने और बढ़ाया है। यह जुड़ाव लंबे समय से इस्लामाबाद को परेशान करता रहा है। ऐसे में भारत पर आतंकी गतिविधियों को बढ़ावा देने का आरोप लगाकर पाकिस्तान काबुल में दिल्ली की विश्वसनीयता को कम करना चाहता है। यही वजह है कि भारत के तालिबान शासन के साथ जुड़ाव के बाद इस तरह के आरोपों में तेजी आ गई है

पाकिस्तान की भारत को एक आक्रामक के रूप में चित्रित करके कुछ आतंकी गुटों को अपने समर्थन में खड़ा किया जा सकता है और इसे उचित ठहराया जा सकता है।

इसीलिए पाकिस्तान ने भारतीय खुफिया एजेंसियों पर प्रॉक्सी समूहों को धन मुहैया कराने के लिए एन्क्रिप्टेड सर्वर और हवाला नेटवर्क का इस्तेमाल करने के आरोप लगाए हैं।

हालांकि इन दावों को विश्वसनीयता की गंभीर चुनौतियों का सामना करना पड़ा है। तालिबान ने ही पाकिस्तान के आरोपों कोझूठा और निराधार बताया है।

फलौदी में सीएम भजनलाल के विमान की गलत लैंडिंग
2 पायलटों पर गिरी गाज; कैसे हुई चूक?

जोधपुर, 4 अगस्त (एजेंसियां)। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को दिल्ली से फलौदी ले जा रहा एक चार्टर विमान 31 जुलाई 2025 को गलत हवाई पट्टी पर उतर गया। जानकारी के मुताबिक फाल्कन-2000 विमान को फलौदी वायुसेना स्टेशन पर उतरना था, लेकिन पायलटों की चूक के कारण यह फलौदी शहर की सिविल एयरस्ट्रिप पर उतर गया।

इस घटना के बाद नागरिक उड्डयन महानिदेशालय ने मामले की जांच शुरू कर दी है और दोनों पायलटों को उड़ान ड्यूटी से हटा दिया गया है। घटना दोपहर 3 बजे की है, जब मुख्यमंत्री दिल्ली से फलौदी के लिए रवाना हुए थे। फाल्कन-2000 को फलौदी वायुसेना स्टेशन पर लैंड करना था जो सैन्य क्षेत्र में स्थित है। लेकिन पायलटों ने गलती से करीब 5 किलोमीटर दूर स्थित सिविल एयरस्ट्रिप को चुना।

लैंडिंग के तुरंत बाद पायलटों को अपनी भूल का एहसास हुआ और उन्होंने विमान को दोबारा उड़ाकर सही स्थान यानी वायुसेना स्टेशन पर उतारा। इस दौरान कोई बड़ा हादसा तो नहीं हुआ, लेकिन यह घटना उड्डयन सुरक्षा के लिए गंभीर सवाल खड़े करती है।

पायलटों से क्यों हुई चूक?

डीजीसीए सूत्रों के अनुसार, इस चूक का मुख्य कारण फलौदी में दो हवाई पट्टियों की समान भौगोलिक स्थिति है। फलौदी में सिविल एयरस्ट्रिप और वायुसेना स्टेशन के रनवे की दिशा और बनावट में काफी समानता है, जिसके चलते पायलट भ्रमित हो गए। इसके अलावा, उड़ान से पहले पायलटों को दोनों हवाई अड्डों के बारे में पर्याप्त जानकारी नहीं दी गई थी।

विशेषज्ञों का कहना है कि ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए उड़ान-पूर्व ब्रीफिंग को और सख्त करना होगा। चार्टर कंपनी ने डीजीसीए को इस गलत लैंडिंग की स्वैच्छिक रिपोर्ट दर्ज की है। सूत्रों ने बताया कि सिविल एयरस्ट्रिप और वायुसेना स्टेशन के बीच करीब 5-10 किलोमीटर का फासला है, लेकिन दोनों की समान विशेषताओं के चलते पायलटों से गलती हो गई। डीजीसीए ने इस मामले को गंभीरता से लिया है।

मुख्यमंत्री का कार्यक्रम और वापसी?

बता दें, लैंडिंग के बाद मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा हेलीकॉप्टर से रामदेवरा पहुंचे, जहां उन्होंने कुछ घंटे बिताए। इसके बाद वे उसी विमान से फलौदी वायुसेना स्टेशन से जयपुर लौटे। विमान रात में दिल्ली वापस चला गया। सूत्रों का कहना है कि ऐसी घटनाओं में त्वरित सुधारात्मक कार्रवाई के लिए बेहतर तालमेल की जरूरत है।

फ्रांसीसी व्यावसायिक जेट है फाल्कन

बताते चलें कि फाल्कन-2000 एक फ्रांसीसी व्यावसायिक जेट है, जो 8-10 यात्रियों को 6,000 किलोमीटर की रेंज तक ले जा सकता है। डीजीसीए की जांच में यह पता लगाया जा रहा है कि पायलटों को उड़ान-पूर्व ब्रीफिंग में क्या कमियां थीं और इस चूक को कैसे रोका जा सकता था। क्योंकि ऐसी घटनाओं से बचने के लिए ऑपरेटरों को उड़ान-पूर्व प्रक्रियाओं को और मजबूत करना होगा।

किसान नेता रामपाल जाट का किरोड़ी लाल पर पलटवार
बोले- केवल छापे मारने से नहीं चलेगा, किसानों को चाहिए हक

टोंक, 4 अगस्त (एजेंसियां)। टोंक जिले में किसान महापंचायत के राष्ट्रीय अध्यक्ष रामपाल जाट ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान प्रदेश सरकार और कृषि मंत्री डॉ. किरोड़ी लाल मीणा पर जमकर निशाना साधा। टोंक में राष्ट्रीय राजमार्ग 52 पर स्थित किसान महापंचायत के राष्ट्रीय महासचिव अकबर खान के कार्यालय में आयोजित इस संवाददाता सम्मेलन में रामपाल जाट ने कहा कि प्रदेश के किसान लगातार संकट झेल रहे हैं, लेकिन सरकार सिर्फ दिखावा कर रही है।

उन्होंने आरोप लगाया कि किसानों को न तो फसल का पूरा दाम मिल रहा है, न सिंचाई के लिए पर्याप्त पानी और न ही युवाओं को रोजगार। उन्होंने मुख्यमंत्री पर भी कटाक्ष करते हुए कहा कि चाहे सरकार किसी भी पार्टी की हो, किसानों के लिए केवल बड़ी-बड़ी बातें की जाती हैं, जमीन पर कुछ नहीं उतरता।

किरोड़ी लाल मीणा के छापों पर उठाए सवाल

प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान कृषि मंत्री

डॉ. किरोड़ी लाल मीणा द्वारा नकली खाद के गोदामों पर मारे गए छापों को लेकर भी रामपाल जाट ने तीखा सवाल उठाया। उन्होंने कहा कि छापे तो मार दिए, मिलावट करने वाले एक्सपोज भी हो गए। लेकिन सवाल यह है कि क्या उनके खिलाफ कोई ठोस कार्रवाई हुई? रामपाल जाट ने इस पूरे मामले को महज एक राजनीतिक स्टंट करार दिया और कहा कि असली लड़ाई तो किसानों के हक के लिए होनी चाहिए।

'अकेले रह गए मीणा, तो संघर्ष की परंपरा क्यों नहीं छोड़ी?'

रामपाल जाट ने डॉ. मीणा के उस बयान पर भी चुटकी ली जिसमें उन्होंने कहा था कि मैं अकेला रह गया हूं। जाट ने इस पर तंज कसा कि आप इतने लंबे समय से राजनीति में हैं, फिर भी अपने पीछे संघर्ष की परंपरा वाला कोई दूसरा नेतृत्व क्यों नहीं तैयार कर पाए? उन्होंने कहा कि जनता अब सिर्फ छापों से संतुष्ट नहीं होगी, उसे परिणाम और कार्रवाई चाहिए।

सरकार को दिया न्यौता, एमएसपी कानून लेकर आएं

रामपाल जाट ने इस दौरान सरकार को खुला निमंत्रण देते हुए कहा कि आगामी छह अक्तूबर को जयपुर में आयोजित होने वाली किसान हुंकार रैली में यदि सरकार का कोई विधायक या मंत्री शामिल होना चाहता है तो वह एमएसपी कानून का समर्थन पत्र लेकर आए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि यह आंदोलन किसी दल के खिलाफ नहीं, बल्कि किसानों के अधिकारों के लिए है।

किसान हुंकार रैली में गूंजेगी मांगों की आवाज

रामपाल जाट ने कहा कि छह अक्तूबर की रैली में राजस्थान के कोने-कोने से हजारों की संख्या में किसान जुटेंगे और केंद्र व राज्य सरकार के सामने अपनी मुख्य मांगें रखेंगे। उन्होंने बताया कि रैली के माध्यम से फसलों के वाजिब दाम, सिंचाई सुविधा और युवाओं को रोजगार जैसी मूलभूत मांगों को प्रमुखता से उठाया जाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि अगर सरकार सच में किसानों की हितैषी है, तो वह रैली में आकर अपने इरादों का सबूत दे।

प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान किसान महापंचायत के राष्ट्रीय महासचिव अकबर खान और युवा प्रदेश अध्यक्ष रामेश्वर चौधरी भी मौजूद रहे। दोनों नेताओं ने भी किसानों की वर्तमान स्थिति पर चिंता जाहिर की। उन्होंने कहा कि अब समय आ गया है कि किसानों की लड़ाई को सड़कों से संसद तक ले जाया जाए।

हनुमान बेनीवाल ने लगाया बड़ा आरोप
बोले- गहलोत ने वसुंधरा के साथ मिलकर लूटा राजस्थान

जयपुर, 4 अगस्त (एजेंसियां)। बीकानेर में पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत द्वारा मानेसर प्रकरण को भूलने और पार्टी में गुटबाजी न होने की बात कहने के बाद प्रदेश की राजनीति में बयानबाजी तेज हो गई है। नागौर से सांसद और राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी के प्रमुख हनुमान बेनीवाल ने गहलोत पर बड़ा हमला बोलते हुए आरोप लगाया कि उन्होंने पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे के साथ मिलकर राजस्थान को लूटने का काम किया।

बेनीवाल ने कहा कि वर्तमान मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा भी गहलोत के पुराने ढर्रे पर ही चल रहे हैं। गहलोत शासनकाल के कई अफसर आज भी प्रमुख पदों पर कायम हैं। उन्होंने कांग्रेस नेता सचिन पायलट पर भी तंज कसते हुए कहा कि पायलट इसलिए चुप हैं क्योंकि वे केंद्रीय गृहमंत्री के करीबी माने जाते हैं।

युवाओं की मांगों को लेकर बेनीवाल ने एक बड़े आंदोलन की घोषणा की। उन्होंने कहा कि आरएलपी जल्द ही दिल्ली कूच करेगी और सरकार का घेराव करते हुए सीधी भर्ती परीक्षाओं को रद्द करने की मांग करेगी। उन्होंने सरकार को चेतावनी दी कि अगर युवाओं की मांगों को गंभीरता से नहीं लिया गया तो आंदोलन और उग्र रूप लेगा। बेनीवाल ने स्पष्ट कहा कि उनकी पार्टी युवाओं के भविष्य के साथ कोई समझौता नहीं करेगी और सरकार को सीधी भर्ती प्रणाली में पारदर्शिता लानी ही पड़ेगी।

खेजड़ी वृक्षों को काटने से भड़के विधायक भाटी, धरना दिया

बाड़मेर, 4 अगस्त (एजेंसियां)। जिले के शिव विधायक रविंद्र सिंह भाटी ने सोलर कंपनियों द्वारा राज्य वृक्ष खेजड़ी सहित अन्य पेड़ों की अंधाधुंध कटाई के विरोध में मोर्चा खोल दिया है। जब उन्हें पता चला कि राज्य वृक्ष खेजड़ी सहित अन्य पेड़ों को काटकर जला दिया गया है, तो उनका गुस्सा भड़क उठा। दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग करते हुए, भाटी मौके पर पहुंचे और धरने पर बैठ गए। उन्होंने जलाए गए वृक्षों की राख के पास ही रात गुजारी।

जिले के बरियाड़ा और खोडाल गांवों के ग्रामीणों ने सोलर कंपनियों द्वारा की जा रही पेड़ों की अवैध कटाई की शिकायत की थी, जिसके बाद विधायक भाटी ने तुरंत कार्रवाई की मांग की और घटनास्थल का दौरा किया। उन्होंने पाया कि खेजड़ी सहित अन्य पेड़ों को काटा गया और सबूत मिटाने के लिए उन्हें जला दिया गया। भाटी ने इसे एक सुनियोजित आपराधिक कृत्य बताया और कहा कि यह प्रदेश की पर्यावरणीय सुरक्षा, प्रशासनिक व्यवस्था और कानून के शासन को खुली चुनौती है। शनिवार को भाटी स्थानीय ग्रामीणों के साथ उपखंड अधिकारी कार्यालय शिव पहुंचे थे और इस मुद्दे पर प्रशासन से बातचीत भी की थी।

जब वे स्थल निरीक्षण के लिए पहुंचे, तो उन्होंने पाया कि सबूत मिटाने के लिए पेड़ों को जला दिया गया था, जिसे देखकर भाटी भड़क गए और धरने पर बैठ गए। सूचना मिलने पर पुलिस और प्रशासन के अधिकारी मौके पर पहुंचे और भाटी से बातचीत की लेकिन कोई सहमति नहीं बनी। जिसके बाद भाटी ने जलाए गए खेजड़ी पेड़ों की राख के पास रात बिताने का फैसला किया। भाटी की मांग है कि दोषियों को जल्द से जल्द गिरफ्तार किया जाए और पेड़ों की कटाई पर रोक लगाई जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि जब तक दोषियों पर सख्त कार्रवाई नहीं होती, तब तक संघर्ष जारी रहेगा। उन्होंने यह भी चेतावनी दी कि यदि प्रशासन ने इस पर ठोस कार्रवाई नहीं की, तो इस मुद्दे को उच्च स्तर तक उठाया जाएगा।

सिरोही में अचानक भरभराकर ढही दीवार
3 मजदूरों की मौत; 3 गंभीर घायल

सिरोही, 4 अगस्त (एजेंसियां)। राजस्थान के सिरोही जिले के पिंडवाड़ा में रोहिड़ा थाना क्षेत्र के भारजा गांव में सोमवार, 4 अगस्त 2025 को एक दर्दनाक हादसा हुआ। निर्माणाधीन मकान की दीवार ढहने से 3 मजदूरों की मौत हो गई, जिनमें दो महिलाएं शामिल थीं। इस हादसे में करीब 3 लोग घायल हुए हैं, जिन्हें आबूरोड अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

कुछ लोगों के मलबे में दबे होने की आशंका जताई जा रही है। पुलिस और प्रशासन ने मौके पर पहुंचकर राहत और बचाव कार्य शुरू कर दिया है।

घायलों की हालत गंभीर

मृतकों की पहचान भारजा निवासी पिपली उर्फ दीपली (40) पत्नी मोयला राम भील, काली पत्नी चुन्नीलाल, और वाटेरा निवासी दिनेश (18) पुत्र ओरसिया के रूप में हुई है।हादसे में घायल हुए मोगली (21) पत्नी सवाराम, राजू (27) पुत्र देशराम, और शैतान (20) पुत्र ओरसिया को तुरंत इलाज के लिए आबूरोड के सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया। मोगली और राजू पावटाफली, भारजा के निवासी हैं, जबकि शैतान वाटेरा का रहने वाला है। घायलों की हालत गंभीर बताई जा रही है।

यह घटना भुजेला गांव के पास एक पहाड़ी क्षेत्र में हुई, जहां निर्माण कार्य चल रहा था। जानकारी के अनुसार, निर्माणाधीन भवन की दीवार अचानक भरभराकर गिर गई, जिसके नीचे कई मजदूर दब गए। हादसे की सूचना मिलते ही रोहिड़ा थाना पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची और बचाव कार्य शुरू किया।

पुलिस ने मलबे से शवों को निकालकर रोहिड़ा अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया। घायलों को प्राथमिक उपचार के बाद आबूरोड अस्पताल रेफर किया गया, जहां उनकी हालत गंभीर बताई जा रही है।

तेजी से चल रहा है बचाव कार्य

प्रारंभिक जांच में पता चला कि दीवार की मजबूती और निर्माण सामग्री की गुणवत्ता में कमी के कारण यह हादसा हुआ। स्थानीय लोगों ने बताया कि हादसे के समय कई मजदूर दीवार के पास काम कर रहे थे। अचानक दीवार ढहने से मजदूरों को संभलने का मौका नहीं मिला। कुछ मजदूरों के मलबे में दबे होने की आशंका के चलते बचाव कार्य तेजी से चलाया जा रहा है।

रोहिड़ा थाना प्रभारी माया पंडित ने बताया कि भारजा गांव में एक निजी मकान का निर्माण कार्य चल रहा था। इस दौरान अचानक दीवार ढह गई, जिसके नीचे करीब छह मजदूर दब गए।

हादसे में तीन मजदूरों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि बाकी को मलबे से निकालकर अस्पताल पहुंचाया गया। पुलिस और स्थानीय प्रशासन ने तुरंत राहत कार्य शुरू किए और मलबे से शवों को निकालकर रोहिड़ा अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया।

एसिड से भरा टैंकर पलटा
चालक जिंदा जला

उदयपुर, 4 अगस्त (एजेंसियां)। उदयपुर पिंडवाड़ा हाइवे पर घसियार के निकट पिंडवाड़ा की ओर से आ रहा एसिड से भरा ट्रेलर अनियंत्रित हो पलट गया। इसके बाद ट्रेलर में आग लग गई। दर्दनाक हादसे में ट्रेलर चालक की जिंदा जलने से मौत हो गई। ट्रेलर के पलट जाने से पूरा एसिड सड़क पर बिखर गया। जिस वजह से गोगुंदा से उदयपुर जाने वाला हाईवे मार्ग पूरी तरह बाधित हो गया।

दमकल की गाड़ियों ने आग पर काबू पाया

एसिड भरे ट्रेलर के पलटने और आग लगने की सूचना पर हाईवे पेट्रोलिंग और बड़ागांव थाना पुलिस मौके पर पहुंची। सूचना देने पर दमकल की गाड़ियां भी मौके पर पहुंची। करीब 2 घंटे की कड़ी मेहनत के बाद आग पर काबू पाया गया।

इसके बाद पुलिस ने अधजले शव को कब्जे में लेकर जिला अस्पताल की मोर्चरी में रखवा दिया है। हाईवे की टीम रास्ते से टैंकर हटाने का प्रयास कर रही है। यातायात व्यवस्था सुचारू रूप से चले इसके लिए पुलिस ने वन-वे ट्रैफिक की व्यवस्था की है। साथ ही पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

4 जिलों के लिए येलो अलर्ट जारी
आकाशीय बिजली व बारिश की चेतावनी

जयपुर, 4 अगस्त (एजेंसियां)। प्रदेश में बारिश का दौर जारी है। मौसम विभाग ने आज 4 अगस्त को राजस्थान के 4 जिलों के लिए येलो अलर्ट जारी किया है। मौसम विभाग के भविष्यवाणी के अनुसार अलवर, भरतपुर, धौलपुर, दौसा जिले व आस-पास के क्षेत्र में मेघगर्जन, आकाशीय बिजली के साथ हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना है। साथ ही इस दौरान 20-30 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवा चलने की भी संभावना है। मौसम विभाग के आंकड़ों के अनुसार बीते 24 घंटे में पूर्वी राजस्थान में कहीं-कहीं हल्की से मध्यम बारिश दर्ज की गई, वहीं पश्चिमी राजस्थान में मौसम शुष्क रहा। राज्य में सर्वाधिक बारिश बयाना (भरतपुर) में 51 एम.एम. दर्ज की गई।

मौसम विभाग के आंकड़ों के अनुसार बीते 24 घंटे में प्रदेश में सर्वाधिक तापमान बीकानेर में 37.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। वहीं निम्नतम न्यूनतम तापमान सिरोही में 20.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

मौसम केन्द्र के अनुसार राज्य के उत्तर-पूर्वी भागों में आगामी 3-4 दिन मेघगर्जन के साथ मध्यम से कहीं-कही तेज बारिश होने की संभावना है। इसी प्रकार आगामी 5-6 दिन पश्चिमी राजस्थान में केवल छुटपुट स्थानों पर ही हल्की बारिश होने व अधिकांश भागों में मौसम मुख्यतः शुष्क रहने की संभावना है। पूर्वी राजस्थान के कुछ भागों में हल्की-मध्यम बारिश होने की संभावना है।

खनन माफियाओं ने वन विभाग की टीम पर बरसाए पत्थर
फिल्मी अंदाज में ट्रैक्टर और आरोपी छुड़ाने की कोशिश

झुंझुनू, 4 अगस्त (एजेंसियां)। झुंझुनू जिले के खेतड़ी उपखंड के कालोटा गांव में अवैध खनन के खिलाफ कार्रवाई करने पहुंची वन विभाग की टीम पर खनन माफियाओं ने फिल्मी स्टाइल में हमला कर दिया। इस दौरान न केवल पत्थरबाजी की गई, बल्कि विभागीय वाहनों का करीब पांच किलोमीटर तक मोटरसाइकिलों से पीछा कर डराने और जब्त ट्रैक्टर छुड़वाने की कोशिश भी की गई।

सूचना पर तीनों रेंज की टीम पहुंची कालोटा

खेतड़ी रेंजर विजय फगेड़िया ने बताया कि कई दिनों से लगातार शिकायतें मिल रही थीं कि कालोटा वन क्षेत्र की पहाड़ियों में अवैध चेजा पत्थर का खनन किया जा रहा है। इसी को देखते हुए खेतड़ी, चिड़ावा और झुंझुनू रेंज की संयुक्त टीम ने कालोटा गांव में दबिश दी। मौके पर पहुंचते ही वन विभाग की टीम ने देखा कि करीब डेढ़ दर्जन ट्रैक्टरों में अवैध पत्थर भरा हुआ था, लेकिन टीम को देखकर खननकर्ता ट्रैक्टर छोड़कर भाग निकले।

ट्रैक्टर जब्त करते वक्त हुआ हमला

टीम ने मौके से चार ट्रैक्टरों को जब्त किया, लेकिन जैसे ही उन्हें वहां से ले जाया जाने लगा, पहाड़ी में छिपे खनन माफियाओं ने पत्थरबाजी शुरू कर दी। महिला वनकर्मी और विभागीय वाहन इस हमले में बाल-बाल बचे। स्थिति को नियंत्रित करते हुए टीम ने दो ट्रैक्टर और एक आरोपी शीशराम को अपने कब्जे में लेकर खेतड़ी रेंज कार्यालय के लिए रवाना हुई।

फिल्मी अंदाज में किया पीछा, धमकियां दीं

लेकिन यह कार्रवाई यहीं नहीं रुकी। जैसे ही टीम रवाना हुई, आरोपी शीशराम का भाई भागीरथ बाइक पर अपने साथियों के साथ पहुंचा। करीब दो दर्जन बाइक सवार युवक टीम की गाड़ियों के आगे-पीछे फिल्मी स्टाइल में दौड़ाने लगे और ट्रैक्टर व आरोपी को छुड़वाने की कोशिश की। ये युवक लगातार वन विभाग के अधिकारियों को धमकाते रहे। यह खतरनाक पीछा कालोटा से बबाई तक लगभग पांच किलोमीटर तक चला।

घटनाक्रम का वीडियो वायरल

इस पूरी घटना का वीडियो अब सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें बाइक सवार युवक विभागीय गाड़ियों को घेरते हुए साफ नजर आ रहे हैं। वीडियो से यह साफ झलकता है कि खेतड़ी क्षेत्र में खनन माफिया किस हद तक बेखौफ हो चुके हैं।

एक आरोपी गिरफ्तार, दो ट्रैक्टर जब्त

बावजूद इसके, वन विभाग की टीम ने दो ट्रैक्टर जब्त किए और एक आरोपी शीशराम को गिरफ्तार करने में सफलता पाई। रेंजर विजय फगेड़िया ने कहा कि खनन माफियाओं की धरपकड़ के लिए आगे भी सख्त अभियान चलाया जाएगा। विभाग अब इस पूरे घटनाक्रम की रिपोर्ट तैयार कर आगे की कार्रवाई में जुट गया है।

करंट लगने से 15 वर्षीय छात्र की मौत

अलवर, 4 अगस्त (एजेंसियां)। भाड़ावास गांव में एक हृदयविदारक हादसे में 15 वर्षीय छात्र की करंट लगने से मौत हो गई। मृतक की पहचान मनित के रूप में हुई है, जो 9वीं कक्षा का छात्र था और स्कूल जाने से पहले अपने कपड़ों पर प्रेस कर रहा था।

इसी दौरान वह बिजली के तार से संपर्क में आ गया और उसे जोरदार करंट लग गया। परिजन उसे तुरंत रेवाड़ी के एक निजी अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। बता दें कि मनित स्कूल के लिए तैयार हो रहा था और जैसे ही उसने प्रेस का तार हाथ में लिया, करंट का झटका लग गया।

हादसा इतना अचानक हुआ कि परिजन कुछ समझ पाते, उससे पहले ही उसकी हालत गंभीर हो चुकी थी। शव का पोस्टमॉर्टम कराए बिना ही गांव में गमगीन माहौल में अंतिम संस्कार कर दिया गया।

मनित अपने माता-पिता का इकलौता बेटा था। पिता रिंकू भी अपने माता-पिता के अकेले संतान हैं। करीब एक साल पहले रिंकू का गुरुग्राम के पटौदी में एक्सीडेंट हो गया था, जिसके बाद से वे तीन ऑपरेशन करवा चुके हैं और अभी बैसाखी के सहारे ही चल पाते हैं।

शराब, शक और हत्या: नशे में डूबी मोहब्बत का खूनी अंजाम, प्रेमिका की हत्या कर डैम में फेंकी लाश

चित्तौड़गढ़, 4 अगस्त (एजेंसियां)। चित्तौड़गढ़ जिले के पारसोली थाना क्षेत्र स्थित ओराई डैम में मिली महिला की अधगली लाश के रहस्य से पुलिस ने पर्दा उठा दिया है। यह अंधा हत्याकांड निकला, जिसमें मृतका के प्रेमी को पुलिस ने गिरफ्तार किया है।

प्रारंभिक जांच में खुलासा हुआ है कि आरोपी प्रेमिका की हरकतों से परेशान था और इसी तनाव में उसने बेरहमी से उसकी हत्या कर दी। 25 जुलाई को डैम में एक अज्ञात महिला का शव हरे मैट में लिपटा मिला था, जिससे एक भारी पत्थर बंधा हुआ था।

शव की हालत काफी सड़ी-गली थी, जिससे पहचान मुश्किल हो रही थी। शव मिलने की सूचना डैम पर तैनात शंभूलाल शर्मा ने पुलिस को दी थी। मौके पर पहुंची पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज कर जांच शुरू की।

एसपी मनीष त्रिपाठी के निर्देशन और डिप्टी अंजली सिंह के नेतृत्व में पारसोली थानाधिकारी शिवराज राव ने विशेष टीम बनाई। टीम ने क्षेत्र में लापता महिलाओं की तलाश शुरू की और सीसीटीवी फुटेज खंगाले। जांच के दौरान मृतका की पहचान सोनू उर्फ सोनिया (निवासी पारसोली) के रूप में हुई, जो 21 जुलाई से लापता थी। उसे आखिरी बार तखतपुरा निवासी सत्तु उर्फ सत्यनारायण के साथ देखा गया था।

साइबर तकनीक की मदद से आरोपी को ट्रैस कर पुलिस ने हिरासत में लिया। पूछताछ में उसने हत्या की बात कबूल कर ली। उसने बताया कि दोनों शराब पीते थे और सोनिया अक्सर बिना समय देखे मिलने पहुंच जाती थी, जिससे वह मानसिक रूप से परेशान हो गया था।

घटना वाले दिन झगड़े के बाद उसने सोनिया की हत्या कर शव को डैम में फेंक दिया। फिलहाल, आरोपी से पूछताछ जारी है और पुलिस आगे की कार्रवाई में जुटी है।

शेयर मार्केट में ट्रेडिंग के नाम पर 46.40 लाख की ठगी, पुलिस ने आरोपी को गुजरात से दबोचा

जोधपुर, 4 अगस्त (एजेंसियां)। शेयर बाजार में ट्रेडिंग के नाम पर 46.40 लाख रुपये की धोखाधड़ी करने वाले युवक को चौपासनी हाउसिंग बोर्ड थाना पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने तकनीकी साक्ष्यों और आसूचना के आधार पर आरोपी तक पहुंचकर उसे दस्तयाब किया। 19 जुलाई को राकेश पुत्र रमेश कुमार ने पुलिस में रिपोर्ट दर्ज करवाई थी कि 18-19 अप्रैल को उनके मोबाइल पर एक व्यक्ति देवराज का कॉल आया। उसने खुद को शेयर ट्रेडिंग से जुड़ी ब्रोकरेज कंपनियों से बताया और शेयर बाजार में निवेश करने पर राशि दोगुनी-तिगुनी करने का झांसा दिया। आरोपी की बातों में आकर राकेश ने फिनो बैंक के खाते में कुल 46.40 लाख रुपये जमा करवा दिए। जब राकेश ने निवेश की स्थिति और मुनाफे के भुगतान के लिए संपर्क किया तो आरोपी ने पहले टालमटोल किया और बाद में कॉल और मैसेज का जवाब देना बंद कर दिया। इसके बाद पीड़ित को धोखाधड़ी का संदेह हुआ और उन्होंने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई। इसके बाद चौपासनी हाउसिंग बोर्ड थानाधिकारी ईश्वरचंद्र पारीक के नेतृत्व में एक विशेष टीम गठित की गई। टीम ने मानवीय आसूचना संकलन और तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर जांच करते हुए आरोपी की पहचान की। आरोपी द्वारा निवेश की राशि को विभिन्न फर्जी खातों में ट्रांसफर कर नकद निकासी की गई थी। गिरफ्तार आरोपी का नाम विशाल चावड़ा पुत्र मनोज भाई बताया गया है, जो कि बहरामपुर, थाना दानी लिमडा, अहमदाबाद (गुजरात) का रहने वाला है।

कोमटिरेड्डी ने युवा भारत एकीकृत आवासीय विद्यालय की आधारशिला रखी

नलगोंडा, 4 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। नलगोंडा को तेलंगाना की शिक्षा राजधानी बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम उठाते हुए, सड़क, भवन एवं छायांकन मंत्री कोमटिरेड्डी वेंकट रेड्डी ने सोमवार को जिले के गंधम वारी गुडेम में युवा भारत एकीकृत आवासीय विद्यालय की आधारशिला रखी।

25 एकड़ में बनने वाला 200 करोड़ की लागत वाला यह विशाल परिसर, शुरूआत में छात्राओं के लिए विश्वस्तरीय आवासीय शिक्षा प्रदान करेगा, और जल्द ही लड़कों के लिए एक अलग परिसर बनाने की योजना है। मंत्री ने इंजीनियरिंग अधिकारियों को 9 महीनों के भीतर निर्माण पूरा करने का निर्देश दिया, जिससे यह राज्य का सबसे तेज़ी से बनने वाला एकीकृत विद्यालय बन जाएगा। इस अवसर पर बोलते हुए, मंत्री ने कहा, हम केवल कक्षाएं नहीं बना रहे हैं, हम भविष्य को आकार दे रहे हैं। लक्ष्य सरल है, तेलंगाना में किसी भी बच्चे को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए अपने गृहनगर छोड़ने के लिए मजबूर नहीं किया जाना चाहिए। मंत्री ने इस बात पर ज़ोर दिया कि यह स्कूल राज्य का नंबर एक आदर्श संस्थान बनेगा और नलगोंडा शैक्षिक उत्कृष्टता के लिए एक मानक स्थापित करेगा। उन्होंने यह भी बताया कि यह तेलंगाना सरकार की राज्य भर में सार्वजनिक शिक्षा के बुनियादी ढांचे में 20,000 करोड़ से अधिक निवेश करने की विशाल योजना का हिस्सा है। यह परिसर मौजूदा मेडिकल और नर्सिंग कॉलेजों के निकट स्थित होगा, जिससे नलगोंडा में एक पूर्ण शैक्षणिक क्षेत्र का निर्माण होगा। उन्होंने आगे बताया कि जिले में एक कौशल विश्वविद्यालय स्थापित करने के लिए कदम उठाए जा रहे हैं ताकि सरकारी संस्थानों के छात्रों को उच्च-गुणवत्ता वाली रोज़गार-संबंधी शिक्षा प्राप्त हो सके।

दमरे के एजीएम सत्य प्रकाश ने कार्यभार संभाला

हैदराबाद, 4 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। दक्षिण मध्य रेलवे में अतिरिक्त महाप्रबंधक (एजीएम) के रूप में सत्य प्रकाश ने सोमवार को रेल निलयम, सिकंदराबाद में दक्षिण मध्य रेलवे में अतिरिक्त महाप्रबंधक (एजीएम) के रूप में कार्यभार ग्रहण किया। वे भारतीय रेलवे इंजीनियर सेवा (आईआरएसई) के 1988 बैच के हैं। वर्तमान कार्यभार से पहले, वे दक्षिण मध्य रेलवे में मुख्य प्रशासनिक अधिकारी (निर्माण) के पद पर कार्यरत थे। उन्होंने भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी), दिल्ली से सिविल इंजीनियरिंग में प्रौद्योगिकी स्नातक की उपाधि प्राप्त की है। सत्य प्रकाश ने भारतीय रेलवे में अपनी 35 वर्षों की शानदार सेवा के दौरान कई महत्वपूर्ण पदों पर कार्य किया है और निदेशक/सतर्कता/रेलवे बोर्ड, परियोजना प्रभारी/इरकॉन/मलेशिया, निदेशक/ट्रैक/आरडीएसओ के रूप में कार्य किया है। उन्होंने अपना करियर पश्चिम रेलवे में सहायक अभियंता, सुरेंद्र नगर के रूप में शुरू किया और बाद में उत्तर मध्य रेलवे में भी सेवा की। उनके द्वारा संभाले गए कुछ अन्य महत्वपूर्ण पदों में प्रमुख मुख्य अभियंता/केंद्रीय रेल विद्युतीकरण संगठन (कोर), डीन/भारतीय रेलवे सिविल इंजीनियरिंग संस्थान (आईआरआईसीईएन), पुणे शामिल हैं। सत्य प्रकाश ने आईएनएसईएडी /सिंगापुर और आईसीएलआईएफ/मलेशिया में प्रशिक्षण प्राप्त किया। केंद्रीय रेल विद्युतीकरण संगठन, इलाहाबाद में प्रमुख मुख्य अभियंता के रूप में कार्य करते हुए उन्हें प्रतिष्ठित रेल मंत्री पुरस्कार से सम्मानित किया गया। सत्य प्रकाश ने गर्डर पुलों पर 'लंबी वेल्डेड पटरियों' पर तीन तकनीकी पत्र प्रकाशित किए थे।

कोंडा सुरेखा ने स्वयं सहायता समूह महिलाओं के सशक्तिकरण पर चर्चा की

हैदराबाद, 4 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। वन, पर्यावरण और धर्मस्व मंत्री कोंडा सुरेखा ने सोमवार को सचिवालय में वी-हब की सीईओ सीता के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक की।

वारंगल पूर्व निर्वाचन क्षेत्र में लक्षित क्षमता निर्माण, बाज़ार समर्थन और स्थायी आजीविका के अवसरों के माध्यम से स्वयं सहायता समूह (एसएचजी) महिलाओं को मज़बूत बनाने के लिए सहयोगात्मक रणनीतियों पर चर्चा हुई।

सीता पल्लाचोला ने मंत्री को वी-हब के चल रहे कार्यक्रमों के बारे में जानकारी दी, जो तेलंगाना भर में महिलाओं के नेतृत्व वाले सूक्ष्म उद्यमों की आर्थिक क्षमता को बढ़ाने पर केंद्रित हैं। इन पहलों में तकनीकी प्रशिक्षण, उत्पाद नवाचार, पैकेजिंग समाधान और विस्तारित बाज़ार संपर्क शामिल हैं।

कोंडा सुरेखा ने वी-हब के प्रयासों की सराहना की और ग्रामीण महिलाओं को वित्तीय स्वतंत्रता प्राप्त करने और उद्यमियों के रूप में आत्मविश्वास पैदा करने में इन हस्तक्षेपों के प्रत्यक्ष प्रभाव को स्वीकार किया। उन्होंने वी-हब से वारंगल पूर्व में पांच स्वयं सहायता समूह संघों को भी इसी प्रकार का सहयोग देने का अनुरोध किया, जिसमें कौशल विकास और उद्यम-विशिष्ट तकनीकी प्रशिक्षण, बेहतर उत्पाद गुणवत्ता और पेशेवर पैकेजिंग मानकों, स्वयं सहायता समूह उत्पादों के लिए रणनीतिक विपणन और ब्रांड पोजिशनिंग, महिलाओं के नेतृत्व वाले व्यवसायों को बढ़ावा देने हेतु डिजिटल और वित्तीय साक्षरता पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा।

उन्होंने वारंगल में बनने वाले हवाई अड्डे के निर्माण में सहयोग के लिए गुणवत्तापूर्ण हवाई अड्डा कर्मचारियों के लिए विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रमों पर भी चर्चा की। कोंडा सुरेखा ने कहा, स्वयं सहायता समूह महिलाओं का सशक्तिकरण केवल आजीविका के बारे में नहीं है, यह हमारे समुदायों में नेतृत्व, नवाचार और सतत विकास को बढ़ावा देने के बारे में है।

ग्राहकों की मांग पर शिवराज लक्ष्मीचंद जैन ज्वेलर्स धमाका सेल 2025 को मिली 3 दिनों की विशेष बढ़ोतरी

विश्वास, गुणवत्ता और सेवा का प्रतीक : शिवराज लक्ष्मीचंद जैन ज्वेलर्स

हैदराबाद, 4 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। शिवराज लक्ष्मीचंद जैन ज्वेलर्स (एसएलजे) में चल रही धमाका सेल 2025 को ग्राहकों की जबरदस्त प्रतिक्रिया और विशेष मांग पर अब 3 दिनों के लिए बढ़ा दिया गया है। यह निर्णय उन दूर-दराज से आने वाले ग्राहकों के आग्रह पर लिया गया है जो किसी कारणवश पूर्व में इस ऑफर का लाभ नहीं उठा सके।

अब तक इस ऑफर का भरपूर लाभ शादी-ब्याह की खरीदारी करने वाले परिवारों ने उठाया है। ग्राहकों ने शिवराज लक्ष्मीचंद जैन ज्वेलर्स में उपलब्ध उत्कृष्ट डिज़ाइनों, बड़े संग्रह और विशेष छूटों की सराहना की है। कई परिवारों ने पहले ही आकर अपने सभी वैवाहिक आयोजनों के लिए आवश्यक ज्वेलरी की खरीदारी सफलतापूर्वक पूर्ण कर ली है।

शिवराज लक्ष्मीचंद जैन ज्वेलर्स का सबसे बड़ा आकर्षण है- गोल्ड, डायमंड, पोल्की और सिल्वर ज्वेलरी का विशाल संग्रह, जो एक ही छत के नीचे उपलब्ध है। यहां पर 20,000 से अधिक डिजाइनों की विविधता उपलब्ध है, जिसमें पारंपरिक से लेकर आधुनिक डिजाइन तक सब कुछ शामिल है। विशेष रूप से दुल्हनों और उनके परिवारों के लिए कस्टमाइज्ड कलेक्शन भी उपलब्ध है।

ग्राहकों को मुंबई, चेन्नई, बेंगलुरू या जयपुर जैसे बड़े शहरों में जाकर खरीदारी करने की आवश्यकता नहीं है, क्योंकि शिवराज लक्ष्मीचंद जैन ज्वेलर्स पर आपको मिलता है उसी स्तर की क्वालिटी, उससे भी बेहतर डिज़ाइन और व्यक्तिगत सेवा, वो भी आपके अपने शहर में।

दक्षिण मध्य रेलवे

@SCRailwayIndia पर फॉलो करें
द.म. रेलवे की निविदा सूचनाओं के विवरणों को हमारी वेबसाइट : www.scr.indianrailways.gov.in

ई-निविदा सूचना सं. जीएनटी/इ/09,10 एवं 11/टीआरडी/2025-26 PUB/0938

अधोहस्ताक्षरी द्वारा निम्न कार्यों हेतु ठेकेदारों से दि.29-08-2025 के 15.30 बजे तक ई-निविदाएं आमंत्रित हैं।

क्रम सं. 01, टेन्डर टाइटलः जीएनटी डिवीजनः तत्संबंधित डिवीजन के जी जम्पर का 105 स्के.एमएम से 160 स्के.एमएम तक अपग्रेडेशन या अद्यतन करना। निविदा रेफरेंस सं. जीएनटी/इ.09/टीआरडी/2025-26 दि.1-8-2025, अनुमानित लागतः रु.1,85,88,561.00 (जीएसटी सहित), पूर्व धरोहर राशि(पूधरा) रु.2,43,000.00 निविदा प्रपत्र मूल्य(गैर वापसी) रु. शून्य

क्रम सं. 02, टेन्डर टाइटलः जीएनटी डिवीजनः 35 पुलों के लिए, पीएससी स्लैब सहित मौजूदा स्टील गिर्डर्स का प्रतिस्थापन या रिप्लेसमेन्ट करना-ओएचइ का परिवर्तन या माडिफिकेशन कार्य। निविदा रेफरेंस सं. जीएनटी/इ.10/टीआरडी/2025-26 दि.1-8-2025, अनुमानित लागतः रु.1,62,89,712.91 (जीएसटी सहित), पूर्व धरोहर राशि(पूधरा) रु.2,31,500.00 निविदा प्रपत्र मूल्य(गैर वापसी) रु. शून्य

क्रम सं. 03, टेन्डर टाइटलः 1) तेनाली-गुण्टूर सेक्शन के वेजेन्ड्ला -मणीपुरम ब्लाक केबिन स्टेशन के बीच रेलवे किमी 20/2-3 पर 3 लेन आरओबी सहित 2 लेन आरओबी का पुनर्निर्माण करना। 2) नडीकुडी मछेर्ला सेक्शन के बीच किमी 128/3-4 पर नये आरओबी का निर्माण करना। 3) नडीकुडी मछेर्ला सेक्शन के बीच किमी 120/14-15 पर नये आरओबी का निर्माण कार्य-- ओएचइ का परिवर्तन या माडिफिकेशन करना। निविदा रेफरेंस सं. जीएनटी/इ.11/टीआरडी/2025-26 दि.1-8-2025, अनुमानित लागतः रु.14,72,280.16 (जीएसटी सहित), पूर्व धरोहर राशि(पूधरा) रु.29,500.00 निविदा प्रपत्र मूल्य(गैर वापसी) रु. शून्य

ई-बिड्स या ई-बोलियों की आनलाइन प्रस्तुति की अंतिम तिथि व समयः 29-08-2025 के 15.30 बजे

यदि निविदा खोलने की तय तिथि को अवकाश घोषित होता है तो, निविदा को उसके अगले कार्यदिवस में खोला जायेगा।

तत्संबंधित किसी भी विस्तृत विवरण हेतु वेबसाइटः www.ireps.gov.in पर, दि.1-8-2025 को या दि.29-08-2025 के 15.30 बजे तक लाग आन करें। इस बारे में अधिक संचार/शुद्धिपत्र को, केवल ई-पोर्टल www.ireps.gov.in के माध्यम से सूचित किया जायेगा।

A1157 वरिष्ठ विभागीय बिजली अभियंता,ट्रैक्शन/गुण्टूर

निविदा नियम शर्तें/अधिक जानकारी तथा निविदा दस्तावेजों की डाउनलोडिंग हेतु कृपया वेबसाइट्सः http://www.ireps.gov.in अथवा www.scr.indianrailways.gov.in देखें।

कॉवड यात्रा में शिव भक्तों का तांता

हैदराबाद, 4 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। बिहार एसोसिएशन द्वारा सोमवार को कॉवड़ यात्रा निकाली गई जिसमें शिव भक्तों का भाड़ी भीड़ दिखा, बच्चे, महिलाएं और नौजवान सब के सब शिव भक्ति में लीन दिखे। महासचिव प्रभास कुमार द्वारा बताया गया कि प्रत्येक वर्ष की भांति इस बार भी कॉवड़ शोभा यात्रा उप्पल शिवालय से शुरू होकर महिंद्रा हिल्स शिवालय में जाकर महादेव को जलाभिषेक के साथ समाप्त हुआ। अध्यक्ष हरे राम सिंह ने बताया कि कॉवड़ यात्रा के दौरान जगह-जगह पानी, शरबत एवं फल आहार का व्यवस्था किया गया था। अध्यक्ष हरेराम सिंह, मानवेंद्र मिश्रा, उत्तम यादव, विनोद गुप्ता, रवि शंकर सिंह, हरेराम यादव, पवन सिंह, सुरेश सिंह, भगवान सिंह, सुनील सिंह, राजू राय, वीरेंद्र प्रसाद सिंह, अमरेश मौर्य, प्रवीण कुमार, अजय भगत, पप्पू पंडित, संतोष यादव इत्यादि शिव भक्तों ने कॉवड यात्रा में भाग लिया। मिडिया प्रभारी दिलीप कुमार ने कहा आने वाले सालों में इससे भी बडी कॉवड़ यात्रा की तैयारी की जाएगी। मंदिर परिसर में अध्यक्ष हरेराम सिंह, मानवेंद्र मिश्रा, उत्तम यादव, दिलीप कुमार, प्रवीण कुमार, चंदन यादव, मनोज यादव, दीपक यादव एवं मंदिर महिंद्रा हिल्स समिति सहित आदि ने शिवभक्ति का आनंद उठाया।

श्री सखी बाबा मठ में भगवान जी के आशीर्वाद से और भक्तों के प्रयास से महादेव जी का रूद्राभिषेक ओर महादेव जी की कावड़ यात्रा सम्पन्न हुई महंत ठाकुर दास जी के सानिध्य में सारा कार्यक्रम संपन्न हुआ। भागवत निखिल मुंदडा रविन्द्र सिंह, दिनेश सिंह, लाल सिंह, राजेन्द्र सिंह, संतोष अन्य भक्त शामिल हुए।

फुटपाथ पर अतिक्रमण को लेकर उपायुक्त को ज्ञापन सौंपा

हैदराबाद, 4 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। भ्रष्टाचार निरोधक फाउंडेशन, तेलंगाना के प्रदेश अध्यक्ष एन.आर. लक्ष्मण राव ने आज जीएचएमसी एबिड्स सर्कल की उपायुक्त सुश्री उमा प्रकाश को एक औपचारिक ज्ञापन सौंपा, जिसमें सार्वजनिक फुटपाथों पर बढ़ते अतिक्रमण और इससे आम जनता को होने वाली कठिनाइयों पर प्रकाश डाला गया।

इस ज्ञापन में हनुमान टेकड़ी और बोग्गुलकुंटा क्षेत्रों में भोजनालयों द्वारा फुटपाथों पर किए जा रहे गंभीर अतिक्रमण की ओर इशारा किया गया है। जिनमें कई टिफिन सेंटर सहित पान शाप व अन्य दुकानों द्वारा किए गए अतिक्रमण शामिल हैं। इन अवैध अतिक्रमणों ने न केवल पैदल यात्रियों की आवाजाही में बाधा डाली है, बल्कि यातायात जाम का भी बड़ा कारण बन रहे हैं, जिससे यात्रियों और स्थानीय निवासियों के लिए खतरा पैदा हो रहा है।

इसके अलावा, बजरंग सेना ने मोज्जम जाही मार्केट के पास फूल मार्केट में कचरा और अतिक्रमण का मुद्दा भी उठाया, जो जन स्वास्थ्य और स्वच्छता के लिए चिंता का विषय बन गया है। लक्ष्मण राव ने ज़ोर देकर कहा कि जीएचएमसी मुख्यालय, संबंधित मंडल कार्यालयों और यातायात विभाग को 25 से ज़्यादा ज्ञापन देने के बावजूद, आज तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है। उन्होंने नागरिक और यातायात अधिकारियों से इन अवैध ढांचों को हटाने, नियमित कचरा प्रबंधन सुनिश्चित करने और नागरिकों की सुरक्षा और सुविधा के लिए पैदल यात्रियों और यातायात के सुचारू प्रवाह को बहाल करने के लिए तत्काल हस्तक्षेप करने की मांग की है।

भयंकर बारिश से शहर थम गया, सैकड़ों छात्र फंसे रहे

तेलुगु तल्ली फ्लाईओवर और नारायणगुडा फ्लाईओवर पर वाहन फंसे रहे

हैदराबाद, 4 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। सोमवार को हैदराबाद शहर में भारी बारिश हुई। शहर के कई इलाकों में बारिश ने तबाही मचा दी है। शहर के कई इलाके बारिश के पानी से भर गए। सचिवालय बस स्टॉप और शहर का मध्य क्षेत्र जलमग्न हो गया। टैंक बंड-सचिवालय मार्ग पर भारी यातायात ठप हो गया है। खैरताबाद, लकड़िकापुल, हिमायत नगर और नारायणगुडा के आसपास के इलाके जलभराव के कारण फंस गए हैं। खैरताबाद मेट्रो स्टेशन के नीचे जमा बारिश के पानी के कारण खैरताबाद-पंजागुट्टा मार्ग पर वाहनों की आवाजाही बाधित हो गई है। जल बोर्ड कार्यालय के पीछे स्थित एक निजी स्कूल जलमग्न हो गया है और सैकड़ों छात्र स्कूल में फंस गए हैं। मूसलाधार बारिश के कारण शहर की कई सड़कें तालाबों जैसी हो गईं। तेलुगु तल्ली फ्लाईओवर और नारायणगुडा फ्लाईओवर पर कई किलोमीटर तक वाहन फंसे रहे। मैनहोल खतरनाक दर से भर गए थे। हिमायतनगर-नारायणगुड़ा मार्ग पर वाहनों की आवाजाही भी बाधित हुई है। कई इलाकों में बारिश का पानी जमा होने के कारण जीएचएमसी के टोल-फ्री नंबर पर शिकायतें आ रही हैं। इस बीच, हाइड्रा ने राहत कार्यों के लिए नारायणगुड़ा, हिमायतनगर, सोमाजीगुड़ा, पंजागुट्टा, खैरताबाद और कई अन्य निचले इलाकों में विशेष टीमें भेजी हैं। हाइड्रा टीमों ने नावें भी तैयार की हैं। जीएचएमसी ने 350 मैनपून टीमें तैनात की हैं। निचले इलाकों में युद्धस्तर पर राहत अभियान चलाया जा रहा है। जीएचएमसी आयुक्त ने सभी अधिकारियों को मैदान में आकर अपनी ड्यूटी निभाने के आदेश जारी कर दिए हैं।

रामनिवास बृजगोपाल भूतड़ा परिवार (फाइनकैब) द्वारा 13 से 17 अगस्त तक पूरन फॉर्म्स, गगन पहाड़ रोड, शमशाबाद में प्रदीप मिश्रा के मुखारविंद से आयोजित होने वाले श्री शिव महापुराण कथा के संदर्भ में चर्चा करते हुए आयोजक ब्रिजगोपाल भूतडा एवं अन्य पदाधिकारी।

बिहार समाज सेवा संघ पैराडाइज द्वारा कॉवड यात्रा आज शिव भक्तों द्वारा निकला गया जो की पान बाजार से महिंद्रा हिल्स के लिए रवाना हुआ, जो सभी भक्तगण जोर-शोर से भाग लिए और तेलंगाना पुलिस का भी सहयोग रहा। इसमें उपस्थित तेलंगाना प्रदेश अध्यक्ष दीपक सिंह, तेलंगाना जनरल सेक्रेटरी मनीष कुमार गुप्ता, संजय सिंह, संतोष यादव, विकास पासवान, विकास सिंह, अंजनी इलू, मुरली व्यास, मुकेश कामत, विकास सिंह (जो पान बाजार के जनरल सेक्रेटरी है) और सत्येंद्र कुशवाहा, अंकिस राय और झारखंड एकता मंच समाज के किशोर यादव और सभी शिव भक्त उपस्थित हुए।

पित्ती ट्रस्ट एवं अग्रवाल सेवा दल का 149वां निशुल्क मेगा मेडिकल कैंप संपन्न

हैदराबाद, 4 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। बदरीविशाल पन्नालाल पित्ती ट्रस्ट एवं अग्रवाल सेवा दल द्वारा शिव मंदिर कमेटी पब्लिक गार्डन के सहयोग से149वां निशुल्क मेगा मेडिकल कैंप नामपल्ली स्थित पब्लिक गार्डन में आयोजित किया गया।

आज यहां अग्रवाल सेवा दल के अजीत गुप्ता द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, किम्स सनशाइन अस्पताल बेगमपेट, जनरल फिजिशियन, कार्डियलजी, हड्डी रोग, ईसीजी, 2 डी इको, बीएमडी, बीपी जांच, आरबीएस की सेवा दी गई जिसमें डॉ. शशिधर, डॉ. ध्रुव, नर्सिंग स्टाफ, स्वप्ना, मेनक्षी और अथिरा, गौतम (2डी इको), मोहन (बीएमडी), विपणन विभाग सहायक प्रबंधक उदय कुमार ने दी। फिजियोथेरेपी बजाज फिजियो केयर डॉ. मीता बजाज ने दी। एसएनआर डेंटल के डॉ. नवनीत एवं डॉ. एस निखिल राज ने दांतों की जांच की।

शिविर का 280 से अधिक रोगियों ने लाभ लिया।

शिविर संयोजक एवं अग्रवाल सेवा दल के प्रदीप अग्रवाल, सुधीर गुप्ता, सुरेंद्र गोयल, कैलाश केडिया, निखिल राणासरिया, स्थानीय भागीदार शिव मंदिर कमेटी, पब्लिक गार्डन के कैलाश चंद केडिया, निर्मला देवी, माधवी केडिया, इशिका केडिया, गोविंद कुमार केडिया, मणिलाल शाह, स्वयंसेवक शीतल अग्रवाल, वंदना पचेरिया, बी शांता देवी, एम रोहिणी देवी, समाजसेवी गोपाल सिंह, शंकर लाल यादव. घनश्याम यादव, सहित पित्ती इंजीनियरिंग के सदस्यों अपना सहयोग प्रदान किया।

जीडिमेटला स्थित श्री आई माताजी बडेर भवन में स्व. श्रीमती नोजी देवी चोयल की श्रद्धांजलि सभा मे पुष्प अर्पित करते हुए खरताराम, जोराराम, चेनाराम, रुघाराम, सुरेश, दिलीप, हितेश, धावल, वेदांश चोयल। सीरवी समाज के गणमान्य मांगीलाल काग, प्रेम पंवार, संतोष चोयल, सोहनलाल परिहार, राजूराम बर्फा, मांगीलाल सोलंकी, मोहनलाल हाम्बड़, लुम्बाराम मुलेवा, भोलाराम पंवार, हरजीराम काग, आशाराम गेहलोत, भीकाराम काग, राजुराम, हुक्माराम, रामचन्द्र सुथार, महिला मंडल व समाज बन्धु।

प्रेम से जीना और दूसरों के आंसू पोंछना ही धर्म है

हैदराबाद, 4 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। राष्ट्र-संत महोपाध्याय श्री ललितप्रभ सागर ने कहा कि धर्म दीवार नहीं द्वार है। धर्म के नाम पर मानव जाति को तोडना पाप है। धर्म का जन्म इंसानियत को जोडने के लिए हुआ है, तोडने के लिए नहीं। धर्म का संबंध केवल मंदिर, मस्जिद, सामायिक, पूजा-पाठ से नहीं, जीवन से है। जो चित्त को निर्मल और कषायों को कमकर जीवन को पवित्र करे वही सच्चा धर्म है। व्यक्ति खुद भी सुख से जिए और औरों के लिए भी सुख से जीने की व्यवस्था करे इसी में धर्म का सार छिपा हुआ है।

वे सोमवार को नामपल्ली में आयोजित वर्तमान युग में धर्म का प्रैक्टिकल स्वरूप विषय पर प्रवचन दे रहे थे। उन्होंने कहा कि धर्म पगड़ी नहीं कि जब चाहे पहन लिया और उतार लिया, धर्म कोई दमड़ी नहीं कि जब चाहे खरीद लिया, धर्म तो चमड़ी है जो व्यक्ति की अंतिम सांस तक साथ रहता है। धर्म की चर्चा करने वालों से संतश्री ने कहा कि धर्म चर्चा का नहीं चर्या का विषय है। राम, कृष्ण, महावीर, मौहम्मद कौन थे, कहां पैदा हुए थे, इनको जानने से कुछ नहीं मिलेगा। अगर जानना ही है तो यह जानो कि इनके जैसा कैसे बना जा सकता है।

संतश्री ने कहा कि पानी का धर्म है शीतलता और आग का धर्म है उष्णता। व्यक्ति सोचे कि उसका आखिर धर्म क्या है? संतप्रवर ने कहा कि एक तरफ मंदिर में पूजा करनी हो दूसरी ओर घर में बीमार सासू माँ की सेवा करनी हो, एक ओर पांच लाख का चढ़ावा बोलना हो दूसरी ओर गरीब भाई की मदद करनी हो तो व्यक्ति खुद सोचे कि उसका पहला दायित्व क्या है? स्थानक में सामायिक करना धर्म है, पर घर में बहू से गलती हो जाने पर माफ कर देना उससे भी बड़ा धर्म है। उन्होंने युवाओं से कहा कि वे महीने में एक दिन माँ के पास भी सोने की आदत डालें ताकि पता चल सके कि उन्हें रात को कोई तकलीफ तो नहीं होती है।

संतप्रवर ने कहा कि इंसान का दूसरा धर्म है भीतर पलने वाले विकारों पर विजय पाना। इंसान आकृति से ही नहीं, प्रकृति से भी इंसान बने। कमजोर और काले मन वाले कभी सच्चे धार्मिक नहीं बनते। उन्होंने कहा कि भारत के लोग बहुत ईमानदार हैं, पर तभी तक जब तक बेईमानी का मौका नहीं मिलता। व्यक्ति केवल सीता की मूर्ति में ही सीता को न देखे, वरन सड़क चलती नारी में भी सीता माँ के दर्शन का सौभाग्य ले।

व्यक्ति धन को केवल कमाए ही नहीं वरन लगाए भी। लाभ के साथ भला भी करे। दिन की शुरूआत दान से हो। पुरुष लोग प्रतिदिन दस रुपये निकालें और महिलाएं दो मुट्ठी आटा। इससे हमारे तो कोई फर्क नहीं पड़ेगा, पर जिसको सहायता मिलेगी उसके बहुत फर्क पड़ जाएगा। इसलिए हर व्यक्ति रात को सोने से पहले जरूर सोचे कि उसके द्वारा दिन भर कोई सत्कर्म हुआ या नहीं। अगर हुआ तो कल फिर करूंगा और नहीं हुआ तो कल जरूर करूंगा का संकल्प लें।

उन्होंने कहा कि अंतरमन में त्याग, वैराग्य और संयम के प्रति श्रद्धा रखिए। अपने कषाय और मनोविकारों पर विजय प्राप्त कीजिए। अगर हम निर्मल कर्म और विचारों के मालिक बनते हैं, तो हमारा स्वरूप चलते-फिरते मंदिर जैसा ही होगा। उन्होंने कहा कि आप जिस धर्म के अनुयायी है, उसका आचरण कीजिए, पर अन्य धर्मों के प्रति भी प्रेम रखिए। इस दुनिया में प्रेम के मंदिर हों, प्यार के गिरजे हों और मोहब्बत की मस्जिदें बनें, तो धरती को स्वर्ग बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका अदा हो जाएगी। अगर हम धर्म का ऐसा स्वरूप बनाते हैं, तो पूरी दुनिया धर्म का आचरण करने के प्रति स्वत: ही समर्पित हो जाएगी और यह धरती किसी भगवान का मंदिर और तीर्थ बन जाएगी।

उन्होंने कहा कि धर्म इंसानियत की दहलीज पर प्रेम और मोहब्बत का जलता हुआ चिराग है। इस चिराग का उपयोग आगजनी के लिए नहीं, सबके जीवन को रोशन करने के लिए कीजिये।

जैसे सूरज की किरणें अपनी छाया बनाने के लिए नहीं, अपितु जीवन को रोशन करने के लिए होती हैं वैसे ही धर्म के सिद्धान्तों का उपयोग तकरार के लिए नहीं, प्यार के लिए कीजिये।

स्वतंत्र वार्ता

Email : svaarttha2006@gmail.com svaarttha@rediffmail.com svaarttha2006@yahoo.com

Epaper : epaper.swatantravaartha.com

For Advertisement : swadds1@gmail.com

सांसें थमा देने वाला मैच भारत जीता

सीरीज 2-2 से ड्रॉ, इंग्लैंड के आखिरी 4 विकेट एक घंटे में गिरे, सिराज 9 विकेट लेकर मैन ऑफ द मैच

ओवल, 4 अगस्त (एजेंसियां)। भारत ने इंग्लैंड को ओवल में खेले गए पांचवें टेस्ट में 6 रन से हरा दिया है। इंग्लैंड की टीम को ओवल टेस्ट के आखिरी दिन जीत के लिए 35 रन चाहिए थे लेकिन भारत ने मोहम्मद सिराज के तीन और प्रसिद्ध कृष्णा (1) की दमदार गेंदबाजी की बदौलत जीत दर्ज की। भारतीय टीम ने इंग्लैंड को ओवल में खेले गए पांचवें टेस्ट मैच में जीत के लिए 374 रनों का लक्ष्य दिया था। इसके जवाब में हैरी ब्रूक और जो रूट ने शतकीय पारी की बदौलत इंग्लैंड की टीम को जीत के करीब पहुंचा दिया था लेकिन भारतीय गेंदबाजों ने चौथे दिन के आखिरी सेशन और फिर पांचवें दिन के पहले सेशन में दमदार गेंदबाजी करते हुए इंग्लैंड को रोमांचक मैच में शिकस्त दी।

इंग्लैंड ने कल के छह विकेट पर 339 रनों से आगे खेलना शुरु किया। आज सुबह के सत्र में 78 ओवर की तीसरी गेंद पर मोहम्मद सिराज ने ध्रुव जुरेल के हाथों जेमी स्मिथ (दो) को कैच आउट कराकर भारत को सातवीं सफलता दिलाई।

इसके बाद सिराज ने जेमी ओवर्टन (नौ) को पगबाधा आउटकर भारत को जीत के करीब पहुंचा दिया। इसके बाद प्रसिद्ध कृष्णा ने ब्लॉक होल में गेंद डालकर जॉश टंग (शून्य) को बोल्ड कर भारत को नौवीं सफलता दिलाई। 86वें ओवर की पहली गेंद पर 85.1 मोहम्मद सिराज ने

ऐटकिंसन का ऑफ स्टंप उखाड़ कर मैच भारत की झोली में डाल दिया।

भारत के लिए मोहम्मद सिराज ने 5, प्रसिद्ध कृष्णा ने 4 और आकाशदीप को एक सफलता मिली। भारत ने पहली पारी में 224 रन बनाये थे। इंग्लैंड ने पहली पारी में 247 रन बनाकर 23 रनों की मामूली बढ़त हासिल की थी। भारत ने दूसरी पारी में 396 का स्कोर खड़ा कर इंग्लैंड को 373 रनों का लक्ष्य दिया था। दूसरी पारी में इंग्लैंड की टीम 367 रन ही बना सकी।

जसप्रीत बुमराह को लगी एक और चोट

लंदन, 4 अगस्त (एजेंसियां)। भारतीय क्रिकेट टीम के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ओवल टेस्ट में नहीं खेले और इसकी वजह अब सामने आई है. ऐसा माना जा रहा था कि बुमराह को आराम दिया गया है लेकिन रिपोर्ट्स हैं कि वो चोटिल हो गए हैं. रिपोर्ट्स के मुताबिक जसप्रीत बुमराह को इस बार घुटने में चोट लगी है. बता दें 31 जुलाई को जब ओवल टेस्ट का आगाज हुआ था उसी दिन बुमराह को टीम इंडिया से रिलीज कर दिया गया था. बीसीसीआई ने प्रेस रिलीज जारी कर इसकी जानकारी दी थी. लेकिन अब उन्हें रिलीज करने की वजह सामने आ गई है.

बुमराह को लगी चोट गंभीर?

जसप्रीत बुमराह को घुटने में चोट लगी. अच्छी बात ये है कि बुमराह की चोट ज्यादा गंभीर नहीं है और उसकी सर्जरी नहीं होगी. हालांकि बुमराह के घुटने का स्कैन कराया गया है और बीसीसीआई की मेडिकल टीम को उनकी स्कैन रिपोर्ट्स का इंतजार है. ऐसी खबर है कि 31 साल का ये गेंदबाज बीसीसीआई के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में रिकवरी के लिए जाएगा. वहां उनपर काम किया जाएगा ताकि वो भविष्य में होने वाले मैचों के लिए फिट हो सकें. हालांकि ऐसी खबरें भी हैं कि बुमराह एशिया कप नहीं खेलेंगे. एहतियातन उन्हें आराम दिया जाएगा.

बुमराह के लिए इंग्लैंड दौर अच्छा नहीं रहा

जसप्रीत बुमराह के लिए इंग्लैंड का दौरा औसत रहा. ये खिलाड़ी सीरीज में 3 टेस्ट मैच खेला जिसमें उन्होंने 14 विकेट हासिल किए. बड़ी बात ये है कि बुमराह ने दो टेस्ट मैचों में पारी में पांच विकेट लेने का कारनामा किया लेकिन इसके बावजूद वो 14 ही विकेट हासिल कर सके. इसकी बड़ी वजह उन्हें चोट का भी डर रहा. मैनचेस्टर टेस्ट में तो बुमराह ने 140 किमी. प्रति घंटे की रफ्तार भी बमुश्किल हासिल की. बुमराह की ऐसी फिटनेस से फैंस भी काफी निराश हैं क्योंकि ओवल टेस्ट में वो नहीं खेले जब टीम को उनकी काफी जरूरत थी.

गौतम गंभीर, शुभमन गिल पर नवजोत सिंह सिद्धू ने लगाया बड़ा आरोप

मुंबई, 4 अगस्त (एजेंसियां)। इंग्लैंड के खिलाफ पांचवें टेस्ट मैच में पूर्व खिलाड़ी नवजोत सिंह सिद्धू भारत के हेड कोच गौतम गंभीर और टीम के कप्तान शुभमन गिल के एक फैसले से बिल्कुल भी खुश नहीं हैं. उन्होंने खेल के चौथे दिन इन दोनों पर जमकर भड़ास निकाली है. दरअसल पांचवें टेस्ट मैच के खेल के चौथे दिन भारत के तेज गेंदबाज आकाश दीप को चोट लग गई थी. पूर्व खिलाड़ी का मानना है कि टीम के पास एक ऐसा तेज गेंदबाज है जो पूरी तरह से फिट है लेकिन इसके बावजूद टीम मैनेजमेंट आधे फिट खिलाड़ियों को लगातार मौका दे रही है.

सिद्धू हैं गंभीर के फैसले से नाखुश

नवजोत सिंह सिद्धू ने कहा,

आप इंजेक्शन के साथ आकाश दीप को एक टेस्ट मैच में खिला रहे हैं जबकि बाएं हाथ के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह बेंच पर बैठे हुए हैं. आपने उन्हें क्यों नहीं खिलाया? आधे फिट गेंदबाजों के साथ जाना गुनाह है. ये एक बहुत बड़ा क्राइम है.'

आकाश दीप की बात की जाए तो उन्हें ये चोट पांचवे टेस्ट मैच के दौरान गेंदबाजी करते समय लगी. इंग्लैंड के खिलाड़ी हैरी ब्रूक ने एक शॉट खेला जो सीधा आकाश दीप के पिंडली पर लगा और उन्हें काफी दर्द में देखा गया. भारतीय टेस्ट टीम के कप्तान शुभमन गिल भी आकाश से पूछ रहे थे कि क्या उन्होंने इंजेक्शन लिया है. अब इसी को लेकर नवजोत सिंह सिद्धू ने भी अपनी बात कही है. अर्शदीप सिंह की बात की जाए तो उन्हें इस सीरीज में एक मैच में भी खेलने का मौका नहीं मिला. उन्होंने इंडिया की ओर से व्हाइट बॉल क्रिकेट में काफी अच्छा प्रदर्शन किया है लेकिन अर्शदीप अभी तक टेस्ट क्रिकेट में डेब्यू नहीं कर पाए हैं.

इंग्लैंड है टेस्ट सीरीज में आगे

इस टेस्ट सीरीज में इंग्लैंड भारत से 2-1 से आगे है. फिलहाल बराबरी करने के लिए भारत को पांचवा और आखिरी टेस्ट मैच जीतना बहुत ही जरूरी है. पांचवे टेस्ट मैच के खेल के आखिरी दिन जहां एक तरफ इंग्लैंड को जीत के लिए 35 रन की जरूरत है वहीं भारत को चार विकेट लेने हैं.

भारतीय कोचिंग स्टाफ की उड़ी नींद

इंग्लिश बल्लेबाज ने किया 'नाक' में दम, खुद कोच ने माना

लंदन, 4 अगस्त (एजेंसियां)। भारतीय टीम केनिंग्टन ओवल टेस्ट के तीसरे दिन के बाद मैच में बेहद मजबूत स्थिति में नजर आ रही थी। चौथे दिन का खेल खत्म होने के बाद मैच का पलड़ा इंग्लिश टीम की तरफ मुड़ गया है। इंग्लिश बल्लेबाजों ने शानदार प्रदर्शन करके मुकाबले में टीम इंडिया को पीछे छोड़ दिया। इस इंग्लिश बल्लेबाज ने पूरी सीरीज में टीम इंडिया को बहुत ज्यादा परेशान किया है। भारतीय टीम के गेंदबाजी कोच मोर्ने मोर्केल ने खुद माना है कि एक इंग्लिश बल्लेबाज ने उनकी रातों की नींद हराम कर दी है।

भारतीय कोचिंग स्टाफ की नींद हुई हराम

इंग्लैंड की टीम एक समय 106 रनों पर 3 विकेट गंवा चुकी थी। उस समय हैरी ब्रूक और जो रूट के बीच 195

रनों की पार्टनरशिप हुई। जिसके कारण ही टीम इंडिया मुकाबले में पिछड़ रही है। जो रूट ने 105 रन तो वहीं हैरी ब्रूक ने 111 रनों की पारी खेली। रूट ने इस सीरीज में टीम इंडिया को कई बार परेशान किया है। जिसके कारण ही भारतीय टीम मैनेजमेंट के होश उड़ गए हैं। खुद भारतीय टीम के गेंदबाजी कोच मोर्ने मोर्केल ने इस बारे में प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, 'जो रूट ने हमारी रातों की नींद उड़ा दी है। तो हाँ, जब हमने उसे आउट किया तो मैं बहुत खुश था।'

सिराज की तारीफ में भी बोले मोर्ने मोर्केल

तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज ने इस टेस्ट सीरीज में बहुत ज्यादा प्रभावित किया है। जिसके कारण ही सभी उनकी बहुत ज्यादा तारीफ कर रहे हैं। सिर्फ भारतीय खिलाड़ी ही नहीं बल्कि इंग्लिश दिग्गज जो रूट ने भी सिराज की तारीफ की है। गेंदबाजी कोच मोर्ने मोर्केल ने इस बारे में बात करते हुए कहा, 'मुझे बहुत खुशी है कि मोहम्मद सिराज को वह पहचान मिल रही है जिसके वह हकदार हैं। मैच से पहले उनसे बातचीत हुई थी, लेकिन उन्होंने सबसे पहले कहा कि वह खेलेंगे।'

विश्व चैंपियनशिप ट्रायल्स में अंतिम पंघाल आसानी से जीतीं

वैष्णवी और मनीषा भी भारतीय टीम में

नई दिल्ली, 4 अगस्त (एजेंसियां)। महिला पहलवान अंतिम पंघाल ने विश्व चैंपियनशिप के ट्रायल्स में 53 किग्रा भार वर्ग में बिना किसी परेशानी के भारतीय टीम में अपनी जगह पक्की कर ली जबकि वैष्णवी पाटिल (65 किग्रा) और मनीषा भानवाला (62 किग्रा) ने भी प्रभावशाली प्रदर्शन के साथ क्वालिफाई किया। अंतिम 20 साल की उम्र में सीनियर विश्व चैंपियनशिप, एशियाई खेलों और एशियाई चैंपियनशिप में पदक जीत चुकी हैं। उन्होंने मध्य प्रदेश की पूजा और गुजरात की हिनाबेन को बिना एक भी अंक गंवाए हराया और विजेता बनीं।

अंतिम ने 2022 में देश की पहली अंडर-20 विश्व चैंपियन बनकर सुर्खियां बटोरी थीं और 2024 पेरिस ओलंपिक के लिए भी क्वालिफाई किया था। लेकिन वह ओलंपिक में विवादों में घिर गई थीं। पेरिस में मैट में उनका प्रदर्शन फीका रहा और उन्होंने अपनी बहन को अपने मान्यता कार्ड पर खेल गांव भेजकर बड़ा विवाद भी खड़ा कर दिया था। भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) ने अनुशासनात्मक कार्रवाई पर विचार किया लेकिन ऐसा नहीं किया।

हाल में वह अपने निजी कोच के साथ विदेश में ट्रेनिंग लेना चाहती थीं, लेकिन डब्ल्यूएफआई ने इस प्रस्ताव को ठुकरा दिया और उन्हें राष्ट्रीय शिविर में प्रशिक्षण लेने के लिए कहा। पेरिस ओलंपिक के बाद के मुश्किल समय के बारे में पूछने पर अंतिम ने गलती करने की बात स्वीकार की, लेकिन कहा कि ऐसा जानकारी के

अभाव में हुआ था। उन्होंने कहा, 'महासंघ को मुझसे कोई समस्या नहीं थी। भ्रम की स्थिति थी, मैंने भी गलती की। मुझे अहसास नहीं हुआ। ओलंपिक खेल एशियाई खेलों और विश्व चैंपियनशिप से अलग है। मुझे ज्यादा जानकारी नहीं थी।'

अंतिम ने कहा, 'एशियाई खेलों में भी खेल गांव था लेकिन हांग्झोउ में एक होटल में रुके थे। इसलिए भ्रम की स्थिति थी, मैंने ऐसा माहौल पहले कभी नहीं देखा था। दबाव था और इसका असर मैच में भी हुआ। फिर मुझे शिविर में आने के लिए कहा गया। महासंघ ने मेरी मदद की। मुझे दो टूर्नामेंट में भेजा गया जहां मैंने स्वर्ण पदक जीता। मैं कभी भी चीजों को हल्के में नहीं लेती। मुकाबले किसी भी तरफ जा सकते हैं।'

अंतिम ने आईजी स्टेडियम में हुए ट्रायल्स के दौरान अपनी रणनीति के साथ आक्रामक रुख अपनाया। पूजा के खिलाफ उनकी रणनीति कारगर रही। अंतिम ने पहले ही मौके पर 'फितले' का इस्तेमाल करके पूजा को तीन बार पटक दिया और 6-0 की बढ़त बना ली। इससे उनकी प्रतिद्वंद्वी के घुटने में चोट लग गई जिसके बाद वह आगे नहीं खेल सकीं। हिनाबेन ने जूली को कड़ी चुनौती दी लेकिन अंतिम के खिलाफ मुकाबला बहुत मुश्किल साबित हुआ। अंतिम तकनीकी और रणनीतिक रूप से अधिक मजबूत थी जिससे उन्होंने तकनीकी श्रेष्ठता के आधार पर मुकाबला जीत लिया।

जगरेब में 13 से 21 सितंबर तक होने वाली विश्व चैंपियनशिप में भारतीय टीम युवा खिलाड़ियों की है जिसमें केवल कुछ ही 20 से अधिक उम्र पहलवान हैं। प्रविष्टियां ज्यादा नहीं थीं जिससे ड्रॉ छोटे रहे। फिर भी 65 किग्रा वर्ग में कड़ी प्रतिस्पर्धा देखने को मिली जिसमें महाराष्ट्र की वैष्णवी पाटिल ने बाजी मारी। फ्रीडम यादव के खिलाफ उन्होंने 10-6 से जीत हासिल करने के बाद मुस्कान को 7-2 से हराया।

वहीं 62 किग्रा वर्ग में केवल मनीषा और मानसी अहलावत ने प्रतिस्पर्धा की। मनीषा ने 2-0 से जीत हासिल की। ज्योति ने 72 किग्रा वर्ग में हर्षिता को 11-6 से हराया जबकि 76 किग्रा वर्ग में प्रिया मलिक ने अनुभवी किरण को 4-2 से हराया। अन्य विजेताओं में अंकुश (50 किग्रा), निशू (55 किग्रा), तपस्या (57 किग्रा), नेहा (59 किग्रा), और सृष्टि (68 किग्रा) शामिल रहीं।

बेवकूफ बनाते हैं सिराज, जो रूट ने ओवल टेस्ट में शतक लगाने के बाद ऐसा क्यों कहा?

ओवल, 4 अगस्त (एजेंसियां)। भारत के खिलाफ ओवल टेस्ट मैच में इंग्लैंड की ओर से जो रूट ने धमाकेदार बल्लेबाजी करते हुए अपनी टीम के लिए बहुमूल्य शतकीय पारी खेली. उन्होंने पांचवे टेस्ट मैच में खेल के चौथे दिन टीम इंडिया के खिलाफ 105 रन बनाए जिसकी वजह से इंग्लैंड क्रिकेट टीम मजबूत स्थिति में है. हालांकि चौथे दिन के खेल के खत्म होने के बाद अनुभवी बल्लेबाज ने भारत के तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज को लेकर बड़ा बयान दिया है. उन्होंने अपने बयान में सिराज को वॉरियर बोला है और साथ ही उन्होंने उनके झूठे गुस्से को लेकर भी बड़ी बात बोली है.

रूट ने सिराज को लेकर कही ये बात

पांचवे टेस्ट मैच के खेल के चौथे दिन के खत्म होने के बाद जो रूट ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, 'सिराज एक ऐसा खिलाड़ी है जो हर हाल में अपनी टीम के लिए लड़ता है. वो हमेशा मैदान पर सब कुछ दे देता है. वो कभी-कभी नकली गुस्सा दिखाता है और लोगों को बेवकूफ बनाता है लेकिन असल में वो बहुत अच्छा इंसान है. वो मेहनती हैं, बहुत स्किलफुल हैं और इसलिए उसके पास इतने विकेट हैं. सिराज जैसे खिलाड़ी के साथ खेलना मजेदार होता है. वो हमेशा मुस्कराते रहते हैं और अपने देश के लिए सब कुछ देते हैं. ऐसे खिलाड़ी को देखकर युवा क्रिकेटर्स को बहुत कुछ सीखने को मिल सकता है.'

मोहम्मद सिराज की बात की जाए तो वो इस सीरीज में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं. उन्होंने अभी तक 5 टेस्ट मैच में 36.85 के औसत से 20 विकेट लिए हैं. उन्होंने पांचवें और आखिरी टेस्ट मैच में भी दमदार गेंदबाजी करते हुए पहली पारी में चार विकेट झटके जबकि दूसरी पारी में वो अभी तक दो विकेट ले चुके हैं. इस टेस्ट मैच के खेल के आखिरी दिन भी वो अपनी टीम की ओर से घातक गेंदबाजी करना चाहेंगे.

खेल का आखिरी दिन दोनों टीमों के लिए है जरूरी

पांचवे टेस्ट मैच के खेल का आखिरी दिन दोनों ही टीमों के लिए काफी जरूरी है. जहां एक तरफ इंग्लैंड को जीत के लिए सिर्फ 35 रन की जरूरत है वहीं भारत को चार विकेट लेने हैं. चौथे दिन का खेल खत्म होने तक इंग्लैंड ने अपनी दूसरी पारी में 6 विकेट खोकर 339 रन बना लिए हैं. इस बात की पुष्टि जो रूट ने की कि अगर जरूरत पड़ी तो चोटिल क्रिस वोक्स भी इस मैच में बल्लेबाजी करने के लिए मैदान पर उतरेंगे. क्रिस वोक्स को खेल के तीसरे दिन फील्डिंग करते समय कंधे पर चोट लग गई थी. टीम इंडिया को अगर टेस्ट सीरीज में बराबरी करनी है तो उन्हें पांचवें और आखिरी टेस्ट मैच को जीतना बेहद जरूरी है. फिलहाल इस सीरीज में इंग्लैंड 2-1 से आगे है.

इंटर मियामी के कप्तान लियोनेल मेसी चोटिल

अनिश्चित समय के लिए मैदान से बाहर हुए; नेक्शाका के खिलाफ मैच में चोट लगी

खेल डेस्क, 4 अगस्त (एजेंसियां)। अपने दाहिने पैर में 'मामूली मांसपेशियों की चोट' के कारण अनिश्चित काल के लिए मैदान से बाहर रहेंगे । 38 वर्षीय अर्जेंटीना के इस स्टार को शनिवार को मैक्सिको के नेकाक्सा के खिलाफ मियामी के लीग्स कप मैच के शुरुआती दौर में चोट लगी थी और 11वें मिनट में ही उन्हें मैदान से बाहर होना पड़ा था। हालाँकि मेसी बिना किसी मदद के मैदान से बाहर चले गए, लेकिन वापस नहीं लौटे।

इंटर मियामी ने पुष्टि की है कि मेडिकल जाँच में उनके दाहिने पैर के ऊपरी हिस्से की मांसपेशियों में मामूली समस्या सामने आई है। टीम ने कहा, उनकी मेडिकल क्लियरेंस उनकी चिकित्सीय प्रगति और उपचार के प्रति प्रतिक्रिया पर निर्भर करेगी।₹ हालाँकि, उनकी वापसी की कोई समय-सीमा नहीं बताई गई है। मेसी, जो 18 गोल के साथ एमएलएस में शीर्ष पर हैं और 18 मैचों में नौ असिस्ट भी कर चुके हैं, क्लब के लिए एक महत्वपूर्ण ताकत रहे हैं। इंटर मियामी के घरेलू और महाद्वीपीय सफलता की तलाश में उनकी अनुपस्थिति एक बड़ी चिंता का विषय है। जोर्डी अल्बा , जिन्होंने नाटकीय स्टॉपेज-टाइम बराबरी का गोल करके मियामी को पेनल्टी शूटआउट के लिए मजबूर किया, जिसमें मियामी ने 5-4 से जीत हासिल की, ने मेसी के जाने को 'पूरी टीम के लिए बहुत बड़ा दुख' बताया। इंटर मियामी वर्तमान में 42 अंकों (12-4-6) के साथ ईस्टर्न कॉन्फ्रेंस में पांचवें स्थान पर है, लीग लीडर्स फिलाडेल्फिया से आठ अंक पीछे है, लेकिन उसके पास तीन मैच बाकी हैं। मेसी की चोट ने मियामी के लीग्स कप खिताब की रक्षा पर अनिश्चितता पैदा कर दी है, जिसे उन्होंने उनके आने के तुरंत बाद 2023 में जीता था।

मियामी बुधवार को यूएनएम प्यूमास की मेज़बानी करेगा और जीत के साथ लीग्स कप क्वार्टरफ़ाइनल में जगह पक्की कर सकता है। हालाँकि, मेसी की लंबे समय तक अनुपस्थिति टूर्नामेंट और नियमित सीज़न में उनकी गति को बाधित कर सकती है।

पाकिस्तान ने तीसरा टी-20, 13 रन से जीता

वेस्टइंडीज के खिलाफ सीरीज पर 2-1 से कब्जा किया

लॉडरहिल, 4 अगस्त (एजेंसियां)। पाकिस्तान क्रिकेट टीम ने वेस्टइंडीज के खिलाफ तीन मैचों की टी20 सीरीज में शानदार प्रदर्शन करते हुए 2-1 से सीरीज जीत ली है। तीसरे और निर्णायक मुकाबले में पाकिस्तान ने जिस अंदाज़ में बाज़ी मारी, उसने ना सिर्फ सीरीज पर कब्जा जमाया बल्कि यह भी साबित कर दिया कि वो सीमित ओवरों की क्रिकेट में कितनी मजबूत दावेदार है। तीसरे टी20 मैच की बात करें तो पाकिस्तान ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 4 विकेट के नुकसान पर 189 रन बनाए। खास बात यह रही कि पाकिस्तान की पारी में पहला विकेट 16वें ओवर में गिरा, यानी शुरुआती 15 ओवर तक वेस्टइंडीज गेंदबाज पूरी तरह बेअसर नजर आए। पाकिस्तान के दोनों सलामी बल्लेबाजों ने धमाकेदार शुरुआत दिलाई और टीम को मजबूत स्थिति में पहुंचा दिया। सलामी बल्लेबाज साहिबजादा फरहान ने 53 गेंदों में 74 रन की ताबड़तोड़ पारी खेली, जिसमें 5 छक्के और 3 चौके शामिल थे। उनके साथ सैम अयूब ने भी 49 गेंदों में 66 रन बनाए, जिसमें 2 छक्के और 4 चौके देखने को मिले। इन दोनों की जोड़ी ने पहले विकेट के लिए 138 रनों की साझेदारी कर विपक्षी टीम को दबाव में ला दिया। पाकिस्तान ने पावरप्ले में बिना विकेट के 47 रन जोड़े, मिडिल ओवर्स में 89 और डेथ ओवर्स में 59 रन बनाए। हालांकि, आखिरी के ओवरों में पाकिस्तान को 4 विकेट का नुकसान झेलना पड़ा, लेकिन तब तक स्कोरबोर्ड पर सम्मानजनक स्कोर टंग चुका था।

कोबोली को हराकर शेल्टन क्वार्टर फाइनल में

स्वियातेक उलटफेर का शिकार, टॉसन ने दी शिकस्त

टोरंटो, 4 अगस्त (एजेंसियां)। चौथी वरीयता प्राप्त अमेरिका के बेन शेल्टन ने 13वीं वरीयता प्राप्त इटली के फ्लावियो कोबोली को 6-4, 4-6, 7-6 से हराकर नेशनल बैंक ओपन टेनिस के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश कर लिया। अब उनका सामना आस्ट्रेलिया के नौवीं वरीयता प्राप्त एलेक्स डि मिनौर से होगा जिन्होंने अमेरिका के सातवीं वरीयता प्राप्त फ्रांसिस टियाफो को 6-2, 4-6, 6-4 से हराया।

इससे पहले छठी वरीयता प्राप्त रूस के आंद्रे रुबलेव अपने मुकाबले में स्पेन के अलेजांद्रो फोकिना से 6-7, 7-6, 3-0 से आगे थे जब थकान के कारण फोकिना ने कोर्ट छोड़ दिया। रुबलेव का सामना अब अमेरिका के टेलर फ्रिट्ज और चेक गणराज्य के जिरि लेहेका के बीच होने वाले मैच के विजेता से होगा। डेनमार्क की क्लारा टॉसन ने दूसरी वरीयता प्राप्त विम्बलडन चैम्पियन पोलैंड की इगा स्वियातेक को 7-6, 6-3 से हराकर नेशनल बैंक ओपन टेनिस के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश कर लिया। छह फुट लंबी टॉसन ने स्वियातेक के हाथों

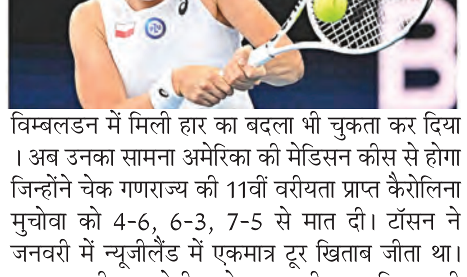

विम्बलडन में मिली हार का बदला भी चुकता कर दिया। अब उनका सामना अमेरिका की मेडिसन कीस से होगा जिन्होंने चेक गणराज्य की 11वीं वरीयता प्राप्त कैरोलिना मुचोवा को 4-6, 6-3, 7-5 से मात दी। टॉसन ने जनवरी में न्यूजीलैंड में एकमात्र टूर खिताब जीता था। जापान की नाओमी ओसाका भी लाटविया की अनास्तासिया सेवास्तोवा को 6-1, 6-0 से हराकर क्वार्टर फाइनल में पहुंच गईं। अब उनका सामना दसवीं वरीयता प्राप्त एलिना स्वितोलिना से होगा जिन्होंने अमेरिका की पांचवीं वरीयता प्राप्त अमांडा अनिसिमोवा को 6-4, 6-1 से हराया।

आदिवासियों को परेशान नहीं करेंगे वन नियमों का उल्लंघन भी नहीं होगा : कोंडा सुरेखा

तेलंगाना राज्य वन्यजीव बोर्ड की महत्वपूर्ण बैठक हुई

हैदराबाद, 4 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। वन संरक्षण और आदिवासी अधिकारों के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता की पुरज़ोर पुष्टि करते हुए, तेलंगाना की वन, पर्यावरण एवं धर्मस्व मंत्री कोंडा सुरेखा ने कहा, "हम आदिवासी समुदायों की भावनाओं को ठेस नहीं पहुँचाएँगे और न ही वन कानूनों का उल्लंघन होने देंगे।"

उन्होंने यह बयान सोमवार को सचिवालय में तेलंगाना राज्य वन्यजीव बोर्ड (एसबीडब्लूएल) की एक महत्वपूर्ण बैठक की अध्यक्षता करते हुए दिया। इस बैठक की सह-अध्यक्षता पंचायत राज मंत्री डॉ. अनसूया सीतक्का ने भी की, जिसमें विधायक पयम वेंकटेश्वरलू, कोरम कनकैया, मुरली नायक, राम दास नायक और वेदमा बोज्जू सहित कई जनप्रतिनिधि उपस्थित थे। वन विभाग के प्रधान सचिव अहमद नदीम, प्रधान मुख्य वन संरक्षक (गृह-आवास) डॉ. सुवर्णा, प्रधान मुख्य वन संरक्षक (वन्यजीव) एलू सिंह मेरु सहित वरिष्ठ वन अधिकारियों ने भाग लिया। बैठक में वन क्षेत्रों में चल रहे और प्रस्तावित विकास कार्यों की समीक्षा पर ध्यान केंद्रित किया गया, जिसमें पारिस्थितिक संतुलन और जनजातीय सद्भाव पर विशेष जोर दिया गया।

बैठक में पिछले प्रस्तावों और परियोजना की स्थिति की समीक्षा की गई। वन्यजीव क्षेत्रों में प्रस्तावित छह सड़क परियोजनाओं में से, केवल एक को राष्ट्रीय वन्यजीव बोर्ड (एनबीडब्ल्यूएल) द्वारा अनुशंसित और अनुमोदित किया गया था। शेष पाँच को अस्वीकार कर दिया गया क्योंकि उनका उद्देश्य अनधिकृत जनजातीय बस्तियों को जोड़ना था, जो वन मानदंडों का उल्लंघन कर सकता था। ऑप्टिक बोर्ड ने आठ ओएफसी प्रस्तावों की समीक्षा की। इनमें से, कानूनी रूप से अनुमत मार्गाधिकार (आरओडब्ल्यू) के अंतर्गत आने वाली पाँच परियोजनाओं को राज्य सरकार द्वारा मंजूरी दे दी गई। शेष तीन, जो वन क्षेत्रों से होकर गुजरती हैं, को एनबीडब्ल्यूएल ने 26 जून, 2025 को अपनी 84वीं बैठक में मंजूरी दे दी।

एनबीडब्ल्यूएल ने मुलुगु जिले में 11 केवी बिजली लाइन और पहुँच मार्ग बनाने के प्रस्ताव को, इसके वर्तमान स्वरूप में पर्यावरणीय चिंताओं का हवाला देते हुए, अस्वीकार कर दिया। पेड्डागट्टू लिफ्ट सिंचाई परियोजना (नलगोंडा)को गहन मूल्यांकन के बाद एनबीडब्ल्यूएल से मंजूरी मिली। बोर्ड ने वन्यजीवों की सुरक्षित आवाजाही सुनिश्चित करने के लिए 22 ग्रामीण सड़क परियोजनाओं (पीएमजीएसवाई के तहत 18 और आरएंडबी के तहत 4) में पशु मार्गों के लिए संशोधित डिज़ाइन सुझाए।

पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, राष्ट्रीय ताप विद्युत निगम (एनटीसीए), वन्यजीव संस्थान (डब्ल्यूआईआई) और राज्य वन विभाग के अधिकारियों वाली एक केंद्रीय समिति अगस्त 2025 में क्षेत्रीय निरीक्षण करेगी। प्रभागीय वन अधिकारियों (डीएफओ) को निर्देश दिया गया है कि वे भूभाग, वन प्रकार, वन्यजीव घनत्व और वाहन यातायात को ध्यान में रखते हुए पशु अंडरपास योजनाओं में संशोधन करें। एनबीडब्ल्यूएल ने 12 मार्च, 2025 को अपनी बैठक में वन क्षेत्रों में बीएसएनएल और एयरटेल द्वारा प्रस्तावित सभी 13 मोबाइल टावरों को मंजूरी दे दी।

वन्यजीव प्रशासन में दक्षता और निर्णय लेने की क्षमता में सुधार के लिए, वन्यजीव संरक्षण अधिनियम, 1972 की धारा 6ए(1) के तहत 13 मार्च, 2025 के शासनादेश संख्या 27 के माध्यम से एसबीडब्ल्यूएल की स्थायी समिति का आधिकारिक रूप से गठन किया गया। इसके अलावा शिकार विरोधी अभियान प्लास्टिक मुक्त क्षेत्र प्रवर्तन , अग्नि सुरक्षा और आपातकालीन प्रतिक्रिया, अरण्य भवन में बाघ प्रकोष्ठ की स्थापना, कवल बाघ अभयारण्य से होकर गुजरने वाले भारी वाहनों के प्रभाव पर अध्ययन आदि पर चर्चा हुई। मंत्री कोंडा सुरेखा ने ज़ोर देकर कहा कि प्रत्येक परियोजना का मूल्यांकन जन-प्रथम और वन-प्रथम दृष्टिकोण से किया जाएगा, यह सुनिश्चित करते हुए कि आदिवासी समुदायों का सम्मान किया जाए और वन कानूनों की पवित्रता बनी रहे।

हैदराबाद भारत की जीवन विज्ञान राजधानी : मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी

हैदराबाद, 4 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने हैदराबाद में एक अमेरिकी फार्मा कंपनी के नए प्रौद्योगिकी और नवाचार केंद्र का उद्घाटन किया।

मुख्यमंत्री ने इस उद्घाटन को इस बात का पुख्ता प्रमाण बताया कि 20 महीने से भी कम समय में, आईटी और उद्योग मंत्री डी. श्रीधर बाबू के विजन और कड़ी मेहनत से, सरकार ने हैदराबाद को वैश्विक जीसीसी राजधानी और केंद्र बना दिया। उन्होंने कहा, "हम कोई साधारण केंद्र या जीसीसी नहीं खोल रहे हैं, बल्कि एक तंत्रिका केंद्र खोल रहे हैं, मानो निगम का मस्तिष्क यहीं से संचालित होगा।

यह के वैश्विक परिचालन का प्रबंधन, नेतृत्व और गति प्रदान करेगा।" मुख्यमंत्री ने कहा कि तेलंगाना राइजिंग 2047 विजन के अनुरूप हैदराबाद में जीसीसी का विकास, राज्य की एक ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था प्राप्त करने की योजना में मदद करेगा। "हमें गर्व है कि दुनिया में कहीं भी लगाए जाने वाले हर तीन टीकों में से एक हैदराबाद में विकसित या निर्मित होता है।"

हैदराबाद जीसीसी लिली की उन्नत तकनीकी क्षमताओं को प्रमुख कार्यों में एकीकृत करेगा, जिससे वैश्विक स्तर पर मरीजों के लिए त्वरित नवाचार, बेहतर दक्षता और बेहतर स्वास्थ्य परिणामों को बढ़ावा मिलेगा। यह सुविधा लिली के वैश्विक परिचालन में नवाचार को बढ़ावा देगी और डिजिटल क्षमताओं को मजबूत करेगी। नया केंद्र स्थानीय प्रतिभाओं के लिए अवसर पैदा करेगा और हैदराबाद के बायोटेक पारिस्थितिकी तंत्र को आगे बढ़ाएगा।

मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि हैदराबाद दुनिया की शीर्ष दवा और जैव प्रौद्योगिकी कंपनियों के अत्याधुनिक क्षमता केंद्रों के लिए पसंदीदा वैश्विक गंतव्य बन गया है। यह शहर भारत की जीवन विज्ञान राजधानी है, जहाँ 2,000 से ज़्यादा कंपनियाँ मौजूद हैं। कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई), स्वचालन, क्लाउड कंप्यूटिंग और सॉफ़्टवेयर उत्पाद इंजीनियरिंग जैसे क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित करके, यह साइट दुनिया की कुछ सबसे गंभीर स्वास्थ्य चुनौतियों का समाधान करने में योगदान देगी और साथ ही स्थानीय प्रतिभाओं के लिए विकास के अवसर भी पैदा करेगी।

सीएम ने झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री शिबू सोरेन के निधन पर शोक व्यक्त किया

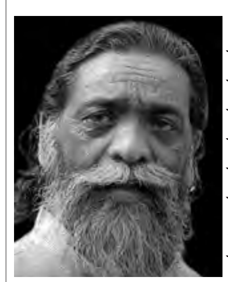

हैदराबाद, 4 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री श्री शिबू सोरेन जी के निधन पर गहरा दुख व्यक्त किया है। 'गुरुजी' कहे जाने वाले इस महान नेता ने अलग झारखंड राज्य के लिए आंदोलन को प्रेरित किया और उसे साकार किया। मुख्यमंत्री ने झारखंड को अलग राज्य का दर्जा दिलाने और आदिवासी समुदाय की दुर्दशा को दूर करने के लिए सोरेन के अथक संघर्ष को याद किया। मुख्यमंत्री ने आंदोलन के दौरान अलग तेलंगाना राज्य के लिए झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री के समर्थन को याद करते हुए कहा कि शिबू सोरेन ने नशीली दवाओं के दुरुपयोग और निजी साहूकारों द्वारा लोगों के शोषण के खिलाफ लड़ाई में अपनी पहचान बनाई। जनजातीय समुदाय के लिए सोरेन की महान सेवाओं को इतिहास में अंकित बताते हुए, मुख्यमंत्री ने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री ने 8 बार लोकसभा सांसद, 2 बार राज्यसभा सदस्य और झारखंड के मुख्यमंत्री के रूप में विभिन्न पदों पर लोगों की सेवा की। मुख्यमंत्री ने कहा, "उनके पुत्र हेमंत सोरेन, पूरे परिवार और राज्य तथा विश्व भर में गुरुजी के सभी अनुयायियों के प्रति मेरी गहरी संवेदना और प्रार्थनाएं।"

बुजुर्ग महिला ने फर्जी मृत्यु प्रमाण पत्र के आधार पर जमीन के अवैध हस्तांतरण का लगाया आरोप

कुमराम भीम आसिफाबाद, 4 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। चिंतलामनेपल्ली मंडल के डब्बा गांव की एक बुजुर्ग महिला ने सोमवार को विरोध प्रदर्शन किया और आरोप लगाया कि उसके जीवित होने के बावजूद, जाली मृत्यु प्रमाण पत्र का उपयोग करके उसकी जमीन अवैध रूप से किसी अन्य व्यक्ति को हस्तांतरित कर दी गई है। कागजनगर में अकेली रहने वाली जपीदी सोमुबाई ने अपने परिवार के साथ उपजिलाधिकारी श्रद्धा शुक्ला के कार्यालय के सामने धरना दिया। उन्होंने दावा किया कि उनकी 24 गुंटा ज़मीन उसी गाँव के निवासी उप्पुला नरसिम्हा चारी के नाम कर दी गई है। सोमुबाई ने आरोप लगाया कि ज़मीन पर पहले अतिक्रमण किया गया और बाद में धोखाधड़ी करके चारी के नाम पर रजिस्ट्री कर दी गई। उन्होंने उपजिलाधिकारी से रजिस्ट्री रद्द करने और आवश्यक कानूनी कार्रवाई करने का आग्रह किया। उप-कलेक्टर द्वारा मामले की गहन जांच का आश्वासन दिए जाने के बाद सोमुबाई ने अपना विरोध वापस ले लिया।

बीआरएस ने की दलबदलू विधायकों को तत्काल अयोग्य ठहराने की मांग

हैदराबाद, 4 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस ने सोमवार को सत्तारूढ़ कांग्रेस में शामिल हुए 10 विधायकों को तत्काल अयोग्य घोषित करने की मांग की। विधानसभा अध्यक्ष गद्दाम प्रसाद के निर्धारित समय पर उपस्थित न होने के कारण, बीआरएस विधायकों ने सोमवार को विधानसभा परिसर में महात्मा गांधी की प्रतिमा के समक्ष एक याचिका प्रस्तुत की।

सुप्रीम कोर्ट द्वारा तीन महीने के भीतर दस बागी विधायकों की अयोग्यता पर फैसला लेने के निर्देश के मद्देनजर, बीआरएस ने विधानसभा अध्यक्ष से मुलाकात कर इस प्रक्रिया में तेजी लाने का आग्रह किया। पूर्व निर्धारित समय सुबह 11 बजे, तलसानी श्रीनिवास यादव, गंगुला कमलाकर, केपी विवेकानंद, चिंता प्रभाकर, माणिक राव, डी सुधीर रेड्डी, कलेरू वेंकटेश, पाडी कौशिक रेड्डी, अनिल जाधव और मुथा गोपाल सहित बीआरएस विधायकों का प्रतिनिधिमंडल विधानसभा पहुँचा।

कथित तौर पर अध्यक्ष अनुपस्थित थे और उनके कार्यालय का दरवाज़ा बंद रहा। विरोध स्वरूप, बीआरएस विधायकों ने महात्मा गांधी की प्रतिमा के समक्ष अपनी याचिका प्रस्तुत की और लोकतंत्र की रक्षा की अपील की।

उन्होंने कहा कि अध्यक्ष जानबूझकर संवैधानिक ज़िम्मेदारी से बच रहे हैं। कमलाकर ने स्पीकर से तुरंत कार्रवाई करने का आग्रह किया, 'सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट निर्देश दिए हैं। स्पीकर को तीन महीने के भीतर कार्रवाई करनी होगी।

तेलंगाना राज्य द्वितीय पुलिस ड्यूटी मीट 2025 में साइबराबाद पुलिस का जलवा

हैदराबाद, 4 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। साइबराबाद के पुलिस आयुक्त अविनाश मोहंती, आईपीएस, और संयुक्त पुलिस आयुक्त यातायात डॉ. गजराव भूपाल ने आज साइबराबाद पुलिस कार्यालय सभागार में आयोजित पुलिस ड्यूटी मीट के सभी विजेताओं, प्रशिक्षकों, मार्गदर्शकों और प्रतिभागियों को बधाई दी। 31 जुलाई से 2 अगस्त तक वारंगल में आयोजित तेलंगाना राज्य द्वितीय पुलिस ड्यूटी मीट 2025 में साइबराबाद पुलिस दल ने प्रभावशाली प्रदर्शन किया।

असाधारण व्यावसायिकता और तकनीकी विशेषज्ञता का प्रदर्शन करते हुए, टीम ने फोरेंसिक, कानून, वीडियोग्राफी, साइबर जागरूकता, एंटी-सैबोटेज, डॉग स्क्वाड और फोटोग्राफी सहित विभिन्न श्रेणियों में कुल 17 पदक जीते, जिनमें 6 स्वर्ण, 7 रजत और 4 कांस्य पदक शामिल हैं। पुलिस आयुक्त ने इस बात पर ज़ोर दिया कि नियमित अभ्यास से किसी भी क्षेत्र में निपुणता प्राप्त होती है। जब पुलिस अधिकारी अपने कर्तव्यों को अच्छी तरह समझते हैं, तो वे अपने वास्तविक कौशल का प्रदर्शन कर सकते हैं। उन्होंने स्वस्थ प्रतिस्पर्धा के महत्व पर प्रकाश डाला और कहा कि कोई भी व्यक्ति रातोंरात उच्च कुशल नहीं बन जाता। निरंतर प्रयास धीरे-धीरे सुधार लाने में मदद करते हैं। इस अवसर पर, पुलिस आयुक्त अविनाश मोहंती ने विजेताओं को पदक और नकद पुरस्कार वितरित किए। कार्यक्रम में अपराध विभाग के डीसीपी मुथ्यम रेड्डी, अपराध-1 के एडीसीपी राम कुमार, प्रशासन विभाग के एडीसीपी रविचंदन रेड्डी, सीटीसी के एडीसीपी पूर्ण चंद्र, सीएसडब्ल्यू के एडीसीपी हनुमंत राव, सीटीसी के एसीपी गंगाराम और अन्य पुलिस अधिकारी उपस्थित थे।

आज विशेष सुनवाई

हैदराबाद, 4 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। बिजली उपभोक्ताओं की समस्याओं के समाधान के लिए 5 अगस्त को नगरम में एक दिवसीय विशेष अदालत का आयोजन किया जाएगा।

तेलंगाना दक्षिणी विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड (टीजीएसपीडीसीएल), हब्सीगुडा डिवीजन के डिवीजनल इंजीनियर लिंगैया ने घोषणा की कि चार सदस्यों वाला विशेष अदालती जांच शिविर, शिल्पनगर स्थित नागरम डिवीजन कार्यालय परिसर में सुबह 10 बजे से दोपहर 1 बजे तक स्थापित किया जाएगा। यह शिविर कीसरा डिवीजन के अंतर्गत आने वाले क्षेत्रों में रहने वाले लोगों की बिजली खपत से संबंधित समस्याओं की जांच और समाधान के लिए है।

बिजली आपूर्ति में खराबी, बिलिंग में विसंगतियाँ, ट्रांसफार्मर या खंभों की समस्या, बिजली के तारों का सही ढंग से न होना, नए कनेक्शन, या नाम या पते में बदलाव, लिखित रूप में प्रस्तुत किए जा सकते हैं। आपकी समस्याओं के समाधान के लिए तत्काल जाँच की जाएगी।

केसीआर ने झामुमो प्रमुख शिबू सोरेन के निधन पर जताया शोक

तेलंगाना आंदोलन के प्रति समर्थन को किया याद

हैदराबाद, 4 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस प्रमुख और पूर्व मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव ने सोमवार को झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के संस्थापक और झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री शिबू सोरेन के निधन पर गहरा दुख व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि शिबू सोरेन का निधन राष्ट्रीय स्तर पर क्षेत्रीय राजनीतिक दलों, संघीय भावना और आदिवासी समुदाय के लिए एक बड़ी क्षति है। एक बयान में, चंद्रशेखर राव ने झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और शोक संतप्त परिवार के प्रति हार्दिक संवेदना व्यक्त की और दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की। शिबू सोरेन के साथ अपने संबंधों को याद करते हुए, बीआरएस प्रमुख ने कहा कि झारखंड राज्य आंदोलन में इस वरिष्ठ नेता की भूमिका ने तेलंगाना राष्ट्र समिति (टीआरएस) के गठन को प्रेरित किया। उन्होंने याद दिलाया कि 2001 में हैदराबाद में टीआरएस की उद्घाटन बैठक में सोरेन पहले अतिथि थे और तेलंगाना आंदोलन के प्रबल समर्थक रहे।

चंद्रशेखर राव ने कहा कि शिबू सोरेन का तेलंगाना के लिए नैतिक और राजनीतिक समर्थन, क्षेत्रीय एकजुटता और संघीय न्याय का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि तत्कालीन यूपीए गठबंधन सरकार के हिस्से के रूप में झामुमो ने संसद में तेलंगाना के गठन के लिए दबाव बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। उन्होंने 2022 में राज्य बनने के बाद शिबू सोरेन से हुई मुलाक़ात को भी याद किया, जहाँ उन्होंने आभार व्यक्त किया और उनका आशीर्वाद लिया था। उन्होंने आगे कहा, 'उनकी विरासत भारत की संघीय यात्रा के इतिहास में हमेशा अंकित रहेगी।' बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामाराव ने शिबू सोरेन को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की और तेलंगाना राज्य आंदोलन के दौरान उनके अटूट समर्थन को याद किया। उन्होंने शिबू सोरेन को भारतीय राजनीति में एक महान व्यक्तित्व और आदिवासी अधिकारों एवं क्षेत्रीय आत्मनिर्णय के लिए एक अथक योद्धा बताया।

उन्होंने कहा, 'उनका निधन सिर्फ़ एक व्यक्तिगत क्षति नहीं है। यह न्याय, पहचान और गरिमा से प्रेरित एक युग का अंत है।' उन्होंने तेलंगाना की जनता और बीआरएस परिवार की ओर से हेमंत सोरेन और शोक संतप्त परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त की। रामा राव ने कहा कि शिबू सोरेन का दृष्टिकोण और मूल्य राष्ट्र की सामूहिक चेतना में अंकित रहेंगे। उन्होंने तेलंगाना आंदोलन के उथल-पुथल भरे वर्षों में बीआरएस अध्यक्ष चंद्रशेखर राव को शिबू सोरेन द्वारा प्रदान की गई नैतिक शक्ति को याद किया।

ध्रुव स्पेस 2025 में स्पेसएक्स फाल्कन 9 पर पहला वाणिज्यिक मिशन लीप-1 करेगा लॉन्च

कंपनी की यात्रा में महत्वपूर्ण मील का पत्थर होगा साबित

हैदराबाद, 4 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद स्थित पूर्ण-स्टैक अंतरिक्ष इंजीनियरिंग समाधान प्रदाता, ध्रुव स्पेस अपना पहला वाणिज्यिक अंतरिक्ष मिशन, लीप-1 लॉन्च करने के लिए तैयार है, जो सफल प्रौद्योगिकी प्रदर्शनों से लेकर ग्राहक-संचालित उपग्रह तैनाती तक कंपनी की यात्रा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित होगा।

स्वदेशी रूप से विकसित पी-30 उपग्रह प्लेटफॉर्म पर ध्रुव स्पेस का लीप-1 मिशन दो अलग-अलग मिशनों को उड़ाएगा: अकुला टेक का नेक्सस-01 मिशन जिसमें एक उन्नत आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) मॉड्यूल शामिल है, और एस्पर सैटेलाइट्स का ओटीआर-2 मिशन जिसमें एक हाइपरस्पेक्ट्रल इमेजर शामिल है।

लीप-1 मिशन को आधिकारिक तौर पर 2025 की तीसरी तिमाही में स्पेसएक्स के फाल्कन 9 के जरिए प्रक्षेपित किया जाना है, जो न केवल एक महत्वपूर्ण भारत-ऑस्ट्रेलियाई सहयोग को दर्शाता है, बल्कि ध्रुव स्पेस की वैश्विक वाणिज्यिक यात्रा में संयुक्त राज्य अमेरिका से बढ़ते समर्थन को भी दर्शाता है। यह मील का पत्थर मिशन ध्रुव स्पेस की पहली वाणिज्यिक तैनाती है, जो जनवरी 2024 में इसरो के पीएसएलवी-सी58 पर लीप-टीडी मिशन के दौरान अपने पी-30 उपग्रह बस की सफल इन-ऑर्बिट योग्यता के बाद की गई है। योग्यता से वाणिज्यिक परिचालन तक का परिवर्तन, वैश्विक ग्राहकों के लिए बड़े पैमाने पर होस्टेड पेलोड समाधान की पेशकश करने की ध्रुव स्पेस की प्रतिबद्धता को मजबूत करता है। इस उड़ान के लिए, ध्रुव स्पेस वास्तविक समय मिशन प्रबंधन और पेलोड डेटा डाउनलिंकिंग के लिए ग्राउंड स्टेशन-एज़-ए-सर्विस (जीएसएएएस) और अपने स्वामित्व वाले एकीकृत अंतरिक्ष संचालन और कमांड सूट (आईएसओसीएस) की भी पेशकश करेगा।

भारत में केवल 42 प्रतिशत शिशुओं को ही समय से पहले कराया जाता है स्तनपान

एनआईएन ने कार्यस्थलों पर स्तनपान को और अधिक बढ़ावा देने का किया आग्रह

हैदराबाद, 4 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। आंकड़ों से पता चलता है कि देश में केवल 42 प्रतिशत शिशुओं को ही स्तनपान की प्रारंभिक शुरुआत (ईआईबीएफ) मिल पाती है और केवल 43 प्रतिशत शिशुओं को ही छह महीने की उम्र तक केवल स्तनपान कराया जाता है। पूरक आहार शुरू करने में भी काफी देरी होती है, जो कि शिशुओं को पोषण संबंधी कमी को पूरा करने के लिए आहार देने की प्रक्रिया है, जिसे छह महीने की उम्र से शुरू कर देना चाहिए। चूँकि स्तनपान सप्ताह अगस्त के पहले सप्ताह में मनाया जाता है, इसलिए बच्चों की अपर्याप्त वृद्धि और विकास को रोकने में स्तनपान की भूमिका को समझना बेहद ज़रूरी है। बचपन में खराब पोषण के परिणाम अल्पकालिक और दीर्घकालिक दोनों हो सकते हैं।

हैदराबाद स्थित राष्ट्रीय पोषण संस्थान (एनआईएन) की पूर्व निदेशक डॉ. आर हेमलता ने नीतिगत संक्षिप्त विवरण 'बाल पोषण संकेतकों में सुधार के लिए नीतिगत कार्रवाई हेतु चुनौतियां और अवसर' में इन जोखिमों पर प्रकाश डाला है। जिन बच्चों का विकास ठीक से नहीं होता, उनमें संक्रमण के मामले ज़्यादा होने की संभावना होती है, स्कूल में उनका प्रदर्शन खराब हो सकता है, वयस्क होने पर उनकी कमाई की क्षमता कम हो सकती है; और बचपन में कुपोषण के कारण कुपोषण पीढ़ी दर पीढ़ी फैलता है। वयस्क होने पर, ऐसे बच्चों में मधुमेह, उच्च रक्तचाप, स्ट्रोक और कोरोनरी हृदय रोग होने की संभावना ज़्यादा होती है।'

एक आदर्श वातावरण बनाएं

एनआईएन स्तनपान के अनुकूल स्थान बनाने की सिफारिश करता है, खासकर उन निगमों और निजी कंपनियों में जहां बड़ी संख्या में महिला कर्मचारी कार्यरत हैं। कार्यस्थलों, अस्पतालों और क्लीनिकों को स्तनपान के प्रति सुरक्षित और सहायक बनाने पर ज़ोर दिया जाना चाहिए। डॉ. हेमलता की नीति संक्षिप्त में सलाह दी गई है, 'सुनिश्चित करें कि आंगनवाड़ी शिक्षकों, एएनएम आदि के पास स्तनपान का समर्थन करने के लिए पर्याप्त ज्ञान, क्षमता और कौशल है। माताओं को प्रशिक्षित स्तनपान तक पहुंच सुनिश्चित करने, संक्रमण के क्षणों में उनका समर्थन करने, पूरक आहार प्रथाओं, आहार विविधता, न्यूनतम स्वीकार्य आहार और न्यूनतम भोजन आवृत्ति की आवश्यकता है।' परामर्श में कहा गया है कि शिशु की आयु के छठे महीने से ही उचित पोषण शिक्षा जारी रखी जानी चाहिए तथा महिलाओं को पूरक आहार की आदतें और आहार विविधता की शिक्षा दी जानी चाहिए।

सूखे के कारण धान किसान रोपाई को लेकर असमंजस में

आदिलाबाद, 4 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्ववर्ती आदिलाबाद जिले के किसान जुलाई में लंबे समय तक सूखे और सुनिश्चित सिंचाई के अभाव के कारण धान की रोपाई को लेकर दुविधा में हैं। किसानों ने वनकालम सीजन के लिए भारी निवेश करके, जिसमें से ज़्यादातर स्थानीय साहूकारों से उधार लिया गया था, अपने खेत तैयार कर लिए थे और बीज बो दिए थे। हालांकि, जुलाई भर बारिश न होने के कारण वे रोपाई को लेकर असमंजस में हैं। सिंचाई तालाबों और स्थानीय परियोजनाओं में पानी की आवक न के बराबर होने के कारण, कई किसान अपने खेतों को नम रखने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। कुछ ने डीजल इंजन से सिंचाई का सहारा लिया है, जिससे लागत और बढ़ गई है। अब ज़्यादातर किसान अगस्त में अच्छी बारिश की उम्मीद कर रहे हैं। कई किसानों ने कहा, अगर यह सूखा एक और महीने तक जारी रहा, तो हमें भारी नुकसान होगा।

कृषि अधिकारियों ने बताया कि मंचेरियल ज़िले में धान की खेती 47,972 एकड़ में की गई है, जबकि निर्मल ज़िले में यह 1 लाख एकड़ से ज़्यादा हो चुकी है। उन्होंने 40 दिन से ज़्यादा पुराने पौधों की रोपाई न करने की सलाह दी है, क्योंकि पुराने पौधे बीमारियों के लिए अतिसंवेदनशील होते हैं और इससे पैदावार कम होगी। इस मानसून में मंचेरियल, निर्मल और आदिलाबाद जिलों में बारिश में भारी कमी दर्ज की गई है। 1 जून से 4 अगस्त तक, निर्मल जिले में सामान्य 494 मिमी की तुलना में औसतन 340 मिमी बारिश हुई, जो 34 प्रतिशत की कमी है। थंडूर, भीमिनी और बेल्लमपल्ली को छोड़कर, जिले के अन्य सभी मंडलों में सामान्य से कम बारिश दर्ज की गई।

आदिलाबाद ज़िले में भी सामान्य 578 मिमी की तुलना में 496 मिमी औसत वर्षा हुई, जो 14 प्रतिशत की कमी है।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.